प्रस्तावना

यह भाई ब्रन्हम की तमन्ना थी, कि मोहरों की शिक्षाओं का फिर से अध्ययन कराया जाये।'' हमने अभी हाल ही में उन सात मोहरों का अध्यापन किया है; और मैं चाहूँगा, कि उनका फिर से अध्यापन किया जाए।(संसार अपना निदृष्ट अस्तित्व खो रहा है,27-11-63) हमने इस खास विशेषाधिकार को अपने ह्रदय से लगा लिया है, जिसे वक्त ने हमारे प्रिय नबी को प्रदान नहीं किया था। भाई ब्रन्हम के चले जाने के बाद आरम्भिक वर्षों में ब्रन्हम टेबरनिकल में टेपों के माध्यम से सात मोहरों के सन्देशों को सिलसिलेवार करके सुना जाता था। लेकिन आज केवल कुछ एक कलीसियाएं ही हैं जो ऐसा करती हैं। बेथल कलीसिया ऐसा पिछले तेरह वर्षों से करती चली आ रही है , और उसने प्रभु के लिए विभिन्न धर्मों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से प्राण जीते हैं। इसका एक और भव्य सुअवसर, ''खुली पुस्तक की स्मृति में हुई चौदहवीं वार्षिक सभाएं'', हैं, जो कि 17 मार्च 2002 से 24 मार्च 2002 तक ''बेथल हाऊस ऑफ गॉड , फ्रीपोर्ट, त्रिनिडाड, वेस्ट इन्डीज़ में हुईं थीं। सभाओं का शुभारम्भ 17 मार्च रविवार की सुबह कई तुरहियों को फूंक कर, और दूसरे वाद्ययंत्रों को बजाकर स्तुति-प्रंशसा के गीतों को गाकर, अराधना-स्तुति करते हुए और नृत्यों के द्वारा हुआ। इस साधारण से शुभारम्भ को परमेश्वर की स्तुति-प्रंशसा और गुणगान ने असाधारण बना डाला, जो कि परमेश्वर की 20 वीं शताब्दी की उस सबसे बड़ी घटना के लिए की गई थी, जो सन् 1963 में घटी थी,'' और यह घटना परमेश्वर के मेमने, यीशु मसीह के द्वारा अपने भविष्यद्वक्ता विलियम ब्रन्हम, जो कि मलाकी 4:5-6, प्रकाशितवाक्य 10:3-14, 10:7 का शब्द दर शब्द पूरा होना था, के माध्यम से ''सात मोहरों का खोला जाना'' है।

यह खास मौका मोहरों को खोला जाना नहीं था, वरन यह तो सात मोहरों के खुलासे की एक याादगार और इसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद की भेंट चढ़ाया जाना था; और उन महान सच्चाइयों को सिलसिलेवार करके पेश करना था, जिनका ऐलान सन्1963 में किया गया था। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि इन्हें सन्देश का विश्वास करनेवाले विश्वासियों को याद दिलाया जाए और विश्वास करनेवाले बालकों को सूचित किया जाए, और इस महान घटना को हिन्दू, मुसलमान, कैथोलिक, तथा और दूसरी संस्थाओं के सदस्यों पर

Preached, written and published By the Author:
Pastor Dalton Bruce - Bethel {The House Of God},
Co-Authors: **Kenneth Mcgahee & Gerald Renner -**
Grace Covenant Church Conn. U.S.A., in August 2006.

अवगत कराया जाए। इस अवसर पर उत्तरी और दक्षिणी अमेरीका, और कैरेबियन द्वीपों, टीबैगो, ग्रेनेडा तथा सेन्ट विनसेन्ट से आये वे विश्वासी मौजूद थे, जो सन्देश का विश्वास करते हैं। विभिन्न प्रचारकगण और पासबान इस अति शानदार और उन्नति करानेवाले अभ्यास में हाथ बंटा रहे थे, जैसाकि उनमें से हर एक ने पहली छः मोहरों पर पूरा पूरा विवरण प्रस्तुत किया था। सन्देश माननेवाले विश्वासियों ने पहली छः मोहरों के सम्बंध में भाई ब्रन्हम की जो सैद्धान्तिक शिक्षाएं हैं, उनका हर रात एकता, प्रेम और समन्वय में आनन्द उठाया।

24 मार्च सन् 2002, रविवार की सभा एक अलग ही किस्म की सभा के रूप में वर्गीकृत की गई थी, जैसा कि उस सभा में ''सातवीं मोहर/सात गर्जन के शब्द, विषय पर प्रचार होना था। जैसाकि सब इससे भली-भाँति अवगत हैं, कि यह एक ऐसा विवादास्पद विषय है, जिसने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सन्देश के माननेवाले विश्वासियों को सन् 1973 से ही बुरी तरह से अलग-थलग कर दिया है, जबकि सन् 1973 से ही एक बड़ा समूह यह घोषणा करता फिर रहा है, कि इसे सन् 1963 में ही भाई ब्रन्हम के द्वारा प्रकट कर दिया गया था; और जबकि एक छोटा समूह साक्ष्यांकित करके बता रहा है, कि यह प्रकट नहीं हुई थी। चूँकि दोनों ही विचारधारा वाले लोग वहाँ पर मौजूद थे; अतः मेजबान पासबान उसी एकता, शान्ति-मेल और समन्वय को कायम रखने के लिए संकल्पी था, जो सभाओं के पिछले दिनों में एकता, शान्ति-मेल और समन्वय कायम रहा था। एक बड़ी ही विचित्र सी स्थिति थी, और सब अपने अपने मनों में गहन विचार कर रहे थे और हैरान हो रहे थे, कि वह ऐसे हालात को कैसे सम्भालेगा। इसके बाद वह साधारण रीति से आगे बढ़कर प्रचारमंच पर आया, और ऐलान करके कहा, कि वह इस सुबह किसी प्रकार के रगड़े-झगड़े के लिए नहीं खड़ा हुआ है; वरन वह तो भाई ब्रन्हम को ही उसके अपने सारे बच्चों से बोलने की इज़ाजत देगा। वे समस्त हवाले जिनका सम्बंध सन् 1962 से लेकर सन् 1965 तक सातवीं मोहर से है, एक अभिषेक के तले बड़ी ही बहादुरी के साथ उद्घोषित किये गए, और फैसला सारे विश्वासियों पर छोड़ दिया गया, कि वे आत्मा के द्वारा उसे समझें, जिसे भविष्यद्वक्ता ने सातवीं मोहर के सम्बंध में प्रचारा और विश्वास किया। कुल मिलाकर तकरीबन चालीस तथ्य लिये गए, जो सातवीं मोहर से लेकर भाई ब्रन्हम के जीवन के अंत तक के अर्थात सन् 1965 तक के हैं। हालांकि उसने बेधड़क होकर उन अखण्ड़नीय तथ्यों की प्रस्तुतिकरण पर अपनी आवाज़ बुलन्द की, जिन तथ्यों के विचारधारा वाले शिक्षालय(स्कूल) के साथ भाई ब्रन्हम ने अपनी पहचान पायी थी, और खुद उसने भी अपनी पहचान ठीक इसी शिक्षालय के साथ करायी। उसने मंड़ली से यह न पूछकर, कि वे अपनी पहचान उन दो शिक्षालयों में से किस के साथ कराते हैं, विरोध को दूर ही रखा। दूसरे शिक्षालय के बारे में बहुत ज्यादा ना बोलने की इच्छा रखते हुए, वह लगभग तीन घन्टे के बाद चुप हो गया, क्योंकि जो नये लोग मसीह की ओर फिरे थे उनका बपतिस्मा होना था, और इसके अतिरिक्त एक विवाह समारोह भी सम्पन्न होना

था। शान्ति-मेल और समन्वय विद्यमान रहा; और उसके बाद एक बड़ा हर्षोल्लास हुआ, और सब लोग ने बिना किसी प्रकार का वादविवाद किये हुए या अनर्थ का बकवाद किये हुए प्रेम, शान्ति-मेल और समन्वय में होकर भोज किया।

वह 31-3-02 को लौटा औरउसने ''सातवीं मोहर का अर्थ गलत बतलाया गया'', नामक विषय पर बोलना ज़ारी रखा। विचारधारा के दूसरे शिक्षालय पर ज़ोर दिया गया, क्योंकि तब उस शिक्षालय से सम्बंध रखनेवाला कोई भी वहाँ पर मौजूद नहीं था। ऐसे प्रमाण जिसे नकारा नहीं जा सकता है, उनके माध्यम से इस दूसरे शिक्षालय के शुभारम्भ की एक बड़ी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्रस्तुत की गई। बहुत से गवाहों को बुलाया गया, जिन्होंने इस पृष्ठभूमि की पुष्टि की। बहुत से लोग श्रृद्धायुक्त विस्मय, भय के साथ बैठे हुए कांपते रहे, जैसाकि पहली बार उस विद्यालय की उत्पत्ति, प्रधानाचार्य, गुरु-शिक्षक और पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई।

एक और सन्देश बुद्धवार, 10-04-02 को प्रचारा गया। इसके सारांक्ष सन्देश के मानने वाले प्रत्येक प्रचारकगण और विश्वासी के लिए नितांत आवश्यक हैं, क्योंकि इसका सम्बंध दूसरी विचारधारा वाले शिक्षालय द्वारा सातवीं मोहर/सात गर्जन के शब्दों पर बनायी गई विकृतियों से हैं। प्रचारक ने वर्णनात्मक उल्लेख किया, और भाई ब्रन्हम के वक्तवायों के जरिये दिखाया, कि सात गर्जन के शब्दों को क्या उपजाना चाहिए; और उसने इसकी बड़ी ही सतर्कतापूर्वक तुलना उससे की, जो विचारधारा के दूसरे शिक्षालय ने उपजाया हुआ है।

पुस्तक संख्या पाँच, जिसका शीर्षक है''सातवीं मोहर/ सात गर्जन के शब्दों पर विद्यमान निन्दायोग्य कुपंथों का खुलासा''- यह विचारधारा के दो शिक्षालय, सातवीं मोहर की सच्चाइयाँ, सातवीं मोहर, सात गर्जन के शब्दों की गलत व्याख्या, और सातवीं मोहर/ सात गर्जन के शब्दों पर दी गई विकृतियाँ, जैसे विषयों पर एक लिखित दस्तावेज है। इसमें उन चिट्ठियों को भी संकलित किया गया है, जो दोनों विचारधाराओं के उन दोनों शिक्षालयों के संघर्षों को उजागर करती हैं। हम इसे इस आशा के साथ लिख रहे हैं, कि ये विषय जिन्हें एक साथ इसमें संकलित किया गया है, हमारे पाठकों को खुद यह समझने में सहायता करेंगी, कि विचारधारा का कौन सा शिक्षालय परमेश्वर के द्वारा ठहराया गया है, और किसे भाई ब्रन्हम ने सन् 1963 में स्थापित किया और समर्थन दिया, जब तक कि उनके जुदा होने का समय न आ गया था। हम यह भी आशा करते हैं, कि यह कार्य सन्देश माननेवाले विश्वासियों को उस शिक्षालय को जाँचने-परखने में सहायता प्रदान करेगा, जिसके साथ उनकी पहचान होती है, और वे शीघ्र ही अपनी स्थिति बदल लें, अगर वे गलत शिक्षालय में हैं।

यह पुस्तक किसी भी प्रकार के शुल्क से मुक्त है(छपाई तथा वितरण कार्य हेतु स्वेच्छा से दिये जाने वाले दान स्वीकार किये जाते हैं) और हो सकता है, कि मलाकी4:5-6 वाले

सन्देश को माननेवाले विश्वासियों के द्वारा पुर्नात्पादित किया जाए; मगर ये सख्त हिदायत है, कि ऐसा इसके प्ररूप में बिना किसी प्रकार के परिवर्तन के किया जाए।

विभिन्न भाषाओं में इन पुस्तकों के लिए हम अधिकार प्रदान करना पसंद करेंगें; हालांकि हम यह चाहेंगे, कि हमें इसकी सूचना दी जाए और अनुमोदन के लिए कुछ प्रतियाँ हमारे पास भेजी जाएं। इस पुस्तक में अगर टंकण-छपाई सम्बंधी कोई त्रुटि हैं, तो हमें उसके लिए खेद है।

मार्च 2002 को डॉल्टन ब्रूस द्वारा प्रचारा और लिखा गया उपदेश

अधोलोक के भवन का एक स्वप्न

24 ''किसी दूसरी सुबह मैंने एक स्वप्न देखा था। मैं अक्सर बहुत ज्यादा स्वप्न नहीं देखता हूँ, मैं स्वप्नदर्शी नहीं हूँ। लेकिन मैंने उस स्वप्न में एक पुरुष को, एक नवयुवक को बेडियों से जकड़ा हुआ देखा। वह उससे बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था, और..और मैं बोला..किसी ने मुझसे कहा, ''वे डरावने किस्म के लोग हैं, उन से किसी तरह का कोई सरोकार मत रखना।'' और मैंने देखा, कि वह युवक अपनी उन बेड़ियों में से बाहर निकल रहा था; अतः मैंने उसे बस अकेला छोड़ दिया। मैंने सोचा, ''मैं बस देखूँगा, कि वह क्या करता है।'' अतः वह बाहर निकला, और वह एक भला सज्जन था। मैंने और दूसरों को भी बाहर निकलने की कोशिश करते हुए देखा।

अब, यह सिर्फ एक स्वप्न था। और मैं चलकर इस ओर गया, ***और मैंने भाई रॉय बॉडर्स को देखा;*** *वो मेरे एक परम मित्र हैं जो कैलीफोर्निया में रहते हैं। ऐसा दिखाई पड़ता था, कि मानो कुछ गड़बड़ थी, उनकी आँखें आधी बंद थीं।* ***और एक बहुत बड़ा--हो सकता है, कि कैन्सर या कोई चीज उनकी आँखों पर थी।*** अब, कुछ था जो मुझे उन से दूर खींचने का यत्न कर रहा था। और मैंने ज़ोर से चिल्लाकर कहा,'' भाई बॉडर्स, प्रभु यीशु के नाम में फुरती करके उसे हटाकर फेंक दो।'' ***और बड़ी मुश्किल से उनका बोल निकल पा रहा था; और वो कह रहे थे,'' भाई ब्रन्हम, ऐसा करने के लिए तो इससे भी किसी बड़ी चीज की आवश्यकता होगी। भाई ब्रन्हम, मैं तो इसे अपनी पकड़ में भी नहीं ले सकता हूँ। मैं बस इसे अपनी पकड़ में नहीं ले सकता हूँ।*** *मैंने कहा, ''ओह, भाई बॉडर्स! मैं उन से प्रेम करता हूँ।*

और किसी ने मुझे वहाँ से दूर खींचा, और मैंने दृष्टि डाली, और यह एक महिला थी, जो यहाँ पर खड़ी हुई थी। जब मैं एक छोटा लड़का था तो मैं परचूने की दुकान से राशन इत्यादि लोगों के लिए घसीट कर ले जाया करता था। और उस महिला का नाम श्रीमती फैनटॉन था; और वह अभी भी जैफरसनविले में ही रहती है; वह मेरी और मेरी पत्नी की एक निज मित्र है।

और ***वह बोली, '' भाई ब्रन्हम, हमें इससे मुक्ति दिलाओ।'' बोली, '' यह अधोलोक का भवन है।''*** *और बोली, ''आपको गलत समझा गया है।'' और बोली, '' और आपने भी लोगों को गलत समझा है।'' बोली, ''ये भले लोग हैं । और* ***मैंने वहाँ पर दृष्टि डालकर देखा; और वह कैदखाने की एक बड़ी कालकोठरी जैसा था, या ऐसा था, जैसे किसी बहुत बड़ी गुफा के नीचे मोटी मोटी दीवरें हों, और उसमें लोहे की मोटी मोटी सलाखें लगी थीं जो आठ या दस इंची मोटी थीं। और लोग पगलाये से थे, और उनके हाथ पाँव मुड़े-तुड़े से थे, और वे इस प्रकार से अपने सिर पीट रहे थे। और वह रो रोकर कह रही थी, ''भाई ब्रन्हम, लोगों को छुड़ा लो।'' बोली, '' हमारी मदद करो; हम मुसीबत में हैं।''*** *मैं उसे जानता हूँ, और खुद उसका सम्बंध..मैं सोचता हूँ, कि उसका सम्बंध चर्च ऑफ क्राइस्ट या क्रिसचियन चर्च से है, जो कि चर्च ऑफ ब्रदरन कहलाता है।*

मैंने चारों ओर नज़र डाली, और कहा, ''काश मैं ऐसा कर पाता।'' और मैं आगे बढ़ता रहा और चारों ओर दृष्टि डालता रहा...मेरी देह छोटी और ज़रज़र थी, और वे लोहे की ऊँची ऊँची मोटी-मोटी सलाखें थीं; और वे बेचारे लोग वहाँ अंदर थे, और आप उनके पास नहीं पहुँच सकते थे, ***लोहे की वे सलाखें एक दूसरे से सटी हुई थीं। और मैंने निगाह डालकर देखा, कि वे अपने सिर ऐसे पीट रहे थे, कि मानो वे पगला चुके थे।***

और मैंने वहीं अंदर चारों ओर कुछ रोशनियों को झिलमिलाते हुए देखा। और मैंने ऊपर दृष्टि डाली, और वहाँ पर प्रभु यीशु खड़ा हुआ था, जिसके चारों ओर मेघधनुष की रोशिनियाँ उजाला दे रही थीं। वह बिलकुल ठीक मुझ पर दृष्टि जमाये हुए था, और बोला, '' उन लोगों को छुड़ा।'' और वह चला गया। *और मैंने सोचा, ''मैं उन लोगों को कैसे छुड़ा सकता हूँ? मेरी बाजुओं में तो उन सलाखों को तोड़ने के लिए पर्याप्त बल भी नहीं है। अतः* ***मैं बोला, ''हे अधोलोक के भवन, यीशु मसीह के नाम में उन्हें मुक्त कर दे।'' और बड़ी तेज़ चरचराहट की सी आवाज़ और धड़धड़ गिरने की सी आवाज़ आने लगीं, और पत्थर-चट्टानें कडक कर लुढ़कने लगीं, और सलाखों ढहने लगीं, और लोग चिल्लाते हुए दौड़े, ''छुड़ा लिया।'' और वे अपनी बुलंद आवाज़ से चिल्लाकर कह रहे थे, और सब के सब छुड़ा लिये गए थे।*** *और इसके बाद मैं चिल्लाते हुए पुकार कर कह रहा था, ''भाई बॉडर्स, आप कहाँ हैं?* ***परमेश्वर अपने लोगों को छुड़ा रहा है।*** *भाई बॉडर्स, आप कहाँ हैं?'' मैं उसके विषय में विस्मित हुआ।*

(काम विश्वास का प्रकटीकरण हैं, 26-11-65)

सातवीं मोहर के तथ्य

सातवीं मोहर पर प्रश्न और उत्तर

-सातवीं मोहर पवित्र वचनों में नहीं है, यह तो सीधे ही स्वर्ग से आती है 18

पवित्र आत्मा ही मोहर तोड़ता है..... 18

मंड़ली को यह नहीं मिलती है, ऐसी अपेक्षा नहीं की जाती है, कि उसे यह मिले, अर्थ बतलाने की चेष्टा न करना, और भी दूर चले जाते हैं 18

अनुवाद न करे, वरना आप खुद को असली वस्तु से ही दूर कर लेंगे- मैं जानता हूँ , रहस्योमयी घटना घटित हो रही है..... 19

जबरदस्त, रहस्योमयी घटना जा चुकी है-आपके पास कोई तरीका नहीं है, जो इसे देख लें..... 19

परमेश्वर के असली कार्यक्रम में गड़बड़ी उत्पन्न कर देता है..... 20

दो बातें; कुछ घटित हुआ—तुम्हारे पास कदापि नहीं छोडूँगा..... 20

कलीसिया को इसे नहीं जानना, इसका अर्थ नहीं बतलाना- वरना सत्य-पथ से गुमराह हो जायेंगे..... 20

सातवीं मोहर का अर्थ बताने की चेष्टा ना करें, साधारण-स्पष्ट सन्देश के साथ आगे बढ़ते रहें 20

साधारण-स्पष्ट सन्देश क्या है?..... 21

उस पर कान लगाओ, जो मैंने तुम्हें बताया है..... 22

''प्रभु कहता है'', आप सचेत रहें.... 22

किसी बात का अर्थ न बतलाएं, वह इसे तुम्हारे पास भेजेगा.... 22

अपने आपको अज़ीबोगरीब ना बनायें, यह वह तीसरा खिंचाव है..... 22

तीसरे खिंचाव की कोई नकल नहीं होगी,जहाँ तक है आपको जान लेना चाहिए.... 23

विश्वास करने का ढ़ोंग करते हों, कि कोई गीत गा रहा है,सच्चा अनुवाद और प्रमाण..23

सातवीं मोहर मालूम नहीं है—जैसे मसीह का आगमन... 23

सातवी मोहर कुछ नहीं प्रकट करती है, कि इसके साथ क्या होता है कलीसियी काल-भविष्यद्वक्ता वाला वरदान ही उसे प्रकट करता है..... 23

मूल सातवीं मोहर केतथ्य

तथ्य सं

1. मोहर लगाकर बंद की गई छुटकारे की योजना..... 25

2. सातवीं मोहर, हम में से कोई नहीं जानता, मैं आपको प्रकाशन बताता हूँ..... 27

3. मेरे पास वह प्रकाशन है जो प्रकट हुआ-यह एक तीन तह वाले उद्देश्य में है.... 27

4. भेद सात गर्जनों के पीछे स्थित..... 27
5. यीशु ने कभी इसके बारे में नहीं बोला, यूहन्ना इसे लिख नहीं सका,स्वर्गदूत इसके बारे में कुछ नहीं जानते हैं, यह पूरी तरह से गोपनीय है 28
6. शैतान इसकी नकल नहीं कर सकता है, वह इसके बारे में नहीं जानता है,यह तो तीसरा खिंचाव है..... 29
7. गुप्त भेद तो उसके नीचे ही पाया जाता है, मैं कदापि वैसा नहीं सोच सकता हूँ..... 30
8. सातवाँ स्वर्गदूत पूरब की ओर उड़ रहा था..... 30
9. तीसरा खिंचाव, दो महान बातों का खुलासा किया गया,एक बात तो अज्ञात भाषा में थी, मैं उसका अर्थ बलता नहीं सकता हूँ..... 31
10. उसने सारी की सारी छः मोहरें प्रकट कीं, सातवीं मोहर के बारे में विषय में कुछ नहीं कहता..... 32
11. यह गुप्त में ही शुरू होती है..... 32
12. यह महान भेद क्या है, मैं नहीं जानता हूँ..... 32
13. मैं जानता हूँ, कि यह वो सात गर्जन है..... 33
14. जो कुछ भी मुझ बताया गया था, मैंने आपको वह बता दिया;आप जो चाहे करें..33
15. मोहर का एक ही भेद ज़ाहिर नहीं हुआ, कारण यह है-यह सात गर्जन है; मैं नहीं जानता हूँ, कि कब इसका प्रकटीकरण होगा..... 34
16. इसका अर्थ बताने की चेष्टा मत करना–क्या अब हर कोई उसे समझता है?.... 35
17. जब तक मुझे गवाही देने के लिए ठहराया है..... 35
18. सन्देश का नया भाग-अंश, जिसका मूल के स्थान पर इस्तेमाल हुआ;(मोटल में की गई रिकॉर्डिंग) जिसे बिना काट-छांट के टेप संख्या63-0324 संध्या जैफरसनविले, इन्डियाना,यू. एस. ए.; सोमवार 24 मार्च, 1963 से लिया गया है...पृष्ठ संख्या 574-579—नये संस्करण की पृष्ठ संख्या 519-523..... (35-36)
19. संसार से छिपी हुई है, परमेश्वर ही इसे प्रकट करेगा..... 36
20. छठवीं मोहर और घुड़सवारों का तीन तह वाला उद्देश्य..... 36
21. सातवीं मोहर का तीन तह वाला उद्देश्य; एक तह तो बोली जा चुकी है; गर्जन के शब्द मसीह के आगमन पर ही गुप्त भेद का खुलासा करेंगे..... 37
22. उस समय इन गर्जनों की आवाजें मसीह के आगमन को प्रकट करेंगी..... 37
23. हम इसे नहीं जानते हैं, लेकिन यह उस समय, उस घड़ी, उस दिन में प्रकट होगी..38
24. छठवीं मोहर तो खुल गई, सातवीं मोहर पब्लिक के लिए तब तक नहीं तोड़ी जायेगी, जब तक कि वह समय नहीं आ जाता है..... 38
25. उसका आगमन मालूम नहीं होगा, कोई भी सात गर्जन नहीं जानता है..... 38

26. इसका बाकी हिस्सा खुला हुआ नहीं है, सिर्फ इतनी ही दूर तक जा सकते हैं.....39
27. छः मोहरों के पूरे होने में, हम यह समझे, सातवीं मोहर पब्लिक के लिए नहीं है...39
28. अभी इस भेद को जानने का समय नहीं है,इसका बाकी भाग यीशु के आगमन के आसपास ही प्रकट होगा..... 39
29. किसी प्रकार का कोई वाद ना बनायें–इस समय पर यह खुली हुई नहीं है, वायदा किया है, कि यह खुली जायेगी..... 40
30. रहस्योमयी श्वेत चट्टान वाला पिरामिड(जैकसन का स्वप्न)सन्देशवाहक उस पिरामिड का अर्थ बताते हैं..... 40
31. अभी तक हम नहीं जानते हैं, कि यह क्या है, क्योंकि इसे तोड़ने की इजाज़त नहीं दी गई है–खास स्वर्गदूत..... 40
32. इसका अनुवाद ''यहोवा यूँ फरमाता है'', वाला वचन है..... 41
33.आध घड़ी का सन्नाटा,सात गर्जन,वह कैसे आ रहा है, खुलासा नहीं किया..... 42
34. उसने सातवीं मोहर हम से छिपा कर रखी–कोई नहीं जानता- प्रभु का आगमन-सातवीं मोहर- वह हमें अनुमति नहीं देगा, कि हम जान जाएं..... 43
35. सातवीं मोहर के लिए प्रतीक्षा की जा रही है, कि उसकी मसीह के आगमन के साथ पहचान हो 43
36. सातवीं मोहर अभी खुली हुई नहीं है–वह तो उसका आगमन है..... 44
37. उसने छः मोहरें खोलीं..... 44
38. सातवें दूत को छः-मोहर वाले गुप्त भेद खोलने थे..... 44
39. सात गर्जनों पर शिक्षा देनी थी–ऐसा करने के लिए जगह न मिल सकी..... 45
40. प्रतीक्षा करें जब तक कि हम उन सात गर्जनों को खोलने के लिए अंदर आते हैं.....45

बदलाव का नोटिस-क्षमा-याचिका..... 51
सातवीं मोहर का गलत अर्थ बतलाया गया- विचारधारा के दो शिक्षालय..... 51
चिट्ठियाँ- विचारधारा का दूसरा शिक्षालय.....151
7वीं मोहर/7 गर्जनों के विषय पर संक्षिप्त विवरण-विचारधारा के दो शिक्षालय.....181

सातवीं मोहर के तथ्य
मोटल में दिया गया सन्देश
मार्च 24 मध्यरात्रि पूर्व, मार्च 25 मध्यरात्रि पश्चात

हे उद्धारकर्ता, आपका धन्यवाद हो। हे प्रभु, आपका नाम मुबारक होवे! इस सुबह आपके आत्मा के लिए आपका धन्यवाद! पूरब से, और पश्चिम से; उत्तर से और दक्षिण से आये हुए लोगों की हमारी इस सहभागिता के लिए आपका धन्यवाद हो। उद्धार पाये हुए और उद्धार ना पाये हुए लोगों के इस जमघट के लिए; उन भाइयों के लिए जो विभिन्न कलीसियाओं से आकर जमा हो रहे हैं, आपका धन्यवाद हो। हे खुदा, उन्हें आशीष दीजिए, जो समीपवर्ती तथा दूर दराज़ स्थानों से आये हैं। आप आज भाई वेलड्रॉन को और उनके झुंड़ को आशीष दीजिए, और आप हमारे उन भाइयों को आशीष दीजिए, जो हमारी सभाओं के इस अन्तिम दिन देश भर में से यहाँ-वहाँ से आये हैं। हम प्रार्थना करते हैं, कि आप उन पर नज़र डालें, जो यू. एस. ए., गूवाना, सेन्ट विनसेन्ट, ग्रेनेडा, टोबेगो से आये हैं। आप उन्हें विशेष आशीष दीजिए, और होने पाये, कि ठीक उसी रीति से आप आज वचन पर आशीष प्रदान करें, कि यह हर एक दिलों में ऐसी छाप छोड़े, कि जब हम समाप्ति पर पहुँचें, तो यह होने पाये, कि हम यह कहने पाये, ''क्या हमारे हृदय प्रज्जवलित ना हुए, जबकि वह हम से मार्ग में बातें करता था।''

अब प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं, कि आप इस सुबह आशीष प्रदान करेंगे और इस सुबह को अपने नियन्त्रण में ले लेंगे; और हम नम्रतापूर्वक आपके आत्मा के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, जो पहले से ही सभा में और इस सुबह आनन्दित लोगों के झुंड़ में उपस्थित है हम कलवरी की वजह से और मोहरों के खुलासे के कारण निश्चित रूप से आनन्दित लोग हैं। हे प्रभु, इस सुबह अपने दास को और अपने लोगों को आशीष दीजिए। हमें सुनने वाले कान और समझनेवाला हृदय प्रदान कीजिए। हमारी सहायता कीजिए, कि हम अपनी इस पहल में सत्यनिष्ठ और ईमानदार बने रहें, जैसाकि हम ऐसा कर रहे हैं, कि सन्देशवाहक ही इस सुबह हम से बातें करे, क्योंकि हम इस प्रार्थना को और इन आशीषों को यीशु के नाम में, उसी की महिमा और आदर के लिए माँगते हैं, और सभा इस पर ''आमीन'' कहती है। (सभा कहती है, ''आमीन'') हम प्रभु के नाम को ऊँचे पर उठाते हैं।

मैं इस सुबह कुछ समय बचाने का यत्न कर रहा हूँ। और यहाँ पर पवित्रशास्त्र प्रकाशितवाक्य 8:1 में इस प्रकार कहता है...(हो सकता है, कि कोई ऐसा हो जिसने वचन के इस लेख को जो बाइबल में विद्यमान है, कभी ना जाना हो, और उसने इसे कदापि न सुना हो। हमेशा ही यह याद रखें, कि कोई तो ऐसा होता है जिसने कभी नहीं सुना होता है) और हम इस एक पद को पढ़ रहे हैं जो सातवीं मोहर के सम्बंध में है। प्रकाशितवाक्य 8:1-

और जब उसने सातवीं मोहर खोली, तो स्वर्ग में आध घड़ी तक सन्नाटा छा गया। (प्रकाशितवाक्य 8:1)

यही वह सारी की सारी बात है, जो इस मोहर ने कही...''स्वर्ग में आध घड़ी तक सन्नाटा छा गया।'' कोई तुरही नहीं फूंकी जाती, कोई ऑर्गन नहीं बजाया जाता, कोई पियानो नहीं बजाया जाता है; अतः उन से यह अपेक्षा की जाती है, कि वे इस सुबह इस वचन के लेख के पढ़े जाने के दौरान इन्हें ना बजायें। परन्तु वे अगले वाले के लिए बजा सकते थे। अतः प्रकाशितवाक्य 10 में यह इस प्रकार से कलमबद्ध है-

फिर मैंने एक और बली स्वर्गदूत को बादल ओढ़े हुए स्वर्ग से उतरते देखा, उसके सिर पर मेघधनुष था; और उसका मुँह सूर्य का सा और उसके पाँव आग के खम्भे के से थे।

और उसके हाथ में एक छोटी सी खुली हुई पुस्तक थी; उसने अपना दाहिना पांव समुद्र पर और बांया पृथ्वी पर रखा।

और ऐसे बड़े शब्द से चिल्लाया, जैसा सिंह गरजता है, और जब वह चिल्लाया, गर्जन के सात शब्द सुनायी दिए।

और जब सातों गर्जन के शब्द सुनाई दे चुके, तो मैं लिखने पर था, और मैंने स्वर्ग से यह शब्द सुना, कि जो बातें गर्जन के उन सात शब्दों से सुनी हैं, उन्हें गुप्त रख और मत लिख।

और जिस स्वर्गदूत को मैंने समुद्र और पृथ्वी पर खड़े देखा था; उसने अपना दाहिना हाथ स्वर्ग की ओर उठाया।

और जो युगानुयुग जीवता रहेगा, और जिसने स्वर्ग को और जो कुछ उस में है, और पृथ्वी को और जो कुछ उस में है, और समुद्र को और जो कुछ उस में है, सृजा उसी की शपथ खाकर कहा, अब तो और देर न होगी।

वरन सातवें दूत के शब्द देने के दिनों में जब वह तुरही फूंकने पर होगा, तो परमेश्वर का गुप्त मनोरथ उस सुसमाचार के अनुसार जो उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को दिया पूरा होगा। (प्रकाशितवाक्य 10:1-7)

अपने हाथ उसकी ओर ऊपर उठाओ। उसे स्तुति-भेंट चढाओ। हे उद्धारकर्ता, आपका धन्यवाद हो। प्रभु का नाम मुबारक हो, पिता, जैसाकि हम यीशु मसीह के नाम में धन्यवादसहित प्रार्थना करते हैं, हम आपको महिमा, धन्यवाद, और आदर-सम्मान देते हैं, जो आज आपके नाम के अर्पण के योग्य है। आमीन! आप मेहरबानी करके बैठ जाएं।

और प्रभु के भवन में एक बार फिर से आना एक बड़े ही सौभाग्य की बात है। जी हाँ! और इस सुबह हमारे पास मुस्कुराती हुई एक सभा है। हर कोई भली-भाँति वस्त्र पहने हुए है और आनन्दित है; और इस सुबह इस सन्देश के प्रचार के दौरान मैं आपके मुखमंड़लों पर

दृष्टि डाल कर प्रसन्न हूँ। मैं आपको बताता हूँ, कि अगर किसी को अवश्य ही खुश रहना चाहिए, तो वो हम हैं जो इस सन्देश का विश्वास करते हैं, और इस सन्देश पर अपनी मंज़ूरी का इज़हार करते हैं–हमें अवश्य ही खुश होना चाहिए। हम मुबारक लोग हैं। जी हाँ, मेरे दोस्त!

आप में से हर एक भाई और बहन को, जो इन सभाओं में दूर-दराज देशों से संयुक्त राज्य अमेरीका और विभिन्न स्थानों से आये हैं, और आप लोग जो कलीसियाओं में हाज़िर होते हैं...पिन्तेकोस्तल कलीसियाओं में, बैपटिस्ट कलीसियाओं में हाज़िर होते हैं, या आप जहाँ कहीं से भी आये हैं, मैं आपको पाकर निश्चय ही परमेश्वर का बहुत आभारी हूँ। और वे लोग जो प्रभु यीशु को जानते तक नहीं हैं...होने पाये प्रभु आपको आशीषित करे और आपको आपके हृदय की अभिलाषा प्रदान करे। होने पाये, इस सुबह वह अपने मुख का उजियाला आप पर चमकाए; और आपको जीवन प्रदान करे। होने पाये, परमेश्वर हमारे भाई-बंधुओं को आशीषित करे, जो आते हैं और इस सन्देश का समर्थन करते हैं, और इस सन्देश का कई वर्षों से विश्वास कर रहे हैं; और जिस किसी भी रीति से आपने समर्थन किया है, हम इसके लिए आपके आभारी हैं, कि आप कितने ही दिनों से आ रहे हैं, हम इसके लिए प्रभु के आभारी हैं।

और हम भाई वेल्ड्रॉन का, जिन्होंने हमारे लिए प्रचार किया, और जो अपनी मंड़ली के साथ अंश में रात दर रात आये हैं, खास शुक्रिया करते हैं; और मेरा यकीन है, कि इस सुबह वे सब यहाँ पर हैं, और हम इसके लिए आपके आभारी हैं। अतः भाई वेल्ड्रॉन हम आपका यहाँ आने के लिए और इन सभाओं में अपना समर्थन प्रदान करने के लिए, धन्यवाद करना चाहते हैं।

और इस सुबह मुझ पर यह दायित्व आन पड़ा है, कि मैं सातवीं मोहर के विषय में बोलूँ। और मैं इस विषय की ओर एक ढ़ंग से— एक बड़े ही साधारण-सहज से, समझ से भरे हुए ढ़ंग से अग्रसर होना चाहूँगा। इस सुबह हम यहाँ पर शान्ति-मेल में जमा हुए हैं और इस सुबह हम कोई युद्ध-स्थल नहीं बनाने जा रहे हैं। हम शान्ति-मेल कायम रखते हैं, हम एकता कायम रखते हैं, हम प्रेम कायम रखते हैं। हम यहाँ पर अपने सारे भाई-बंधुओं को प्रभु की अराधना-उपासना करने के लिए आमन्त्रित करते हैं; और हम उनकी सहायता करते हैं, कि वे सन्देश के लिए और सहभागिता-संगति के लिए किसी को जीत लें, और हम उसी वातावरण को बनायें रखेंगे।

अतः यहाँ पर यह एक बड़ा ही विवादस्पद विषय है, और खुदा ने ही मुझे ऐसी समझ प्रदान की है, कि इस सुबह इस मिली-जुली भीड़ को कैसे काबू में रखना है। और मैं सोचता हूँ, मैं ठीक इसी विधि का उपयोग करना चाहता हूँ; अगर खुदा ही ऐसी इच्छा रख रहा है, या अगर वही मुझे सन्देश के माननेवाले दस लाख विश्वासियों के सामने बोलने देता है; मैं जिस ढ़ंग से इसे आज इस सुबह बताता हूँ मैं तब भी इसे इसी ढ़ंग से ही बताऊँगा।

अतः इस सुबह हमारा विषय सातवीं मोहर पर है; और जो यहाँ पर मौजूद नहीं रहा है, मैं उनके साथ दो मिनट बिताना चाहूँगा। अतः अगर आप उसे सुनना नहीं चाहते हैं, तो आप अपने कानों में डाट लगा सकते हैं। हमें कोई दिक्कत नहीं! परन्तु मेरे अज़ीजों, वह केवल एक या दो बार ही आती है, और मसीही लोग प्रभु के आगमन की लगभग दो हजार साल से बाट जोह रहे हैं; और पवित्रशास्त्रों में इसकी प्रतिज्ञा की गई है, कि वह एक नबी को भेजेगा, जो एलिय्याह नबी कहलाता है–जो कि मलाकी 4 में पाया जाता है। और तब ऐसा होगा, कि जैसे उसने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को यीशु मसीह के प्रथम आगमन से पहले भेजा था, ठीक वैसे ही वह यीशु मसीह के दूसरे आगमन से पहले एक और नबी को भेजेगा, जो कि एलिय्याह की आत्मा से अभिषिक्त होगा। ठीक उसी नबी ने प्रकाशितवाक्य 10:7 को पूरा कियाः ''***वरन सातवें दूत के शब्द देने के दिनों में जब वह तुरही फूंकने पर होगा, तो परमेश्वर का गुप्त मनोरथ उस सुसमाचार के अनुसार जो उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को दिया पूरा होगा।***''वह कोई उड़नेवाला फरिश्ता नहीं था; परन्तु वह दूत तो एक सन्देशवाहक था, जो कि एक मनुष्य होता है। और वह आया; और पवित्रशास्त्र में प्रतिज्ञा यह है, कि वह उन सब का खुलासा करेगा जो पुस्तक में लिखा हुआ था-जो पहले से ही गहरे वाक्यों में और दृष्टांतों में लिखा हुआ है और जिन बड़े बड़े भेदों का पुस्तक में लेखा-जोखा कलमबद्ध है, वह उन सब का खुलासा करेगा। पवित्र वचन बताता है, कि वह उन सारे भेदों का प्रकटीकरण करेगा जैसाकि हम से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा ऐलान करके बताया गया था।

अतः प्रकाशन भविष्यद्वक्ताओं के पास आया, और कुछ तो वे कदाचित न समझ पाये और उन्होंने अपने प्रकाशन को भेदों और दृष्टांतों में लिखा। जैसे मूसा ने लिखा, कि वाटिका में नारी सेब खा रही है; और दानिय्येल ने कुछ गुप्त भेद देखे, और उसने कहा, ''मैंने देखा तो पर मैं नहीं समझा।'' परन्तु भविष्यद्वक्ताओं ने उन्हें लिपिबद्ध कर डाला था। और उसके बाद यूहन्ना ने कई गुप्त भेद देखे। निश्चय ही वह एक भविष्यद्वक्ता और एक प्रेरित था; और वह इन सारे भेदों को समझ नहीं पाया था; परन्तु इसकी भविष्द्वक्ताओं के द्वारा घोषणा की गई थीं। अतः प्रकाशितवाक्य 10:7 को तो अंत समय में आना था और उन गुप्त भेदों का प्रकटीकरण करना था जिनकी घोषणा भविष्यद्वक्ताओं ने की थी और जिन भेदों को भविष्यद्वक्ताओं ने ऐलान करके बताया और जिन्हें पुस्तक में लिख दिया गया था। इसलिए भाइयों और बहनों, इस भविष्यद्वक्ता करे तो यीशु मसीह के दूसरे आगमन से पहले यहाँ पर आना ही था; इससे कोई मतलब नहीं है, कि आप किस किस्म के मसीही हैं, आपको तो अवश्य ही इस भविष्यद्वक्ता की आवाज़ पर कान लगाना चाहिए जो गुप्त भेदों का प्रकाशन ला रहा है; और आपको अवश्य ही अंत समय में मसीह का प्रकाशन पकड़ना चाहिए, इससे पहले कि आप स्वर्गारोहण में ऊपर उठाए जाएं।

अतः हम कह रहे हैं, कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के पाँचवें अध्याय में वे सारे भेद जो सम्पूर्ण पुस्तक को तालाबंद कर डालते हैं, सात मोहरों के तले थे; **और ये सभाएं उसी वज़ह से हो रही हैं, और हमने पिछले सात दिन प्रचार किया है, और यहाँ पर मोहरों का सिलसिलेवार करके पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया जा रहा है; यहाँ पर मोहरें खोली नहीं जा रही हैं, वरन मोहरों का सिलसिलेवार करके पूरा-पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया जा रहा है। परन्तु सन् 1963 में परमेश्वर के मेमने ने, आपके यीशु ने, मेरे यीशु ने, जिसकी हम आराधना-उपासना करते हैं, प्रकाशितवाक्य 5 और 6 अध्याय और 10 वें अध्याय के अनुसार सात मोहरों की पुस्तक खोल दी। अतः उसने वह पुस्तक खोली और उसकी मोहरें प्रकट कीं, और इसे अपने नम्र भविष्यद्वक्ता, जो कि विलियम ब्रन्हम कहलाता है, के हाथों में सौंप दीं। और ऐसा जैफरसनविले, इन्डियाना में सन् 1963 के मार्च महीने में हुआ, और उसने उन मोहरों का प्रचार और प्रसारण किया, हमारे पास वही मोहरें हैं, जिनका प्रकटीकरण हो गया था और जो पुस्तक में थीं;** और हमने उन्हें टेपों के माध्यम से सुना; और पुस्ताकों के माध्यम से पढ़ा; और हम उस प्रकाशन की जो उन मोहरों से आये टेपों में दिए गए तकरीबन ग्यारह सौ सन्देशों के साथ उद्घोषणा करके बताते हैं, जी हाँ, वे सारे के सारे सन्देश परमेश्वर के ही हैं, जिन्हें इस दिन में हमारे लिए भेजा गया है।

अतः हम वे लोग हैं, जो अपनी पहचान मेमने के साथ कराते हैं, और जो अपनी पहचान उस खुली हुई पुस्तक के साथ कराते हैं। यही कारण है, कि हमारे यहाँ उस खुली हुई पुस्तक की यादगार मनायी जाती है और धन्यवाद अर्पण किया जाता है। अतः हम इसके लिए लज्जित नहीं हैं; हम अपनी पहचान उस नबी के साथ कराते हैं जिसे परमेश्वर ने भेजा और जो विलियम ब्रन्हम कहलाता है, और हम इस पुरुष की पूजा नहीं करते हैं; वह हमारा उद्धारकर्ता और प्रभु नहीं है; मगर वह प्रभु का नबी है; वह यीशु का भविष्यद्वक्ता है जिसे यीशु ने हमारे लिए भेजा, और हम उसके सन्देश पर विश्वास करते हैं। हम लजाते नहीं हैं; हम भाई ब्रन्हम के लिए यह विश्वास करते हैं, कि वह जगत के लिए अन्तिम और सातवें कलीसियायी काल का दूत है। हम उसके सन्देश की हर छोटी से छोटी बात का भी विश्वास करते हैं।

और आज हम अपनी अन्तिम मोहर पर हैं, क्योंकि हमने उन छः मोहरों पर पूरे सप्ताह भर प्रचार किया है, और आज इस रविवार की सुबह हम अन्तिम मोहर पर हैं। और मुझ पर यह दायित्व आन पड़ा है, कि मैं इस सुबह इस सातवीं मोहर पर बोलूँ; और हमारी एक छोटी सी परेशानी है, और वह यह है, कि "**सन्देश के माननेवाले विश्वासी उन छः**

मोहरों पर जिनका मेमने अर्थात मसीह के द्वारा सन् 1963 से ही खुलासा किया गया, सहमत होते हैं। पहली छः मोहरों के मामले में कोई विरोध नहीं है, और पहली छः मोहरों के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। हर कोई इस पर एकत्व में पाया जाता है, कि छः मोहरें पूरी तरह से तोड़ दी गई हैं। मैं यह कह रहा हूँ, कि इस पर कोई मतभेद नहीं है, सिवाये संसार भर में पाये जानेवाले उन इक्का-दुक्का हठधर्मियों के; जिन्होंने कहा था, कि वह भाई ब्रन्हम की सेवकाई नहीं थी, और इसलिए वह ना तो प्रकाशितवाक्य 10:7 था और ना ही वह मलाकी 4 था; लेकिन उनका कहना था, कि वे ही वो हैं। परन्तु जहाँ तक छः मोहरों की बात है, आमतौर से हर कोई यह विश्वास करता है, कि छः मोहरें पूरी हो गई थीं; **परन्तु सातवीं मोहर के मामले में इस घड़ी के सन्देश के अनुयायियों के मध्य में, भाई ब्रन्हम अनुयायियों के मध्य में विचारधारा के दो शिक्षालय या स्कूल हैं; और विचारधाराओं के ये दो स्कूल सातवीं मोहर और सातवीं मोहर के खुलने के सम्बंध में ही हैं; और उनमें से विचारधारा वाला एक स्कूल तो यह कहता है, कि सातवीं मोहर भाई ब्रन्हम के द्वारा सन् 1963 में ही प्रकट कर दी गई थी, और वे किसी एक किस्म के प्रकाशन का प्रचार करते हैं, जिसे वे सोचते हैं, कि वह सातवीं मोहर के द्वारा प्रकट कर दिया गया था। विचारधारा का पहला स्कूल कहता है, कि यह खुली नहीं है। अतः यहीं पर हमारा विरोध मिलता है; यही पर हमारा मतभेद पाया जाता है, जो कि सातवीं माहर के सिलसिले में हैं।**

विचारधारा के एक शिक्षालय का यह मानना है, कि सातवीं मोहर सन् 1963 में नहीं खुली थी। विचारधारा के दूसरे शिक्षालय का मानना है, कि इसका मेमने के द्वारा भाई ब्रन्हम के माध्यम से सन् 1963 में खुलासा कर दिया गया था। अब आप देख सकते हैं और समझ सकते हैं, कि हमारे पास विचारधाराओं वाले दो शिक्षालय हैं; विचारधाराओं वाले मुख्यतः दो स्कूल हैं; और उन में से एक कहता है, कि यह खुली हुई है, और दूसरा वाला कहता है, कि यह खुली हुई नहीं है।

अब विचारधारा का पहला वाला यह शिक्षालय जो यह कहता है, कि यह खुली नहीं है, और इसे भाई ब्रन्हम के द्वारा नहीं खोला गया था, इसका शुभारम्भ सन् 1963 में हुआ था। यह वाला स्कूल 1963 में खुला था। विचारधारा का दूसरा वाला शिक्षालय जो यह कहता है, कि यह खुली हुई है, उसके दस साल बाद सन् 1973 में शुरू हुआ; और वह यह घोषणा करके कहता है, कि यह प्रकट हो चुकी है। हालांकि विचारधारा का यह दूसरा स्कूल सन् 1973 में खुला था, परन्तु आगे चलकर कुछ लोगों ने इसमें 1973, 1974, 1975, 1980, 1984, 1985, 1990 में दाखिले लिये और यह स्कूल दाखिलों के लिए अभी भी खुला हुआ है। अतः इस वक्त मैं यही कहूँगा, कि ये दोनों स्कूल दाखिलों के लिए खुले हुए हैं।

इस समय हमारे मध्य में इस हकीकत के गवाह मौजूद हैं, कि मैंने बस इन दोनों ही शिक्षालयों के सम्बंध में बातें बतलायी है।। हमारे मध्य में ऐसे सेवादार-प्रचारकगण और विश्वासी हैं जो उसे जानने के लिए पर्याप्त सियाने हैं, कि मैं क्या कह रहा हूँ, और वे इस सन्देश में काफी लम्बे अरसे से टिके हुए हैं, कि वे यह समझ लें, कि एक ऐसा समय था जब संसार भर में और इस देश भर में हर कोई पहले वाले स्कूल से जुड़ा हुआ था। अब मैंने सुधार की बीड़ा उठाया है और जो प्रचारकगण और विश्वासी आज यहाँ पर मौजूद हैं, उनकी गवाही के आधार पर मैं अपनी गवाही और अपने अंगीकार की खातिर इस कार्य को एक चुनौती के रूप में लेता हूँ, कि संसार में एक ऐसा समय था जब सन्देश के सारे विश्वासी इस बात का विश्वास करते थे, कि सातवीं मोहर भाई ब्रन्हम के द्वारा सन् 1963 में नहीं खोली गई थी। इसके सम्बंध में कोई बंटवारा नहीं था। इसके सम्बंध में कोई मतभेद, या विवाद नहीं था। कहीं कोई ऐसी सभा नहीं बुलायी गई थी जहाँ पर प्रचाकगणों में इस मामले पर कोई बवाल हुआ हो, कि यह खुली थी या यह बंद थी। कहीं कोई विवाद नहीं था।

मैं ही एक ऐसा हूँ, जिसने सेवादारों-प्रचारकगणों की सभाएं कराना शुरू कीं, और यह सभा उस शिक्षा पर आरम्भ हुई जो पिछली बारिश (Latter Rain) कहलाती है; जहाँ लोग यह तय नहीं कर पाये थे, कि पिछली बारिश हुई या नहीं। हमने टेप का आधा भाग ही चलाया था, कि तर्क-वितर्क शुरू हो गया, और वे अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचे हैं। और सेवकगणों की सभाओं का होना तो लगातार ज़ारी रहा है, और सेवकगण जितने ज्यादा एक साथ आपस में जमा हुए उससे ज्यादा कहीं उन में टुकड़े हुए; और उन सभाओं में कभी भी कोई यह सवाल या तर्क-वितर्क लेकर नहीं आया, कि सातवीं मोहर खुली थी या नहीं। जी नहीं, कोई नहीं!

हमारे पास यहाँ पर गवाह के तौर पर प्रचारकगण हैं। हमारे पास यहाँ पर वह व्यक्ति मौज़ूद है जो सन्देश में सबसे प्राचीन है; यह वह सबसे पहला शख्स है जिसने भाई ब्रन्हम का सन्देश अपनाया था; और वह शख्स डेनियल सीबर्ट कहलाता है, जो इस सन्देश में सन् 1964 में आया था। मैं उसे एक गवाह के तौर पर खड़ा करता हूँ। भाई जैकसन, क्या आप जानते हैं, कि ये बातें सच हैं? मैं नहीं जानता हूँ, कि भाई वॉल्ड्रॉन को यह याद है? ठीक है! एक समय हम सब यह विश्वास करते थे, कि सातवीं माहर भाई ब्रन्हम के द्वारा नहीं खोली गई थी। हमारे बीच में मेल कायम रहा था, और यह बात कभी भी एक सवाल के रूप में खड़ी नहीं हुई थी।

विचारधारा का जो अगला शिक्षालय या स्कूल है, वह सन् 1973 से 1974 के बीच खुला। मैं इस सच्चाई की गवाही देता हूँ और उस गवाही पर जो मैं यहाँ पर देता हूँ, नम्रतापूर्वक संसार को चुनौती देता हूँ, कि विचारधारा का पहला स्कूल जो यह कहता है, कि

सातवीं मोहर खुली हुई नहीं है, सन् 1963 से ही विद्यमान है। और यह दूसरा वाला सारे संसार भर में 1973 से ही चलता रहा है। उन सारे प्रचारकों ने जो कभी इस देश में संयुक्त राज्य अमेरीका से तथा विश्व भर से आये, कदापि सातवीं मोहर का और सात गर्जन के शब्दों का उल्लेख नहीं किया; क्योंकि वे सभी एक से ही विचार का आदान-प्रदान करते थे। वे विश्व के सभी भागों से आये, और उन्होंने मुझे तथा और दूसरे प्रचारकगणों को प्रचार किया; और मैंने भी उन्हें प्रचार किया। पर एक बार भी सातवीं मोहर या सात गर्जन के शब्दों पर कदाचित कोई प्रचार नहीं किया गया; और जब भी कोई प्रश्न उभर कर आते, तो हम सब में भक्तिभाव और आदर-सम्मान पाया जाता था; क्योंकि हम सब एक से ही विचार का आदान-प्रदान करते थे; और वह विचार बहुत ही सरल था, जिसका हम आदान-प्रदान करते थे, और वह यह था, कि ''सातवीं मोहर भाई ब्रन्हम के द्वारा सन् 1963 में नहीं खुली थी।''

हम इस देश में सेवादार और प्रचारकगणों के रूप में अपने अपने मनों में मनन-चिन्तन और विस्मय किया करते थे, कि जब वह मोहर खुलती है, तो यह क्या होगी। और जब हम इस पर छोटी छोटी बातों को खाके के जैसे खींचने लगते थे, तो हम पर बहुत भय छा जाया करता था; और यह कहा जा सकता है, कि हम उस भय से भयभीत हो जाते थे,कि कहीं हम किसी प्रकार की भ्रान्ति में न पड़ जाएं और किसी प्रकार की कोई आत्मा हम पर न आ जाए। और मैं अपने जिन संगी-साथियों के साथ मनन-चिन्तन किया करता था, उन में से कुछ की तो मैंने ही प्रभु की ओर अगुवाई की थी, तथा देश में चारों ओर दूसरे ऐसे कई प्रचारक थे जिनके संग में मिला-जुला करता था, और मैंने उनके प्रचारमंचों से प्रचार भी किया और उनके काम को जमाया; और उन्हें उनकी मंड़ली में स्थापित किया; और हमारी कभी भी ना तो सातवीं मोहर पर और ना ही सात गर्जन के शब्दों पर बहस हुई। हमने उसका आदर-मान किया, हमने उसका अति सम्मान किया। **हमारी एक ही सोच थी, और वह सोच यही थी, कि यह इन दिनों में से किसी एक दिन प्रकट होगी; और ऐसी ही सोच सन् 1973 और सन् 1974 तक कायम रही। यह सातवीं मोहर और सात गर्जन के शब्दों के सम्बंध में दस साल की खामोशी है।**

मुझे अवश्य ही यहाँ पर इस बात का उल्लेख कर देना चाहिए, कि लगभग सन् 1966 में एक पुरुष उठ खड़ा हुआ था, जिसकी सेवकाई आगे तक 1968-1969 तक चलती रही, और वह गर्जनों के खुलासे के थोड़ा सा करीब आया था। उस पुरुष का नाम लॉरी था, वह पुरुष भारतवर्ष से था, जिसके पास चंगाई की जबरदस्त सेवकाई थी, और उसकी पुस्तकें भी थीं जिन्हें वह भेजा करता था, और मैं उन्हें हासिल किया करता था। और उसकी पुस्तकों पर एक फोटो हुआ करती थी, जिसमें भाई ब्रन्हम उसे

गले लगा कर चूम रहे हैं, और वह भी भाई ब्रन्हम को गले लगा कर चूम रहा है, और उसने इस फोटो के ऊपर यह शीर्षक दिया हुआ था,'' जब पूरब और पश्चिम आपस में एक साथ मिले।'' अब उस पुरुष ने दावा किया था, कि उसे प्रभु का आगमन मालूम है, लेकिन फिर भी उसने ना तो सातवीं मोहर के बारे में और ना ही सात गर्जन के शब्दों के बारे में खासतौर पर कुछ कहा; और यही वह सारी की सारी बात है जो मैं याद कर सकता हूँ। उसने तो सिर्फ यही दावा किया था, कि प्रभु यीशु मानव देह में अवतरित हो गया है, जो कि मसीह विरोधी है।

उसने सन् 1972 की जनवरी में स्वर्गारोहरण के लिए एक तारीख तक ठहरा दी थी। वह लोगों का एक झुंड़ लेकर भारत गया..ओह, भाई और बहनों इस बात में तो बहुत समय लग जायेगा.....परन्तु जिन लोगों ने उसके प्रकाशन को ग्रहण किया था, उन लोगों के घरों पर धूंए का बादल आकर ठहरा था। और हजारों की तादाद में लोग अमेरीका छोड़कर भारत चले गये थे; और उस पुरुष के मुखमंड़ल पर चारों ओर एक घेरा रहता था; और उसके पास इसकी एक फोटो थी, और प्रकाश का एक स्तम्भ उसके साथ साथ रहा करता था; यह सिर्फ एक घेरा सा था, पर यह वैसा नहीं था, जो भाई ब्रन्हम के साथ साथ रहता था, पर यह सिर्फ एक घेरा सा था जो उसके शरीर के ऊपर था। और उस समय मैं उसकी किताबें लिया करता था। और वह पुरुष हालांकि इतना महान था, लेकिन उसने कभी दावा नहीं किया, कि उसके पास सातवीं मोहर है। मैं आपको चुप्पी-खामोशी के दस साल दिखाने का प्रयास कर रहा हूँ।

वह पुरुष साठ के दशक में इस देश में आया था और उसने प्रचार किया था, और गवाही दी थी। मैं लॉरी के बारे में बाते कर रहा हूँ। आगे चलकर उसने दावा किया था, कि एक शिविर में तीन सौ लोग थे; और उसके बाद उसने कहा था, कि उसके पास तीसरा खिंचाव था। उसने अपनी चुटकी की आवाज से लोगों को उठा खड़ा किया और वे चंगे हो गये थे; और चंगे होने वालों में एक अपंग बिल्ली भी शामिल थी, और इसके बाद तो वह भाई ब्रन्हम की सेवकाई की ही खिलाफत करने लगा था। उसने कहा था, कि भाई ब्रन्हम की सेवकाई बच्चों वाली सेवकाई थी, क्योंकि भाई ब्रन्हम को कामों को देखना होता था, इससे पहले कि वो उन्हें करते; मगर उसे कुछ नहीं देखना होता। भाइयों और बहनों, जब मुझे उसकी किताब मिली और मैंने उसे खोला और उसमें उन तस्वीरों को देखा और देखा, कि वह तो भाई ब्रन्हम की ही खिलाफत पर उतर आया है, तो मैंने कहा,'' यह इंसान एक झूठा नबी है; मुझे उससे कोई सरोकार नहीं रखना है। कोई भी वह इंसान जो इस समय के सन्देश की खिलाफत पर उतारू हो जाएगा, वह एक झूठा अभिषिक्त है! और कोई भी वह मनुष्य जो भाई ब्रन्हम को कमतर आँकता है, वह मसीहविरोधी है। फिर तो क्षण भर के लिए भी उसका कोई भी प्रभाव मुझ पर न रहा।

और सन् 1972 की जनवरी को ऐसा हुआ, कि एक और पुरुष था, जो आगे बढ़ा,

और उस पुरुष का नाम रॉबर्ट लैम्बर्ट था। उसने डीगो-मार्टिन नामक स्थान पर हमें प्रचार किया था; और मैंने उस पर निगाह डाली, कि वह चलकर प्रचारमंच पर आया, और बोला,''**यहोवा यूँ कहता है,** कि लॉरी एक झूठा भविष्यद्वक्ता है। 26 जनवरी को कोई''स्वर्ग पर उठाया जाना'' नहीं होगा, और मुझे तो सिर्फ इस बात की फिक्र है, कि जब उसकी नबूवत पूरी नहीं होगी, तो वे लोग घर कैसे जा रहे होंगे।'' खबरें और रिकॉर्ड तो यही हैं, कि लॉरी पागल हो गया था, और उसको पागलखाने में भर्ती करवाना पड़ा था; और उसके लोग तितर-बितर हो गए थे। भाइयों और बहनों, कोई भी वह काम जो परमेश्वर का नहीं है, उसका अंतफल शून्य होगा। प्रभु यीशु मसीह को ही महिमान्वित होना है, ना कि कोई मनुष्य।

मैं चाहता हूँ, कि आप पूर्णतः समझ लें..चाहे आपने उन सारी अफवाहों को उस पुरुष के बारे में क्यों न सुना हो जो रॉबर्ट लैम्बर्ट कहलाता था--मैं पूरी तौर से यह घोषणा करके कहता हूँ, कि वह पुरुष मेरा याजक-पास्टर था; और जो मैं जानता हूँ सो वो मैं ही जानता हूँ, और मैं विश्वास करता हूँ, कि वह यीशु मसीह का एक सच्चा सेवक था। हो सकता है, कि यह बात उन अपवाहों से थोड़ी विरोधाभासी हो जो उसके बारे में फैलायी गईं थीं, लेकिन यही वह बात है जिसके लिए यह कलीसिया खड़ी होती है। हम उसके लिए परमेश्वर के सेवक के रूप में खड़े होते हैं, और हम विश्वास करते हैं, कि उसने इस सन्देश की सुरक्षा में एक शहीद के जैसे ही वीरगति पायी। मैं आज यहाँ पर लैम्बर्ट पर प्रचार करने के लिए नहीं खड़ा हुआ हूँ; मैं तो उससे भी कहीं बड़ी बात पर प्रचार करने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

अतः मैं तो यहाँ पर आपको विचारधाराओं के स्कूलों के बारे में बताने के लिए खड़ा हुआ हूँ; और मैंने उन बातों का उपयोग आपको यह दिखाने के लिए किया है, कि एक समय हर कोई यही विश्वास करता था, कि सातवीं मोहर का प्रकटीकरण नहीं हुआ है; और सात गर्जन के शब्दों का प्रकटीकरण नहीं हुआ है, और **मैं यहाँ पर इसका उल्लेख किये देता हूँ, दस वर्षों तक हमें अपने तथ्य या सच्चाइयाँ कहाँ से मिलीं, कि हम अपने विश्वास और शिक्षा का समर्थन करते हैं...वे तो ठीक भाई ब्रन्हम के ही सन्देश में हैं। क्या मैं इस बात को दोहरा सकता हूँ? दस वर्षों की चुप्पी थी, जब ना तो कोई शख्स; ना कोई प्रचारक-सेवादार, ना कोई विश्वासी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कोई भी ऐसा नहीं था, जिसने दावे के साथ कहा हो, कि उसका प्रकटीकरण हो गया था; और कहाँ से हमें अपने तथ्य मिलें; हमें अपनी उस समझ और शिक्षा का समर्थन करने के लिए अपने तथ्य भाई ब्रन्हम के सन्देश के पन्नों में मिलें, तथा हमें इसके लिए और भी सच्चाइयाँ सातवीं मोहर में मिलीं।**

सन् 1973 में इसे समझने के लिए छोड़ दिया जाता है; और **मैंने संसार भर के लोगों से पूछा है,'' यह क्या था जिसने उस खामोशी को तोड़ा? दस सालों के बाद किसने उस चुप्पी को तोड़ा? और उन्होंने किस अधिकार से उस चुप्पी को तोड़ा? मैं अभी तक जवाबों का इन्तज़ार कर रहा हूँ।** इस सुबह हम लड़ाई पर उतारूँ नहीं हैं-मैं तो हकीकत ही बयान कर रहा हूँ। भाइयों-बहनों, मैं आपके सम्मुख इन तथ्यों को पेश करने जा रहा हूँ; और आपको ही इससे निचोड़ निकालना होगा; और हर कोई अपनी ही भूख के मुताबिक खायेगा; वह अपनी ही भूख के अनुसार बटोरेगा।

अब विचारधारा के दोनों शिक्षालय देखिए, और जब मैं कहता हूँ विचारधारा के शिक्षालय(स्कूल), तो मेरा यकीन है, कि यह बात बहुत ही सरल है; एक शिक्षालय कहता है, कि इसका प्रकटीकरण नहीं हुआ है और दूसरा कहता है, कि इसका प्रकटीकरण हो गया है। दस सालों तक सन्देश के मानने वालों में हर कोई यही कहता था, कि इसका प्रकटीकरण नहीं हुआ है। मैं इसके उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा हूँ,''किसने वह चुप्पी तोड़ी, और किस अधिकार से उस चुप्पी को तोड़ा गया था?''

मेरे भाइयों और बहनों, इस दिन मैं उन लोगों से बातें कर रहा हूँ जो उन दोनों शिक्षालयों से सम्बद्ध है। आज यहाँ पर हमारे मध्य में वे लोग हैं जिनका सम्बंध उन दोनों ही स्कूलों से है। मैं आप में से हर एक की सराहना करता हूँ। मैं उन लोगों से वर्तालाप कर रहा हूँ जिनका सम्बंध विचारधारा के उन दोनों स्कूलों से है। मुझे अवश्य ही शान्ति और मेल का वातावरण, और प्रेम और एकता का वही वातावरण कायम रखना चाहिए जो पिछले सात दिन कायम रखा है; और इसके अंत में हमें अवश्य ही उत्सव मनाना चाहिए और शान्ति के साथ भोज खाना चाहिए। अतः अब यह कोई लड़ाई करने वाला सन्देश नहीं है; उसके लिए तो और जगह हैं और उसके लिए और समय है।

अब ठीक ऐसे ही विषय पर--'' लड़ाई पर उतारू'' पहले भी प्रचार कर चुका हूँ, और **हो सकता है, कि मैं ठीक इसी विषय पर,''लड़ाई पर उतारू'' विषय पर आगे को प्रचार करूँ।**परन्तु इस सुबह यह उस प्रकार की सभा नहीं है। हम इस विषय की ओर उस रीति से आगे को अग्रसर नहीं हो रहे हैं। मैं तर्क-प्रस्तुतिकरण करने वाले अपने अन्दाज़ों में से किसी भी अन्दाज़ का उपयोग नहीं करूँगा। अब इस सुबह मैं इस रीति से आगे बढ़ूँगा, कि विचारधाओं के इन दोनों स्कूलों को जाँच-परख लिया जाए, और यह हो, कि हर कोई अपने लिए अपना हिस्सा सोते से बटोरे। अतः विचारधाराओं के इन दोनों शिक्षालयों की इस सुबह परख कराने के लिए मैं प्रभु की अगुवाई महसूस करता हूँ।

अब केवल एक ही तरीका है जिससे हम विचारधाराओं के इन दोनों शिक्षालयों को परख सकते हैं; और ऐसा मेरे द्वारा नहीं हो सकता है, और ना ही ऐसा इससे हो सकता है, चाहे मैं भाई वैलड्रॉन को यहाँ पर बला लूँ या मैं सभा में से किसी तेज तर्रार व्यक्ति को ऐसा करने के लिए ले लूँ, उससे भी ऐसा नहीं हो सकता है। मेरे भाइयों और बहनों, यद्यपि इस सुबह यहाँ पर हम विचारधाराओं के उन दोनों शिक्षालयों से सम्बद्ध हैं, लेकिन हम पवित्र वचनों पर केवल एक ही अधिकार-सम्पन्नता को पहचानते हैं–सबसे पहले तो मेमने का ही पवित्र वचन पर अधिकार है; और दूसरा उस मनुष्य का अधिकार है जिसका मेमने ने उपयोग किया और जो भाई ब्रन्हम कहलाता है। सो भाई ब्रन्हम का उपयोग मेमने के द्वारा किया गया था,? और हम उस अधिकार सम्पन्न व्यक्ति को पहचानते हैं। इससे कोई मतलब नहीं है, चाहे कोई शख्स इस सन्देश में कुछ भी क्यों न प्रचारता हो, लेकिन वह प्रमाणिकता के लिए भाई ब्रन्हम को ही निहारता है। और अगर यहाँ पर हम में से कोई पाँच जन किसी बात पर लड़ रहे हों, तो हम पाँचों के पाँचों उसी प्रमाणिकता का हवाला देंगे; हम उसी प्रमाणिता का-उसी अधिकार का हवाला देंगे। अब अगर आपके घर में तीन बच्चे हों और वे घर में लड़ रहे हों; और किसी निश्चित सिद्धांत पर राज़ी ना हों, तो उन में से प्रत्येक यही कह रहा होगा,'' मैं जाकर डैडी को बताऊँगा। अब वे घर में अधिकार-सम्पन्न व्याक्ति को पहचानते हैं, अब एक ऐसा दिन आने वाला है जब पिता की बात ही विवाद का निपटारा करेगी। अब जब डैडी की बात विवाद का निपटारा कर देती है, तो उसके बाद अवश्य ही प्रत्येक को रज़ामंद और खामोश हो जाना चाहिए।

अतः हम विलियम ब्रन्हम को पहचानते हैं, कि वह परमेश्वर का दास और भविष्यद्वक्ता है, जो मलाकी 4 के वचन के लेखों को पूरा कर रहा था, और मेमने से मोहरों का खुलासा प्राप्त करने के लिए उसका जबरदस्त रीति से उपयोग किया गया था; जैसा कि पहचाना गया था, वह परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ अधिकार प्राप्त व्यक्ति था; इसलिए मेरे भाइयों और बहनों, हम सीधे ही परमेश्वर के उस अधिकार प्राप्त व्यक्ति के पास, परमेश्वर के द्वारा ठहराए हुए व्यक्ति के पास जा रहे हैं; और मैं आपको ललकार कर कहता हूँ, कि आप उसी का विश्वास करें। अगर एक शिक्षालय सही है, तो आप उसी में टिके रहें; और अगर दूसरावाला विलियम ब्रन्हम के शब्दों के अनुसार सही है, तो आप उससे जुड़ जाएं। क्या हम शान्ति कायम रख सकते हैं? क्या हम उन हालतों में भी प्रेम कर सकते हैं? क्या हम उन हालतों में भी एकत्व में रह सकते हैं? क्या हम शान्ति और मेल में अपना भोजन खा सकते हैं? क्या हम सभा के बाद अभी भी एक ही रह सकते हैं? (सभा कहती है,''आमीन!'') मेरे भाइयों और बहनों बात तो सिर्फ यही है, कि **हमें अवश्य ही इस विषय की ओर प्रार्थनासहित अग्रसर होना चाहिए। हमें सत्यनिष्ठा में होकर इसकी ओर बढ़ना चाहिए। हमें अवश्य ही इसकी ओर ईमानदारी, नम्रता में होकर और एलिय्याह**

नबी के शब्दों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए ही अग्रसर होना चाहिए। ऐसा करना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए मैं इस सुबह सातवीं मोहर में अपने विचार और अपने प्रतिभाव नहीं घुसाऊँगा। मैं तो सिर्फ विलियम ब्रन्हम के ही विचारों को प्रस्तुत करूँगा, जिसे हम सब पहचानते हैं।

जबकि मैं ऐसा करता हूँ, तो अगर आप उन बातों से असहमत होते हैं जिनका मैं हवाला देता हूँ, और वे आपके स्कूल के लिए उपयुक्त नहीं बैठती हैं, तो आपको, ''आमीन'' कहने की भी कोई आवश्यकता नहीं है। मैं ''आमीन'' सुननेवाला प्रचारक नहीं हूँ। मैंने बैपटिस्ट लोगों के मध्य में कई सालों तक ''दा स्केव्यर'' में प्रचार करते हुए ''बिना आमीन'' के प्रचार करना सीखा है। मैं एक बैपटिस्ट पुरुष हूँ, और बैपटिस्ट पुरुष वहाँ पर खड़ा होता है और तीन घन्टे के लिए प्रचार करता है और कोई भी नहीं सुनता है। उसका निर्माण ''आमीन सुनने'' पर नहीं होता है। यह मेरे लिए एक बुरा प्रशिक्षण था; और मैं अपने सेवादारों को इस बात का प्रशिक्षण देता हूँ, कि वे ''आमीन सुनने'' पर आश्रित ना हो, और ना ही सभा से ''आमीन कहने के लिए'' भीख माँगो, क्योंकि कहीं ना कहीं पर तो आप ऐसी जगह समापन करेंगे, जहाँ आपको कोई ''आमीन'' सुनने को ना मिले। मैंने ऐसे मुश्किल हालतों में प्रचार किया है, और मैं ने कहा, '' यहाँ पर तुम बैपटिस्टों, पिन्तेकोस्तलों, और पिन्तेकोस्तलों में से कोई भी ''आमीन'' नहीं कह रहा है, लेकिन मैं परमेश्वर के फरिश्तों को ''आमीन''कहते हुए सुनता हूँ। खुदा ने ही आकर सभा को अपने नियन्त्रण में लिया और मैंने उन के एक अच्छे-खासे झुंड़ को बपतिस्मा दिया। जी हाँ!

अतः हम इस की ओर आगे बढ़ते हैं। अगर आप असहमत होते हैं, तो आपको ''आमीन'' कहने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं आपको इसके लिए डाँटूँगा या फटकारूँगा नहीं। मैं इस सुबह आपको बेआराम होने का एहसास नहीं कराऊँगा। जी नहीं, इस सुबह यह कोई युद्ध-भूमि नहीं है। इस सुबह इस समय ठीक जिस प्रचारक को आप मेल-शान्ति के साथ व्यवहार करते हुए देख रहे हैं, उसके लिए ऐसा करने के लिए और दूसरे मुद्दे हैं, और जब मुझे एक लड़ाकू बनना होता है, और कुपंथ या झूठी शिक्षा के खिलाफ आना होता है, तो मैं मसीह की सुसमाचार और परमेश्वर की सम्पूर्ण मंशा को बताने से नहीं झिझका हूँ।

अतः इस सुबह मैं यही पहल करूँगा, कि उसी मेल-शान्ति, स्थायित्व, प्रेम और समझ को सभा में कायम करके रखूँ, ताकि हम उस उत्तम भोजन का, जिसे मैंने एक साथ जमा किया है, आनन्द ले सकें; और मैंने अपने एक बहुत अच्छे भाई की सहायता से, जो मेरे लिए एक सचिव से भी बढ़कर है, **उन सब सच्चाइयों को जिनका सम्बंध सातवीं मोहर से है**, और जिन्हें शायद आपने सभा में कभी संक्षिप्त में ऐसे ना सुना हो, एक साथ इकट्ठा किया है।

मैंने उन सारे तथ्यों को मलाकी 4 के सन्देश से मुख्यतः 1962 से लेकर 1965 के सन्देशों में से एक साथ इकट्ठा किया है, जब पहली बार विलियम ब्रन्हम के द्वारा सातवीं मोहर का उल्लेख किया गया था, और इसे वहीं से शुरू करूँगा जहाँ से इसकी उधेड़-बुन आरम्भ हुई थी। मैं आप से जो उन दोनों स्कूलों से सम्बन्धित हैं, यह उम्मीद करता हूँ, कि आप इससे अपने के लिए अपना भाग हासिल करें, क्योंकि ये नबी की ही प्रेरणा से भरी हुई बातें होंगी। हो सकता है, कि शायद आपने इन पर कभी दृष्टि ना डाली हो। हो सकता है, कि आप ने इन्हें सिर्फ मान लेने भर के लिए अपना लिया हो। अतः मैं काफी ज्यादा पढ़ने का काम करने जा रहा हूँ। मैंने आप से इस सुबह अपनी अपनी कापियाँ लाने के लिए कहा था; और हमारी एक छोटी सी समस्या है, और वह यह है, कि ये वाली मोहर की पुरानी वाली वह पुस्तक है जो मुझे साठ के दशक के बीच में मिली थी, और मेरे पास अभी भी यही है। उसके बाद उन्होंने एक और किताब छापी जिसमें लगभग 53 पेज़ कम हो गए। हालांकि मैं तो अपनी इसी किताब से ही हावले पढ़कर बताऊँगा, और अगर आपके पास इसका नया वाला संस्करण है, तो मैं नये संस्करण का पेज़ नम्बर भी बताऊँगा। क्या ऐसा करना ठीक रहेगा?(सभा कहती है, ''आमीन'') ताकि आप मेरे साथ साथ आगे बढ़ते रहें।

अब यहाँ पर इसे बोलने के दौरान मैं भाई ब्रन्हम के ही हवाले बताऊँगा, और मैं उन पन्नों को भी बताऊँगा जिनका सम्बंध मोहरों से नहीं है, मैं संक्षिप्त में ही बताऊँगा, ताकि मैं आपके प्रति ईमानदार बना रहूँ, और जिससे आप फलां-फलां पृष्ठ जान जाएं, और मैं फलां-फलां पन्नों के बारे में बताऊँगा, जो केवल दो ही दर्शनों के बारे में बताते हैं। लेकिन इसके बाद मैं अपनी बात को साबित करने के लिए पूरी पूरी पंक्ति बताता जाऊँगा।

अब जब हम सात मोहरों की पुस्तक में से सातवीं मोहर पर आते हैं, तो मैंने सहूलियत के लिए इस पर नम्बर डाल दिये हैं। मेरे सन्देश का विषय है-''**सातवी मोहर की सच्चाइयाँ या तथ्य**'' और मैंने अपने सन्देश को सातवीं मोहर से...सिर्फ सातवीं मोहर से जिस पर मैंने नम्बर डाले हैं, और उसके बाद जिन सन्देशों को भाई ब्रन्हम ने प्रचारा था, उन से लिया है; और मैंने इन सच्चाइयों या तथ्यों पर तथा जो बातें भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर पर कहीं थीं, उन पर तथ्य संख्या एक, दो, तीन, और इसी क्रम में और दूसरे अंक डालें हैं; और यदि आप सभा के तौर पर ऐसा सोचते हैं, कि मैंने किसी उस तथ्य का गलत उपयोग किया है, या उसे गलत पढ़ा है जिसे भाई ब्रन्हम लेकर आए थे, तो अगर आप मुझसे बात करना चाहें, तो आपको सिर्फ यही सब कहना होगा,कि ''भाई ब्रूस, तथ्य संख्या दस के बारे में मैं सोचता हूँ, कि आप उस पर भटक गए हैं और आपने उसका सही हवाला नहीं दिया है''; और उसके बाद हम एक मैत्रीपूर्ण वादविवाद कर सकते हैं। मैं बहस नहीं करता हूँ। और अगर आप सोचते हैं, कि जिस ढ़ंग से मैंने उस पर ज़ोर दिया है, या उसका प्रचार किया है, या उसे स्थापित किया, आप उस पर असहमत हैं...और आप सोचते हैं, कि यह वह बात नहीं है जो

भाई ब्रहन्म तथ्य संख्या10 पर, तथ्य संख्या 15 पर, तथ्य संख्या 25 पर कह रहे हैं, तो मैं आप से ये चाहूँगा, कि आप उसे नोट कर लें, और कहें, ''ठीक है, भाई ब्रूस, तथ्य संख्या 10 पर भटक गए थे।''

अतः हमारे पास यहाँ पर विश्वविद्यालय के स्नातक हैं, और मैं उनके जैसे अंग्रेज़ी नहीं समझता हूँ, और ना ही मैं उनके जैसे अंग्रेज़ी पढ़ सकता हूँ, और मैं उन से (भाई क्रू और हमारे पास यहाँ पर एक वकील हैं; भाई मिशेल हैं) यही कहूँगा, कि वे अपनी उस समझ के द्वारा जो उन्होंने विश्वविद्यालय से हासिल की है, मुझ पर सतर्कतापूर्वक दृष्टि लगाए रखें, और अगर मैं अंग्रेज़ी गलत पढ़ता हूँ, तो आप मेरा अंग्रेज़ी पर सुधार कर दें, कि मैंने अंग्रेज़ी अच्छी तरह से नहीं समझी थी। अतः मैं आपको यह कार्यभार सौंपता हूँ।

सो वे हवाले जिनको मैंने एक साथ संकलित किया है,''श्रीमानों, क्या यह वह समय है?–(जब सातवीं मोहर खोली जानी थी, तो उससे पहले इसी सन्देश को बोला गया था)..''मोहरों की पुस्तक–प्रश्न और उत्तर'' और ''सातवीं मोहर'' से लिया गया है। जहाँ भाई ब्रन्हम ने इस पर एक विषय के जैसे बातें करीं थीं। इसके अतिरिक्त मैंने 1963 से लेकर 1965 तक के उन विभिन्न हवालों को लिया है जिनका सम्बंध मोहरों से है।(मैंने सातवीं मोहर के तथ्यों पर संख्या एक से लेकर संख्या चालीस तक डाली है)

ठीक है! अतः मैं यहाँ पर इस पर हूँ! इसमें काफी समय लगेगा, क्योंकि कभी कभार ऐसा हो सकता है, कि जब एक मिनट में मैं मोहरों का हवाला दूँगा, तो आपको अपने कागज ढूँढने पड़ जाएं। लेकिन मैं तो शुरूआत से ही आरम्भ करना चाहता हूँ। यह एक तस्वीर है, जिसे मैं चित्रित करना चाहता हूँ। आप इस बात को अपने मस्तिष्क में बैठाकर रखें, कि किसी ने भी सातवीं मोहर नहीं प्रचारी थी, किसी ने भी सात गर्जन नहीं प्रचारे थे; और सन् 1973 तक दस वर्षों की एक चुप्पी थी; और उस चुप्पी को तोड़ा गया, और मैं इसी की खीजबीन करने का प्रयास कर रहा हूँ, कि किसने उस चुप्पी को तोड़ा, यह क्या था जिसने उस चुप्पी को तोड़ा, और मैं उत्तर ढूँढ़ नहीं सकता हूँ। हो सकता है, कि मैं इस जवाब को इस सुबह ढूँढ़ निकालूँ, जैसाकि हम आत्मा से ओत-प्रोत भाई ब्रन्हम के शब्दों का अध्ययन करते हैं।

मोहरों का खुलासा करने से पहले, सन् 1962 में''श्रीमानों, क्या यह वह समय है?'' नामक सन्देश पर भाई ब्रन्हम ने एक बड़े धमाके के गर्जन पर एक दर्शन पाया था; जैसाकि वे इसके अनुवाद और इसके पूरा होने के बारे में अनिश्चित थे; उन्होंने उस सन्देश पर सवालिया परस्थितियों में प्रचार किया था, जैसाकि उस सन्देश का शीर्षक भी इस बात की गवाही देता है; क्योंकि वे इस बात में सुनिश्चित नहीं थे, कि क्या घटित होने जा रहा था। हालांकि निम्न हवालों में उन्होंने यही ज़ोर दिया था, कि जिन गुप्त भेदों का सातवें दूत के द्वारा प्रकटीकरण किया जाना था, वे मोहरों में पाये जाते थे। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा ज़ोर इस बात पर डाला,

कि सातवां दूत उन सब भेदों को प्रकट करेगा जिन्हें बाइबल में लिखा गया है, और **उसके बाद केवल एक ही बात बाकी रह जाएगी जिसका प्रकटीकरण ना हो, जो कि सात अलिखित मोहरें या सात गर्जन होंगे।** उन्होंने इसे ''सात अलिखित मोहरें'' कहा। और उन्होंने इस शब्द का इस्तेमाल ना तो मोहरों के प्रचार के दौरान किया; और ना ही उसके बाद 1965 तक अपने चले जाने के समय तक किया।

श्रीमानों, क्या यह वह समय है? 30/12/62
भाई विलियम ब्रन्हम
जब लिखित गुप्त भेदों का प्रकटकरण हुआ, अलिखित गुप्त भेदों को प्रकटीकरण के लिए छोड़ दिया गया

पेज़ 37-3 102 प्रकाशितवाक्य 5:1 पर ध्यान दीजिए। अब इस पर कान लगाइए।

और जो सिंहासन पर बैठा था, मैंने उसके दाहिने हाथ में एक पुस्तक देखी जो भीतर....लिखी हुई थी...(वह लिखावट अंदर थी)...***और बाहर***(पीछे की तरफ) ***लिखी हुई थी, और सात मोहर लगाकर बंद की गई थी।***

अब, पुस्तक के भीतर लिखावट थी, परन्तु बाहर की ओर--पीछे की ओर सात मोहरें थी..उसके पीछे की तरफ सात मोहरे थीं जिन्हें पुस्तक में लिखा भी नहीं गया था। अब ऐसा प्रकाशितवाक्य को कलमबद्ध करने वाला, अर्थात् यूहन्ना ही कह रहा है। अब, याद रखें, कि इसे पुस्तक में लिखा भी नहीं गया था।'' और सातवें दूत के शब्द देने के दिनों में वे सारे गुप्त भेद जो उसके भीतर लिखे हुए हैं, पूरे हो जायेंगे।'' इसका उस दिन में ध्यान रखा जायेगा। अब, क्या आप समझे, कि मेरा क्या तात्पर्य है? क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं? तब प्रकाशितवाक्य 10 के सात शब्दों के लिए समय होगा, कि उनका प्रकटीकरण हो। जब पुस्तक खत्म हो जाती है, तो केवल एक ही बात बाकी रह जाती है, और वह है, गर्जन के शब्द के वे सात रहस्यमयी भेद जिन्हें पुस्तक के पीछे लिखा गया था, जिन्हें लिखने के लिए यूहन्ना से मना कर दिया गया था...उन बातों पर जिन्हें सात गर्जन के शब्दों ने कहा मोहर कर दे, और उन्हें मत लिख। यह पीछे की तरफ..बाहर की ओर है। जब पुस्तक पूरी हो जाती है...अब, उसने यह नहीं कहा था, आगे की ओर; उसने तो कहा था, पीछे की ओर। यह जब सारी की सारी पूरी हो जाती है, तो उसके बाद सात गर्जन के ये शब्द जो उस पुस्तक में जड़े हुए है, सिर्फ केवल यही एक ऐसे हैं जिनका प्रकटीकरण नहीं होता है। ये तो पुस्तक में लिखे हुए भी नहीं हैं।

भेद पूरा होता है, भेद खत्म होता है, तो उसके बाद सात शब्दों का प्रकाशन प्रकट होता है

पेज़ 39-3 106 ***अब, जब वह शब्द देने लगता है, तो गुप्त मनोरथ पूरे होंगे। अब ध्यान रखें। उसके बाद इसके लिए समय होता है, कि प्रकाशितवाक्य 10 के सात मोहरबंद शब्दों का खुलासा हो। क्या आप समझे? जब पुस्तक के सारे गुप्त मनोरथ पूरे हो जाते हैं,*** और बाइबल यहाँ पर कहती है, कि वह सारे गुप्त मनोरथ पूरे करेगा...

पुस्तक पूरी हो जाती है, तो उसके बाद प्रकाशितवाक्य 10 के सात शब्दों के समय

पेज़43-2 115 ***अब दृष्टि डालिए, जब सात शब्दों के लिए समय होता है, जब पुस्तक पूरी हो जाती है, तो उसके बाद प्रकाशितवाक्य के सात शब्दों के लिए समय होता है, कि उनका खुलासा हो।***

प्रकाशितवाक्य 10:1, स्वर्गीय स्वर्गदूत, वाचा, अगली उद्घोषणा

पेज़45-7 123 *अब, सुनिए!* ***यह वाला स्वर्गदूत आकाश से नीचे आता है। देखिए, सात कलीसियायी कालों के वे दूसरे सातों दूत पृथ्वी पर के सन्देशवाहक थे,*** *परन्तु यह वाला स्वर्गदूत...सारा सन्देश खत्म हो गया है। सातवां दूत सम्पूर्ण बात को समेट लेता है। और यह वाला स्वर्गदूत पृथ्वी पर नहीं आता है। वह पृथ्वी पर का कोई मनुष्य नहीं है, जैसे कलीसियायी कालों के सन्देशवाहक थे; वह खत्म हो गई थी।* ***परन्तु यह स्वर्गदूत अगली उद्घोषणा लेकर आता है। और दूत का अर्थ होता है, सन्देशवाहक। वह स्वर्ग से नीचे आता है, और वह उस ज्योति के खम्भे को, बादल को ओढ़े हुए था, और उसके सिर पर एक मेघधनुष था। और मेघधनुष एक वाचा है। वह मसीह था जिसने अपना एक पाँव पृथ्वी पर और एक पाँव समुंद्र पर रखा हुआ था, और शपथ खाकर कहा था, कि अब तो और देर ना होगी(अब तो और समय न होगा)***

भाई ब्रन्हम एरिज़ोना के रेगिस्तान में चले गए थे जहाँ सात स्वर्गदतों के द्वारा उन्हें देहसहित ऊपर उठा लिया गया था– उन्हें सात स्वर्गदूतों के द्वारा देहसहित उस बादल में ऊपर उठा लिया गया था जिसे उन्होंने आकाश में छब्बीस मील ऊँचा बनाया था, और तीस मील घेरे में बनाया था; और भाई ब्रन्हम से मोहरों के खुलासे के लिए जैफरसनविले में वापस लौटने के लिए कहा था। **भाई ब्रन्हम ने एक के बाद एक करके लगातार आठ सन्देशों का प्रचार किया, और उन में से छः तो पहली से लेकर छठवीं मोहर थी, और उसके बाद वे मोहरों पर प्रश्नों का उत्तर देने के लिए एकाएक बीच में ही रुक**

गए। निसन्देह बहुतेरों ने 24 मार्च की उस सुबह उन से यही आशा रखी थी, कि वे सातवीं मोहर पर प्रचार करेंगे; लेकिन ऐसा करने की बजाए, वे प्रचारमंच पर आए और अपने श्रोतागणों को सख्त हिदायत दी, कि वे किसी भी उस बात पर अपने निज अनुवाद ना घुसाएं, जिनका सम्बंध मोहरों से है; और खासतौर पर वे ऐसा तब ना करें जब वे ठीक उस रात को सातवीं मोहर पर प्रचार करते हैं।

सात मोहरों पर प्रश्न और उत्तर
भाई विलियम ब्रन्हम

सातवीं मोहर पवित्र वचनों में नहीं है, यह तो सीधे ही स्वर्ग से आती है

457(4) और अगर प्रभु ने चाहा तो अब आज रात्रि हम आखिरी मोहर पर आ रहे होंगे। और यह अत्यंत भेदभरी मोहर है, क्योंकि पवित्र वचनों में कहीं भी इसका वर्णन तक नहीं किया गया है, ना तो कोई प्रतीक ही हैं, और ना ही कुछ ऐसा है जिससे इसे पकड़ा जाए। ***इसे तो सीधे ही स्वर्ग से आना है।*** *समझे?****(नया संस्करण पेज़ 409(4))***

पवित्र आत्मा ही मोहर तोड़ता है

*458(3) अब, उन सभों के हृदय लगे हुए हैं। ये मोहरे क्या हैं? उनका ध्यान इसी पर लगा हुआ है, कि यह क्या हैं? एक रात के बाद दूसरी रात को जब मैं यहाँ पर आता हूँ, तो मैं इतना अधिक तनावग्रस्त होता हूँ, कि मुझे उस तनाव को शान्त करने के लिए किसी दूसरी बात के बारे में बातचीत करनी पड़ती है (समझे आप?) और उसके बाद पवित्र आत्मा ही मोहर का खुलासा करता है...****(नया संस्करण पेज़ 410(8))***

मंड़ली को यह नहीं मिलती है, ऐसी अपेक्षा नहीं की जाती है, कि उसे यह मिले, अर्थ बतलाने की चेष्टा न करना, और भी दूर चले जाते हैं

458(4) और फिर मैं यह भी जानता हूँ, कि ठीक तुम्हारे मध्य में बहुत सी घटना घटित हो रही हैं..(समझे?)..मैं जानता हूँ, कि आप उन्हें नहीं देखते हैं। मैं पूर्णतः सुनिश्चित हूँ, कि आप इसे नहीं देखते हैं। समझे? और आप कहते हैं, ''भाई ब्रन्हम, आपके लिए ऐसा कहना एक कठिन बात है। मैं इसे जानता हूँ।'' परन्तु देखिए, मैं बस इस समय इसे कहे देता हूँ। मैं सोचता हूँ, कि यह बस हमारे लिए टेप तथा ऐसा ही और कुछ होता है। परन्तु मैं यह बात कहे देता

हूँ,..(समझे?)..कि आपको यह नहीं मिलती है,(समझे?)...और आप से अपेक्षा नहीं की जाती है, कि यह आपकों मिले। अतः आप देखिए, कि आप किसी बात का अर्थ बतलाने की चेष्टा न करें। आप इसमें अपना अनुवाद घुसाने का यत्न न करें। ऐसा करके तो आप सिर्फ दूर ही चले जाते हैं।

458(5) आप बस मेरी सलाह मान लें, अगर अब आप मुझ पर विश्वास करते हैं। यदि परमेश्वर ने मुझे आपकी दृष्टि में अनुग्रह प्रदान किया है, तो आप मेरी सलाह मान लें। औरआप उन प्रकाशनों तथा उन बातों को जानते हैं..मैं यहाँ पर आपके साथ एक लम्बे अरसे से रहा हूँ, और यह सदैव ही सच्चा ठहरा है। और अब इसे दोहरा सत्य प्रमाणित करने के लिए, यह बिलकुल ठीक ठीक वचन के अंदर पाया जाता है। समझे? अतः आप जानते हैं, कि ***यह यहोवा यूँ फरमाता है,*** *वाला वचन है। यह बिलकुल ठीक बात है। समझे? यह बात आप पर साबित हो चुकी है।* ***(नये संस्करण का पेज़ 410(10-11))***

अनुवाद न करे, वरना आप खुद को असली वस्तु से ही दूर कर लेंगेः
मैं जानता हूँ , रहस्यमयी घटना घटित हो रही है

458(6) ***अब, अगर आप मुझ पर यकीन करते हैं, तो आप मेरी सलाह मान लेंः आप किसी भी बात में अपना निज अनुवाद घुसाने का प्रयास न करें। आप बस ठीक ठीक आगे बढ़ते रहें, और एक अच्छा मसीही जीवन व्यतीत करें; क्योंकि जब आप वैसा करते हैं, तो आप खुद अपने को ही असली वस्तु से ही दूर कर लेंगे। समझे? आप फिर से अपनी राह की दिशा असली बात से फेर लेंगे। और आप सभी सचेत हैं, और आप जानते हैं, कि कोई रहस्यमयी घटना घटित हो रही है, और यह घटित हो रही है, और मुझे मालूम है, कि अब यह क्या है। (नये संस्करण का पेज़ 410(12-13))***

जबरदस्त, रहस्योमयी घटना जा चुकी है,
आपके पास कोई तरीका नहीं है, जो इसे देख लें

459 (1) *मैं वह नहीं कह रहा हूँ। यह तो परमेश्वर का ही अनुग्रह है, जो मुझे जानने देता है, कि यह क्या है।* ***य ह कोई जबरदस्त बात है, और ठीक इस समय यह घटित हो चुकी है; और संसार में कोई ऐसा तरीका नहीं है जो आप इसे देख लें।*** *परन्तु*

मेरी बहुत अधिक सहायता की है, और मैं बाइबल अपने हाथ में लिये हुए कहता है, कि मैं जानता हूँ, कि यह क्या है।

459 (2) यह आपको पहले ही बताया जा चुका है, अतः आप अपना कोई भी अनुवाद घुसाने की चेष्टा न करें, परन्तु बस मुझ पर अपने भाई के जैसे विश्वास करें (समझे?) हम एक महान घड़ी में रह रहे हैं। ***(नये संस्करण का पेज़ 410(13))***

परमेश्वर के असली कार्यक्रम में गड़बड़ी उत्पन्न कर देता है

459 (3) ...आप सचमुच में नम्र व एक सच्चे मसीही बने रहें, और परमेश्वर के लिए जीने का यत्न करें, और अपने आसपास के लोगों के साथ निष्कपटतापूर्वक जीवन व्यतीत करें, और उन से प्रेम करें जो आप से प्रेम नहीं करते हैं। कुछ बनने की कोशिश न करें...आप देखिए, ***आप वैसा करते हैं, तो आप इसे रहस्यमयी बना देते हैं, और परमेश्वर के असली कार्यक्रम में ही गड़बड़ी उत्पन्न कर देते हैं। समझे? (नये संस्करण का पेज़ 411(14))***

दो बातें; कुछ घटित हुआ—तुम्हारे पास कदापि नहीं छोड़ूँगा

459(4) कल दोपहर-बाद मेरे कक्ष में कुछ घटित हुआ था, जिसे मैं कभी नहीं छोड़ सकूँगा। समझे आप? और लगभग दो सप्ताह पहले कुछ ऐसा घटित हुआ था, कि जब तक मैं इस धरती पर रहता हूँ, मैं उससे कदापि दूर नहीं हो सकूँगा। समझे?.. ***(नये संस्करण का पेज़ 411(15))***

कलीसिया को इसे नहीं जानना, इसका अर्थ नहीं बतलाना,
वरना सत्य-पथ से गुमराह हो जायेंगे

459(5) ***अतः ऐसा है, लेकिन जो कलीसिया यहाँ पर है उसे इन बातों को नहीं जानना है...अतः आप किसी भी बात में अपना अनुवाद घुसाने की बिलकुल भी चेष्टा न करें। समझे?*** *आप बस आगे बढ़ें और केवल वह स्मरण रखें जो आपको बताया गया है; एक मसीही जीवन जीयें। अपनी कलीसिया में जाएं, आप जहाँ कहीं भी हैं आप एक सच्चा उजियाला बनें; और केवल मसीह के लिए प्रज्ज्वलित हों, और लोगों को बताएं, कि आप मसीह से कैसा प्रेम करते हैं।और सारे समय लोगों में आपकी गवाही प्रेमसहित हो..(समझे?)..* ***क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप वहाँ पर खुद अपने को किसी और ही बात में मोड़ लेंगे, और फिर आप सत्य-पथ से ही गुमराह हो जायेंगे।(नये संस्करण का पेज़ 411 (16))***

सातवीं मोहर का अर्थ बताने की चेष्टा ना करें,
साधारण-स्पष्ट सन्देश के साथ आगे बढ़ते रहें

459 (6)देखिए, जब कभी आपने ऐसा करने की चेष्टा की, तो आपने प्रत्येक बार वही

किया। समझे? ***अतः आप अपना कोई अनुवाद बनाने की चेष्टा कदाचित न करें। और खासतौर पर तो आप उस मोहर का अर्थ बतलाने की बिलकुल भी चेष्टा न करें, जब वह मोहर आज रात्रि आपके सम्मुख प्रकट की जाती है। समझे? बस उसका अर्थ बतलाने का बिलकुल भी प्रयास न करें। आप बस आगे बढ़ें और नम्र बनें रहें, और इस सरल-स्पष्ट सन्देश पर चलते रहें।*** *अब आप कहते हैं, ''भाई ब्रन्हम...क्या हमें जीवते परमेश्वर की कलीसिया होकर भी, ऐसा नहीं करना चाहिए..?''* (नये संस्करण का पेज़ 411(16-18)

साधारण-स्पष्ट सन्देश क्या है?

सातवीं मोहर और सात गर्जनों के खुलासे के सम्बंध में साधारण-स्पष्ट सन्देश यही है, कि सातवीं मोहर और सात गर्जनों के अतिरिक्त मलाकी4:5-6 के सन्देश का ही प्रचार किया जाए।

सन्देश माननेवाले सम्पूर्ण जगत ने लगभग दस वर्षों तक वफादारी से भविष्यद्वक्ता के निर्देशों का अनुसरण किया और एक गर्जनरहित सन्देश की उद्घोषणा की। मैं पूछ रहा हूँ, कि सन् 1973 में किसने दस सालों की खामोशी या चुप्पी को तोड़ा? किस अधिकार से किसने इसे तोड़ा? और आध घड़ी का सन्नाटा क्या है?

सातवीं मोहर पर चुप्पी के उन दस वर्षों के दौरान सन्देश के माननेवाले विश्वासी उससे कहीं ज्यादा पवित्रताई में जीवन व्यतीत करते थे और प्रचारकों ने पवित्रताई पर उससे और भी ज्यादा प्रचार किया था, और साधारण-स्पष्ट सन्देश की शिक्षाओं को उससे ज्यादा स्थापित किया था, जितना कि उन्होंने उस समय के बाद किया।

साधारण-स्पष्ट सन्देश की शिक्षाएं हैं– प्रेरितों के काम 2:28 के अनुसार बपतिस्मा, एक ही परमेश्वर, कोई स्त्री प्रचारक नहीं; कोई टेलीविज़न नहीं, कोई खेलकूद(स्पोर्ट) नहीं, कोई संस्था नहीं, कैथोलिक कलीसिया और उसी पुत्रियों की प्रकाशितवाक्य 17 में पहचान कराया जाना, सर्पवंश, पहले से ठहराया जाना, मलाकी 4:5-6, सात कलीसियायी काल और छः मोहरों का प्रकटीकरण।

साधारण-स्पष्ट सन्देश के मापदण्ड़ हैं– दुनियावी स्टाइल का कोई पहिरावा न पहनना, दुनियावी स्टाइल के जूतों का न पहनना, दुनियावी स्टाइल में बालों को न कटवाना इत्यादि; स्त्रियों द्वारा चुस्त-तंग पहिरावे, स्लैक्स, पैन्टस्-पतलून, मरमेड़ जैसी पोशाकेंना पहनना, परदर्शी-झिन्ने कपड़े न पहनना, ऐसे कपड़े न पहनना जिनमें से अंदरूनी कपड़े दिखते हों; या छापे या ठप्पेवाले कपड़े न पहनना, ऊँची ऐड़ी की जूतियाँ न पहनना, श्रृंगार वाली वस्तुऐं उनकी देह का आलिंगन न कर रही हों, किसी भी तरह के जेवरों का न पहनना, सिवाये शाद

ी की अंगूठी या शादी में चढ़ायी गई चेन के। प्रचारकों, डीकनों तथा किसी भी सेवादार का परमेश्वर के भवन में अयोग्य ठहरना, अगर वे अपने घराने का रख-रखाव नहीं रख सकते हैं, और उनकी पत्नी और बच्चे विश्वास में नहीं हैं।

सन्देश को माननेवाले विश्वासी ''बिना गर्जन के शब्द वाले सुसमाचार-सन्देश'' के साथ उन सारी शिक्षाओं और मापदण्ड़ों को मानते हुए पालन किया करते थे। सन् 1973 के बाद तो सन्देश की पवित्रताई का ही सर्वनाश कर डाला गया, और पवित्रताई के मापदण्ड़ों में गिरावट आ गई; जबकि उनके नैतिक मापदण्ड़ तो पिछले सालों में और भी ज्यादा ऊँचे हो जाने चाहिये थे।

उस पर कान लगाओ, जो मैं तुम्हें बताता हूँ

459(7)...''क्यों मै ऐसा नहीं कर सकता हूँ? मुझे तो ऐसा करना ही चाहिए...''

460(1) जी नहीं, आप यह याद रखें, कि मैं यह आपके भले के लिए ही कह रहा हूँ। देखिए, मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ, जिससे आप समझ जाएं। यदि अब आप मुझ पर विश्वास करते हैं, तो आप उसी पर कान लगाएं जो मैं आपको बताता हूँ। समझे? *(नये संस्करण का पेज़ 411(18-19))*

''प्रभु कहता है'', आप सचेत रहें

460(4) **अब, आप बस स्मरण रखें, कि आप जैसे हैं वैसे ही रहें। और आप कहते हैं,'' अच्छा, प्रभु...'' जी नहीं, अब आप बस सचेत रहें।** *(नये संस्करण का पेज़ 411(21) से 412 (22))*

किसी बात का अर्थ न बतलाएं, वह इसे तुम्हारे पास भेजेगा

460 (5) अब, यहाँ देखिए! आइये मैं आपको कुछ दिखाता हूँ। समझे? क्या आप जानते हैं, कि ठीक इस समय इस कक्ष में हजारों स्वर(आवाज़ें) हैं, यहाँ पर वास्तविक रूप में लोगों की वे आवाज़ें हैं जो रेडियों की इलेक्ट्रोनिक तरंगों के माध्यम से आ रही हैं। आप उन्हें क्यों नहीं सुनते हैं? वे आवाज़ें हैं। क्या यह सही है? वे ठीक इस समय यहाँ पर विचरण कर रही हैं। इस समय इस कक्ष में लोग, रूप-आकृतियाँ, और वस्तुऐं-देहें हैं, जो विचरण कर रही हैं। क्या यह सही है? ठीक है, आप क्योंकर उन्हें नहीं देखते हैं? वे यहाँ पर हैं, वे मेरी आवाज़ के जैसी ही वास्तविक आवाज़ें हैं। ठीक है, आप इसे क्योंकर नहीं सुनते हैं?

460(6) देखिए, उसे सबसे पहले किसी वस्तु से टकराना होता है, ताकि वह जाहिर हो सके। समझे? अब, क्या आप समझे? अतः आप किसी भी बात का अर्थ न बतलायें। ***अगर परमेश्वर चाहता है, कि आप कोई बात जानें, तो वहीं इसे आपके पास भेजेगा।*** *(समझे?) अतः अब आप बस असली, बिलकुल असली मजबूत इंसान बने*

रहें...खामोश रहें। ***कुछ घटित हुआ है। और अब बस असल में...आप समझते हैं, कि मेरा क्या तात्पर्य है।*** क्या आप नहीं समझते हैं? (नये संस्करण का पेज़ 412(23-24))

अपने आपको अज़ीबोगरीब ना बनायें, यह वह तीसरा खिंचाव है

460(7) आप एक मसीही बनने के लिए खुद अपने को अजीबोगरीब ना बनायें, क्योंकि..(समझे?)..ऐसा करके तो आप खुद अपने को ही परमेश्वर से दूर ले जाते हैं। ***अगर आप समझ सकते हैं, तो यही वह तीसरा खिंचाव हैं आपको तो इसे किसी दूसरे दिन पकड़ लेना चाहिए था।*** *देखिए, अतः तब बस...* (नये संस्करण का पेज़ 412(24-25))

तीसरे खिंचाव की कोई नकल नहीं होगी
जहाँ तक है आपको जान लेना चाहिए

460(8) याद रखें, इसकी कोई नकल नहीं होगी, जैसे उन दूसरे दो की नकल हो गई थी। *समझे?* ***अतः जहाँ तक है, आपको इसे जान लेना चाहिए।*** *अब आप बस यह स्मरण रखें, कि आप देखते हैं, कि इस समय इस कक्ष में कुछ घटित हो रहा है, और यहाँ पर कुछ है...वह सचमुच में इस कक्ष में है, कई स्वर्गदूत, परमेश्वर की आवाज़...(समझे?)... परन्तु..यदि आप स्वाभाविक आवाज़ को तब तक नहीं सुन सकते हैं, जब तक कोई वस्तु उसे बाहर न भेजे, तो फिर आप आत्मिक आवाज़ कैसे सुनेंगे?* ***(नये संस्करण का पेज़ 412(25-26))***

विश्वास करने का ढ़ोंग करते हो, कि कोई गीत गा रहा है
सच्चा अनुवाद और प्रमाण

461(1) अब हो सकता है, कि आप विश्वास करने का ढ़ोंग करें, कि कोई व्यक्ति इस निश्चित गीत को गा रहा है। परन्तु जब सचमुच में यह उस क्रिस्टल से टकराती है, जिससे इसे टकरना चाहिए, तो उसके बाद ***यह इसका असली-सच्चा अनुवाद बताती है, और इसकी तस्वीर दिखाने के द्वारा इसे प्रमाणित करती हैं*** *। क्या आप समझे, कि मेरा क्या अभिप्राय है?* ***(नये संस्करण का पेज़ 412(27))***

सातवीं मोहर मालूम नहीं है—जैसे मसीह का आगमन

465(2)... *और हमने वह लिया था जो यीशु ने यहाँ पर कहा था। देखिए, उन्होंने उससे तीन प्रश्न पूछे थे—''ये बातें कब होंगी? तेरे आने का चिन्ह क्या होगा? और जगत का अंत क्या है?'' और वह ठीक नीचे आता हे, और हमने उनका उनमें से हर एक का अध्ययन किया था, लेकिन उसी एक के अन्तर्गत ऐसा किया था।* ***वह क्या था? सातवीं मोहर। क्यों? देखिए, यह मालूम नहीं है।*** *(नये संस्करण का पेज़ 416(56*

सातवी मोहर कुछ नहीं प्रकट करती है, कि इसके साथ क्या होता है

कलीसियायी काल—भविष्यद्वक्ता वाला वरदान ही उसे प्रकट करता है

466(6) अब, हम उस अधर्म को ज्ञात करते हैं जिसने सातवें कलीसियायी काल में प्रहार किया...परन्तु सातवीं मोहर कुछ भी प्रकट नहीं करती है, कि इसके साथ क्या होता है..(समझे?)...क्योंकि उस कलीसियायी काल केअंत पर एक भविष्यद्वक्ता वाला वरदान आना है, कि इन बातों को प्रकट करे। समझे? क्या आप इसे समझ रहे हैं? यह बिलकुल ठीक बात है। (नये संस्करण का पेज़ 417(67))

भाई ब्रन्हम इस बात को स्थापित कर रहे हैं, कि मंड़ली या लोग खुद अपने आप ही सातवीं मोहर का प्रकाशन हासिल नहीं कर सकते हैं। इसका तो एक कार्य-योजन है। आप पूछते हैं, ''अगर भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर का प्रकाशन नहीं दिया है, तो कौन इसे देगा? वह कार्य-योजन(कार्यक्रम) क्या है? हम कहाँ खड़े होते हैं, अगर आप कहते हैं, कि उन्हें यह नहीं मिला था?'' मैं यहाँ पर इस काम के लिए नहीं हूँ, कि मैं अपने अनुवाद घुसाऊँ। मैं तो केवल वही कह रहा हूँ जो उन्होंने कहा था। अगर आपके शिक्षालय के पास वह है, तो आप उसे प्राप्त कर लें। हो सकता है, कि आप सही हों।

मैं आपके लिए सातवीं मोहर पढ़ने जा रहा हूँ, बिलकुल ठीक वैसे ही जैसे भविष्यद्वक्ता ने इसे बोला था। जहाँ वो कुछ निश्चित पन्नों पर रुके और प्रत्यक्ष रूप से उस विषय पर नहीं बोला; मैं उन सब बातों को अवतरणों में व्यवस्थित करूँगा, ताकि उस मोहर से कोई सम्बंध स्थापित किया जाए। मैं हर एक तथ्य पर संख्या अंकित करके उनका अलग अलग उल्लेख करूँगा। अतः विश्वविद्यालय के इन दो स्नातकों से, जिन्हें अंग्रेजी भाषा पर महारथ हासिल है, पहले से ही कह दिया गया है, कि वे ध्यान से देखें, कि क्या मैं भविष्यद्वक्ता की बातों को गलत समझ रहा हूँ, और क्या वे इसी बात की ओर मेरा ध्यान खींच सकते हैं, और क्या वे इसी बात की ओर सभा का ध्यान खींच सकते हैं। ठीक यही बात मेरे आलोचकों पर या उन पर भी लागू होती है, जो सातवीं मोहर का गलत अर्थ बताते हैं—और उसे ऐसा बना देते हैं, कि वह उससे अलग ही बताये, जो भविष्यद्वक्ता ने प्रकाशन के द्वारा बतलाया था।

मैं आप से विनती करके कहता हूँ, कि आप मुझे तथ्य संख्या बताएं और साबित करें, कि मैंने उस बड़े भविष्यद्वक्ता का हवाला गलत दिया है, या मैंने उसके शब्दों को गलत प्रस्तुत किया है, ताकि यह वैसा कह दे जैसा वह नहीं कह रहा है।

मैंने विश्वविद्यालय के इन दो स्नातकों को इसलिए काम पर नहीं लगाया है, ताकि ये इस बात की पुष्टि करें, कि भाई ब्रन्हम का सातवीं मोहर पर प्रकाशन सही है; मगर इन्हें सिर्फ इस लिए काम पर लगाया है, ताकि वे यह सत्यापित करें, कि मैं अंग्रेजी भाषा को पंक्तिबद्ध वैसा ही बतला रहा हूँ जैसा भविष्यद्वक्ता ने बोला था; और आत्मा से भरे प्रचारकगण और सन्देश को मानने वाले एक हजार विश्वासी जन, विचारधारा के दोनों ही शिक्षालयों के

सदस्यों जो यहाँ पर हाजिर हैं, और जो इसे ऑडियो और वीडियो टेप के माध्यम से सुनेंगे; वे उस सत्य कां भांप लें, जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के विषय में बोला था—क्या यह 1963 से 1965 तक खुल गई थी या यह नहीं खुली थी?

मार्च 24, सन्1963 की संध्या को वो सातवीं मोहर पर अपना प्रकाशन देने के लिए प्रचारमंच पर गए। बजाए उसके उन्होंने कलीसिया पर प्रकाकिशतवाक्य के सातवें अध्याय के द्वारा प्रकाश डाला, और बताया कि जिन एक लाख चवालीस हजार यहूदी के बारे में सातवें अध्याय में बताया गया है, वे यथोचित छठवीं और सातवीं मोहर के बीच रखे गए हैं। आगे चलकर उन्होंने यह स्पष्ट किया, कि दो मूल गोत्रों को हटाकर उनके स्थान पर किन्हीं दूसरे दो गोत्रों को रखा गया था, क्योंकि उन्होंने मूर्तिपूजा की थी। इससे पहले कि वे सातवीं मोहर पर कुछ बोलते, उन्होंने ज्यादा से ज्यादा समय इस विषय पर ही लिया। उन्होंने इसके बारे में पेज़ 532 और 536 (नये संस्करण में पेज़ 479 और 483) पर बोला, बल्कि सातवी मोहर पर उनका असली विषय तो पृष्ठ संख्या 555 पर ही शूरू होता है।

मूल सातवीं मोहर
भाई विलियम ब्रन्हम

यीशु ने पर्वत पर सातवीं मोहर को छोड़ दिया था

*532(5) अब, हमें यह मालूम होता है, कि ....प्रभु, यह हो कि हम शास्त्र, पवित्र शास्त्र लेकर वह देखें जो यीशु ने कहा था, कि घटित होगा....(वहाँ पर उसका उपदेश है)...वह उसका उत्तर दे रहा है, और उसने छः मोहरों के बारे में बिलकुल ठीक ठीक बताया, मगर उसने सातवीं मोहर को छोड़ दिया था। समझे?**(नये संस्करण का पेज़ 479(51-52))***

यहाँ तक कि कोई प्रतीक भी प्रकट नहीं किया

*532(6) तब जब मोहरें खोलीं गईं, तो उसने अर्थात् परमेश्वर ने सातवीं मोहर के लिए कोई प्रतीक तक प्रकट नहीं किया था। समझे? इसका भेद तो पूरी तरह से परमेश्वर के पास ही है...**(नये संस्करण का पेज़ 479(53))***

सातवीं मोहर के बारे में उत्पत्ति में बोला गया

*536(4) ...और अगर मेरे पास समय रहा(मैं कुछ जगहों को लेने का प्रयास करूँगा), ताकि आप को दिखाऊँ, कि अनादि से ही..**उत्पत्ति से ही सारे समय सातवीं मोहर के बारे में बोला गया।** उत्पत्ति से ही, बिलकुल आरम्भ से ही सातवीं..ये मोहरें आगे*

*बढ़ीं।**(नये संस्करण का पेज़ 483(77-79)***

तथ्य संख्या.1
मोहर लगाकर बंद की गई छुटकारे की योजना

*555(7) **अब हम अग्रसर होंगे...आठवें अध्याय के पहले पद की ओर; हम प्रकाशितवाक्य 8:1 की ओर चलेंगे...हमें अवश्य ही यह स्मरण रखना चाहिए, कि यह सातवीं मोहर सारी बातों के अंत का समय है। यह सही बात है। वे बातें जो सात मोहरों की पुस्तक में लिखीं हुई हैं..(छुटकारे की योजना जगत की नेंव रखे जाने से भी पहले मोहर लगाकर बंद की गई)**...यह उसकी हर बात का अंत है। यह अंत है; यह संघर्ष कर रहे संसार का अंत है; यह संघर्ष कर रही प्रकृति का अंत है। यह हर एक वस्तु का अंत है। वहाँ उस में तुरहियों का अंत है। यह विपत्तियों के कटोरे का अंत है। यह पृथ्वी का अंत है। यह है...यहाँ तक कि यह तो समय का भी अंत है। समय समाप्त हो जाता है; बाइबल ऐसा ही कहती है**(नये संस्करण का पेज़ 501(229-230))***

सातवीं मोहर–सारी बातों का अंत

*556 (1) ...प्रकाशितवाक्य का दसवाँ अध्याय और पहले से सातवाँ पद। समय समाप्त हो जाता है। स्वर्गदूत ने कहा था, ''समय और ना रहेगा।''ऐसा कब होगा—इस महान घटना के घटित होने के दिनों में! **इस समय में, इस सातवीं मोहर के अंत पर सभी बातों का अंत हो जाता है।***

556(2) ध्यान दीजिए, यह कलीसियायी काल का अंत है। यह सात मोहरों की समाप्ति है। यह तुरहियों का अंत है। यह विपत्तियों के कटोरों का अंत है, यहाँ तक कि यह सहस्राब्दि में प्रवेश का अंत है; यह सातवीं मोहर पर ही है।

556(3) यह तो हवा में रॉकेट के दागने जैसी है, और वह रॉकेट तो यहाँ पर विस्फोट करता हुआ धमाका करता है, और ऊपर चला जाता है, वह इसके बाद फिर से विस्फोट करता है। वह पाँच सितारे बाहर निकालता है। उन सितारों में से किसी एक सितारे में विस्फोट होता है, और उससे पाँच सितारे बाहर निकलते हैं; और उसके बाद उनमें से कोई एक सितारा विस्फोट करता है, और उससे पाँच सितारे बाहर निकलते हैं..(समझे?)..और यह ऐसे ही आगे बढ़ते हुए धूमिल हो जाता है। बिलकुल ठीक ऐसी ही सातवीं मोहर है; यह जगत के लिए समय का अंत करती है; वह इसके लिए समय का अंत करती है। इसके लिए से अभिप्राय है, कि वह उसके लिए समय का अंत करती है। यह इसके लिए समय का अंत

*करती है। यह समय का अंत करती है...**बस हर एक बात का अंत उस सातवीं मोहर पर हो जाता है।***

556 (4) ***अब, वह इसे कैसे करने जा रहा है? यह वो बात है जो हम नहीं जानते हैं;*** *क्या ऐसा नहीं है? हम नहीं जानते हैं। यहाँ तक कि यह सारी बातों का और सहस्राब्दि में प्रवेश का अंत है।ध्यान दीजिए, कि इस मोहर का तोड़ा जाना इतनी जबरदस्त घटना थी, कि इसके द्वारा स्वर्ग में आध घड़ी का सन्नाटा छा गया। अब, क्या यह जबरदस्त है? यह क्या है? सन्नाटा थाः स्वर्ग में। किसी ने भी आध घड़ी के लिए कोई हरकत तक न की।* ***(नये संस्करण का पेज़ 501(232) से लेकर 502(238))***

यीशु ने कभी भी इसका उल्लेख नहीं किया–यह उसका आगमन है

556(5) अब, अगर आपके पास एक अच्छा-खासा वक्त है, तो आध घड़ी बहुत लम्बी नहीं होती; परन्तु जिन्दगी और मौत के दरमियान तो यह वक्त एक हजार साल के बराबर लगता है। ***यह इतनी जबरदस्त थी, कि यीशु ने इसका कभी उल्लेख भी नहीं किया था; उन में से बाकियों ने भी ऐसा कदापि नहीं किया था। यूहन्ना तो इसे लिख भी नहीं सका था। जी हाँ! उसे तो लिखने के लिए मना कर दिया गया था। देखिए, उसने नहीं लिखा था, मगर उसने तो इतना ही लिखा था, कि सन्नाटा था। (नये संस्करण का पेज़ 502(239-240))***

तथ्य संख्या. 2

सातवीं मोहर, हम में से कोई नहीं जानता, मैं आपको प्रकाशन बताता हूँ

557(2)...क्यों? यह क्या है?

557(3) अब, ***हम में से कोई भी इसे नहीं जानता है; लेकिन मैं आपको इस पर अपना प्रकाशन बताने जा रहा हूँ।*** *और अब, मेरा झुकाव इस ओर नहीं है, कि मैं एक कटरपंथी बन जाऊँ। यदि मैं ऐसा हूँ, तो मैं इससे अनजान हूँ। समझे? मैंने अपने आप को ऐसा नहीं बनने दिया कि मैं ''हीन दृष्टिवाला'' या मनगढ़त-काल्पनिक बातें करनेवाला'' हो जाऊँ। हो सकता है, कि मैं ने कुछ ऐसी बातें कहीं हों, जो कुछ लोगों को विचित्र लगी हों, लेकिन जब परमेश्वर ही उसके समर्थन में उसके चारों ओर आ जाता है और उसे प्रमाणित करता है, और कहता है, कि यह सत्य है, तो फिर वह परमेश्वर का ही वचन होता है। हो सकता है, कि बात उस रीति से विचित्र लगती हो।* ***(नये संस्करण का पेज़ 502(245) से पेज़ 503(247))***

तथ्य संख्या. 3

मेरे पास वह प्रकाशन है जो प्रकट हुआ–
यह एक तीन तह वाले उद्देश्य में है

तथ्य संख्या. 4

भेद सात गर्जनों के पीछे स्थित

557(4) और अब, ***यह बात वैसे ही सुनिश्चित है जैसे कि आज रात्रि मैं यहाँ पर खड़ा हुआ हूँ, मेरे पास वह प्रकाशन है जो प्रकट हुआ—यह त्रिमुखी उद्देश्य (तीन तहों)के भीतर है। ऐसा है, कि परमेश्वर की सहायता से मैं आप से इसकी एक तह के बारे में बोलूँगा। और इसके बाद आप....आइये सबसे पहले हम वहीं पर चलते हैं। सबसे पहले तो यहाँ पर उसका प्रकाशन है*** *जो...मैं आपको बताना चाहता है, कि यह क्या है।* ***उन सात गर्जनों में क्या हुआ था जो उसने सुने थे, और उसे लिखने से मना कर दिया गया था; ये ही तो वह गुप्त भेद है जो उन लगातर एक के बाद एक होने वाले गर्जन के शब्दों के पीछे स्थित है। (नये संस्करण का पेज़ 503 (248))***

उसने यह कभी नहीं कहा था,'' मेरे पास वह प्रकाशन था जिसने इसका खुलासा किया''; लेकिन यह तो त्रिमुखी उद्देश्य या तीन तहों के रूप में है। उस पर यह प्रकट किया गया था, कि सातवीं मोहर तीन तहों के रूप में है। लोगों ने ही उस वक्तव्य का गलत अर्थ निकाल लिया।

*557(5) अब, क्यों? आइये हम इसे साबित करते हैं। क्यों? यह वह गुप्त भेद है, जिसके बारे में कोई नहीं जानता है। यूहन्ना को उसके बारे में लिखने के लिए मना कर दिया गया था; यहाँ तक कि उसे इसके बारे में कोई प्रतीक या संकेत भी लिखने के लिए मना कर दिया गया था । क्यों? यही कारण है, कि स्वर्ग में कोई क्रियाकलाप नहीं हुआ था, कि कहीं ऐसा न हो, कि इससे भेद खुल जाए। क्या अब आप इसे समझते हैं? अगर यह इतनी जबरदस्त है, तो इसे अवश्य ही शामिल कर लिया जाना था, क्योंकि इसे तो घटित होना ही है, लेकिन जब वे सात गर्जन...**(नये संस्करण का पेज़ 503(249-250)***

तथ्य संख्या. 5

यीशु ने कभी इसके बारे में नहीं बोला, यूहन्ना इसे लिख नहीं सका
स्वर्गदूत इसके बारे में कुछ नहीं जानते हैं, यह पूरी तरह से गोपनीय है।

558 (1)...लेकिन यहाँ पर लगातार एक ही कतार में सात गर्जन होते हैंः एक, दो, तीन, चार, पाँच, छः, सात, और यह सात एक सिद्ध अंक है। एक ही कतार में सात गर्जन होते हैं, उच्चारण नहीं हुआ, सिर्फ एक ही कतार में लगातार सीधे सीधे ही एक, दो, तीन, चार, पाँच, छः, सात गर्जन हुए। तब आसमान इसे लिख ना सके। आसमान इसके बारे में कुछ नहीं जान सकते हैं , कोई और इसके बारे में कुछ नहीं जान सकता है; क्योंकि वहाँ पर

कुछ भी ऐसा नहीं था जो क्रिया कर रहा हो। यह तो सुस्ताने का एक समय था। ***यह इतनी जबरदस्त है, कि इसे तो स्वर्गदूतों से भी गुप्त रखा गया है। अब, ऐसा क्यों है? अगर शैतान को यह हासिल हो जाये, तो वह बड़ी ही भंयकर तबाही मचा सकता है। यही एक ऐसी बात है, जो वह नहीं जानता है। अब, वह उस किसी भी बात का अर्थ बतला सकता है जिसका वह अर्थ बतलाना चाहता है, और जिस भी वरदान की वह नकल करना चाहे वह उसकी नकल कर सकता है..(मैं आश करता हूँ, कि आप सीख रहे हैं), लेकिन वह इसे जान नहीं सकता है। यहाँ तक कि यह तो वचन में भी नहीं लिखी हुई। यह तो पूर्णतः गोपनीय है।*** *स्वर्गदूत, हर कोई खामोश बैठ गया था। अगर वे ज़रा भी हरकत करते, तो इससे ही कुछ कुछ ज़ाहिर हो गया होता, अतः वे तो बस रुक गए; वीणा का बजना बंद हो गया; सब कुछ रुक गया।*

558(2) सात– सात, यह परमेश्वर का सिद्ध अंक है (भाई ब्रन्हम सात बार प्रचारमंच पर थपथप करते हैं-सम्पा.) बस एक सीधी कतार में एक के बाद एक ऐसे होते चले जाते हैं। सात गर्जन एक सीधी कतार में लगातार करके ऐसे होते चले जाते हैं जैसे मानो किसी बात का हिज्जा(अक्षर-विन्यास बतला रहे हों) कर रहे हों। ध्यान दीजिए, ठीक उसी समय यूहन्ना ने लिखना शुरू किया, और वह बोला, ''इसे मत लिख।'' ***यीशु ने कभी इसके बारे में नहीं बोला, यूहन्ना इसे लिख नहीं सका। स्वर्गदूत इसके बारे में कुछ नहीं जानते हैं(नये संस्करण का पेज़ 503(252) से 504(256))***

यह क्या है? वह खुद भी इसे नहीं जानता था

558(3) यह क्या है? यही एक ऐसी बात है, जिसके लिए यीशु ने कहा था, कि स्वर्ग के दूत भी इसके बारे में कुछ नहीं जानते। देखा, समझे? वह खुद भी इसे नहीं जानता था, उसने कहा था, केवल परमेश्वर ही इसे जानता है; लेकिन उसने हमें यह बताया था, कि जब हम इन चिन्हों को होते हुए देखने लगें...(अब, आप किसी बात पर आ रहे हैं? बिलकुल ठीक है।) ध्यान दीजिए, हम इन चिन्हों को उभर कर आते हुए देखने लगते हैं। समझे?...***(नये संस्करण का पेज़ 504(256-257))***

(प्रकाशितवाक्य 8:1 के सन्नाटे से ही परमेश्वर ने पवित्र वचनों में दो और सन्नाटों को भविष्यद्वक्ता पर प्रकट किया, जो किः अलिखित सात गर्जन के शब्द, और मसीह का दूसरा आगमन हैं। अतः सातवीं मोहर प्रभु के आगमन को संयोय सा समेटे हुए है। पहली तह तो कलीसिया को बता दी गयी थी।

तथ्य संख्या.6

शैतान इसकी नकल नहीं कर सकता है, वह इसके बारे में नहीं जानता है यह तो तीसरा खिंचाव है

558 (6) याद रखिए, शैतान तो नकल करने का यत्न करेगा ही; वह तो उस हर एक काम की नकल करने का यत्न करेगा जो कलीसिया करेगी। वह ऐसा करने का प्रयास करता है। हमने इस बात पर मसीहविरोधी का अध्ययन करते हुए गौर किया था; परन्तु यही एक ऐसा काम है जिसकी वह नकल नहीं कर सकता है। वह मसखरापना करते हुए भी इसकी नकल नहीं कर सकता है..(समझे?)..क्योंकि वह इसे नहीं जानता है। उसके पास इसे जानने का कोई तरीका है ही नहीं। यह तो तीसरा खिंचाव है। वह तो बस इसके बारे में कुछ भी नहीं जानता है। समझे? वह इसे समझता नहीं है...(नये संस्करण का पेज़ 504(259-260)

तथ्य संख्या.7

गुप्त भेद तो उसके नीचे ही पाया जाता है, मैं कदापि वैसा नहीं सोच सकता हूँ

*559 (1) ...**लेकिन उसके नीचे एक गुप्त भेद पाया जाता है।** सबसे ऊँचे पर परमेश्वर की महिमा हो! मैं अपने बाकी जीवन भर वैसा कदापि नहीं सोच सकता हूँ, जब मैंने देखा...(नये संस्करण का पेज़ 504(261))*

मैं नहीं जानता हूँ, कि कैसे अर्थ बतलाऊँ, रुक जाओ! इससे आगे मत जाना

559 (3) अब, मैं नहीं जानता हूँ, कि क्या...वहाँ जो अगला कदम है, वह मैं जानता हूँ, लेकिन मैं यह नहीं जानता हूँ, कि उसका अर्थ कैसे बतलाऊँ। यह बहुत लम्बा हो जाएगा। मैंने यहाँ नीचे वह लिखकर रखा हुआ है, जब यह घटित हुआ था; क्या आप यह लिखा हुआ देख सकते हैं? ''रुक जाओ! ठीक यहां पर उससे आगे मत बढ़ना।''

559(4) मेरा झुकाव किसी तरह का हठधर्मी बनने में नहीं है, मैं तो सिर्फ सत्य ही बयान कर रहा हूँ...(नये संस्करण का पेज़ 504(261))

(भाई ब्रन्हम उस प्रकाशन को जो उनके पास सातवीं मोहर का था, समझाने के लिए रुक गए, इसके बाद उन्होंने इससे सम्बन्धित जो दर्शन बताए- बालक के जूतों वाला दर्शन जो तीसरे खिंचाव के बारे में था, और स्वर्गदूत के संघनित समूह वाला दर्शन; और बताया कि कुछ भेदभरी घटना हो रही थी, और यह एक भेदभरा सप्ताह रहा है। उन्होंने एक दर्शन का अर्थ बतलाया; और उन्होंने भाई सोथमन और भाई नॉरमन को एक शपथ के अन्तर्गत रखा, और उस अनोखे और ध्यान देनेयोग्य स्वर्गदूत के बारे में बोलते रहे, जो उन सात स्वर्गदूतों के मध्य में था।)

तथ्य संख्या. 8

सातवाँ स्वर्गदूत पूरब की ओर उड़ रहा था।

560(4) और क्या आपने उस वाले दूत पर ध्यान दिया था, मैंने कहा था, कि वहाँ पर एक अनोखा फरिश्ता था? उसने उन दूसरों से ज्यादा मुझ पर सबसे ज्यादा निगाह जमाई हुई थी। क्या आपको वह याद है? वे एक संघनित झुंड़ में थे–तीन एक ओर थे, तथा एक ऊपर था। ***और यहाँ पर जो ठीक मेरी बगल में था, अगर बांयी से दांयी ओर गिना जाता, तो वह सातवाँ फरिश्ता होता। वह और भी चमकदार था, उसका मेरे लिए और दूसरों से कहीं ज्यादा मायने था।*** *आपको याद होगा, कि मैंने कहा था, कि उसका सीना इस प्रकार से बाहर को निकला हुआ था,* ***और वह पूरब की ओर उड़ रहा था।*** *क्या आपको इस प्रकार याद है? और मैंने कहा था, ''उसने मुझे ऊपर उठा लिया, उसने मुझे ऊपर उठा लिया।'' क्या आपको वह याद है?* ***(नये संस्करण का पेज़ 506(75))***

सातवाँ दूत सातवीं मोहर के साथ

यह वह बात है जिसपर मैंने अपने सारी जीवन भर आश्यर्च किया

561(1) ***ये रही वह! वह जो सातवीं मोहर के साथ था–यही वह बात है, जिसपर मैंने अपने सारे जीवन भर आश्चर्य किया। आमीन! सचमुच में, उन दूसरी मोहरों का मेरे लिए बहुत ज्यादा मायने था; लेकिन ओह, आप नहीं जानते हैं, कि इस वाली का क्या अर्थ रहा है।*** *क्योंकि जीवन में एक बार...मै ने दुआ-प्रार्थना की; मैंने परमेश्वर की पुकारकर दुहाई दी...(नये संस्करण का पेज़*506(276-277)

पृष्ठ संख्या 561-563(नये संस्करण की पृष्ठ संख्या 506-508) भाई ब्रन्हम ने अपने उस अनुभव के बारे में बताया है, जिसमें उनके हाथ में एक तलवार आ गिरी थी और एक आवाज़ ने बोला था, और कहा था, ''यह महाराजा की तलवार है।'' और किसी चीज ने उनके अंदर से कहा, ''डर मत; यह वह तीसरा खिंचाव है।'' और उन्होंने इसे तीसरे खिंचाव वाले दर्शन से जुड़ा, और कहा, कि वह प्रकाश तम्बे के भीतर चला गया, और बोला, ''मैं तुम से वहाँ पर मुलाकात करूँगा।यह वह तीसरा खिंचाव होगा, और तुम इसे किसी को नहीं बताओगे।'')

तथ्य संख्या.9

तीसरा खिंचाव, दो महान बातों का खुलासा किया गया,

एक बात तो अज्ञात भाषा में थी, मैं उसका अर्थ बतला नहीं सकता हूँ।

564(2) और सबीनो केनयेन में, उसने कहा था, ''यह तीसरा खिंचाव है।'' ***और तीन महान बातें हैं, जो इसके साथ साथ आगे बढ़ती हैं, और एक तो आज***

या बीते हुए कल खुल गई थी, और दूसरी वाली का आज खुलासा हो गया था; और एक बात है, जिसका मैं अर्थ बलता नहीं सकता हूँ; क्योंकि यह एक अनजानी भाषा में है। *परन्तु मैं ठीक वहीं पर खड़ा हुआ था, और मैं सीधे ही ठीक उसी पर नज़रे जमाये हुए था; और यह तीसरा खिंचाव है जो उभर रहा है। और परमेश्वर का पवित्र आत्मा...ओह मेरे खुदा! यही कारण था, कि सम्पूर्ण स्वर्ग में खामोशी थी।(नये संस्करण का पेज़ 509(299-300))*

चुप हो जाने के लिए रोका गया, कारण-सातवीं मोहर प्रकट नहीं हुई थी

564(3) अब, बेहतर यही होगा कि मैं ठीक यहीं पर रुक जाऊँ। समझे? मुझे बस ऐसा अनुभव हुआ है, कि मुझे रोक दिया गया है, कि मैं इसके बारे में और ज्यादा ना बोलूँ। समझे? अतः सिर्फ याद रखें, ***सातवीं मोहर..वह कारण जो यह नहीं खोली गई थी, वह कारण जो उसने इसे प्रकट नहीं किया था, यह है, कि कोई भी इसके बारे में ना जानें।*** *(नये संस्करण का पेज़ 509(301-302)*

(इसके बाद भाई ब्रन्हम से बताया था, कि तीसरे खिंचाव का दर्शन कई वर्ष पहले ही आ गया था, और कहा था,'' यह सन्देश के अंत के द्वारा परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं में बिलकुल ठीक ठीक फिट बैठती है।'')

तथ्य संख्या.10

उसने सारी की सारी छः मोहरें प्रकट कीं,

सातवीं मोहर के बारे में विषय में कुछ नहीं कहता

तथ्या संख्या 11

यह गुप्त में ही शुरू होती है

564 (4) अब ध्यान दीजिए, क्योंकि कुछ भी हो, ***समय के सन्देश(इस मोहर)*** *के अंत के लिए उसने सारी की सारी छः मोहरें प्रकट कीं, लेकिन यह सातवीं मोहर के बारे में कुछ नहीं कहता है।* ***और अंत समय की मोहर--जब यह शुरू होती है, तो बाइबिल के अनुसार यह पूरी तरह से पूर्णतः एक गुप्त भेद है।*** *और इससे पहले कि उसे जानें...और याद रखिए, प्रकाशितवाक्य 10:1, 7 (1-7, प्रकाशितवाक्य का 10:1-7) सातवें दूत के सन्देश की समाप्ति पर परमेश्वर के सारे गुप्त मनोरथ जान लिये जायेंगे। हम अंत समय में हैं—सातवीं मोहर के खुलने के समय में है।(नये संस्करण का पेज़ 510*(304)

(भाई ब्रन्हम तीसरे खिंचाव वाले दर्शन के विषय में तथा कैसे उन्होंने सात स्वर्गदूतों के उस संघनित झुण्ड़ में प्रवेश किया था, बताना ज़ारी रखते हैं, और वो बताते हैं, कि उनके लिए सातवें वाले का मायने और बाकियों से सबसे ज्यादा था। उन्होंने जैकसन के पिरामिड वाले चट्टान के स्वप्न का तथा उस में

कहीं बातों का भी वर्णन किया।)

तथ्य संख्या. 12

यह महान भेद क्या है, मैं नहीं जानता हूँ।

तथ्य संख्या.13

मैं जानता हूँ, कि यह वो सात गर्जन है

*567(1) अब, ध्यान दीजिए। परमेश्वर के द्वारा मेरी इतनी ज्यादा मदद हो, कि मैं सत्य ही बतलाऊँ, कि आत्मिक तौर पर ये मुझे परख कर बतायी गई हैं; (समझे?) इन्हें पवित्र आत्मा के द्वारा ही जाँचा-परखा गया है। और उन में से हर एक द्वारा इसने बाइबल में अपनी पहचान बनायी है।**अब, यह क्या ही महान भेद है, जो इस मोहर के तले विद्यमान है, मैं नहीं जानता हूँ। मैं इसे नहीं जानता हूँ। मैं इसका उल्लेख नहीं कर सकता हूँ। मैं बस बता नहीं सकता हूँ, कि यह बस क्या कहती है। परन्तु मैं जानता हूँ, कि यह वह सात गर्जन थे, जो एक साथ बिलकुल साथ साथ ही अपना शब्द कर रहे थे; बस सात बार अलग अलग धमाके हुए और यह किसी और चीज में खुल गई जो मैंने देखी।(नये संस्करण का पेज़ 512(322-323))***

मैंने अनुवाद के लिए प्रतीक्षा की, मैं उसे समझ ना सका,
अभी इसके लिए समय नहीं है

*567(2) **तब जब मैंने इसे देखा, तो मैंने उसके अनुवाद की प्रतीक्षा की जो वहाँ से उड़ता हुआ निकला, और मैं इसे समझ ना सका था। मित्र, यह बिलकुल सच है। समझे? इसके लिए अभी बिलकुल भी समय नहीं है; परन्तु यह तो उस चक्र में घूमती चली जा रही है।** समझे? **यह बहुत ही नज़दीक आती चली जा रही है।** अतः आपके लिए करने के लिए काम यही है, कि मैं आप से प्रभु के नाम में कहता हूँःतैयार रहें, क्योंकि हम नहीं जानते हैं, कि **किस समय कुछ घटित हो जाये।(नये संस्करण का पेज़(323-324)***

तथ्य संख्या.14

जो कुछ भी मुझे बताया गया था, मैंने आपको वह बता दिया;
आप जो चाहे करें

567(3)अब, जब यह बात टेप पर जाती है, जो टेप पर है ही, तो हो सकता है, कि शायद यह मेरे दसयों हजारों मित्रों को मुझसे दूर कर दे, क्योंकि वे यह कहने जा रहे होंगे, कि भाई ब्रन्हम अपने आपको कुछ बनाकर रखने की कोशिश कर रहे हैं और अपने आपको

परमेश्वर के सम्मुख एक दास-सेवक या एक भविष्यद्वक्ता या कुछ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे भाइयों, मैं आपको बताये देता है, ऐसा करना एक गलती होगी। मैं तो सिर्फ आपको वही बतला रहा हूँ जो मैं ने देखा और जो मुझे बताया गया; और अब, आप जो चाहे करें। मैं नहीं जानता हूँ, कि क्या होगा--क्या घटित होगा। मैं जानता हूँ, कि वे सात गर्जन उस भेद को समेटे हुए है, कि स्वर्ग में सन्नाटा था। (क्या हर कोई समझता है?)

567(4) हो सकता है, कि यही समय हो। हो सकता है, कि इस वक्त ही वह समय हो, कि यह महान पुरुष जिसकी हम दृश्य पर उठ खड़े होने की आशा कर रहे हैं दृश्य पर उठ खड़ा हो। हो सकता है, कि इस वाली सेवकाई ने, जिसमें मैंने लोगों को वचन की ओर फेरने का प्रयास किया है, एक नेंव रख दी हो; और अगर ऐसा ही है, तो मैं भले के लिए ही छोड़कर जा रहा होऊँगा। हम में से दो एक ही समय में यहाँ पर नहीं होंगे। समझे? अगर ऐसा ही है, तो वह बढ़ेगा, मैं घटूँगा।** मैं नहीं जानता हूँ। परन्तु मुझे परमेश्वर के द्वारा यह विशेष अधिकार प्रदान किया गया है, कि मैं दृष्टि डालूँ और देखूँ, कि यह क्या थी--यह उतनी ही ज्यादा खुली। अब, यह सच है।**(नये संस्करण का पेज़ 512(325) से 513 (328))

आप कहते हैं, ''यह महान पुरुष कौन है, जो अवश्य ही बढ़े और भविष्यद्वक्ता घटे?'' ''मेरा यकीन है, कि यह जोज़फ है।'' '' यह मैं हूँ।'' मैं इस काम के लिए यहाँ पर नहीं हूँ! मैं वायदा करता हूँ, कि मैं किसी भी बात का अर्थ नहीं बताऊँगा, वरन मैं तो आपको साक्ष्य वाले तथ्य ही बताऊँगा। अपने को काबू में रखे! गड़बड़ी पैदा ना करें; और मेरे मुँह में बातें ना डालें! आप पूछते हैं, ''उसका इससे क्या अभिप्राय है, कि उसने सन्देश कि उतनी गवाही दी जितना कि उसके लिए ठहराया गया था, कि वह गवाही दे; और क्या वह उस तलवार को किसी और को सौंप देगा?'' '' आप जो चाहे करें।'' यही वह बात है जो भाई ब्रन्हम ने लोगों को तब बतायी थी, जब उन्होंने इसका उन्हें प्रचार किया था; अब मैं ठीक उस जगह पर हूँ, कि ठीक वही बात कहूँ, अब मैं बिलकुल ठीक ठीक उसी का हवाला दे रहा हूँ जो उन्होंने प्रकट किया था। मैं वह नहीं हूँ। मैं खुद अपने लिए इस बात को पूरी तरह से स्पष्ट कर देता हूँ। उसने कहा था, '' इसका मायने मत निकालना।''

तथ्य संख्या.15

मोहर का एक ही भेद ज़ाहिर नहीं हुआ, कारण यह है-यह सात गर्जन है;
मैं नहीं जानता हूँ, कि कब इसका प्रकटीकरण होगा

*568(2) **''भाई ब्रन्हम, ऐसा कब होगा?'' मैं आपको नहीं बता सकता हूँ।** मैं नहीं जानता हूँ। परन्तु इन दिनों में से किसी एक दिन, अगर हम इस पृथ्वी पर फिर कभी नहीं मिलते हैं, तो हम सुदूर मसीह के न्याय के सिंहासन पर मुलाकात करेंगे। और उस कक्ष*

में आप जान जायेंगे, उस प्रकाशन को जो परमेश्वर के पास से ही आ रहा है (ठीक जैसे कि वे बाकी सारे रहे हैं)..***जैसे वे हैं...उस मोहर के गुप्त भेदों में से एक भेद ज़ाहिर नहीं हुआ था, कारण यह है, कि यह सात गर्जन था जिन्होंने अपनी आवाज़ें निकालीं; और यह बिलकुल एक सिद्ध तौर पर है, क्योंकि कोई भी इसके बारे में कुछ नहीं जानता है; यहाँ तक कि यह लिखा हुआ नहीं था। अतः हम अंत समय में है- हम ऐसी ही स्थिति पर है।(नये संस्करण का पेज़ 513(335-336)***

(पृष्ठ संख्या569-573 (नये संस्करण की पृष्ठ संख्या 514-518) तक भाई ब्रन्हम उस रीति के विषय में समझाते हैं जिस रीति से उन्होंने छः मोहरों का प्रकाशन पाया था; और उन्होंने लोगों का एकत्र होने के लिए धन्यवाद किया, और लोगों को कहकर चेतावनी दीः)

तथ्य संख्या. 16

इसका अर्थ बताने की चेष्टा मत करना-क्या अब हर कोई उसे समझता है?

571(3) ''...इन बातों का अर्थ बताने की चेष्टा मत करना। इससे ज्यादा और कुछ करने का प्रयास ना करना, सिवाये इसके कि, परमेश्वर की नज़दीकी में जीवन व्यतीत करो, और महिमा और आदर यीशु मसीह को दो। क्या अब हर कोई उसे समझता है? अपने सारे हृदय से उससे प्रेम करें। क्या आप ऐसा करते हैं? और उन्होंने प्रार्थना की थी,(572-4)...'' हे हमारे स्वर्गीय पिता, हे प्रभु, यह हो, कि लोग समझ जाएं, जिसके लिए मैं सुनिश्चित हूँ, कि कुछ नहीं समझते हैं...(नये संस्करण के पेज़ 516(358) और पेज़ 517(364))

तथ्य संख्या. 17

जब तक मुझे गवाही देने के लिए ठहराया है

573(2) ''हे प्रभु, इसके बाद मैं यह दुआ करता हूँ, कि आप मेरी सहायता करें। प्रभु, मैं क्षीण होता चला जा रहा हूँ। मैं जानता हूँ, कि मेरे दिन और बहुज ज्यादा नहीं हो सकते हैं; और मैं प्रार्थना करता हूँ, कि आप मेरी सहायता करेंगे। हे खुदा, यह होने पाये, कि मैं सच्चा, ईमानदार और सत्यनिष्ठ बना रहूँ, ताकि मैं सन्देश की तब तक गवाही देता रहूँ जब तक कि मुझे इसकी गवाही देने के लिए ठहराया गया है। और जब ऐसा समय आता है, कि मैं सो जाऊँ, जब मैं नदी पर पहुँचूं और लहरें मुझ पर आने लगे, तो हे परमेश्वर, यह हो, कि मैं इस तलवार को किसी उस दूसरे के हाथ में थमा सकूँ जो इसे लिये हुए ईमानदार रहे, हे खुदा, और वह सत्य को थामे रह। प्रभु यह प्रदान कीजिए....''(नये संस्करण का पेज़ 518(373)

तथ्य संख्या. 18

सन्देश का नया भाग-अंश, जिसका मूल के स्थान पर इस्तेमाल हुआ (मोटल में की गई रिकॉर्डिंग) जिसे बिना काट-छांट के टेप संख्या63-0324 संध्या जैफरसनविले, इन्डियाना,यू. एस. ए.; सोमवार 24 मार्च, 1963 से लिया गया है पृष्ठ संख्या 574-579—नये संस्करण की पृष्ठ संख्या 519-523

(अभी फिलहाल आपने मूल''सातवीं मोहर'' सुननी खत्म की है, जैसाकि इसे 24 मार्च, रविवार की संध्या, 1963 को ब्रन्हम टेबरनिकल, जैफरसनविले, इन्ड़ियाना में इसकी सम्पूर्णता में प्रचारा गया था। भाई ब्रन्हम इस मूल रिकॉर्डिंग को रीलिज नहीं करना चाहते थे। **अगले ही दिन, मार्च 25, सोमवार,1963 को भाई ब्रन्हम** भाई सोथमैन और भाई जेम्स मैक्यूरी जो कि उस समय टेप बनाने के कार्य के इनचार्ज थे, के **मोटल वाले कमरे में गये**। भाई ब्रन्हम ने इन भाइयों को बताया,''मैं इस सन्देश को वैसा बाहर नहीं भेजना चाहता हूँ, जैसा यह है।'' जब उन्होंने खुद अपने आप टेप सुन लिया, तो उसके बाद उन्होंने भाइयों को किसी एक निश्चित जगह पर टेप रोकने के लिए निर्देश दिया, और उस जगह पर—(पैराग्राफ नम्बर 261 की शुरूआत)...**नया अंश-भाग तकरीबन बीस मिनट की लम्बाई में रिकॉड हुआ—**(पैराग्राफ 377-414) **तब इस नये अंश-भाग का उपयोग मूल समापन के स्थान पर किया गया**—(पैराग्राफ 261-373) यही रिकॉर्डिंग सन 1966 तक निकाली गई एक मात्र संस्करण थी। जब भाई ब्रन्हम दृश्य पर से चले गये, तो उसके बाद विलियम ब्रन्हम एंवन्ज़िलीकल ऐसोसिऐसन ने सर्वसम्मति से यह मंज़ूर किया, कि उस टेप को जो मूल रूप से टेबरनिकल में रिकॉर्ड किया गया था, ज़ारी किया जाए। उस समय से ही दोनों संस्करण उपलब्ध हैं। अब हमने भाई ब्रन्हम के इस अतिरिक्त सन्देश को एक टेप पर मूल ''सातवी मोहर'' के साथ ही टेप किया हुआ है। **अगली आवाज़ जो आप सुनेंगे, वह भाई ब्रन्हम की तब की है, जब वो 25 मार्च, सोमवार को मोटल में थे।**

(भाई ब्रन्हम की उपरोक्त सावधानियाँ इस बात की ओर ही संकेत करती हैं, कि उन तथ्यों के द्वारा जो उन्होंने नाखुली हुई मोहर के विषय में ज़ाहिर किये, सातवीं मोहर को दुनियावी नकलों से दूर रखने का प्रयास कर रहे थे)

तथ्य संख्या.19

संसार से छिपी हुई है, परमेश्वर ही इसे प्रकट करेगा

574(1) ....यह एक अच्छी बात होगी, कि वह इसके बारे में कुछ नहीं जानता है, क्योंकि अगर वह जानता, तो वह इसकी नकल कर लेता। यही तो उसके काम करने की चालाकियाँ हैं। अतः यही कारण है, कि परमेश्वर ने ही इसे ऐसा बनाया है, कि यह सम्पूर्ण जगत से छिपी हुई है, यहाँ तक कि यह स्वर्ग के लिए भी छिपी हुई है; इसे समझने का कोई

तरीका नहीं है; इसे तो सिर्फ स्वयं परमेश्वर ही प्रकट करेगा। (नये संस्करण का पेज़19(377-378))

तथ्य संख्या. 20

छठवीं मोहर और घुड़सवारों का तीन तह वाला उद्देश्य

574(2) अब, मैं चाहता हूँ, कि आज रात्रि इस बात पर ध्यान दें, कि ***वहाँ उस छठवीं मोहर में छठवीं मोहर का तीन तहवाला एक उद्देश्य था।*** *घुड़सवारों का एक तीन तह वाला उद्देश्य था। इन सभी बातों में एक तीन तहवाला ही उद्देश्य रहा है।यह फिर से हमें वापस एक तीन और एक सात पर (समझे?), सात मोहरों पर, सात विपत्तियों के कटोरों पर, तथा ऐसी ही और दूसरी बातों पर लेकर आता है।* (नये संस्करण का पेज़ 519(379-380))

(इसके बाद भाई ब्रन्हम परमेश्वर के उस गणित के बारे में बतलाने लगते हैं, जिसमें वह अपना वचन,प्रकट कर रहा है, और जिसमें वह चार घुड़सवारों, और चार जानदारों को प्रकट कर रहा है, और उन्होंने बताया(पेज़ 574 पैरा नम्बर 7)'' अब हम उकाव वाले युग में हैं।'' ***(नये संस्करण का पेज़ 519(386))***

तीन तहवाला उद्देश्य-सारी गंदगी का शुद्धिकरण

575(1)अब, हमें इस में यह भी मालूम होता है, कि इस समय छठवीं मोहर खुल चुकी है; यह एक तीन तहवाले उद्देश्य के लिए थी। अब, ये रहे वे उद्देश्य-पहली बात तो यह थी, कि...(मूर्ख कुँवारियों को, उन कुवारियों को जो उंघती रह गई थीं, पवित्रीकरण के लिए क्लेश के समय से होकर गुज़रना है...

575(3)...दूसरी तह। परमेश्वर क्लेश की समयावधि के दौरान इस्राएल की शुद्धि करता है...

575(4)....ध्यान दीजिए, कि सम्पूर्ण पृथ्वी की शुद्धि होनी है। एक ऐसा काम होगा, कि चाँद, सितारों तथा सारी प्रकृति का शुद्धिकरण होगा। हर एक वह वस्तु जिसमें कोई भी गंदगी है, उसका छठवीं मोहर के दौरान शुद्धिकरण होगा। ***(नये संस्करण का पेज़ 520(387-390)***

तथ्य संख्या. 21

सातवीं मोहर का तीन तह वाला उद्देश्य; एक तह तो बोली जा चुकी है, गर्जन के शब्द मसीह के आगमन पर ही गुप्त भेद का खुलासा करेंगे

575(5) अब, अब , क्या आपने इस सातवीं मोहर के खोले जाने पर ध्यान दिया, कि यह भी एक तीन तह वाले भेद में है। ***इस वाले को मैंने...मैं बोलूँगा, और मैं बोल चुका हूँ, कि यह सात गर्जनों का एक गुप्त भेद है। सात गर्जन ही स्वर्ग में इस गुप्त भेद को खोलेंगे। यह ठीक मसीह के आगमन पर ही होगा, क्योंकि मसीह ने कहा था, कि कोई नहीं जानता है, कि वह कब वापस आएगा। (नये संस्करण का पेज़ 520(391)***

तथ्य संख्या.22

उस समय इन गर्जनों की आवाजें मसीह के आगमन को प्रकट करेंगी

575(6) क्या आपने ध्यान दिया था, जब यहूदियों ने उससे वह पूछा था? आप जानते हैं, कि जब हमने मत्ती 24 के साथ छः मोहरों की तुलना की थी, तो सातवीं मोहर छोड़ दी गई थी, क्योंकि..(क्या आप समझे?)..मसीह ने कहा था, कि केवल खुद परमेश्वर ही जानता है, यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी नहीं जानते। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, यह तो लिखी हुई भी नहीं थी। आप देखते हैं, उन्होंने कोई हरकत तक ना की, तब कुछ भी घटित नहीं होता है। ***स्वर्गदूत इसे नहीं जानते हैं; कोई नहीं जानता है, कि वह कब आ रहा है। परन्तु ऐसा होगा....उस समय पर इन गर्जनों की सात आवाज़ें ही उस महान गुप्त भेद को प्रकट करेगी। (नये संस्करण का पेज़520(392-393)***

तथ्य संख्या.23

हम इसे नहीं जानते हैं, लेकिन यह उस समय, उस घड़ी, उस दिन में प्रकट होगी

576(1) अतः मैं विश्वास करता हूँ...अगर हम इसे नहीं जानते हैं; और यह उस समय तक ज़ाहिर नहीं होगी; लेकिन यह उस दिन में प्रकट होगी, उस घड़ी में प्रकट होगी, जिस घड़ी में इसे प्रकट होना है। अतः करने के लिए हमारे लिए यही काम है, कि हम परमेश्वर के सम्मुख श्रृद्धालु बने रहें और उसकी सेवा करें, और वह सब करें जो हम जानते हैं; कि कैये करना है, और एक अच्छा मसीही जीवन जीयें। (नये संस्करण का पेज़ 520(393)

तथ्य संख्या.24

छठवीं मोहर तो खुल गई, सातवीं मोहर पब्लिक के लिए तब तक नहीं तोड़ी जायेगी, जब तक कि वह समय नहीं आ जाता है

576(2) अब यहाँ पर ह***में यह मालूम होता है, कि छठवी मोहर हमारे लिए खुल चुकी है; हम इसे देखते हैं, और हम जानते हैं, कि यह सातवीं मोहर पब्लिक के लिए तब तक नहीं तोड़ी जायेगी, जब तक कि वह समय नहीं आ जाता है। (नये संस्करण का पेज़ 521 (393)***

तथ्य संख्या.25

किसी को भी उसका आगमन मालूम नहीं होगा कोई भी सात गर्जन नहीं जानता है

576(3) अब, कोई ना कोई तो वज़ह थी, जो परमेश्वर ने इन सात शब्दों को गर्जन

करने दीं, क्योंकि इसे तो अवश्य ही ऐसा करना है(समझे?)...हमें ज्ञात होता है, कि मसीह ने, अर्थात् मेमने ने अपने हाथ में पुस्तक ले ली, और उसी ने ही वह सातवीं मोहर खोली। परन्तु आप देखते हैं, कि यह एक गुप्त भेद है। कोई भी इसे नहीं जानता है। परन्तु यह उसके साथ साथ है जो ***उसने कहा था– किसी को भी उसका आगमन मालूम नहीं होगा; वे इस सात गर्जन के भेद के विषय में भी नहीं जान पायेंगे। अतः आप देखते हैं, इसका आपस में एक दसरे से सम्बंध है।(नये संस्करण का पेज़ 521(394)***

तथ्य संख्या. 26

इसका बाकी हिस्सा खुला हुआ नहीं है,

हम तो सिर्फ इतनी ही दूर तक जा सकते हैं

576(4) आज हमारे पास इसकी सिर्फ यही एक समझ है; क्योंकि इसका बाकी सारा का सारा भाग खुला हुआ है; लेकिन यह खुली हुई नहीं है। परन्तु मैं अपने कमरे में बैठा हुआ था, और मैंने इसे सुना था...या बल्कि मैंने इसे सुना नहीं था; परन्तु देखा, कि इसने इस सात गर्जन को खोला। अब, हम सिर्फ इतनी ही दूर तक जा सकते हैं। *और अब मेरा भरोसा है, कि आप में से हर कोई परमेश्वर की सेवा करेगा, और वह करेगा जो सही है, और उससे अपने सारे जीवन भर मौहब्बत करेगा और उसकी सेवा करेगा, और परमेश्वर ही बाकी बातों का ख्याल रखेगा। (नये संस्करण का पेज़ 521(395-396)*

तथ्य संख्या. 27

छः मोहरों के पूरे होने में, हम यह समझे, कि

सातवीं मोहर जन साधारण के लिए नहीं है

576(5)अब, हम यहाँ पर परमेश्वर के अनुग्रह से छः मोहरों के सारे भेदों की समाप्ति पर है, और हम यह समझते और जानते हैं, कि सातवी मोहर जन-साधारण(पब्लिक) पर अवगत नहीं करायी जानी है। (नये संस्करण का पेज़ 521(397)

(भाई ब्रन्हम मत्ती 24 के विषय में, प्रभु के आगमन के चिन्हों के विषय में और अंजीर के वृक्ष के विषय में बोलना ज़ारी रखते हैं, और उन्होंने कहा थाः)

तथ्य संख्या. 28

अभी इस भेद को जानने का समय नहीं है,

इसका बाकी भाग यीशु के आगमन के आसपास ही प्रकट होगा

576(7) आप देखते हैं, कि इस्राएल अपनी मातृभूमि में जमा हो रहा है। परन्तु आप ध्यान देते हैं, कि उसने इस सातवी मोहर के प्रकाशन को छोड़ दिया था। और यहाँ पर सातवी मोहर आती है; जब उसने इसे खोला, तो उसने इसे फिर से छोड़ दिया है। समझे? अतः हम

देखते हैं, कि यह पूरी तौर से एक गुप्त भेद है, और यही कारण है, ***अभी इस भेद को जानने का समय नहीं है, यही कारण है, कि हम बस इसे इतना ही जानते हैं, और इसका बाकी का भाग उस वक्त के आसपास जाना जाएगा जब यीशु अपनी दुल्हन के लिए फिर से पृथ्वी पर दृष्टिगोचर होता है,*** *या उस समय पर जो कुछ भी होता है।*

577(1) अब, आइये उस समय तक हम सब दुआ-प्रार्थना करते रहें और एक अच्छा सीधा-साधा मसीही जीवन जीयें, और उसके आगमन की बाट जोहते रहें। (नये संस्करण का पेज़ 521(398-399)

तथ्य संख्या. 29

किसी प्रकार का कोई वाद ना बनायें–इस समय पर यह खुली हुई नहीं है,

वायदा किया है, कि यह खुली जायेगी।

577(2) ***और अब देखिए, अगर यह टेप कहीं पर भी किसी के हाथ पड़ जाता है, तो इससे किसी भी प्रकार का कोई वाद(ISM) बनाने का प्रयास न करें।*** *आपको तो केवल एक ही काम करना है-आप तो बस लगातार परमेश्वर की ही सेवा करते रहें, क्योंकि यह गुप्त भेद तो इतना जबरदस्त गुप्त भेद है, कि परमेश्वर ने तो इसे यूहन्ना को भी नहीं लिखने दिया था। इसने गर्जन का शब्द किया था, लेकिन वह...उसे जान रहा था...हम* ***से वायदा कर रहा है, कि यह खुल जायेगी, लेकिन इस समय पर यह खुली हुई नहीं है।(नये संस्करण का पेज़ 521(400)***

(इसके बाद भाई ब्रन्हम सात फरिश्तों वाले दर्शन के बारे मुं और इस बारे में बोलते हैं, कि कुछ रहस्योमयी घटना घटित हो रही है)

तथ्य संख्या.30

रहस्यमयी श्वेत चट्टान वाला पिरामिड(जैकसन का स्वप्न)

सन्देशवाहक उस पिरामिड का अर्थ बताते हैं

578(2) ***एक और बात है, जिसके लिए मैं आप से चाहता हूँ, कि आप उस गौर फरमाये, कि क्या घटित हुआ था। अगर आप''श्रीमानों क्या यह वह समय है?'' सन्देश का टेप सुन रहे हैं, तो आप गौर फरमायेंगे, कि एक फरिश्ता मेरे लिए बहुत ही ध्यान देनेयोग्य (मेरे लिए बहुत ही खास)था।*** *वे दूसरे बाकी वाले तो साधारण से ही लगते थे, परन्तु यह वाला फरिश्ता ध्यान देनेयोग्य फरिश्ता था। वह उस संघनित झुंड़ में मेरी बांयी ओर एक परामिड की शक्ल में था। और आप स्मरण रखें, यह उस पिरामिड में था जहाँ पर भेदपूर्ण श्वेत पत्थर पर कोई लिखावट भी नहीं थी। और वे फरिश्ते खुद ही मुझे उस पिरामिड के भीतर ले गए, और* ***परमेश्वर के भेद केवल उन्हीं को***

मालूम थे। *और अब, वे सन्देशवाहक थे जो उस पिरामिड का अर्थ बतलाने के* लिए या सात मोहरों के गुप्त भेद के सन्देश का अर्थ बतलाने आए थे, जो उस पिरामिड के भीतर रखा हुआ है। (नये संस्करण का पेज़ 522(405-406)

तथ्य संख्या.31

अभी तक हम नहीं जानते हैं, कि यह क्या है, क्योंकि इसे तोड़ने की इजाज़त नहीं दी गई है–खास स्वर्गदूत

578(3) अब, वह स्वर्गदूत जो मेरी बांयी ओर था, वह सचमुच में आखिरी वाला या सातवाँ स्वर्गदूत होगा, अगर हम उन्हें बांयी ओर से दांयी और गिनते चले जाते हैं; चूँकि वह मेरी बांयी ओर था, इसलिए मैं उसकी ओर पश्चिम की तरफ देख रहा था, और पूरब की ओर आते हुए वह मेरी बांयी ओर होगा, अतः वह अन्तिम सन्देशवाहक का सन्देश होगाः ***वह बड़ा ही खास था।*** *आपको याद है, कि मैंने कैसे बताया था, कि उसका सिर पीछे को था, और उसके पंख बड़े ही तेज़ थे; और वह ठीक मेरे पास उड़कर आया।* ***अब, यही वह सातवी मोहर है। यह अभी भी एक खास चीज है। और हम..अभी तक ये नहीं जानते हैं, कि यह क्या है, क्योंकि इसे तोड़ने की इजाज़त नहीं दी गई है ।(नये संस्करण का पेज़ 523(407)***

तथ्य संख्या. 32

इसका अनुवाद ''यहोवा यूँ फरमाता है'', वाला वचन है

579(3) अब, दर्शन जमा वचन, जमा (प्लस)इतिहास, जमा (प्लस)कलीसियायी काल कुल मिलाकर आपस में एक साथ जुड़ते चले जाते हैं। अतः सच में मैं अपनी बेहतर समझ के द्वारा, और परमेश्वर के वचन के अनुसार, और ***दर्शन तथा प्रकाशन के द्वारा यही कह सकता हूँ, कि इसका अनुवाद ''यहोवा यूँ फरमाता है'', वाला वचन है।***

579(4) अब, होने पाये खुदा आप सभों को, आप में से प्रत्येक को सचमुच में बहुतायत से आशीष दे, जैसाकि अब हम खड़े होते हैं, और कलीसिया के इस पुराने अच्छे गीत को गाते हैं। परमेश्वर आप में से प्रत्येक को आशीष प्रदान करे। आमीन! (यह इस सन्देश के सोमवार वाले भाग के समापन पर छाप करता है-सम्पा.)

भाइयों और बहनों, वह सोमवार वाले उस उपदेश के समापन पर छाप करता है, जिसे भाई ब्रन्हम ने मोटल के कमरे में दिया था। और मैं तथ्य संख्या.32 का हवाला इस प्रकार से देता हूँ, छ' मोहर और वह प्रकाशन जो उन्होंने सातवीं मोहर के विषय में दिया था, कुल मिलाकर''***यहोवा यूँ फरमाता हैं***'', वाला वचन है। मैं इसका विश्वास करता हूँ। यही कारण है, कि सातवीं मोहर का प्रकाशन यह था-**सातवीं मोहर का मुख्य प्रकाशन** प्रभु

का आगमन था, जो गर्जनों के तले छिपा हुआ था। **अतः गर्जन ही प्रभु का आगमन संजोय हुए हैं, और भाई ब्रन्हम इसका अनुवाद बतला ना सके थे। और बाद में वो फिर से प्रचारमंच पर वापस आये, और अब वो इसकी पुष्टि करते हैं।** उन्होंने कहा था, जो सात मोहर के नीचे छिपा हुआ था वह प्रभु का आगमन है, और मैं उसे जान ना सका। कोई नहीं जानता है, कि वह कैसे आएगा और वह कब आएगा। आप उनके निज शब्द सुन लें। यह है'' मसीह प्रकट परमेश्वर का भेद है।''

तथ्य संख्या. 33

आध घड़ी का सन्नाटा, सात गर्जन, वह कैसे आ रहा है, उसने अभी तक खुलासा नहीं किया है

17-3 057 जब यीशु यहाँ पृथ्वी पर था, तो वे जानना चाहते थे, कि वह कब आएगा। वह बोला, ''यहाँ तक कि स्वयं पुत्र भी नहीं जानता है, कि ऐसा कब होगा।'' देखिए, यह सारा का सारा केवल खुद परमेश्वर के ही पास है। यह एक गुप्त भेद है। और यही कारण था, कि ***स्वर्ग में आध घड़ी के लिए सन्नाटा था। और सात गर्जनों ने अपने शब्द निकाले, और यहाँ तक कि यूहन्ना को इसे लिखने के लिए मना कर दिया गया था..(समझे?)–प्रभु का आगमन! केवल यही एक मात्र ऐसी बात है जिसका उसने अब तक खुलासा नहीं किया है, कि वह कैसे आएगा और वह कब आएगा।*** *यह एक अच्छी बात ही है, कि उसने ऐसा नहीं किया है। नहीं! उसने इसे उस हर एक नमूने या प्रतिछाया में दर्शाया है, या प्रकट किया है जो बाइबल में हैं।(मसीह परमेश्वर का प्रकट भेद है 28/7/63)*

यहाँ पर परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता फिर से अन्तिम मोहर के विषय में बोल रहा था, उसने कहा था,'' वह प्रभु का आगमन है, और यह अन्तिम मोहर के तले पाया जाता है, कि प्रभु कब आएगा, वह कैसे आ रहा है, और वह कब आ रहा है।'' अगर कोई व्यक्ति सातवीं मोहर जानता है, तो वह प्रभु का आगमन भी जान जाएगा, क्योंकि यही वह सबसे बड़ा प्रकाशन है, जो उस मोहर के तले पाया जाता है। और गौर फरमायें, कि वे सब जो सात गर्जन के शब्दों का प्रचार करते हैं, वे उस गुप्त को नहीं बता सकते हैं, जिसे स्वर्गदूतों ने कदापि नहीं जाना था, जी हाँ, जिसे यीशु ने कभी नहीं जाना था, जिसे किसी ने नहीं जाना था, और जिसके लिए भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वह एक अनजानी भाषा में था; वे आपको नहीं बतला सकते हैं,''यीशु कैसे आता है, और वह कब आता है''; क्योंकि सात गर्जन के शब्द यीशु का आगमन अपने में समेटे हुए हैं। उस प्रकाशन के लिए तो एक निश्चित समय और एक निश्चित घड़ी है। अगर भोजन ठंड़ा हो जाता है, तो उसे ठंड़ा रहना ही होता है।

अब मैं सन 1963 से हटकर कदम रखने जा रहा हूँ। भाई ब्रन्हम का सम्बंध विचारधारा

के एक निश्चित शिक्षालय से था। मैं कह रहा हूँ, कि **भाई ब्रन्हम जिस शिक्षालय(स्कूल) से जुड़े हुए थे, वह यह था, कि सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ था**। क्योंकि वह प्रभु का आगमन समेटे हुए थी, और सात गर्जन के शब्द प्रभु के आगमन का गुप्त भेद समेटे हुए थे। चलिए मैं देखता हूँ, कि मोहरों के खुलने से जो घटना घटी क्या वह प्रभु का आगमन था।

अब अगर वही वो स्कूल है जिससे भाई ब्रन्हम जुड़े रहे थे, तो अवश्य ही उनका उसी वाले स्कूल में जुड़े रहना ज़ारी रहना चाहिए।

भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के ठीक उन्हीं तथ्यों को, जो उन्होंने सात मोहरों की पुस्तक में स्थापित किये थे, खास तौर पर सातवीं मोहर पर जो पृष्ठ संख्या 557से 579 तक में है, कायम करके रखा, जहाँ उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला था, कि छः मोहरों का तो खुलासा हो गया था, और सातवीं मोहर उन के द्वारा सन् 1963 में प्रकट नहीं की गई थी; लेकिन उसका प्रकटीकरण होना बाकी है; और वह यीशु मसीह का दूसरा आगमन थामे हुए है, जिसके बारे में अभी तक कोई नहीं जानता है। यह बिलकुल सही बात है; मैं इसे''वे प्राण जो अब कैद में है'' से पढ़ देता हूँ।

तथ्य संख्या.34

उसने सातवीं मोहर हम से छिपा कर रखी–कोई नहीं जानता- प्रभु का आगमन-सातवीं मोहर- वह हमें अनुमति नहीं देगा, कि हम जान जाएं

*33-3 मेमने ने अपनी पुस्तक ली जब वह सातवीं मोहर--छठवीं मोहर ...जब यह बस खुलने को तैयार ही थी। **स्मरण रखिए,उसने सातवीं मोहर हम से छिपा कर रखी।** वह इसे नहीं करेगा। जब स्वर्गदूत खड़ा होकर दिन बा दिन इसे बता रहा था, तो उसने ऐसा उस वाली पर नहीं किया। बोला, ''स्वर्ग में सन्नाटा था।;; कोई नहीं जानता। **यह प्रभु का आगमन था। (वे प्राण जो अब कैद में हैं11/11/63)***

यह सन्1963 का ग्यारहवाँ महीना था, जब भाई ब्रन्हम ने यह कहा था। वो अभी भी उसी दर्शन को थामे हुए थे, और कह रहे थे, कि सातवीं मोहर खुली नहीं थी, क्योंकि वह प्रभु का आगमन थी।

*23-4 076 अब हम इन बातों को देखते हें। स्मरण रखिए, सातवीं मोहर पूरी हुई है। और जब वे प्रकट सच्चाइयाँ....**उन में से एक तो वह हमें जानने की अनुमति नहीं देगा।** सात मोहरों के समय कितने लोग यहाँ पर थे? मैं सोचता हूँ, कि तकरीबन आप सभी थे। समझे? **सातवीं मोहर, वह इसके लिए इजाज़त नहीं देगा। (वे प्राण जो अब कैद में है 11/11/63)***

ना कही बात- ऐसी ही अंग्रेजी भाषा है। बहुत सी बार भाई ब्रन्हम ने कहा, '' जब सात मोहरें खुली थीं''; और आप जानते हैं, लोग उसे ही थामकर बैठ गए, लेकिन वह खुद यहाँ

पर अपनी बात का सुधार कर रहे हैं। उन्होंने कहना शुरू तो किया था, ''सात मोहरें'', लेकिन बाद में उन्होंने इस बात का सुधार किया, और कहा, '' उन में से एक के लिए वह इजाज़त नहीं देगा।;; उन्होंने कहा था, कितने लोग यहाँ पर थे? आप जानते हैं, कि उसने इसकी इजाज़त नहीं दी थी। यह ''वे प्राण जो अब कैद में है'', सन्देश में कही बात है।

तथ्य संख्या.35

सातवीं मोहर के लिए प्रतीक्षा की जा रही है, कि उसकी मसीह के आगमन के साथ पहचान हो

*यह पुस्तक पहले से ही खुल चुकी है (यह सच है), **सिर्फ सातवीं मोहर के लिए प्रतिक्षा की जा रही है, कि उसकी मसीह के आगमन के साथ पहचान हो।(मैं इस यीशु का क्या करूँ, 24/11/63)***

वह कोई भी जो सातवीं मोहर का प्रचार करता है, वे मसीह का आगमन प्रचार कर रहे होंगे, क्योंकि मसीह का आगमन ही सातवीं मोहर की पहचान कराता है। मैं इसे फिर से पढ़ूँगा, ताकि विश्वविद्यालय के स्नातक मुझे सुन लें।

यह पुस्तक पहले से ही खुल चुकी है (यह सच है), सिर्फ सातवीं मोहर के लिए प्रतिक्षा की जा रही है, कि उसकी मसीह के आगमन के साथ पहचान हो।(मैं इस यीशु का क्या करूँ, 24/11/63)

सातवीं मोहर का सम्बंध मसीह के आगमन से है। अगर आप सातवीं मोहर का प्रचार कर रहे हैं, तो आपको मसीह के आगमन के बारे में सब कुछ मालूम होना चाहिए, क्योंकि मसीह का आगमन सातवीं मोहर की पहचान कराता है।

''तुरहियों का पर्व-1964'' परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता आगे बढ़ता है.....

तथ्य संख्या.36

सातवीं मोहर अभी खुली हुई नहीं है–वह तो उसका आगमन है

***वह सातवीं मोहर अभी तक खुली हुई नहीं है;** आप जानते हैं, वह तो उसका आगमन है।(तुरहियों का पर्व 19/7/64)*

तथ्य संख्या.37

उसने छः मोहरें खोलीं

*आप सोचते हैं, कि वह छोटा सा धमाका जो ट्यूसान में हुआ था कोई बात थी, जब उसने **छः मोहरें खोलीं थीं,** जिसने देश को लगभग हिला सा दिया था, और इसे चर्चा का विषय बना डाला था, आप ज़रा तब तक प्रतीक्षा करें जब यह पृथ्वी अपना बपतिस्मा पाती है।**(भावी घर 2/8/64)***

तथ्य संख्या. 38

सातवें दूत को छः-मोहर वाले गुप्त भेद खोलने थे

''सातवें दूत को तो छः मोहर वाले गुप्त भेद खोलने थे....''

''भाई ब्रूस क्या आप सुनिश्चित हैं, कि आपने इसका सही हवाला दिया है?'' जी हाँ!

''सातवें दूत को तो छः मोहर वाले गुप्त भेद खोलने थे। इस सब को मनुष्य के पुत्र(The Son of Man) के अंदर इकट्ठे होने हैं; उसके समय की परिपूर्णता उसके वचन की परिपूर्णता के लिए आनी है, ताकि उसकी देह की परिपूर्णता प्रकट करे।''(वह अपना वचन साबित कर रहा है 16/8/64)

''सातवें दूत को तो छः मोहर वाले गुप्त भेद खोलने थे....''

आप इसके साथ जो चाहे वह करें!

तथ्य संख्या.39

सात गर्जनों पर शिक्षा देनी थी-ऐसा करने के लिए जगह न मिल सकी

अब, ऐसा करने के लिए एक बात है; मैं यहाँ पर प्रकाशितवाक्यों के विपत्तियों के अन्तिम कटोरों, अन्तिम सात विपित्तियों के कटोरों, और अन्तिम सात तुरहियों, और अन्तिम सात गर्जनों पर शिक्षा देने के मकसद से आया हूँ, और इस घड़ी में जिसमें हम रह रहे है, इन्हें एक साथ एक ही सूत्र में पिरोने का प्रयास कर रहा हूँ, कि इसके पीछे पीछे सात मोहरों का, सात कलीसियायी कालों का खुलासा हो। अतः हमें इसके लिए जगह न मिल सकी।(इस बुरे युग का ईश्वर 1/8/65)

सन् 1965 में परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता जगह की तलाश में आता है, कि यह देखे, कि क्या वह सात गर्जनों पर प्रचार कर सकता है। ये यही दिखाता है, कि उसने इसका सन् 1963 में खुलासा नहीं किया था।

तथ्य संख्या. 40

तब तक प्रतीक्षा करें जब तक कि हम उन सात गर्जनों को खोलने के लिए अंदर आते हैं

आप बस तब तक प्रतीक्षा करें जब तक कि हम उन मरियों और मोहरों और ***उन सात गर्जनों को खोलने के लिए अंदर आते हैं। आप देखिए, कि क्या होता है।*** *ओह, भाई आप गोशेन में चलें जाएं, जबकि गोशेन में जाने का समय है। आप इस बाहर की ओर कोई ध्यान न दें।****(इसे नहीं जानते हैं 15/8/65)***

जी हाँ, मेरे भाइयों और बहनों, सन् 1965 तक भाई ब्रन्हम ने एक ही सीधा-स्पष्ट पाठ्यक्रम रखा। एक ही सीधा-स्पष्ट पाठ्यक्रम रखा! बस अब मैं अन्तिम टिप्पिणयाँ ही बता रहा हूँ, उसके बाद संगीत यंत्र बजानेवाले आयेंगे। क्या आप जानते हैं, कि यह क्या था, जिसके कारण सारे प्रचारकगण और सारे विश्वासीगण दस सालों के लिए खामोश रहे थे, वह यह था, कि उन सब का सम्बंध पहले वाले शिक्षालय से था, और उन के पास एक ही प्रकाशन था, कि सातवीं मोहर का प्रकटीकरण नहीं हुआ था? क्या आप जानते हैं, कि ऐसा किस कारण था? उस कारण जो अभी हाल ही में मैंने आप के सामने पढ़ा है। हम सब उसी का विश्वास करते थे, और हम अपने विचार, और अपनी धारणा, और अपनी हर एक बात की नेंव उसी पर रखते थे, जो मैंने अभी हाल ही में आपके लिए पढ़ा है।

मैं ऐलान करके आपको बता देना चाहता हूँ, कि भाई ब्रन्हम पहले वाले शिक्षालय (शिक्षालय नम्बर.1) से जुड़े हुए थे। भाई ब्रन्हम का सम्बंध उसी पहले स्कूल से था। और मेरे भाई, पहला स्कूल यही था,कि ''**उसका अर्थात् सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ था**।'' परन्तु भाई ब्रन्हम ने आशा रखी थी, उन्होंने दुआ-प्रार्थना की थी, उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा रखा था, कि उन्हें वह प्रकाशन हासिल हो। यही भाई ब्रन्हम की आशा थी। और वो पवित्रशास्त्र में प्रकाशितवाक्य 10:7 पर अपनी नज़रें टिकाये हुए थे, और इस बात की आशा संजो रहे थे, कि वह गुप्त भेद उन पर ज़ाहिर होगा।

जैसाकि भाई ब्रन्हम प्रकाशित वाक्य 10:7 थे, जो कि सातवां दूत है, उन पर समस्त भेदों का प्रकटीकरण हो जाना चाहिए था, तो फिर क्यों वह गुप्त भेद भाई ब्रन्हम पर ज़ाहिर नहीं हुआ था? **क्यों यह उन पर प्रकट नहीं हुआ था?** क्योंकि सातवें दूत को तो उन समस्त गुप्त भेदों को प्रकट करना था, जो पुस्तक के भीतर लिखे हुए थे; और सात गर्जन के शब्द तो पुस्तक में लिखे हुए ही नहीं थे। अतः पवित्र वचन को तोड़ा नहीं जा सकता है।

''ऐसा लगता है, कि आप आठवें प्रचारक-दूत की प्रतीक्षा कर रहे हैं?'' आप इतने भी तेज़ ना चलें! आप सिर्फ उस पर कान लगायें जो भविष्यद्वक्ता कह रहा है। वह खुद भी नहीं जानता था। उसने तो कहा था,'' ऐसा प्रभु के आगमन के समय पर होगा; और सातवीं मोहर को जन साधारण(पब्लिक) पर नहीं खोला जा सकता है।'' अब इसका एक निश्चित समय है, इसका एक निश्चित तरीका है, इसके लिए एक निश्चित कार्यक्रम है। यह ऐसी ही है।

मित्र, मैं आपको कोई बात बता देता हूँ,'' स्वर्ग में जाकर भाई ब्रन्हम ने परमेश्वर के हाथों को बाँध नहीं दिया था।'' भाइयों और बहनों, क्या आप नहीं जानते हैं, कि दृश्य पर से भाई ब्रन्हम के चले जाने के बाद भी प्रेरित, भविष्यद्वक्ता, शिक्षक, प्रचारक, याजक-पास्टर वाली पाँच प्रकार की सेवकाई मौज़ूद हैं ? क्या परमेश्वर इन पाँच प्रकार की सेवकाइयों में से

किसी एक भविष्यद्वक्ता का जन साधारण में एक सेवकाई शुरू करने के लिए और सात गर्जनों का प्रकाशन लाने के लिए उपयोग नहीं कर सकता है? मुझे बताएं, वह क्यों नहीं ऐसा कर सकता है?

आप कहते हैं, ''मैं नहीं विश्वास करता हूँ, कि भाई ब्रन्हम के बाद कोई और भविष्यद्वक्ता होना है।'' जोज़फ ब्रन्हम कौन है? जोज़फ ब्रन्हम कौन है? क्या वह आठवाँ दूत है?(सभा कहती है,''जी नहीं''-सम्पा) क्या वह आठवाँ भविष्यद्वक्ता है?(सभा कहती है,''जी नहीं'') जी नहीं! मेरे भाई, उसका तो एक स्थान है, जहाँ पर परमेश्वर ने ही उसे रखा है। क्या यह सही है? जिस जगह पर परमेश्वर उसे रखता है, वह तो उसी जगह पर होगा। अतः अगर कोई भविष्यद्वक्ता उठ खड़ा होता है, तो इससे वह आठवाँ दूत नहीं बन जाता है। वह तो पाँच प्रकार की सेवकाई में ही एक भविष्यद्वक्ता होगा; और जब परमेश्वर अपना काम करने पर उतारू होगा, तो **वह तो एक गदही तक का उपयोग कर लेगा, कि बालाम नबी को भविष्यवाणी करके चेताया जाए।**

यह तो नाइंसाफी होगी, अगर मैं उन दूसरे हवालों का उल्लेख नहीं करता हूँ, जिस पर उन लोगों ने जो दूसरे स्कूल से जुड़े हुए है, अपनी नेंव रखी है, और विश्वास करते हैं, कि वह तो खुल गई थी, और उन्होंने 1973 तक इसके बारे में कभी भी कुछ नहीं बोला था–और वे दस साल एक चुप्पी के रहे थे। मैं अभी भी वही प्रश्न पूछ रहा हूँ, '' क्यों उन दस सालों की चुप्पी रही? किसने उस चुप्पी को तोड़ा?'' और मैं अभी भी पूछ रहा हूँ,'' अगर उनके पास सातवीं मोहर का प्रकाशन है, तो **मुझे प्रभु की आमद के बारे में बताएं**?'' वह सबसे बड़ा प्रकाशन जो सातवीं मोहर के तले था, वह प्रभु का आगमन है। इसे अवश्य ही बताना चाहिए, कि यह कैसे और कब होगा।

ऐसे केवल तीन या चार ही हवाले हैं, जिनका उपयोग ये प्यारे भाई दूसरे शिक्षालय की बुनियाद के रूप में करते हैं, और वे उस सात कलीसियायी कालों की पुस्तक के पृष्ठ संख्या 327पर, जो मोहरों के खुलने से पहले सन्1960 में लिखी गई थी, और 1964 के ''प्रश्न और उत्तर'' में पाये जाते हैं। यह इस प्रकार से उल्लेख करता है–

327-1 ''अब मलाकी 4 और प्रकाशितवाक्य 10:7 का यह सुसमाचारदूत दो काम करेगाः पहला– मलाकी 4 के अनुसार वह बालकों के मनों को पितरों की ओर फेरेगा। दूसराः ***वह प्रकाशितवाक्य 10 में पाये जाने वाले सात गर्जन के शब्दों का खुलासा करेगा, जो कि वे प्रकाशन हैं, जो सात मोहरों में पाये जाते हैं।*** *ये वे ''भेदपूर्ण सत्य'' होंगे, जिनका दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही खुलासा किया जाएगा; और ये ही वास्तविक रूप में बालकों के मनों को पिन्तेकुस्त वाले पितरों की ओर फेरेंगे। बिलकुल ठीक ऐसा ही है।''* ***(लौदीकियायी कलीसियायी काल पृष्ठ संख्या 327)***

*1161-**प्रश्न संख्या 395 '' क्या उन सात गर्जनों के शब्द का जो सात गुप्त***

भेदों के तुल्य हैं, पहले से ही खुलासा हो चुका है? *क्या उनका सात मोहरों में प्रकटीकरण हो गया था, लेकिन क्या वे अभी तक हमपर गर्जनों के रूप में ज़ाहिर नहीं हुए हैं?* ***जी नहीं;*** *उनका सात मोहरों में खुलासा हो गया था; इसी के बारे में ही तो वे गर्जन थे। वे सात गर्जन जिन्होंने अपने अपने शब्दों का प्रवाहन किया, और जिन्हें कोई भी नहीं जान पाया था, कि वे क्या थे..यूहन्ना जानता था, कि यह क्या था, लेकिन उसे इन्हें लिखने के लिए मना कर दिया गया था। उसने कहा था, ''परन्तु सातवां दूत; उसके शब्द देने के दिनों में सात गर्जन के गुप्त भेदों का खुलासा होगा।''* ***(सी. ओ. डी. प्रश्न और उत्तर 30/08/64)***

बिलकुल ठीक है। कैसे आप उन सारी सच्चाइयों को छोड़ सकते हैं, जिन्हें अभी हाल ही में मैंनें पढ़ा है, और आप उन्हें छोड़कर प्रश्न और उत्तर के व्यस्त कार्यक्रम के उत्तर पर टिके रह सकते हैं। और मैं इस मुद्दे को, जो सातवीं कलीसियायी काल के पेज़ नम्बर 327 पर पाया जाता है, तोड़ने-मरोड़ने नहीं जा रहा हूँ। सबसे पहले तो मैं आपका ध्यान इस और खींचना चाहता हूँ, कि वह वक्तव्य भाई ब्रन्हम के टेपों में कहीं नहीं पाया जाता है। मैं उस वक्तव्य को ठीक लोगों के सम्मुख देखने जा रहा हूँ; और मैं इसके बारे में बिलकुल भी भयभीत नहीं हूँ। मेरी बात सुनिए। वह वक्तव्य कहता है,''मलाकी 4 की सेवकाई दो काम करेगी, और उनमें से एक तो यह है, कि वह सात गर्जनों का खुलासा करेगी।'' इसी टिप्पणी की वजह से ही यह भ्रान्ति आगे बढ़ती चली जाती है। यह बिलकुल ठीक बात है। उस वक्तव्य में यह भी कहा गया है,'' यह दिव्य रीति से प्रकट किये हुए सत्य हैं, जैसा कि ये सात मोहरों में पाये जाते हैं।'' दूसरे शब्दों में यह है, कि वे ये कह रहे हैं, कि वे सात गर्जन जिन्हें भाई ब्रन्हम ने प्रकट किया था, सात मोहरों की पुस्तक में छिपे हुए हैं। बिलकुल ठीक है, मैं ठीक इसी वक्तव्य को आप लोगों के सम्मुख देखूँगा।

'' वे सात गर्जन जिनका खुलासा भाई ब्रन्हम ने किया था, सात मोहरों में पाये जाते हैं। मैं उन गर्जनों को ढूँढ़ निकलाना चाहता हूँ। क्या वे गर्जन श्वेत घोड़ा है? आओ, मुझे जवाब तो दो। क्या वे गर्जन लाल घोड़ा है? क्या वे गर्जन पीला घोड़ा है? क्या वे गर्जन यहूदी हैं? क्या वे सात गर्जन क्लेश है? और आप वह जानते हैं जो हमने अभी हाल ही में सातवीं मोहर में पढ़ा; यह बिलकुल स्पष्ट है, कि भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि प्रभु का आगमन सातवीं मोहर के तले पाया जाता है। यही कारण है, कि यह सात-मोहरों के सन्देश में नहीं पाया जाता है। यह तो प्रभु का आगमन है। 1963 का सात मोहरों का प्रकाशन और गर्जन के शब्द दो अलग अलग बातें हैं। आइए हम इस पर उनके ही शब्द सुन लें। भाइयों और बहनों,

कलीसियायी काल की पुस्तक कहती है, कि ये एक सी ही बात है। भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि ऐसा नहीं है।

73(3-4) यह पुस्तक तब तक पूरी तरह से मोहरबंद है, जब तक कि सात मोहरें तोड़ी नहीं जाती हैं। यह सात मोहरों के द्वारा मोहरबंद है। ***अब, इसकी सात गर्जनों से यही भिन्नता है।(फ़ासला 17/3/63)***

सात मोहरों की पुस्तक के सारांश सात गर्जनों से अलग हैं, क्योंकि सात गर्जनों का भाई ब्रन्हम के द्वारा खुलासा नहीं किया गया था। **इसे भाई ब्रन्हम के द्वारा प्रकट नहीं किया गया था।** ओह, परमेश्वर की महिमा होवे! आप मेरे संग उकता मत जाना! बिलकुल ठीक है।

विचारधारा का यह दूसरा स्कूल, अर्थात् विचारधारा का दूसरा शिक्षालय उस चुप्पी के दस सालों के बाद सन्1973-1974 को न्यू यॉर्क, यू. एस. ए. में खुला। इसके बुनियादी और विख्यात विचार ये हैं, कि'' भाई ब्रन्हम के द्वारा सातवीं मोहर भेदभरे ढ़ंग से प्रचारी गई थी; और वह सन्देश के भीतर ही छिपी हुई है। चुने हुए प्रचारकगणों को और विश्वासियों को अवश्य ही प्रेरणा के द्वारा उस भेदपूर्ण आयाम में ऊपर उठ जाना चाहिए और उस प्रकाशन को पकड़ लेना चाहिए।'' मेरे अज़ीजों, मैंने इसे उन सब हवालों में कहीं नहीं पढ़ा जो हम ने ठीक यहीं पर अभी हाल ही में पढ़े हैं, और **जो सातवीं मोहर के बारे में उसकी सम्पूर्णता में उल्लेख करते हैं।**

मैं सम्पूर्ण विश्व में चारों ओर चुनौती देकर कहता हूँ, कि कोई भी मेरे पास आकर मुझे कोई तो एक ऐसा हवाला दिखाये जहाँ भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि सातवीं मोहर या सात गर्जन का भेदपूर्ण ढ़ंग से खुलासा हुआ था; और हमें इसे प्राप्त करने के लिए उस आयाम में ऊपर उठना है। यह सच नहीं है।

इस स्कूल का आगास 1973-1974 में हुआ, और मेरे भाई, इसने अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता हासिल की, और यह सारे संसार भर में गया, लेकिन परमेश्वर ने ही यह साबित किया कि यह गलत है; और जो कोई भी सातवीं मोहर का और सात गर्जनों का प्रचार करते हैं, वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उस के लिए उस प्रकाशन पर ही आधार रखते हैं जो न्यू यॉर्क से निकलकर आया है। हे प्रचारक, तुम कहते हो, कि मैं एक कड़ा सवाल पूछना चाहता हूँ, **''तुम्हारा सम्बंध किस शिक्षालय से है?'' मेरा सम्बंध तो भाई ब्रन्हम के ही शिक्षालय से है। सातवीं मोहर का सन्1963 में भाई ब्रन्हम के द्वारा खुलासा नहीं हुआ था। इसके लिए एक खास कार्यक्रम है, एक खास समय हैक, एक खास योजना है, और उन्होंने इसे प्रकट नहीं किया था।** मैं यह बात परमेश्वर के

वचन और इस समय के सन्देश के आधार पर ही बोलता हूँ। मेरा सम्बंध उसी स्कूल से है, और मैंने दस साल की चुप्पी के बाद भी अपना स्कूल कदाचित नहीं बदला।

कोई भी वह जन जो उस दूसरे स्कूल का समर्थन करता है, आपको अभी भी मेरे एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, ''**किसने उस चुप्पी को तोड़ा, और उसकी कार्यस्थिति क्या है?**'' ''वह कौन है?'' और जब आप उस शख्स की तरफ इशारा करते हैं, तो आपको मुझे प्रभु की आमद के बारे में भी बताना होगा, क्योंकि वही तो प्रमुख प्रकाशन है। मोहरों के खुलासे का प्रमुख प्रकाशन प्रभु का आगमन है, जो सात गर्जन के शब्दों के तले छिपा हुआ था।

सो बस थोड़ी देर में हम अपना भोजन खाने जा रहे हैं। लेकिन हम बस ठीक इसी वक्त दो लोगों का विवाह करने जा रहे हैं; और मैं कोशिश कर रहा हूँ, कि आपको सचमुच में अच्छी-खासी भूख लग जाए, जिससे आप भोजन का लुत्फ उठा सकें। अतः जब तक कि वे भोजन गर्म कर रहे हैं, तथा ऐसा ही और काम कर रहे हैं, भाई, हम यहाँ पर एक विवाह सम्पन्न करने जा रहे हैं। क्या हर कोई मेरे साथ है?

अतः हम इन भाइयों का, कुछ छोटे भाइयों का बपतिस्मा करने जा रहे हैं। जी हाँ, बड़े प्राण, छोटे प्राण; परमेश्वर को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अतः हमारे पास कुछ युवक हैं, जिनका बपतिस्मा होना है, और या एक या दो और हैं जिनका बपतिस्मा होना है, और ठीक इसके बाद ही हम बपतिस्मा देने जा रहे हैं।

भाइयों और बहनों, मैंने आपको परमेश्वर की सम्पूर्ण मंशा, और हर एक वह बात जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर और सात गर्जन के शब्दों पर कही है, बता दी है। मैं सात गर्जनों के सम्बंध में ठीक वैसा ही विश्वास करता हूँ, जैसाकि भाई ब्रन्हम ने उनके सम्बंध में कहा था,'' यह दुल्हन को बदल डालेगा; और यह दुल्हन के बीच एक बेदारी शुरू कर देगा''; जी हाँ,''और वह आने वाली है।'' मैं इसका विश्वास करता हूँ। जी हाँ, श्रीमान! यह सातवीं मोहर के जैसे ही एक मात्र और अभिन्न है।

वे जो संसार में चारों ओर गर्जन के शब्दों का दावा करते फिरते हैं, उन सभों को परमेश्वर ने ही गलत साबित किया है। यह ऐलान अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सभी जगह हुआ, और उन्होंने दावा किया था, कि यही दुल्हन की बेदारी है, और वे सब के सब असमंजस्य और दुविधा में पड़ गए; और उन्होंने भाई ब्रन्हम के सन्देश की पवित्रता को तहस-नहस कर दिया। उन गर्जनों ने ऐसा काम किया हैःभाई ब्रन्हम के सन्देश की पवित्रता को ही तहस-नहस कर डाला। मेरा सम्बंध तो भाई ब्रन्हम के ही शिक्षालय से है। मैं भाई ब्रन्हम के उस प्रकाशन का

विश्वास करता हूँ, जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के खुलने के सम्बंध में दिया है:-''एक तह का तो खुलासा हो गया था; एक तह को तो वो कब्र में ले गए, और दूसरी तह सात गर्जनों के तले विद्यमान है, जिसका अभी खुलासा होना बाकी है; और उसका खुलासा स्वर्ग पर उठाए जाने से पहले अवश्य ही हो जाना चाहिए।''

बदलाव का नोटिस-क्षमा-याचिका (पुस्तक सं. 4 पृष्ठ सं. 70-1-4)

पुस्तक संख्सा चार,'' निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा-सन्देश के विश्वासियों में पाँच बड़ी शिक्षाओं के आधार पर अलगाव'' में पोर्ट ऑफ स्पेन, ट्रिनाड ऐसम्बली पर , जिसकी पहचान विचारधारा के दूसरे स्कूल के साथ हुई थी, एक लेख लिखित प्रमाण के रूप में छापा गया था। उस लेख का सम्बंध उससे है, जिसमें प्रचारकगणों और विश्वासियों ने अपना आँखोंदेखा ब्यौरा बताया था, उनके मुताबिक वहाँ पर कुछ मतान्ध क्रियाकलापों को मंड़ली एक साथ मिलकर कर रही थी। परमेश्वर को धन्यवाद करते हुए मुझे इस बात की बड़ी ही खुशी है, कि मैं अपने पाठकों को इस बात की रिपोर्ट दूँ, कि उसी ऐसम्बली के पास्टर ने उस लेख को पढ़ने के बाद हम से सम्पर्क किया, और नम्रतापूर्वक सूचित किया, कि उनके यहाँ अब ऐसे क्रियाकलाप बिलकुल भी नहीं हो रहे हैं। हम ने उस पास्टर में अत्यन्त विनम्रतापूर्ण आचार-व्यवहार पाया, हालांकि उस लेख ने उन्हें काफी परेशान कर दिया था। अपने कबूलनामे में उन्होंने उल्लेख किया था, कि उनकी ऐसम्बली में उस प्रकार के कार्यकलाप बाल्यावस्था में ही थे, और उन्होंने स्त्रियों के चीखने-चिल्लाने को विचलित करने वाला नहीं पाया था; और यह भी है, किसी किस्म की डोरियों का उपयोग नहीं किया जा रहा था, परन्तु चश्मदीद गवाह के आधार पर डीकन के द्वारा बेल्ट का उपयोग करने की बात स्वीकारी गई। हम यहाँ पर आप सभों से उस गलत-इज़हार के लिए क्षमा माँगते हैं, जो इससे प्रभावित हुए थे, और खासतौर पर हम पास्टर से माफी माँगते हैं, और यह भी है, कि यदि उस प्रकार के क्रियाकलापों के बंद हो जाने के बाद हमने उस लेख को लिखित प्रमाण के रूप में छापा था, तो आप हमें क्षमा करें।

तदापि जिस नम्रता के साथ इस पास्टर ने हमारे पास आने की पहल की, उस के द्वारा उसकी सत्यनिष्ठा भाप कर, हम ने उसकी गवाही को पूरी तरह से ग्रहण किया है। होने पाये परमेश्वर उसे और हमारे भाइयों और बहनों को आशीष दे; हम विश्वास करते हैं, कि वे सारे के सारे भले लोग हैं, जिन पर हम ने व्यक्ति-विशेष के तौर पर इरादतन प्रहार नहीं किया था, लेकिन हम विश्वास करते हैं, कि वे पुस्तक संख्या पाँच-'' सातवीं मोहर/ सात गर्जन की विचारधारा का दूसरा शिक्षालय'' द्वारा समझ जायेंगे, यह एक अंतर्राष्ट्रीय प्रबंध है जिसका हम विरोध करते हैं, क्योंकि हमारे अंतःविवेक के मुताबिक यह गलत है।

सातवीं मोहर का अर्थ गलत बतलाया गया- विचारधाराओं के दो शिक्षालय

इस संध्या हमने यह चुना कि, सातवीं मोहर पर फिर से थोड़ी सी बातचीत करी जाए, और अगर आप अपनी अपनी बाइबलों को खोलना चाहते हैं, तो आप प्रकाशितवाक्य 8:1 निकाल लें; हम प्रकाशितवाक्य 8:1 पढ़ने जा रहे हैं, और मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण वचन का लेख जो दूसरा पतरस 3:16 में है, भी पढ़ूँगा। अतः मैं यहाँ पर पहला पद पढ़ता हूँ।

''और जब उसने सातवीं मोहर खोली, तो स्वर्ग में आध घड़ी तक सन्नाटा छा गया।''

सातवीं मोहर के विषय में सिर्फ यही सारी की सारी बात कही गई है। और यहाँ पर पतरस की दूसरी पत्री के तीसरे अध्याय में हम तस्वीर को पकड़ने के लिए थोड़ा सा और ऊपर चलेंगे। तेरहवाँ पदः

''पर उस प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नए आकाश और नई पृथ्वी की आस देखते हैं, जिनमें धार्मिकता वास करेगी।''

क्या यह सकून की बात नहीं है? ''***पर...***'' परमेश्वर पृथ्वी का सर्वनाश करेगा; बाइबल तीसरे अध्याय में कहती है,'' और तत्व भी अति तप्त होकर पिघल जायेंगे।'' जी हाँ, परन्तु...

''पर उस प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नए आकाश और नई पृथ्वी की आस देखते हैं, जिनमें धार्मिकता वास करेगी।'

यही तो मसीही की आस है!

इसलिए, हे प्रियो, जब कि तुम इन बातों की आस देखते हो, तो यत्न करो, कि तुम शान्ति से उसके साम्हने निष्कलंक और निर्दोष ठहरो।

और हमारे प्रभु के धीरज को उद्धार समझो, जैसे हमारे प्रिय भाई पौलुस ने भी उस ज्ञान के अनुसार जो उसे मिला, तुम्हें लिखा है।

वैसे ही उस ने अपनी सब पत्रियों में भी इन बातों की चर्चा की है जिनमें से कितनी बातें ऐसी हैं, जिनका समझना कठिन है...

इन बातों पर ध्यान दें। उस ज्ञान के कारण जिस में होकर पौलुस उन से बातें किया करता था, उस की पत्रियों और सन्देश की कुछ निश्चित बातें तो समझना कठिन था।

''....और अनपढ़ और चंचल लोग..खींच-तानकर...''

यह बल लगाकर तोड़ना-मरोड़ना। खींच-तान का अर्थ होता है,'' बल लगाकर तोड़ना-मरोड़ना''(कही बात से ही हटकर कुछ कहना)

''.....और अनपढ़ और चंचल लोग उन के अर्थों को भी पवित्र शास्त्र की और बातों की नाई खींच-तानकर अपने ही नाश का कारण बनाते हैं।

जब आप परमेश्वर के वचन को तोड़ते-मरोड़ते हैं, तो ऐसा करके आप अपना ही नाश करते हैं।

''...इसलिए, हे प्रियो, तुम लोग पहले से ही इन बातों को जानकर चौकस रहो, ताकि अधर्मियों के भ्रम में फंस कर अपनी स्थिरता को हाथ से कहीं खो न दो।

पर हमारे प्रभु, और उद्धारकर्त्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ।

उसी की महिमा अब भी हो, और युगानुयुग होती रहे। आमीन!(दूसरा पतरस 3:13-18)

मैं सोचता हूँ, कि ये लोग बहुत कुछ हमारे जैसे ही थे; इससे पहले कि ''आमीन'' पढ़ता, सभा ने ही ''आमीन'' बोल दिया। मेरा मानना है, हमें ये बातें वहाँ पर मिल रही हैं। वे बहुत कुछ हमारे ही जैसे थे। भाई पौलुस हमारे ही जैसा एक पुरुष था। पवित्र लोग(संत लोग) हमारे ही जैसे थे, वे बस किसी और युग में जीये थे, उनके पास भी बिगाड़नेवाले थे, जैसे कि आज हमारे पास हैं, जो उन पवित्रवचनों का खींच-तानकर अर्थ बताते हैं, जिनका समझना कठिन है। जी हाँ! अतः होने पाये, खुदावंद, अपने पवित्र वचनों के पढ़े जाने पर आशीष प्रदान करे। मेहरबानी करके आप बैठ जाएं।

विलियम मेरियन ब्रन्हम की सबसे बड़ी चेतावनियाँ

अतः मैं थोड़ी देर के लिए बातचीत करना चाहता हूँ; और इस छोटे से सन्देश का शीर्षक है''**सातवीं मोहर का अर्थ गलत बतलाया गया- विचारधाराओं के दो शिक्षालय।**'' अब ठीक वहाँ पर आपको अवश्य ही यह समझ जाना चाहिए, कि **भाई ब्रन्हम की, भविष्यद्वक्ता की जो सबसे बड़ी चेतावनी थी, वह यह थी, कि'' जाकर मोहरों का अर्थ मत निकालना, खासतौर पर सातवीं मोहर का, जब आज रात्रि हम उस पर आते हैं।''** और उन्होंने लोगों को बारबार इसके लिए चिताया था; सातवीं मोहर के प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों को निरन्तर इस बात के लिए चिताया था,'' **इस मोहर का अर्थ मत निकालना**'' अपनी समापन टिप्पिणियों में उन्होंने कहा था,'' और अगर यह टेप किसी के हाथों में पड़ जाए, तो वह आगे न बढ़े, और इन बातों में से कोई वाद या मत न बनाये, क्योंकि यह मोहर खुली नहीं है।'' एक दूसरी जगह पर उन्होंने

कहा,'' अगर तो इन बातों का अर्थ निकालने की चेष्टा करोगे, तो तुम खुद अपने आपको सही मार्ग से ही गुमराह कर दोगे, और परमेश्वर के कार्यक्रम में गड़बड़ी पैदा कर दोगे।'' ये तो वे सारी बातें हैं जिन पर आपको''आमीन'' कहना चाहिए, क्योंकि मैंने आपके साथ इन बातों का एक एक करके अध्यापन किया है।

परन्तु इस संध्या को हम एक बार फिर से सातवीं मोहर पर विचारविमर्श कर रहे हैं, तो हम विचारधाराओं के दो शिक्षालयों के बारे में भी चर्चा करेंगे। पिछले रविवार को हम ने एक छोटे से सन्देश पर बोलना शुरू किया था, और हमने सातवीं मोहर पर बोला था, और हम ने कहा था, कि वे सब जो सन्देश पर चलते हैं, इस रज़ामंदी में हैं, कि छ' मोहरों का खुलासा हो गया था। लेकिन लोगों के बीच में एक विवाद है। **जहाँ एक शिक्षालय तो कह रहा है,:'' इसका खुलासा हो गया है'', और वहीं दूसरा शिक्षालय कह रहा है,'' इसका खुलासा नहीं हुआ है।''**

अब गत रविवार को जब हमारे पास एक बड़ी भीड़ थी, एक मिली-जुली भीड़ थी(और आज ज्यादातर वे लोग मौजूद हैं, जिनका सम्बंध एक ही शिक्षालय से है), तो अपने विवादों का निपटारा करने के लिए, मुझे इस ढ़ंग से बोलना पड़ा था, ताकि किसी तरह का कोई बखेड़ा न उपजे, और हर कोई जो चाहे वह ग्रहण करे; आप जानते ही हैं, और जैसा कि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि वे जैसा चाहें वैसा करें। आज, मैं विचारधारा के इस दूसरे स्कूल के बारे में और भी ज्यादा साफ-साफ बोल सकता हूँ। अतः अब आइये हम देखें, कि हमने वैसा पिछली बार कैसे किया था, अगर आप मुझे सुनने से चूक गए थे, तो मैं आपको बता दूँ, कि हमने वह सब कुछ लिया था, जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के बारे में सन् 1962 से लेकर ''श्रीमानों, क्या यह वह समय है?'' से ठीक 1965 कहा था; और मैंने यह किया था, कि मैंने सातवीं मोहर ली, और मैं सातवीं मोहर को आपके लिए पढ़ता चला गया; और मैं केवल रुक रहा था और उन कुछ अनुभवों को जिनके बारे में उन्होंने बताया था, और जिन्हें मैंने सोचा था, कि वे बहुत लम्बे हैं, और उन से मंड़ली भली-भाँति चिर-परिचित है, अवतरणों में बांटा। हमने अपने लिए यह सब इसीलिए किया है, ताकि हम सातवीं मोहर के विषय के पथ से ना भटकें। परन्तु आमतौर से आप गत रविवार को इसी तजुर्बे से गुजरे थे, कि सातवीं मोहर के बारे में बिलकुल हू-ब हू ठीक वैसे ही पढ़ा गया था जैसा कि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने 1963 में इसका वर्णन किया था; और चाहे जो कुछ भी हुआ, मैंने ऐसा अपनी तरफ से बगैर कोई अनुवाद बताये किया था। समाप्ति की ओर बढ़ते हुए मैं थोड़ा सा कुछ ऐसा सा हो गया था, जैसा लड़ाई पर उतारूँ हूँ; लेकिन तब मैंने खुद अपने को काबू में रखा, क्योंकि मैं जानता था, कि हमें सभा में शान्ति-मेल और स्थायित्व कायम करके रखना

है।

अतः हम ने वह सब लिया जो 1962 से 1965 तक कहा गया था, और तब हम ने उसका शीर्षक रखा था,''सातवीं मोहर के तथ्य'', लेकिन भाइयों और बहनों, हमने साधारण रीति पर सातवीं मोहर की पूरी किताब ही पढ़ डाली थी; हमने बिलकुल शुरूआत से ही आरम्भ किया था, ताकि आपको उसका बिलकुल सही सही विचार मिल जाए, कि भाई ब्रन्हम ने इसे कैसे प्रसुत्त किया था, और उन्होंने क्या कहा था, और उन्होंने क्या नहीं कहा था; और हमने लम्बे लम्बे दर्शनों को बहुत ज्यादा नहीं लिया था और जो कुछ भी उन्होंने उल्लेख किया था, हमने उसे लिया था।

अतः मैं उन तथ्यों पर संख्या-नम्बर डालने का प्रयास कर रहा था, ना केवल उन तथ्यों पर ही संख्या नम्बर डालने का प्रयास कर रहा था जहाँ उन्होंने कहा था, कि यह खुली नहीं थी, बल्कि मैं तो सभी तथ्यों पर संख्या-नम्बर डालने का प्रयास कर रहा था; और मैंने सातवीं मोहर से ही ऐसा करना आरम्भ किया, और मैं तथ्यों पर संख्या-नम्बर डालने का प्रयास कर रहा था; और आपने ध्यान दिया होगा, कि जल्दबाज़ी में मैं तकरीबन ''तथ्य संख्या.16''पर रुक गया था; क्योंकि मैं बहुत जल्दी में था। अतः किसी भी तरह से मुझे उन तथ्यों पर संख्या-नम्बर तो डालना ही था, और जिन तथ्यों पर संख्या-नम्बर डाला गया है, वे तथ्य सातवीं मोहर के आरम्भ से लेकर 1965 तक के हैं, जब तक कि भाई ब्रन्हम इस जिन्दगी से जुदा न हो गए, और वे तथ्य कुल मिलकर चालीस या उससे भी ज्यादा हैं। अतः जब मैं ''तथ्य'' शब्द कहता हूँ, तो मेरा अभिप्राय उन सच्चाइयों से है, जिन्हें भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के सम्बंध में स्थापित किया था। और मैंने उन तथ्यों को उन लोगों के लिए छोड़ दिया था, जो वहाँ पर मौज़ूद थे, कि वे उनसे वे ले लें जो वे लेना चाहते हैं, और वैसा समझ लें जैसा वे समझना चाहते हैं, उसके बाद मैं इसमें सहायता नहीं कर सकता, लेकिन इतना ही कह सकता हूँ, कि भाई ब्रन्हम किस स्कूल से सम्बद्ध थे; और मैं आज रात्रि भी दृढ़तापूर्वक यही विश्वास करता हूँ, कि **भाई ब्रन्हम पहले वाले शिक्षालय से जुड़े हुए थे, जो यह कहता है, कि सातवीं मोहर तोड़ी नहीं गई थी; यही कारण है, कि पिछले रविवार को मैंने यह कह कर अपनी पहचान ठीक उसी शिक्षालय के साथ करायी थी, कि मैं भाई ब्रन्हम के ही शिक्षालय से जुड़ा हुआ हूँ।**

अतः अगर मैं मोहरों पर जो प्रश्न और उत्तर हैं, उनका परिचय-भाग लेता हूँ, तो हम कुछ और तथ्यों को ले सकते हैं, और यदि मैं उन तथ्यों पर और भी बातें लूँ,''जो तथ्य सातवीं मोहर के सम्बंध में कहे गए और उसके सम्बंध में कहे गए, कि इसका अर्थ ना बतलाना'', तो हो सकता है, कि उस पर दस, बारह, या पन्द्रह तथ्य और भी बन जाएं। परन्तु मैं इसे वैसा ही छोड़ता हूँ जैसा ये यहाँ पर है, और मैं इन्हीं चालीस तथ्यों के सिलसिले में बातें कर रहा हूँ जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के सम्बंध में कहे थे; और कैसे भी हो इसने उन सारी

प्रमुख बातों को लिया है, जिनका भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के सम्बंध में उल्लेख किया था।

अतः हमने उसका उसके माध्यम से अध्ययन किया था, और अगर आप गत रविवार को मुझ से चूक गए थे, तो मैं ठीक यहाँ पर इस संध्या उसे संक्षेप में बताना चाहता हूँ-मौलिक रूप से मैं उस प्रकाशन को संक्षेप में बताना चाहूँगा, जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के सिलसिले में बताया था; और यह इस मंड़ली के लिए तथा उन सारे विश्वासियों के लिए है, जो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता पर विश्वास करते हैं। हो सकता है, कि कोई बच्चा इससे चूक गया हो। हो सकता है, कि उस दो या पौने तीन घन्टे के सन्देश में कोई थक गया हो। अतः मैं आपको यह संक्षेप में बताऊँगा, कि भाई ब्रन्हम ने इसके सम्बंध में क्या-क्या कहा था।अब, लेकिन मैं यहाँ पर या समुद्र पार, या दुनिया के किसी भी भाग में किसी भी व्यक्ति को यह चुनौती देकर कहता हूँ, कि वह इस सारांक्ष पर जो मैं यहाँ पर उसके बारे में बताने जा रहा हूँ जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के लिए पेश किया था, चुनौती दे, और इसे तो उसके साथ मेल खाना ही है जो भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर के बारे में कहा था

सातवीं मोहर पर भाई ब्रन्हम के प्रकाशन का संक्षेप में उल्लेख

भाइयों और बहनों, बुनियादी तौर पर भाई ब्रन्हम ने यह बात स्थापित की थी, कि छः मोहरों का खुलासा हो गया था। अब अगर आपको हवाले याद हैं, तो मैं चाहता हूँ, कि आप उसकी पुष्टि कर लें। हो सकता है, कि दुनिया में चारों ओर ऐसे लोग हों, जो आपकी आवाजें सुन रहे हों। भाई ब्रन्हम ने इस बात की पुष्टि की थी, कि छः मोहरों का खुलासा हो गया था। सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ था!(सभा कहती है,''आमीन'') ऐसा भी है, कि परमेश्वर ने उन्हें सातवीं मोहर के बारे में एक प्रकाशन दिया था। (सभा कहती है,''आमीन'')वह प्रकाशन जो परमेश्वर ने भाई ब्रन्हम को सातवीं मोहर के बारे में दिया था, यह हैः परमेश्वर ने उन्हें बताया था, कि सातवीं मोहर तीन तह में थी; और चूँकि और दूसरी सभी मोहरें तीन तह में ही थीं, इसलिए सातवीं मोहर भी तीन तह में ही थी।(सभा कहती है,''आमीन'')इसके आगे परमेश्वर ने भाई ब्रन्हम को बताया था, कि ''सातवीं मोहर सचमुच में सात गर्जन हैं।'' यही सातवीं मोहर और सात गर्जन को एक और अभिन्न प्रकाशन बनाता है।(सभा कहती है,''आमीन'') उसने भाई ब्रन्हम को यह भी बताया, कि यह तीसरा खिंचाव भी है। इसका सम्बंध उस दर्शन से है, जो भाई ब्रन्हम ने कई वर्षों पहले देखा था। अतः सातवी मोहर सात गर्जन है, और सात गर्जन तीसरा खिंचाव हैं। और वह सबसे बड़ा प्रकाशन जो भाई ब्रन्हम को सातवीं मोहर के बारे में परमेश्वर से प्राप्त हुआ, वह यह था, कि सात गर्जनों में

ही प्रभु यीशु मसीह का आगमन पाया जाता है। (सभा कहती है,''आमीन'')इससे आगे परमेश्वर ने उन्हें बताया था, चूँकि कोई भी प्रभु के आगमन के बारे में नहीं जानता है, कि वह कैसे आता है, और वह कब आता है, इसलिए वे सात गर्जन के शब्दों के बारे में भी नहीं जानेंगे, क्योंकि यह एक और अभिन्न प्रकाशन है।

तीन खामोशियाँ

जब भाई ब्रन्हम ने प्रकाशितवाक्य 8:1 पढ़ा, तो वे नहीं जानते थे, कि कहाँ जाना है, क्योंकि सातवीं मोहर के तोड़े जाने के विषय में जो सारी की सारी बात बाइबल कहती थी, वह यही थी, कि'' स्वर्ग में एक सन्नाटा था।'' परमेश्वर ने ही अपनी दया में होकर भविष्यद्वक्ता को उस मोहर के विषय में बतलाया, और जो पहली बात उसने भाई ब्रन्हम पर ज़ाहिर की थी, वह यह थी, कि उसने यह कहा था,'' अब मैं तुझे प्रकाशितवाक्य के दसवें अध्याय का हवाला दे रहा हूँः वहाँ पर कोई ऐसी बात है, जो लिखी भी नहीं गई थी, जो कि सात गर्जन के शब्द हैं; और चूँकि यह पुस्तक में लिखा हुआ भी नहीं है, अतः यह एक सन्नाटा बन जाता है। अतः मैं प्रकाशितवाक्य 8:1 के इस सन्नाटे को प्रकाशितवाक्य 10 के सन्नाटे के साथ जोड़ रहा हूँ। और यहाँ पर परमेश्वर ही अपने भविष्यद्वक्ता से बोल रहा है; और उसने कहा था,'' मैं तुझे बाइबल में पाये जाने वाले एक और वचन के लेख का हवाला दूँगा, जहाँ पर एक और खामोशी है; और यह वह है, जब उन्होंने पहाड़ पर यीशु से तीन प्रश्न पूछे थे; उन में से एक तो उसके आगमन के सम्बंध में था...'' यह मत्ती 24 है। उसने कहा था...'' और यीशु इस पर खामोश था, कि वह कब आएगा और वह कैसे आएगा।'' और जब उन्होंने उसने वह प्रश्न पूछा, तो उसने कहा था,'' यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी उसे नहीं जानते हैं; और मैं उसे नहीं जानता हूँ; और कोई भी उसे नहीं जानता है। केवल परमेश्वर ही उसे जानता है।''

अतः अब देखिए, भाई ब्रन्हम ने ही बाइबल में पायी जाने वाली तीन खामोशियों की पहचान करायी। उससे पहले वो उसे कभी नहीं जानते थे, और कोई भी मनुष्य ना तो यह जानता था, कि सातवीं मोहर की खामोशी का सम्बंध प्रकाशितवाक्य 10 से है, और ना ही यह जानता था, कि इसका सम्बंध मत्ती 24 है। अब, भाई ब्रन्हम के लिए यह एक बड़ा प्रकाशन था। अब, भाई ब्रन्हम ने उसे '' सातवीं मोहर के तीन तह वाले गुप्त-भेद की पहली तह;'' कहा। परमेश्वर ने ही उन्हें बताया था, कि सातवीं मोहर तीन-तह वाला एक गुप्त भेद है।अतः भाई ब्रन्हम ने उस गुप्त-भेद की पहली तह को यह कहा था,'' यह वह प्रकाशन है जो परमेश्वर ने उन्हें उन दूसरी खामोशियों के बारे में बताया था–कि सातवीं मोहर सात गर्जन के शब्द के तले छिपी हुई है; और यह प्रभु का आगमन है।'' और भाई ब्रन्हम ने उसे'' पहली

तह'' कहा था। उन्होंने कहा था,'' यह वाली तह; मैं तुम्हें वह देने जा रहा हूँ।'' कितने लोग इस बात के गवाह हैं, कि मैंने उन लेखांशों (हवालों)को पढ़ा था? (सभा कहती है,''आमीन'') उन्होंने कहा था,'' मैं तुम्हें इसकी एक तह देने जा रहा हूँ।'' वह पहली तह जो भाई ब्रन्हम ने दी वह यह है, कि भाई ब्रन्हम ने कलीसिया को वे सम्बन्धित वचन के लेख बताये जिनका सम्बंध सातवीं मोहर से है।

सातवीं मोहर- तीन तह वाला गुप्त भेद

आगे चलकर जैसाकि भाई ब्रन्हम इसी विषय पर और आगे बढ़ते हैं, तो उन्होंने कहा था,'' मेरे पास कोई ऐसी बात है जो कल रात मुझ पर खुली, और कोई ऐसी बात है जो आज खुली, और एक और बात थी जो अनजानी भाषा में थी जिसका मुझे अर्थ नहीं सूझा।'' ये हमें यही समझ प्रदान करता है, कि यद्यपि परमेश्वर ने भाई ब्रन्हम को सातवीं मोहर की एक तह प्रदान की थी, मगर एक और तह थी जो परमेश्वर ने उन्हें प्रदान की थी, जिसे वो अपनी कब्र में लेकर चले गये थे, और उन्होंने उसे अपने हृदय में छिपा कर रखा था। इसके बाद जब भाई ब्रन्हम ने इसकी तीसरी तह के लिए दृष्टि डाली, तो यह एक अनजानी भाषा में खुली, जिसका सम्बंध सात गर्जन के शब्द से था। उन्होंने ज़ोर देकर कहा था,'' मुझे उसका अनुवाद नहीं मिला था; मैं उसे समझ नहीं पाया था, वह एक अनजानी भाषा में था, और मैं उसे पढ़ नहीं सका।'' यही कारण है, कि सात गर्जनों का भाई ब्रन्हम पर खुलासा नहीं हुआ था, क्योंकि वह एक अनजानी भाषा में था।

वह कोई भी जो गर्जनों पर प्रचार करता है, उसे अवश्य ही उस अनजानी भाषा को पढ़ने में सामर्थी होना चाहिए। उन्हें अवश्य ही यह दिखाने में सक्षम होना चाहिए, कि कहाँ पर परमेश्वर ने उस अनजानी भाषा को भाई ब्रन्हम पर प्रकट किया था, इसे किस टेप में, किस तारीख को, किस समय पर, बताया गया था; और अगर वे आपको यह नहीं बता सकते हैं, कि परमेश्वर 1963 से वापस आया, और अगर वे बताते हैं, कि भाई ब्रन्हम ने बताया था, कि वह अनजानी भाषा क्या थी, तो वे झूठे गर्जनों का प्रचार कर रहे हैं; क्योंकि गर्जन तो अनजानी भाषा में थे। केवल एक ही तरीका है जिससे आपको उन गर्जनों का प्रकाशन हासिल हो जाए; और वह यह है, कि आपको किसी ऐसे की तलाश करनी होगी, कि वह उस अनजानी भाषा को पढ़ दे, जिसके लिए भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वो उस भाषा को नहीं पढ़ सके थे। परन्तु वह एक मात्र बात जो वो तीसरे खिंचाव और सात गर्जनों के विषय में जानते थे– यह थी, कि उन्होंने कहा था'' प्रभु का आगमन सात गर्जनों के तले विद्यमान है।'' उन्होंने कहा था, कि मैं इस बात में पूरी तौर से सुनिश्चित हूँ, कि प्रभु का आगमन सात गर्जनों के तले विद्यमान है। वह कोई भी जो सात गर्जन प्रचार रहा है, उसे अवश्य ही आपको प्रभु के आगमन विषय में बताने में समक्ष होना चाहिए। भाइयों और बहनों, लोग सोचते हैं, कि

वे प्रभु के आगमन के विषय में जानते हैं, लेकिन वे नहीं जानते हैं; क्योंकि वह तो सातवीं मोहर के तले, सात गर्जनों के तले मौजूद था, और यीशु ने उसके बारे में कदापि नहीं बोला था। यही कारण है, कि सात गर्जनों ने प्रभु का आगमन समेट कर रखा हुआ है, और वह मनुष्य के पुत्र(the Son of Man) के रूप में आता है। क्या आप मुझे सुनते हैं? और अगर वे प्रभु के आगमन के विषय में जानते हैं, तो वे मनुष्य के पुत्र के विषय में भी जान जायेंगे। मेरे भाई, यही कारण है, कि जब आप बोलते हैं,'' मनुष्य का पुत्र'' तो वे ''मनुष्य का पुत्र'' नहीं समझते हैं।

अतः आइये मैं एक बार फिर से आपके साथ उस तीन तह वाली बात को दोहराये देता हूँ। भाइयों और बहनों, मैं जानता हूँ, कि मैं किस के विषय में बोल रहा हूँ। यह कोई दिमागी कसरत नहीं है। मैं सुनिश्चित हूँ, कि मैंने इसे बिलकुल ठीक समझा है। जो बात मैं बोल रहा हूँ मैं उसमें पूरी तरह से सुनिश्चित हूँ। मैं इस बात में सुनिश्चित हूँ, कि अगर कोई व्यक्ति सत्यनिष्ठ और ईमानदार है, और वापस जाकर सात मोहरों की पुस्तक को पढ़ता है, तो उसे वह मालूम हो जायेगा, जो मैं यहाँ पर बोल रहा हूँ। उसे तो यह अवश्य ही मालूम हो जाना है; और अगर उसे यह मालूम नहीं होता है, तो मेरे भाई, उसके साथ कुछ न कुछ गड़बड़ है। यही इसकी सच्चाई है।

आइये, मैं आपके लिए वह तीन-तह वाली बात फिर से बताये देता हूँ। सातवीं मोहर तीन-तह के रूप में थी। दो तह के बारे में तो भाई ब्रन्हम को बता दिया गया था। उन में से एक तह का तो उन्होंने कलीसिया पर खुलासा कर दिया था। यही है वह जो आपको सात मोहरों की पुस्तक में मिल जाता है। उससे अगली तह..भाई ब्रन्हम ने उसे खुद अपने लिए रख लिया था, और तीसरी तह..उसे परमेश्वर ने अपने लिए रख लिया था।

सातवीं मोहर खुली नहीं–उड़ता हुआ दूत उसे थामे हुए है

सातवी मोहर तीन तह के रूप में है; परमेश्वर ने दो तह का खुलासा तो भाई ब्रन्हम पर कर दिया था, और उन्होंने एक तह तो कलीसिया को दे दी थी, और दूसरी वाली खुद अपने लिए रख ली थी; और तीसरी वाली को खुदा ने खुद अपने लिए रख लिया था; और परमेश्वर उसका खुलासा स्वर्ग पर उठाए जाने से ठीक पहले करने का वायदा किया है। हम किसी बात की समीपता में आतें चले जा रहे हैं। उसी आधार पर भाई ब्रन्हम ने पूरी तौर से घोषणा करके कहा था, कि उन्हें सातवीं मोहर का प्रकाशन मालूम नहीं है; और उन्होंने लोगों को चेतावनी दी थी, कि वे इसका अर्थ ना बतलाएं, और इस नाखुली हुई मोहर से किसी तरह का कोई मत या वाद ना बनाएं; उन्होंने कहा था,'' यह अभी तक पब्लिक(जन-साधारण) के लिए नहीं है। यह तो मसीह के आगमन के समय के आसपास ही खुलेगी। इसे

तो वह फरिश्ता पकड़े हुए था, जो सातवां स्वर्गदूत कहलाता है।'' यह सातवां स्वर्गदूत उड़नेवाला दूत था, और यही पृथ्वी वाले दूत को ऊपर उठा कर ले गया था। यही कारण है, कि वे दोनों एक से दूत नहीं हैं। एक तो उड़नेवाला दूत था, और दूसरा चलनेवाला दूत था। यह उड़नेवाला दूत इस चलने वाले दूत को ऊपर उठा कर ले गया था, और वह उसे ऊपर उठाकर उस बादल में ले गया था, जो आसमन में 26 मील ऊँचाई पर और 30 मील के घेर में था; और उड़ने वाला दूत सातवीं मोहर के प्रकाशन को लेकर पूरब की ओर उड़ रहा था। पृथ्वी वाला दूत तो सन् 1965 में ही महिमा में चला गया था, लेकर वह सातवाँ दूत जो सातवीं मोहर लेकर उड़ गया था, अभी भी पृथ्वी पर ही है। ओह, मेरे खुदा! मैं इसका विश्वास करता हूँ। भाइयों और बहनों, यही सातवीं मोहर पर संक्षेप में एक सम्पूर्ण और पूरी समझ है, जिसको मैंने जाहिर कर दिया है।

और मैं इसे छोटे छोटे बच्चों के लिए, नन्हें बच्चों के लिए तोड़-तोड़ कर बता रहा हूँ, कि भाई ब्रन्हम ही वह मलाकी 4 थे, जिन्हें जगत में भेजा गया था। एक सात मोहरों की पुस्तक थी; और उन मोहरों ने सम्पूर्ण बाइबल को तालाबंद किया हुआ था। परमेश्वर ने भाई ब्रन्हम का उपयोग छः मोहरों को खोलने के लिए किया था, **और आखिरी वाली मोहर खोली नहीं गई थी। आखिरी मोहर को तो अवश्य ही स्वर्ग पर उठाए जाने से पहले खुल जाना चाहिए, वरना कोई भी स्वर्गारोहरण में नहीं जा सकता।** यही सम्पूर्ण समझ है। मेरे भाइयों और बहनों, हम इसे समझते तो थे, लेकिन शायद उतनी गहराई में नहीं, जितना, कि हम इस समय समझते हैं; लेकिन हम साठ के दशक के आखिरी वर्षो में भी यही समझते थे, और जानते थे, सातवीं मोहर खुली नहीं थी। ठीक जैसाकि मैंने आपको यहाँ पर बताया है, और यह मेरे लिए कोई अनूठी बात नहीं है, मगर यह तो सत्य ही है। मुझ पर ज़ोराज़माइश हो रही है, कि मैं कोई बात कहूँ, लेकिन वही उड़नेवाला दूत सातवीं मोहर को संजोकर रखे हुए हैं।

वे लोग जो इसे पहली बार सुनते हैं, उन के मस्तिष्कों में सभी किस्म के सवाल चक्कर काट सकते हैं, क्योंकि वे मलाकी4, प्रकाशितवाक्य 10:7 के सन्देश पर बहुत ज्यादा संकेन्द्रित हैं। वे सोच सकते हैं,'' इसके बारे में क्या है? उसके बारे में क्या है? अगली बात के बारें में क्या है? अगला काम कौन सा होगा? अगली बात के बारे में क्या है?'' भाइयों और बहनों, मैं पूरी तरह से सन्देश, इस सन्देश से ही व्यवहार कर रहा हूँ। आप उसे जहाँ चाहें स्थान दें, जैसाकि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था,'' आप जो चाहे करें। मैंने तो वह बोल दिया है, जो मुझ पर प्रकट किया गया था।'' मैं उसके प्रकाशन का विश्वास करता हूँ। सातवीं मोहर/ सात गर्जन, तीसरे खिंचाव, प्रभु की आमद के आधार पर समझ मिलती है, वही वह सबसे ऊँचा प्रकाशन है, जिसमें कोई भी जा सकता है। सातवीं मोहर, सात गर्जनों के तले ही तीसरा खिंचाव उस सबसे ऊँचे प्रकाशन को समेट कर रखता है जिस में

कोई भी ऊपर चढ़ सकता है। भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वह सब कुछ मनुष्य के पुत्र में और मनुष्य के पुत्र के प्रकटीकरण में ही लिपटा हुआ था।

भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर/सात गर्जन पाने और प्रचार करने की आशा रखी थी

अब, समुंद्रपार के हमारे भाई-बंधु तथा संसार भर में चारों ओर बहुत से लोग नहीं समझते हैं, कि मोहरों के खुलने से ही एक ऐसा समय रहा था, जब कोई भी ''सातवीं मोहर'' पर प्रचार नहीं करता था; और ना ही कोई ''सात गर्जनों पर प्रचार करता था'' और ना ही ''तीसरे खिंचाव'' पर कोई प्रचार करता था। इस पर कोई भी प्रचार नहीं करता था! वे उसे नहीं समझते हैं। यही कारण है, कि मुझे इस पर थोड़ा सा पीछे चलना पड़ता है, ताकि भाइयों आपको यह समझा दूँ, कि जब भाई ब्रन्हम ने उसका प्रचार कर लिया जिसे उन्होंने सातवीं मोहर की सच्चाइयाँ, के रूप में प्रचार किया था, तो उसके बाद भाई ब्रन्हम ने उसे वैसा ही छोड़ दिया, और उसके बाद उन्होंने उसे फिर कभी भी एक विषय के तौर पर नहीं लिया, जब तक कि उनका निधन नहीं हो गया। यद्यपि भाई ब्रन्हम ने बड़ी ही जिज्ञासापूर्वक, व्याकुलतापूर्वक आशा संजोकर रखी थी, कि एक दिन उन पर इसका खुलासा हो सकता है, जैसा कि 1965 के आखिरी दिनों में भाई ब्रन्हम जैफरसनविले वापस लौटकर आए, और बोले, '' मैं यहाँ पर सात गर्जनों पर प्रचार करने के मकसद से आया हूँ; लेकिन मुझे ऐसा करने के लिए जगह न मिल सकी।'' अब हो सकता है, कि कोई तेज़-तर्रार ऐलिक कहना चाहता हो, '' अच्छा, अगर भाई ब्रन्हम गर्जनों पर प्रचार करने के लिए आये थे, तो इसका कारण यही था, कि उसका उन पर खुलासा हो गया था।'' इससे कितनी ज्यादा समझ मिलती है? ज़रा इसके बारे में सोचिएं! भाई ब्रन्हम ने मार्च 1963 को ऐरिज़ोना छोड़ दिया था, ताकि टेबरनिकल में जाकर मोहरों पर प्रचार करें, और परमेश्वर ने उन्हें वह उस दिन तक कदापि नहीं दी थी जिस दिन तक उन्होंने उसका प्रचार नहीं किया। अतः भाई ब्रन्हम विश्वास से ही 1965 में आगे बढ़ रहे थे। वे तो इस बात की आशा कर रहे थे, कि वह सातवाँ दूत जो उस अन्तिम मोहर को थाम कर पकड़े हुए है, फिर से ठीक उसी कक्ष में उन्हें वह देगा। अतः यह तो कोई प्रमाण नहीं है, कि उनके पास उसका प्रकाशन था; जी नहीं; अन्यथा उन्होंने कहीं पर ऐसा कह दिया होता, '' भाइयों, प्रभु ने मुझ पर उस अनजानी भाषा का अर्थ प्रकट कर दिया है और मुझे उसका प्रचार करने के लिए कोई जगह नहीं मिल सकी है। वह कह चुका है और मैं यहाँ पर इसका प्रचार करने के लिए ही हूँ।'' भाई ब्रन्हम विश्वास के पुरुष थे। क्या आप नहीं जानते हैं, कि तीसरा खिंचाव, जो कि ''वचन बोलो'' वाली सेवकाई थी, उसको काम में लाने के लिए कई बार कक्ष में गए थे, और उन्होंने उसे काम में लाने का प्रयास किया था? और इसने काम नहीं किया था, क्योंकि अभी उसके लिए समय नहीं था। सन्देश के मानेवाले विश्वासियों

में से जो सन्देश पढ़ते हैं, कितने ऐसे हैं, जो यह जानते हैं, कि यह सच है? एक बार भाई ब्रन्हम अपनी पत्नी को वहाँ अंदर लेकर गए और बाहर निकलकर आए, और उन्होंने बताया था, कि इसने काम नहीं किया। वो तो विश्वास के द्वारा ही आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे थे, और यह विश्वास ही था, जिसके द्वारा भाई ब्रन्हम 1965 में गर्जनों को खोलने के लिए आए थे। कितने लोग जानते हैं, कि भाई ब्रन्हम ने सात तुरहियों पर प्रचार करने की घोषणा की थी? और जब वो उस पर प्रचार करने के लिए तैयार हुए, तो खुदा ने ही उन्हें बताया, कि यह वो समय नहीं है; वह तो यहूदियों के लिए ही है। भाई ब्रन्हम विश्वास के पुरुष थे। वे वहाँ पर आया करते थे और देखा करते थे, कि क्या परमेश्वर इसे इस समय पर करना चाहेगा। वो वापस आए और उन्होंने घोषणा करके कहा, '' मैं कक्ष में तथा सभी जगह गया, लेकिन प्रभु ने मुझे बताया, कि यह इसके लिए समय नहीं है; इसका सम्बंध तो यहूदियों से ही है।''

वह कोई भी जो सात तुरहियों पर प्रचार करने का दावा करता है, उसकी झूठी अगुवाई हो रही है, और उसने शैतान से अभिषेक पाया हुआ है, और वे मलाकी चार की सेवकाई से भी आगे बढ़ने की चेष्टा कर रहे हैं। वे तो मूसा और एलिय्याह से भी आगे निकल जाने की कोशिश कर रहे हैं। वे सात तुरहियाँ..यह प्रकट नहीं हुई थी; परन्तु छठवीं मोहर के तहत गोपनीयता से इसका खुलासा हुआ था। मगर आप कहते होंगे, चूँकि इसका गोपनीयता से खुलासा हो गया था, अतः हमें इसका प्रचार करने का हक है। क्यों क्या ऐसा ही है,जबकि खुद भाई ब्रन्हम ने कह दिया था, कि वो अब सात तुरहियों पर प्रचार करने के लिए आये हैं? अगर लोगों ने उसे हासिल कर लिया होता, तो क्यों वे अब सात तुरहियों पर प्रचार करने के लिए आये, और बोले, '' मुझे यह ना मिल सकी ''? ये यही दिखाता है, हालांकि किसी बात का गोपनीयता से खुलासा हो गया था, लेकिन वह किसी चीज में छिपी हुई थी, और उसे समझने के लिए अभी भी नबी की ही जरूरत है।

सातवीं मोहर/ सात गर्जनों पर चुप्पी के दस साल- विचारधारा एक शिक्षालय

इन तथ्यों और उस चेतावनी के आधार पर जो भाई ब्रन्हम ने दी थी, कि सातवीं मोहर का अर्थ न बतलाना, और जो चेतावनी उन्होंने ''प्रश्न-उत्तर'' में दी थी, उसके आधार पर भी ...सातवीं मोहर को पढ़ने के बाद उन सच्चाइयों के आधार पर सन् 1963 के बाद से ही दस सालों के लिए सातवीं मोहर, सात गर्जनों और तीसरे खिंचाव के सम्बंध में कुछ भी कहने के लिए चुप्पी धारण किये हुए थे, और यह समय 1963 से 1973 तक का था; और ये चुप्पी के दस साल थे; सभी प्रचारकों, अफ्रीका के मेरे भाइयों, और वे भाई-बंधुओं जो फिलीपाइन्स, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण अमेरिका में हैं, तथा आप जहाँ कहीं

भी है, मैं इस बात का गवाह हूँ, और हमारे पास और भी बहुत से गवाह हैं जो इस शाम यहाँ पर जीवते हैं। वह कारण जो हमने सातवीं मोहर, सात गर्जन और तीसरे खिंचाव पर कभी नहीं बोला था, यह था, कि हम सब ने यह महसूस किया था, कि वे आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जो कुछ भी हम ने सात मोहरों की पुस्तक में पढ़ा है, और जो चेताचनी भविष्यद्वक्ता, भाई ब्रन्हम के द्वारा दी गई, उसके कारण हमने सात गर्जनों और सातवीं मोहर पर कभी प्रचार नहीं किया था। हम तो भाई ब्रन्हम के पीछे पीछे एक सीधी रेखा में चलते रहे। सातवीं मोहर के उन तथ्यों के आधार पर जिनका मैंने आपको पिछले रविवार को प्रचार किया था, हम सब ने उस समय दस सालों के लिए उस पर ठीक वैसा ही विश्वास किया और ठीक वैसा ही प्रचार किया जैसा भाई ब्रन्हम ने प्रचार करके कहा था,'' यह प्रकट नहीं हुई थी। इसका अर्थ मत बतलाना। इसके साथ कोई छेड़खानी मत करना।'' हम सब, अर्थात् संसार भर के सारे प्रचारक और कलीसियाओं के सदस्य विचारधारा के पहले स्कूल से ही सम्बद्ध थे। भाई ब्रूस, विचारधारा का यह पहला स्कूल क्या है? विचारधारा के पहले स्कूल का अर्थ है,'' सातवीं मोहर खुली हुई नहीं है; सात गर्जन के शब्दों का प्रकटीकरण नहीं हुआ है; तीसरे खिंचाव का प्रकटीकरण नहीं हुआ है; तब तक प्रतीक्षा की जाए, जब तक परमेश्वर ही इसे प्रकट नहीं कर देता है। वह उड़ने वाला फरिश्ता ही इसे पकड़े हुए हैं।'' अब मैं आपको बताऊँगा, कि पिछले समय में हम नहीं समझते थे, कि सातवाँ फरिश्ता इसे थामे हुए था। मैं इसके बारे में ईमानदारी से बता रहा हूँ, कि यही एक ऐसा भाग था जिसें हम नहीं समझते थे, लेकिन हम यह जानते थे, इसका प्रकटीकरण नहीं हुआ था, और हमें इसके साथ छेड़खानी नहीं करनी चाहिए। मैं इस देश में पाये जाने वाले हर एक प्रचारकगण के विषय में, कैरीबियन में पाये जाने वाले हर एक प्रचारकगण के विषय में, उत्तरी अमेरिका में पाये जाने वाले हर एक प्रचारक के विषय में बता रहा हूँ, और 1974 तक कोई भी ऐसा प्रचारक नहीं था, जिसने इस ज़मीन को लांघा हो और यहाँ तक कि सात गर्जनों के शब्द या सातवीं मोहर के खोलने के बारे में अपना मुँह तक खोला हो। यह एक सच्ची गवाही है, और यही असली तस्वीर है। हमारे पास असली पुरुष थे, हमारे पास डेन डेस्ली, हैनरी ग्रीन, पैरी ग्रीन, मार्टिन बंधु, ऐरॉन हनीकट जैसे शानदार पुरुष थे, तथा ऐसे ही और दूसरे बहुतेरे नाम हैं जिन्हें मैं यहाँ पर ले सकता हूँ; हम सब के सब आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए थे। किसी ने भी वैसा नहीं किया था!

1969 से 1970 में एक हठधर्मी उठ खड़ा हुआ था, और वह इस देश में इसी सन्देश में एक बिशप था; और मैंने सुना था, कि वह सभा वाले दिन से अलग किसी और दिन कुछ युवकों को शिक्षा दे रहा था, और कह रहा था,'' तुम जानते हो, कि गर्जनों का प्रकटीकरण हो गया है।'' मैं उन हर के बीच में ही उस के पास चलकर वहाँ पर गया; और मैंने कहा,'' तुम क्यों नहीं **किताब** पढ़ते हो? तुम उन बातों के बारे में बोलना चाहते हो, जिनके बारे में तुम

नहीं जानते हो, कि तुम क्या कह रहे हो; सातवीं मोहर का प्रकटीकरण नहीं हुआ है। क्या तुम मुझे वो बातें साबित करके बताओगे?'' वह ऐसे चुप था, जैसे मेमना। मैंने कहा,'' क्या तुम मुझे यह दिखा सकते हो?'' वह एक मात्र बहाना जो उसके पास था, वह यह था, वह बोला,'' तुम्हारे पास तो सात मोहरों की किताब है। क्या तुम सुबह इसे मेरे लिए ला सकते हो?''....वह ढ़ोंग कर रहा था, कि उसके पास किताब नहीं थी। भाइयों और बहनों, मैं उसके लिए किताब लेकर गया और उसने उस पर नज़र तक ना डाली। मैं किताब घर वापस ले आया। आप जानते हैं, कि कुछ महीनों के बाद उसी पुरुष ने मुझे बताया,'' आ-हा, मैं सात मोहरें पढ़ रहा था और मुझे एक गर्जन मिल गया, और मैं उन बाकियों के लिए ढूँढ़-ढाँढ़ कर रहा था।'' वह मर गया और वह उन्हें कभी नहीं ढूँढ़ पाया, क्योंकि गर्जन सात मोहरों की पुस्तक में नहीं हैं। वह तो एक अनजानी भाषा में था, और भविष्यद्वक्ता उसका अर्थ नहीं बतला सका। क्या आपको उसकी सच्ची तस्वीर मिल रही है, जो घटित होता गया है? क्या भाई ब्रन्हम ने वह सातवीं मोहर हमें प्रस्तुत की थी? उनका सम्बंध उसी पहले शिक्षालय से था, जो कहता है, कि सात गर्जनों का प्रकटीकरण नहीं हुआ था। हमारा सम्बंध उसी शिक्षालय से था; हम भविष्यद्वक्ता के प्रति आज्ञाकारी थे, और हमने सातवीं मोहर का जो उन तथ्यों(40) या उससे भी ज्यादा तथ्यों पर आधारित है, जिन्हें मैंने गत रविवार को आपके सम्मुख पेश किया था, कदापि अर्थ नहीं बतलाया था।

हम सातवीं मोहर/ सात गर्जनों में विश्वास करते हैं

सारे विश्व भर में हम प्रचारकगणों और विश्वासीगणों ने सातवीं मोहर और सात गर्जनों को आदर-सम्मान किया। और हम ने दस सालों तक कोई भी अनुवाद इनमें कदापि नहीं घुसाया था। ''अतः उस समय के दौरान तुम सब प्रचारक सातवीं मोहर/सात गर्जजों के सिलसिले में क्या किया करते थे?'' हम सातवीं मोहर के खुलने की बाट जोहा करते थे; हम सात गर्जनों के खुलने की बाट जोहा करते थे। हम तीसरे खिंचाव की उस सेवकाई की बाट जोहा करते थे, जो दुल्हन के लिए बड़े बड़े काम करेगी। हम इसके प्रकट होने की बाट जोहा करते थे, क्योंकि हम सभी इस बात में सचेत थे,(जैसे कि यह कलीसिया सचेत है और मैं सचेत हूँ और वे सभी प्रचारक सचेत हैं, जिन्होंने प्रचार किया है, यह सन् 1963 में नहीं खुली थी) कि दुल्हन के रूपांतरण के लिए हमें सात गर्जनों के प्रकटीकरण की आवश्यकता है। अतः जब हम कहते हैं, कि हम 1963 में सातवीं मोहर के खुलने पर विश्वास नहीं करते हैं, तो हम यह नहीं कह रहे हैं, कि कोई गर्जन भी नहीं हैं। हम यह नहीं कह रहे हैं, कि गर्जनों को दुल्हन के पास नहीं आना है; हम यह नहीं कह रहे हैं, कि सात गर्जन दुल्हन को नहीं बदलेगें। हर एक वह बात जो भविष्यद्वक्ता ने सात गर्जनों के सिलसिले में दुल्हन के लिए कही थी, जो कुछ भी उसने सात गर्जनों और दुल्हन के लिए कहा था; हम उस सब का बिलकुल ठीक वैसे

ही विश्वास करते हैं जैसा वह कहा गया था। अतः भाई, जब हम उस प्रकार से प्रचार करते हैं, तो लोग बाहर निकल जाते हैं, और ऐसी अफवाहें फैला देते हैं, कि'' क्या आप जानते हैं, वे गर्जनों में विश्वास नहीं करते हैं? भविष्यद्वक्ता ने तो गर्जनों के बारे में वे सारी बातें कहीं थीं, और आप जानते हैं, कि वे गर्जनों में विश्वास नहीं करते हैं।'' हम आपके मत-सिद्धांत, और आपके कुपंथ, और आपके उन झूठे अनुवादों पर जिन्हें आप'गर्जन' कहते हैं, विश्वास नहीं करते हैं! हमें तो कोई असली-विशुद्ध वस्तु ही चाहिए, और उसका हम से वायदा किया गया है; और वह हमें हासिल होकर रहेगा। उसने कहा था, कि एक निश्चित समय, एक निश्चित घड़ी,और एक निश्चित दिन होगा, जब सातवीं मोहर जन-साधारण(पब्लिक) के लिए खुलेगी; और हम उसी का इन्तज़ार कर रहे हैं। इसके बाद मैं आगे यह कहता हूँ, कि उसने कहा था, कि जब यह शुरू होती है, तो यह कहीं पर गुप्त में ही शुरू होगी। ये वे सारी की सारी बातें ही हैं जो भाई ब्रन्हम ने कहीं थीं। जब यह शुरू होती है, तो यह कहीं पर गुप्त में ही शुरू होगी। भविष्यद्वक्ता ने कहा था,'' यह बिलकुल भी उसके लिए समय नहीं है, लेकिन हम उस चक्र में आगे को बढ़ते चले जा रहे हैं।'' भाइयों और बहनों, बहुत साल हो गये हैं मित्रों, बहुत साल बीत चुके हैं, कि हम उसी चक्र में आगे को बढ़ते चले जा रहे हैं। ओह, मेरे खुदा!

किसी ने भी सातवीं मोहर में कोई अनुवाद नहीं घुसाया

हम सब ने गर्जनों और सातवीं मोहर के खुलासा होने की उम्मीदें संजोकर रखी थीं; भाइयों और बहनों उन बीते दस वर्षों में हम में एकता थी, हम में प्रेम-मौहब्बत थी, हम में शान्ति-मेल था; हम सब सात गर्जनों और नाखुली हुई सातवीं मोहर पर एक मत थे; हम ने पवित्रताई के सन्देश का प्रचार किया; हम ने सर्पवंश का प्रचार किया; हम ने प्रचार किया, कि तीन परमेश्वर नहीं हैं; हम ने मलाकी 4 का प्रचार किया; हम ने ऐसी ही सारी बातों का प्रचार किया। हम सब एक ही तम्बू के तले इकट्ठा हुआ करते थे; हमारी एक ही साझी प्रभु-भोज की सभा हुआ करती थी। मैं आपको इसी देश के बारे में बता रहा हूँ। जब कोई एक प्रचारक यहाँ पर आया करता था, तो सारा का सारा देश एक साथ मिलकर जमा हो जाया करता था। सात गर्जनों और सात मोहरों पर कोई बंटवारा नहीं था। हम सब प्रकाशन के विषय में हैरत में पड़ जाते थे, और हम भक्तिभाव में होकर उस पर किसी तरह का अनुवाद नहीं किया करते थे; क्योंकि दस सालों तक हम सब ने यही समझा था, कि सातवीं मोहर, सात गर्जनों, तीसरे खिंचाव का अर्थ बतलाने की कोशिश भी करने का मतलब मृत्यु है। हमें इसका आभास था, कि ऐसे महान प्रकाशन के साथ छेड़खानी करना मौत है, और हम बस सिर्फ उस पर मनन-चिन्तन ही किया करते थे, कि अगर वह शक्तिशाली भविष्यद्वक्ता जो कि एलिय्याह नबी कहलाता था, उसके प्रति इतना ज्यादा श्रृद्धालु, और उसे इतना ज्यादा आदर-सम्मान देनेवाला था, कि उसने कहा था, कि...''मुझे अवश्य ही यहीं पर रुक जाना चाहिए; मैं महसूस करता हूँ, कि मुझे ठीक यहीं पर थम जाने के लिए रोका गया है, कि मैं इस पर और

कुछ न कहूँ।'' क्या आपको वे बातें याद हैं?और हमें ऐसा महसूस होता था, अगर भविष्यद्वक्ता उसे इतनी ज्यादा श्रृद्धा और इज्ज़त देता था, और उसने कुछ बातों को ज़ाहिर नहीं किया था जबकि वह उन्हें जानता भी था, तो हमें उसकी कैसी इज्जत करनी चाहिए, और हम ने उसकी चेतावनी को बड़ी ही गम्भीरता से लिया, क्योंकि उसने कहा था, कि हम खुद अपने को सही मार्ग से गुमराह कर लेंगे, और हम में से कोई भी गुमराह नहीं होना चाहता था, अतः हम ने उस बात की इज्जत की। अतः इस वक्त हर कोई या कम से कम निन्याड़वे प्रतिशत भाई ब्रन्हम के शिक्षालय से सम्बद्ध थे, जिसने ऐलान करके कहा था, कि सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ था। परमेश्वर ने सातवीं मोहर के विषय में कुछ बातों का खुलासा भाई ब्रन्हम पर किया था, और उन्होंने कहा था,'' मैं तुम्हें अपना प्रकाशन दूँगा''; और उन्होंने इसे इसी प्रकार से परिभाषित किया, कि'' मैं तुम्हें अपना प्रकाशन दूँगा।''

दूसरा शिक्षालय(स्कूल) सन् 1973 में खुला- बहुतेरे पहले वाले शिक्षालय को छोड़कर चले गए

भाइयों और बहनों, सन् 1973 से लेकर 1974 तक एक और शिक्षालय खुला था। सातवीं मोहर/सात गर्जनों से सम्बन्धित विचारधारा का यह दूसरा शिक्षालय है; मैं कहता हूँ, सातवीं मोहर/ सात गर्जन; क्योंकि यह एक ही और अभिन्न प्रकाशन है। यह दूसरा स्कूल 1973 से 1974 में खुला था। वे जो इससे ठीक पहले सन्देश में आए, वे भाई और बहन वे मेरे साथ इस बात की गवाही दे सकते हैं, कि हमारा सात गर्जनों पर कभी भी कोई अलगाव नहीं था। भाई कियाकू, आप उससे पहले थे? उससे पहले बहुतेरे लोग यहाँ पर थे। यह 1973 में आया; 1973 में एक और स्कूल खोला गया था। विचारधारा का दूसरा स्कूल 1973 में अस्तित्व में आया, और आज जो संसार भर में इस स्कूल के विद्यार्थी हैं, वे इसका प्रधानध्यापक भी नहीं जानते हैं। वे इस स्कूल से निकलने वाले पाठ्यक्रम को लेकर तो चले जा रहे हैं, लेकिन भाइयों और बहनों, वे नहीं जानते हैं, कि इस शिक्षालय को किस ने खोला था; वे इस स्कूल का नाम तक नहीं जानते हैं; वे इस स्कूल का प्रधानाचार्य भी नहीं जानते हैं; लेकिन उन में से बहुतेरे तो उसी स्कूल में गुरु और शिक्षक बन गए हैं, और उसी स्कूल में प्रचारक बन गए हैं; और तो और मैं तो यहाँ तक कहूँगा, कि इस समय इस सन्देश में सत्तर प्रतिशत से भी ज्यादा लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विचारधारा के उसी दूसरे स्कूल से जुड़े हुए हैं, और वे उसी पाठ्यक्रम से ही प्रचार कर रहे हैं जिसका खाका 1973 में तैयार किया गया था। मेरे भाई, सत्तर प्रतिशत तो मैं अन्दाज़े से ही कह रहा हूँ, क्योंकि मैं इस बात में सुनिश्चित होना चाहता हूँ; लेकिन मुझे शक है, कि क्या दुनिया भर में तीस प्रतिशत भी ऐसे हैं जो इसका बिलकुल ठीक उसी रीति से विश्वास करते हो जैसा भाई ब्रन्हम ने इसे सिखाया था, और वे अभी भी उनके स्कूल से जुड़े हुए हों।

विचारधारा का दूसरा शिक्षालय-जोजेफ कॉलमैन

एक बार को जो विचारधारा के प्रथम स्कूल पर विश्वास करते थे, कि वह खुली नहीं थी, पुराने और नये दोनों ही प्रचार और विद्यार्थी स्वतः ही प्रथम स्कूल में त्रुटि निकालकर अलग हो गए, अतः वे प्रथम स्कूल में त्रुटि निकालकर अलग होने वाले बन गए, और दूसरे स्कूल में चले गए। यहाँ पर हमारे यहाँ सारी दुनिया भर में ''गर्जनों का बुखार'' फैला रहा, और यहाँ पर हमारे पास उस स्कूल के विद्यार्थी, उस स्कूल के प्रचारक, उस स्कूल के शिक्षक, उस स्कूल के सुपरीडेन्टेन्ट, और उस स्कूल के सुपरवाइज़र हो गए; और उन में से कुछ तो यह तक भी नहीं जानते हैं, कि वह स्कूल कैसे शुरू हुआ था। मैं यह सन्देश आपके पास वफादार गवाहों की ओर से आपके मदद करने के लिए भेज रहा हूँ, ताकि आप यह समझ जाएं, कि विचारधारा के इस दूसरे शिक्षालय के इस पन्थ की शुरूआत कहाँ से हुई थी। मैं यह बात बिना किसी क्षमा-यचाना के कह रहा हूँ, क्योंकि यह मेरी अपनी मंड़ली है, और मुझे शैतान को बेनकाब करने की और सच्चाई बोलने की पूरी आज़ादी है। और मेरे भाइयों और बहनों, मैं पूरी निर्भीकता के साथ व्यक्तिगत तौर पर अपनी गवाही देते हुए बताऊँगा, कि कैसे उस स्कूल का आरम्भ हुआ और किसने उसे आरम्भ किया। मेरे पास यह बात आखिरी के लिए थी, लेकिन मैं आपको यह पहले ही बतला दूँगा। वह पुरुष जो कॉलमैन कहलाता है और न्यू यॉर्क वासी है, वही वह पहला पुरुष है जो इस विचार को लेकर आया, कि सातवीं मोहर का प्रकटीकरण हो गया था और सात गर्जनों का प्रकटीकरण हो गया था, और वे लोग जो सारे संसार भर में इस ''गर्जन वाली शिक्षा'' का अनुसरण करते हैं, मेरे भाई, हालांकि वे कॉलमैन को नहीं पहचानते हैं और वे उसकी कलीसिया को नहीं पहचानते हैं; और हालांकि चाहे वे उसके खिलाफ ही क्यों न हों, फिर भी अगर उनके गर्जनों के बारे में खोजबीन की जाए, तो उनकी राहें न्यू यॉर्क, संयुक्त राज्य अमरीका तक ही पहुँचती हैं। विचारधारा के दूसरे स्कूल का निर्माण एक कुपंथ पर हुआ, और यह कुपंथ एक सम्प्रदाय है। भाइयों और बहनों, वे प्रचारक जो उस बात का सम्मान किया करते थे, उस स्कूल में शामिल हो गए, और रातोंरात उसके लिए गिर गए, जैसे कुत्ते अपनी छांट की ओर चल पड़ते हैं; वे जो उस बात का दस सालों तक समर्थन करते रहे थे, उस कुपंथ के पीछे पीछे चल पड़े। मेरे भाइयों, मुझे क्षमा करना; मैं नस्लवादी नहीं हूँ;लेकिन इस दूसरे स्कूल में नस्ली तत्व भी शामिल था; और जो इसकी शिक्षा निकलकर बाहर गई,वह यह है-कि परमेश्वर एक काले आमी को ऊपर उठाने का प्रयास कर रहा है, क्योंकि उसे गोरे लोगों ने ठुकरा दिया है, और यही कारण है, कि परमेश्वर ने गर्जनों का खुलासा एक काले शख्स पर किया। यह शैतान का एक बड़ा झूठ है।

अतः मेरे भाइयों और बहनों, तब जो पहली बात बाहर निकलकर गई, वह यह है, कि परमेश्वर एक काले आदमी को ऊपर उठाने का प्रयास कर रहा है, और काले लोगों ने खुले

तौर पर उस शिक्षा का बंदोबस्त किया; क्याकि वे उस झूठ के द्वारा पागल बन गए थे। वह शिक्षा अफ्रीका में पहुँची, और उन्होंने उसे प्रसन्नतापूर्वक गले लगाया। यह शैतान का एक बड़ा झूठ है! परमेश्वर कोई नस्लवादी नहीं है। यह बिलकुल सच है, भाइयों और बहनों, ऐसा करनेवाला वही पहला शख्स था, और उसका नाम इस पुस्तक के साथ साथ जायेगा। कोई भी वह व्यक्ति जो ''उस चुप्पी'' को तोड़ने का प्रयत्न करता है, जो दस सालों के लिए रही और जिस में मोहरों की इज्जत की गई थी, दस सालों के लिए ऐसा रहा, वह वो सबसे बड़ा नकलची है जो सन्देश के जगत ने कभी देखा है, और वही वह सबसे बड़ा बिगाड़ करनेवाला है जो इस सन्देश की दुनिया ने कभी देखा है। मुझे उसके लिए कोई अफसोस नहीं है जो मैं कह रहा हूँ, और जो दुखी हैं, वे अपने आपको खुश करें। अमेरीका, अफ्रीका, हिन्दुस्तान, चीन जहाँ कहीं भी यह पुस्तक जायेगी, '' वे जो दुखी हैं, अपने आपको खुश करें।'' यह प्रभु का ही वचन है।

सारे के सारे झूठे गर्जनों की राहें न्यू यॉर्क की ओर ही जाती हैं

आइये मैं आपको एक बात बताये देता हूँ, जब कभी आप देखते हैं, कि वे आप पर उन झूठे गर्जनों के द्वारा धावा बोलते हैं, तो इसके लिए एक ही सबसे बड़ा हथियार यह है—कि उन से पूछा जाए, ''तुम्हें अपने ये गर्जन कहाँ से मिले हैं?'' और जब वे कहते हैं, ''ऐरे से''-तो आप पूछें, '' ऐरे को ये कहाँ से मिले थे?'' वे कहते हैं, ''गैरे से''। आप पूछें, कि ''गैरे को ये कहाँ से मिले थे?'' मेरे भाई, आपको यह मालूम हो जाएगा, कि उसे ये नत्थू-खैरे ने दिये थे। जी हाँ! और नत्थू-खैरे से पूछे, कि उसे ये कहाँ से मिले थे? और इस तरह से पूछने का सिलसिला ज़ारी रहे, तो इनकी राहें न्यू यॉर्क जाकर पहुँचती हैं। अब, लेकिन कुछ तो केवल उतनी ही दूर पहुँच पाते हैं, जितना, कि ऐरा; लेकिन उन्हें कभी समझ नहीं आता है, कि यह न्यू यॉर्क से ही आया है।

सातवीं मोहर का गलत अर्थ बतलना, उसका उल्लघंन किया जाना है, जो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने लोगों से करने के लिए मना किया था। क्या उसने यह नहीं कहा था, कि अगर तुम इसका गलत अर्थ बतलाओगे, तो तो खुद अपने को असली राह से गुमराह कर लोगे?यह सच है, कि वे सही मार्ग से गुमराह हो गये हैं। अगर आप नबी की बात नहीं मानते हैं, तो आप परेशानी में पड़ जायेंगे। भाइयों, यह बिलकुल ठीक बात है! भाइयों, आप मेरे संग थक मत जाना।(सभा कहती है, '' बिलकुल भी नहीं!'')

मेरे मित्रों, जो बातें मैं आपको यहाँ पर बता रहा हूँ, ये आपको कहीं और सुनने को नहीं मिलेंगी-लोग बहुत बेईमान हैं। हर कोई गर्जनों के बुखार और तथाकथित गर्जनों की बेदारी की मदहोशी में दौड़ लगाते रहना चाहता है, ताकि खुद अपने को एक झूठी तसल्ली दिये रखे, कि वह किसी चीज के अंदर है, और आत्मिक जन है। मैंने कभी भी इसके साथ दौड़

में नहीं भागा–यही कारण है, कि वे मेरी हिम्मत से नफरत करते हैं, और वे निरन्तर मेरी हिम्मत से नफरत ही करते रहेंगे, क्योंकि जब तक खुदा मुझे सांस देता है, मैं सच्चाई का ही बख़ान करता रहूँगा। अब होने पाये यह बात आपकी पाँचवीं पसली के भीतर–आपके प्राण के भीतर जाकर गहराई से अवशोषित हो जाए।

मौत का बीज—गर्जन रहस्यमयी ढ़ंग से प्रकट हुए

मौत का बीज; कुपंथ का बीज; त्रुटि की आत्मा, यह सब वह है, जो आज्ञा ना माननेवाले बच्चों में काम करता है। मेरे भाइयों और बहनों, न्यू यॉर्क के उस पुरुष ने सन्देश को जबरन खींच-तान कर तोड़ा-मरोड़ा, जैसा कि पतरस भाई, जो कि वह प्रेरित है जिसके पास स्वर्ग राज्य की कुँजियाँ थीं, अपनी पत्री में लिख रहा था। उसने कहा था, ''कुछ बातें जो भाई पौलुस ने लिखी हैं, वे समझने में कठिन हैं; और वे जो अनपढ़ और चंचल हैं, वे जबरन इसे खींच-तान कर तोड़-मरोड़ कर इसका असली मायने ही बिगाड़ देते हैं।'' जब कभी भी आप वचन को उसके प्रसंग से बाहर तोड़ते-मरोड़ते हैं, तो आप ऐसा करके अपना ही सर्वनाश कर डालते हैं। और पास्टर कॉलमैन ने वचन को तोड़ा-मरोड़ा, और मोहरों के खुलासे को तोड़ा-मरोड़ा, और सात गर्जनों को तोड़ा-मरोड़ा, और उसमें जबरन खीच-तानकर उसे उसके प्रसंग से बाहर तोड़ा-मरोड़ा। मैं मसीह में सत्य कहता हूँ, और झूठ नहीं बोलता–खुदा ही मेरा गवाह है।

और दोस्तों, यह वह मौत का बीज है, जिसे पास्टर कॉलमैन ने सन्देश के भीतर घुसाया है—और वह यह है, कि उसने कहा था, कि ''सातवीं मोहर और सात गर्जन भाई ब्रन्हम पर रहस्योमयी ढ़ंग से प्रकट हो गए थे; और भाई ब्रन्हम ने उन्हें रहस्योमयी ढ़ंग से सन्देश में प्रचारा''–यही मौत का बीज है। मैं इस बात को दोहराता हूँ– उसने कहा था, कि भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर/ सात गर्जनों को रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचारा, और यह भाई ब्रन्हम के सन्देश के भीतर ही छिपी हुई है। उसने कहा था, हर एक''यहोवा यूँ फरमाता है, वाला वचन'' एक गर्जन ही है, और यही कारण है, कि उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक सिर्फ गर्जन, गर्जन, गर्जन, गर्जन ही हैं।

जो बात मैं बोल रहा हूँ, उस में सुनिश्चित होने के लिए मैंने उसके टेप सुने हैं–जो बात मैं कह रहा हूँ, उसमें सुनिश्चित होने के लिए मैंने विन के टेन सुने हैं। और मैंने कुपन्थों के इन टेपों को सुना है, ताकि मैं जान जाऊँ, कि मैं क्या बोल रहा है। अतः यह कोई पागल-बावला नहीं है जो तुम्हारे सामने खड़ा हुआ है– मैंने इन बातों को खुब जाँचा-परखा है।

उसका कहना है, ''सातवीं मोहर/ सात गर्जनों को भाई ब्रन्हम ने रहस्योमयी ढ़ंग से

प्रचारा और यह सन्देश के भीतर ही छिपी हुई है; और हर एक'यहोवा यूँ फरमाता है, वाला वचन' एक गर्जन है''–उसने इस तरह से इसके बारे में बतलाया है। हर एक'यहोवा यूँ फरमाता है, वाला वचन' एक गर्जन है–उसने इस तरह से इसके बारे में बतलाया है। हर एक'यहोवा यूँ फरमाता है, वाला वचन' एक गर्जन है...एक गर्जन है।

बहुत से लोग सात गर्जनों का गलत अर्थ बताने लगे–1973

भाइयों और बहनों, जब उस बीज को बो दिया गया, तो इसने अपने आप ही उन हर एक प्रचारक के लिए द्वार खोल दिया जिनमें सफलता पाने की घोर लालसा पायी जाती थी, कि सोच लें, कि वह सात गर्जनों का प्रकाशन ढूँढ रहा है, वह खुद अपने आप से भाई ब्रन्हम के सन्देश में सात गर्जनों के प्रकाशन को ढूँढ़ रहा है। मेरे भाइयों लोग अपनी अभिलाषा की सीढी पर; अपनी खुदी की सीढ़ी पर; अपने अंहकार की सीढ़ी पर ऊपर चढ़े। जी हाँ! और यही है वह सब जिससे वे भरे हुए हैं) वे सारे लोग जो तथाकथित गर्जनों का प्रचार करते हैं, वे अहंकार, खुदी, कामयाबी पाने की घोर लालसा, शेखी बखारने वाले मुँह और अनैतिकता से भरे हुए हैं।

सात गर्जन पिरामिड में है–कौन से वाले पिरामिड़ में हैं?

यह इंसान ही है, जिसने जबरन खींच-तान करके सत्य को तोड़ा-मरोड़ा है। भाइयों और बहनों, जब उसने ऐसा किया तो इसने एक द्वार खोला; उसने उस प्रंसग से ही किसी बात को ही बाहर निकाल डाला, जिसपर मैंने यहाँ पर सातवीं मोहर पर चौबीसवें (तीसवें) तथ्य के रूप में संख्या डाली है–जहाँ भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि भेद पिरामिड के भीतर सिमटा हुआ था। क्या आपको याद है, कि मैंने इसे पढ़ा था? मैं कुछ समय बचाने के लिए बता देता हूँ। उन्होंने कहा था, कि सातवीं मोहर/ सात गर्जनों का भेद पिरामिड के भीतर सिमटा हुआ था। पास्टर कॉलमैन ने उसे सात मोहरों की पुस्तक में से लिया था और उन्होंने कहा था, ''आप देखते है! उसने कहा था, कि सात गर्जन पिरामिड के भीतर हैं।'' उनके पास तो यह जानने की भी समझ नहीं है, कि भाई ब्रन्हम किस पिरामिड के बारे में बोल रहे थे।

578 -1(405) ''और आप स्मरण रखें, कि यह परामिड में था जहाँ पर भेदपूर्ण श्वेत पत्थर पर कोई लिखावट भी नहीं थी। और वे फरिश्ते खुद ही मुझे उस पिरामिड के भीतर ले गए, और ***परमेश्वर के भेद केवल उन्हीं को मालूम थे****। और अब, वे सन्देशवाहक थे जो उस पिरामिड का अर्थ बतलाने के लिए या सात मोहरों के गुप्त भेद के सन्देश का अर्थ बतलाने आए थे, जो उस पिरामिड के भीतर रखा हुआ है।''(सातवीं मोहर 2423/63)*

तीन पिरामिड हैं, जिनके बारे में भाई ब्रन्हम ने प्रचार किया था। एक पिरामिड तो

जूनियर जैकसन के स्वप्न में है। यह वो वाला है, जिससे सात गर्जन के शब्द जुड़े हुए हैं–क्योंकि उसकी चोटी के पत्थर पर एक अनजानी भाषा में लिखावट थी, जिसे कोई नहीं पढ़ सका था। मैं उसके सम्बंध में दुनिया को चुनौती देता हूँ। एक और पिरामिड है, और वह पिरामिड स्वर्गदूतों वाला था। प्रत्येक दूत के पास एक मोहर थी; यही कारण है, कि मोहरों का प्रकाशन स्वर्गदूतों के पिरामिड में था। परन्तु जो सातवाँ वाला था, वह पिरामिड का चोटी का पत्थर था। उसी ने सातवीं मोहर पकड़ी हुई थी, जो भाई ब्रन्हम को दी नहीं गई थी। सातवाँ फरिश्ता ही चोटी का पत्थर था। क्या आपको याद आता है, कि भाई ब्रन्हम ने ''श्रीमानों, क्या यह वह समय है'' सन्देश में कहा था, कि सात गर्जन चोटी के पत्थर में हैं ? अब आप जैसा चाहे वैसी तस्वीर बना लें। मैं इन दिनों में से किसी एक दिन आपको इसकी शिक्षा दूँगा। मैं उसे एक सन्देश के जैसे लूँगा। सात गर्जन चोटी के पत्थर में हैं। क्या आपको याद है, जब भाई ब्रन्हम ने ना जाने कहाँ से एक सम्भल लेकर जूनियर जैकसन के पिरामिड को खोला था, और उन्होंने उसकी चोटी को हटाया था, और कोई भी उसे पढ़ नहीं पाया था? उसका उन सात गर्जनों से कोई सरोकार है।

14-15 ***भाई जैकसन****...उन्होंने कहा था, ''मैंने एक स्वप्न देखा था, कि एक मैदान में जिसमें नीली-नीली घास थीं, एक बहुत बड़ा पहाड़ था...'' और बोले, ''और इस पहाड़ की चोटी पर, जहाँ मिट्टी पानी से बह चुकी थी, वहाँ पर पहाड़ की चोटी पर सबसे ऊपर वाली चट्टान थी; यह वैसी ही थी, जैसेकि पहाड़ की चोटी होती है। यह एक चट्टान थी, और इस पर कोई घास नहीं थी। और जहाँ पर पानी के बह जाने से मिट्टी बह चुकी थी, वहाँ पर इन पत्थरों पर किसी प्रकार की लिखावटें थीं, और आप पर खड़े हुए इन पत्थरों पर लिखीं इस लिखावट को पढ़ रहे थे....'' ''इसके बाद आप ने मानो हवा में से कोई चीज उठायी, कुदाल या सम्भल जैसी कोई वस्तु उठायी, जो सचमुच में बहुत तेज़ धारवाली थी...'' और बोले, ''आपने उस पहाड़ पर उससे खुदाई सी की, उसके चारों ओर किनारे-किनारे खुदाई करके उसकी चोटी को ऊपर उठाकर अलग कर दिया।'' अब, यह उससे महीनों महीनों पहले की बात है जब पिरामिड वाला सन्देश प्रचारा गया था। और बोले ''उसके नीचे ग्रेनाइट का एक श्वेत पत्थर था, और आपने कहा था, 'इस पर इससे पहले कभी भी प्रकाश नहीं चमका है। इसके भीतर इस पर दृष्टि डालो। इसे देखो।''(श्रीमानों, क्या यह वह समय है?30/12/63)*

47-4 ''जूनी, मैं तुम्हारा खवाब लेना चाहता हूँ....तुम ने उस लिखावट पर ध्यान दिया, जो उन पत्थरों पर थी; मैं उसका उन के लिए अनुवाद कर रहा था। वे लिखावट उभरी हुई थीं। यह वो परमेश्वर का गुप्त भेद है, जो वर्षों समझ नहीं आया। क्या वो वह हो सकता है?

और इसके बाद ध्यान दिया जाता है। किसी रहस्योमयी राति में हमने उस तेज़ धार वाले औज़ार को हवा में से पकड़ा, जिसने उसकी चोटी को खोला था, और वहाँ पर उसके अंदर श्वेत ग्रेनाइट था; लेकिन उसका अर्थ बतलाया नहीं गया था। वहाँ पर कोई अक्षर नहीं थे। जूनियर, मैं ने उसका अर्थ नहीं बताया था। मैंने तो सिर्फ उस पर दृष्टि डाली थी, और भाइयों से कहा था, ''इसे देखते रहो।'' और आज रात्रि वह पूरा हो गया है। जबकि वे उसका अध्ययन कर रहे थे, मैं पश्चिम की तरफ खिसक गया था। किस लिए? शायद उसका अर्थ समझने के लिए जो इसकी चोटी पर लिखा हुआ था। क्या ऐसा हो सकता है?(श्रीमानों, क्या यह वह समय है? 30/12/63)

सात गर्जन सात खुबियाँ नहीं हैं

वह तीसरा पिरामिड जिसके बारे में भाई ब्रन्हम ने बोला था, वह है—सिद्ध मनुष्य का डील-डौल। पास्टर कॉलमैन, अगर सात खुबियाँ ही सात गर्जन हैं, तो भाई ब्रन्हम ने उनका सन् 1962 में तभी प्रचार कर दिया था, जब उन्होंने पिरामिड वाले सन्देश का प्रचार किया था। और अगर ऐसा ही है, तो वो 1963 में यह नहीं कह सकते थे, कि यह उन पर प्रकट नहीं हुआ था। **आप ने दुनिया को झूठ बताया है, और आपको इस बात की जरूरत है, कि क्रूस से लिपट कर रहम की भीख माँगें; और आप अपने मत-सार और अपनी शिक्षा के लिए पश्चात्ताप करें।**

सात गर्जन भाई ब्रन्हम के द्वारा रहस्योमयी ढ़ंग से प्रकट किये गए; यह एक झूठ है

यही वह शख्स है, जिसने विचारधारा का दूसरा स्कूल खोला। और वह मौत का बीज है, जब उस शख्स ने कहा था, कि सात गर्जनों का खुलासा हो गया था, और भाई ब्रन्हम ने उन्हें रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचारा था, और यह सन्देश के अंदर है। मेरे अज़ीजो, हमने इसके सम्बंध में जो सन् 1962 से लेकर सन्1965 तक प्रमुख हवाले हैं, उनका अध्ययन किया। क्या आपने उस प्रकार की कोई बात सुनी थी? मुझे आप अपनी आवाज़ें सुनने दें। (सभा कहती है, ''जी नहीं!'') क्या आप ने सुना है, कि कहाँ पर भाई ब्रन्हम ने कभी इसका इशारा किया था, कि ''सात गर्जन खुल चुके हैं, सातवीं मोहर खुल चुकी है; लेकिन यह रहस्योमयी ढ़ंग से हुआ है''? (सभा कहती है, ''जी नहीं!'') बिलकुल ठीक है, मेरे भाइयों; लेकिन भाई ब्रन्हम ने सात तुरहियों के सिलसिले में कहा था, कि छठवीं मोहर के अर्न्तगत इसका रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचार किया गया था। यही है वह जहाँ से पास्टर कॉलमैन इसका नूमना पेश कर रहे हैं। वो सात तुरहियों को नमूना मानकर बता रहे हैं, कि कैसे भाई ब्रन्हम ने इसका छठवीं मोहर के अर्न्तगत रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचार किया था। इसी से उनके दिमाग में यह विचार कौंधा, कि

सात गर्जनों को भी रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचारा गया गया था। **आप ने झूठ ही बोला है!** यदि ऐसा हुआ होता, तो भाई ब्रन्हम ने बतला दिया होता–लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं कहा था।

झूठे गर्जनों के साथ साथ निकालकर गए गलत अर्थ

जब वह मौत का बीज बाहर निकलकर आया, तो उसके साथ साथ और दूसरी बातें भी बाहर निकलकर गई। मेरे पास इसके लिए समय नहीं है। अब अगर कोई व्यक्ति यह दावा करता है, कि सात गर्जनों का खुलासा हो गया है, तो सन्देश में जो भी बातें सात गर्जनों के सात जुड़ी हुई हैं, उन सब के लिए उसे अनुवाद ढूँढ़ निकालना होता है। क्या आप समझे, कि मैं क्या कह रहा हूँ?

सात गर्जनों से सम्बन्धित बहुत सी बातें हैं। अगर कोई व्यक्ति यह दावा करता है, कि सात गर्जनों का खुलासा हो चुका है, तो उसे **नये नाम** के लिए अनुवाद ढूँढ़ निकालना होता है; मेरे भाई, उसे ''**आत्मा का उंड़ेले जाने**'' के लिए अनुवाद ढूँढ़ निकालना होता है; उसे उन से सब बातों के लिए अनुवाद ढूँढ़ निकालना होता है जो भविष्यद्वक्ता ने कहीं थीं। उसने कहा था, कि यह **दुल्हन की एक बेदारी** शुरू कर देगा। उसने कहा था,'' दुल्हन की अभी तक बेदारी नहीं आयी है, उसे जगाने के लिए तो सात अनजाने गर्जनों की आवश्यकता होगी।'' यही कारण है, कि उस समय पर कॉलमैन ने प्रसारण माध्यम से कहा था, कि दुल्हन की बेदारी शुरू हो गई है; और पिछली बारिश गिर चुकी है। जी हाँ, श्रीमान! जब कोई व्यक्ति इस बात का दावा करता है, कि सात गर्जनों का खुलासा हो गया है, तो उसे उन सब वायदों को भी तर्कसंगत ठहराना होता है जो सात गर्जनों से जुड़े हुए हैं। अतः उस समय पर उन्होंने नये नाम को– परमेश्वर का वचन बना दिया। एक और संस्करण बाहर निकलकर आया, जहाँ उन्होंने बताया, कि नया नाम यीशु है। अब तो उनकी बिलकुल बुद्धि भ्रष्ट हो गयी, जहाँ उन्होंने बताया है, कि नया नाम ब्रन्हम है। जी हाँ! और ऐसे ही बहुतेरे नये नाम हैं, जो उभर कर आये हैं। परमेश्वर का वचन– उनके संस्करणों में एक यह भी है। अतः जब आप आप मुर्दो को जिलाने के लिए जायेंगे, तो आपको मुर्दे के पास जाकर कहना होगा, ''परमेश्वर के वचन के नाम में चंगा हो जा।'' तुम हठधर्मी ही हों! तुमने तो सिर्फ हठधर्मी ही पैदा किया है।

जब आप दावा करते हैं, कि सात गर्जनों का खुलासा हो चुका है, तो आपको उन बहुत सी बातों को उन से जुड़ना होता है, जो सात गर्जनों के साथ साथ होती हैं। अतः अब जो पहली बात उससे बाहर निकलकर आयी वह यह है– कि उनका कहना है, कि सात गर्जनों का खुलासा हो चुका है, लेकिन वे इसी सन्देश में छिपे हुए हैं, और उन्होंने घोषणा करके कहा है, कि दुल्हन की बेदारी शुरू हो गई है। यह बात सारे विश्व भर में पहुँची और हर कोई दुल्हन की एक बेदारी में था; और उसके बाद उन्होंने कहा था, कि छाप करनेवाली एक बेदारी(Sealing Revival)1984 में शुरू हुई। और उन में से ज्यादातर लोगों पर शैतान

की छाप हुई, क्योंकि वे बाहर गए और उन्होंने व्यभिचार और दुराचार और दोगलेपन में जिन्दगी बितायी, और उन्होंने झूठ-फरेब बोला, चोरी-चकारी की और कोसा।

क्यों बहुतेरे लोग दूसरे स्कूल की तरफ गुमराह हो गए

जिन लोगों ने गर्जन के शब्दों का कभी प्रचार तक नहीं किया था, वे ख्याति-पाने का अवसर वाली गाजे-बाजे की गाड़ी पर कूद पड़े। मेरे बहुत से भले प्रचारक मित्र उस मौकाप्रस्त गाजे-बाजे वाली गाड़ी पर अपनी अपनी कलीसियायओं को बचाने के लिए कूद पड़े, क्योंकि जब वह गाड़ी सारे देश भर में चलना शुरू हुई, तो अगर आप''गर्जन, गर्जन, गर्जन'' नहीं कह रहे थे, तो आपको आत्मिक भी नहीं समझा जाता था। और ये बड़ी बड़ी शार्क मछलियाँ छोटी छोटी मछलियों को अपना आहार बनाने के लिए आ रही थीं। अपनी अपनी कलीसियाओं को बचाने की खातिर उन्होंने कहना शुरू कर दिया,'' **जी हाँ, हम गर्जन देखते हैं!**'' और जबकि उनके इसके लिए अपने ही ख्यालात और अनुवाद थे। अतः मेरे वे बहुतेरे दोस्त जिन्होंने उन गर्जनों का कभी भी प्रचार तक नहीं किया था, ''ख्याति पाने के अवसर वाली गाजे-बाजे की गाड़ी'' पर सवार हो गए, और अपनी अपनी कलीसियाओं को बचाने की खातिर ''गर्जनों'' का प्रचार करने लगे। परन्तु हमारे पास कुछ था जो हमें यहीं पर टिका कर रखे हुए था। और मैंने उन्हें ठीक इस प्रचारमंच पर आने के लिए आमन्त्रित किया; और मैंने उन से कहा था, कि वे आकर अपने गर्जनों का प्रचार करें; मैंने कहा था, कि आओ और अपने गर्जनों का प्रचार करो; क्योंकि हो सकता है, कि कोई चुना हुआ हो और वह चुना हुआ तुम्हारे गर्जनों को देखने के लिए ठहराया हुआ हो; और अगर वे विश्वास कर लेते हैं, तो तुम उन्हें अपने साथ लेकर चले जाना। उन्हें कभी भी एक भेड़ तक ना मिली, क्योंकि वे सच्चे गर्जन नहीं थे।

मैं इस बात की घोर निन्दा करता हूँ, कि गर्जन सात खूबियाँ हैं, या सात सद्गुण हैं। यह तो शैतान की ही अवधारणा है। सात गर्जन सात खूबियाँ नहीं हैं; यह तो प्रभु का आगमन है। यह तो मोहरों के खुलने की एक घटना है। इस समय मसीह पृथ्वी पर खड़ा हुआ है, आप इसका विश्वास करें या ना करें! और यीशु अभी भी स्वर्ग में है, यीशु अभी भी बलिदान की वेदी पर है, **लेकिन मसीह इस समय पृथ्वी पर है। मैं वह नहीं हूँ, और ना ही मैं किसी ऐसे को जानता हूँ जो मौजूद हो और वह हो, लेकिन वह पृथ्वी पर ही है।**

यह सब उस शख्स का ही किया-धरा है, जो न्यू यॉर्क में है। भाइयों, अब आप देखते हैं, कि यह सन्देश कहाँ तक जा सकता है। जब आप दावा करते हैं, कि सातवीं मोहर खुल चुकी है, और सात गर्जनों का प्रकटीकरण हो चुका है, तो आपको सन्देश से होकर गुजरना होता है और उन सब बातों को तर्कसंगत करना होता है, जिन्हें सात गर्जनों के सम्बंध में बोला

गया था। वह तो चोटी के पत्थर के भीतर ही है। चूँकि सात गर्जन चोटी के पत्थर के भीतर विद्यमान हैं; और उनके मुताबिक उनका प्रकटीकरण हो गया है, अतः वे लोग इस शिक्षा को लेकर आगे बढ़े, कि चोटी का पत्थर पहले से ही आ चुका है। क्या देखा आपने, यह इससे कैसे जुड़ा हुआ है? वह चोटी का पत्थर तो अभी आना बाकी है; यह तो पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना है; भाई ब्रन्हम ने ऐसा ही कहा था। अब मैं और भी बातें बतला सकता हूँ; और इन सब बातों को जोड़ता चला जा सकता हूँ। मैंने इस चीज का अध्ययन 1973 से ही किया है, मैंने इसका अध्ययन इस बिन्दू तक किया है, और मैंने इसकी अंदर और बाहर की सभी बातों का अध्ययन किया है; मैंने ऐसा सच्चाई की तलाश करने के लिए नहीं किया है, (क्योंकि सन्देश ही सच्चा है) परन्तु मैं तो इस शैतानी शिक्षा से लड़ने के लिए बातें तलाश रहा था, और मैंने उनकी गिनती की है। यह एक विरोध का बीज है! यह शैतान का एक झूठ है; और विचारधारा के दूसरे शिक्षालय की बुनियाद सात गर्जनों के गलत अनुवादों पर ही पड़ी हुई है। यही झूठे गर्जनों की कहानी है। यही है वह जहाँ से इसकी शुरूआत हुई। यही कारण है, कि आप नये नाम, पिछली बारिश का गिरना, 'सात खुबियाँ सात गर्जन हैं' जैसी सभी किस्म की बातों के बारे में सुनते हैं।

गर्जनों के और दूसरे अनुवाद

जो दूसरे अनुवाद आए उन्होंने कुछ सीढ़ियाँ और ऊपर चढ़ीं, और अब वे कहते हैं, कि पास्टर कॉलमैन गलत थे, यह सात खूबियाँ या सात सद्गुण नहीं थे; यह तो मोहरों का खुलना था जिसमें परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन आया, और मसीह ही वह गर्जन का शब्द है, और उस में ही सब कुछ है। इस मसीह में ही पिछली बारिश है; उसी मे ही देह का बदला जाना है; उसी में ही स्वर्ग पर उठाया जाना है; उसी के पास ही चोटी का पत्थर है; उसी के पास तीसरा खिंचाव है; उसके अंदर ही सब कुछ है, और जब तब आप सन्देश को ग्रहण किये रहते हैं, आपके अंदर आपके पास स्वर्ग पर उठाए जाने के लिए सब कुछ होता है; यह किसी भी दिन हो सकता है। यही वह ऊँचाई है जहाँ तक वह गया।

अतः अब उनके पास मोहरों पर परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन है, यहोशू के कार्यभार के जैसे। सब कुछ वहाँ उसी के अंदर है। श्वेत घोड़ा वहाँ अंदर है; श्वेत उकाब वहाँ उसके अंदर है। उन्होंने परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाओं को इस कदर सिकोड़ डाला, कि उनका कहना है, कि भाई ब्रन्हम से उनके जीवन काल और सेवकाई में यही उम्मीद की गई थी, कि वे परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाओं को पूरा करें, लेकिन उन्होंने नहीं कीं; उन्होंने इसे इसी एक ही वाक्य में सिकोड़ कर रख दिया, कि'' वचन मसीह है, यही मोहरों का खोला जाना है।'' उनके अनुसार आत्मा का और उंड़ेला जाना नहीं है, और किसी बेदारी का आना नहीं है; सब कुछ तो वचन में है।'' '' जब तक आप वचन पर विश्वास करते हैं, आप स्वर्ग पर उठाए जाने के लिए तैयार हैं।'' परन्तु आप वहीं दूसरी ओर नज़र डालकर देखें, कि उन्होंने सन्देश की

पवित्रता को तहस-नहस कर डाला है। इसे अर्थात् उन गर्जनों को उन्हें और भी ऊँचें स्थान पर लेकर जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने तो सन्देश की पवित्रता का ही सत्यनाश कर डाला है। मैं आशा करता हूँ, कि मैं आपको दुविधा में नहीं डाल रहा हूँ।

अब आप देखते हैं, कि उस कुपंथ के एक ही द्वार के खुल जाने से उस से जुड़े कितने ही विषय आते चले गए, जिनका उन्हें गलत अर्थ बतलना होता है। अतः अब इस प्रकार से सातवीं मोहर/ सात गर्जनों से सम्बन्धित दूसरी बहुत सी शिक्षाएं उठ खड़ हुईं, इनमें से अगर हम हर एक को थोड़ा थोड़ा भी लें, तो हमें उन पर एक या दो सप्ताह और लग जायेंगे। उस शिक्षा में से ही परोशिया वाली कई शिक्षाऐं निकल आयीं। जी हाँ! यह एक बहुत बड़ी चीज है। उसी शिक्षा में से ही आठवें दूत बाहर निकल कर आएं। वे थोड़ा सा और ऊपर चढ़ें, और बोले, यह वचन नहीं है; यह गर्जन नहीं हैं, यह तो अठवाँ दूत ही है, और उसी दूत के पास ही गर्जन के शब्द हैं। अतः हमारे पास एक हैं जो फिलीपाइन्स में उठ खड़ा होता है, और सैकड़ों संयुक्त राज्य अमेरीका में उठ खड़े हुए, और कुछ दक्षिणी अमेरीका में उठ खड़े हुए। हमारे पास ऐसे ही कुछ और हैं, जो अफ्रीका में और दक्षिणी अफ्रीका में उठ खड़े हुए हैं, और सारी दुनिया ही आठवें दूतों से भरी पड़ी है, और वे सब के सब सातवीं मोहर/सात गर्जनों पर प्रचार कर रहे हैं। क्या हम इन सब को कुछ हफ्तों में खत्म कर सकते हैं?(सभा कहती है, ''जी नहीं!'')

अतः अब जो यह कुपंथ न्यू यॉर्क में शुरू हुआ था, इस समय इसके विभिन्न रुप-भेद हैं, और इसके और विभिन्न स्कूल खुल चुके हैं, इसकी और विभिन्न शाखाएं खुल चुकी हैं, अतः इस समय विचारधारा के दूसरे शिक्षालय के दसयों हजार विभिन्न पाठ्यक्रम, विभिन्न गुरु-शिक्षक और विभिन्न प्रचारक हैं। हमारा उससे कोई सम्बंध नहीं है; वह तो शैतान का ही है। चाहे वह ऊँची छलांग लगाये या चाहे वह नीचे को छलांग लगाये, वह तो शैतान का ही है; और मैं जानता हूँ, कि मैं क्या कह रहा हूँ; आप मुझ से बिलकुल भी ना डरें। जब मैं इस सन्देश का प्रचार करता हूँ, तो मैं अंदर जाकर चैन से लेट जाऊँगा और पाँच घन्टों के लिए नींद निकाल लूँगा, और हमेशा के जैसे ही सुकून के साथ फिर से उठ जाऊँगा। मित्र, मैं कोई अधीर, अभागा कंगाल नहीं हूँ। मैं तो मसीह में सच बोलता हूँ और मैं झूठ नहीं बोलता हूँ। मैं जानता हूँ, कि मैं क्या कह रहा हूँ। जो मैं कह रहा हूँ, आप उस पर अपने प्राण को टिका लें।

सातवीं मोहर की दो तह तो प्रकट हो गई थीं– तीसरी तह भाई ब्रन्हम पर प्रकट नहीं हुई थी

हम सातवीं मोहर की सच्चाइयों पर विश्वास करते हैं। भाई ब्रन्हम ने स्वर्गारोहरण से बिलकुल ठीक पहले के समय के बारे में कहा था, (जैसाकि हम उस समय की नज़दीकी में बढ़ते चले जा रहे हैं)..कि सातवीं मोहर पब्लिक-जन साधारण के लिए तोड़ी जायेगी, लेकिन यह

कहीं पर गोपनीयता से ही खोली जायेगी; और ऐसा उस समय से ठीक पहले होगा। वह कुपन्थ सारे विश्व भर में फैल गया, और सम्पूर्ण तस्वीर यह है, कि अगर आप गर्जनों का..उन तथाकथित गर्जनों का प्रचार नहीं कर रहे हैं, तो आप बिलकुल भी आत्मिक नहीं हैं। ऐसा ही है यह! आप कहते होंगे, '' क्या आपका मतलब है, कि वे वहाँ बेथल में गर्जनों का प्रचार नहीं करते हैं?'' ''लड़के हमें उन लोगों के लिए अफसोस होता है। उन्हें छुटकारे की आवश्यकता हैं। मैं सोचता हूँ, कि हमें इस बात की जरूरत है, कि हम वहाँ जाएं और उन्हें गर्जनों के बारे में बताएं।'' '' अतः मैं प्रचारमंच पर जाऊँगा और कहूँगा, कि परमेश्वर ने गर्जनों का मुझ पर प्रकटीकरण किया है। मैं भाई ब्रन्हम का हवाला दूँगा, और बताऊँगा, कि परमेश्वर ने इसे मुझ पर तीन तह में प्रकट किया है।'' तुम झूठे! तुम झूठे! तुम तो इसके सारांश से ही बाहर बातें बना रहे हों। ''परमेश्वर ने इसका मुझ पर प्रकटीकरण किया है-यह एक तीन तह के रूप में है। उसने इसके दो तहों का मुझ पर खुलासा कर दिया है, और तीसरी तह अनजानी भाषा में थी। एक तह तो मैं तुम्हें दे दूँगा, एक तह मैं अपने पास ही रख लूँगा; और उससे अगली तह परमेश्वर अपने पास रख लेगा।'' यही है वह जो इसने कहा। यही है वह जो उसने कहा। इसके लिए एक निश्चित समय है, जब इसको जन-साधारण पर तोड़ा जायेगा।

ओह, मेरे खुदा! तुम जो यहाँ पर बाहर से आये हुए लोग हो, मैं आशा करता हूँ, कि मैं आपको बोर नहीं कर रहा हूँ। हो सकता है, कि आपके लिए ये बातें अनजानी हों, मुझे लोगों को बोर करना पसंद नहीं है, लेकिन यह हमारे लिए अति आवश्यक है, कि मुझे इसे बताते रहना है। अतः तुम जो यहाँ पर बाहर से आये हुए हो, अगर तुम मेरे सन्देश से बोर हो जाते हो, और अगर आप बाहर जन-सुविधा आदि जगह पर जाना चाहते हैं तो आप बाहर जा सकते हैं, आप जाकर कुछ पानी पी सकते हैं, और आप फिर से वापस आ सकते हैं। प्रभु आपको आशीष दे; यह कोई नियमित चलन तो है नही, कि आप को बैठे ही रहना है।

ओह अज़ीजों, क्या आप इसे नहीं देखते हैं, बच्चों? अतः इस तरह से यह संसार भर में फैल गई; यह संसार भर में फैल गई। यह बिलकुल ठीक बात है, अब ठीक वे हवाले जिन्हें हम पुस्तकों में देखा करते हैं और टेपों पर सुना करते हैं, और हम ने कभी नहीं सोचा था, कि यह खुली हुई थी; अब उस मौत के बीज के द्वारा हर एक ने यहाँ और वहाँ हवालों को देखना शुरू कर दिया, और इससे अहंकार की एक कड़वी गेंद निर्मित हो गई। अतः आपके पास निर्गमन में एक रूपभेद हो जाता है। जी हाँ! आपके पास उन ''गर्जनों'' में निर्गमन, श्वेत उड़ता हुआ उकाब, सात बजती हुईं तुरहियाँ, अंहकार की एक गेंद हो जाती है। मेरे अज़ीजों, मैं सोचता हूँ, कि हम ही सिर्फ यहाँ पर एक ऐसी कलीसिया हैं, हम ही कुछ मुट्ठी भर लोग हैं, जो गर्जनों पर उस धार्म-सार का प्रचार नहीं करते हैं। ठीक यहीं इसी देश में कुछ लोग बैठे हुए भाई ब्रन्हम के फिर से जी उठने की बाट जोह रहे हैं, कि वे गर्जनों के साथ वापस आयें।

झूठे गर्जनों ने भाईचारे की प्रीति को छिन्न-भिन्न कर डाला।

बच्चों, क्या आप उस घपलेबाजी को देखते हैं? क्या मैं भाई चेन्डलर से आगे बढ़ रहा हूँ? अब क्या आप गर्जनों की गड़बड़ी की कल्पना कर सकते हैं? अगर वही सच्चे गर्जन थे, तो उन्होंने कभी भी ऐसी गड़बड़ी न फैलायी होती; क्योंकि सच्चे गर्जन तो दुल्हन को एकता में बांधते हैं। परन्तु तथाकथित गर्जनों ने क्या किया है? हम में 1973 से पहले एकता थी। 1973 से पहले हम एक ही सूत्र में पाये जाते थे-हम में एका था; और 1973 के बाद अगर कोई ऐसी चीज आयी जिसने इस सन्देश में भाईचारे की प्रीति को छिन्न-भिन्न किया, तो वह चीज शैतान की ही है। मैं उन झूठे गर्जनों के लिए जो न्यू यॉर्क से निकल कर आये, और भाईचारे की प्रीति का खातमा किया, खेद प्रकट नहीं करता हूँ। वे सारे संसार भर में एक दूसरे के खिलाफ तलवारें खिचवा रहे हैं।

आठवाँ दूत उठ खड़ा हुआ, और भाइयों और बहनों, यह कहना गैर-जरूरी होगा, कि उन सात गर्जनों की बेदारी, जिसका वे दावा करते हैं, दुविधा और गड़बड़ी में ही समाप्त हुई। लोगों ने अनुवादक से नफरत की, जी हाँ, और अपने को उससे अलग कर लिया, और जिन्होंने दावे के साथ कहा था, कि उन पर छाप हो गई है और वे स्वर्ग पर उठाए जाने के लिए तैयार हैं, व्यभिचार में गिर गए और उन में से कुछ तो एडस् से मर गए। क्या यही गर्जन हैं? क्या यही है, वह जो गर्जनों को उपजाना चाहिए? आप कहते हैं, '' आप सभी को एक सी ही श्रेणी में नहीं रख सकते हैं? उन के बीच एक या दो झुंड़ ऐसे भी हैं, जो वफादार हैं, और सच्चे गर्जनों का प्रचार कर रहे हैं?'' उसे यह कहाँ से मिला है? किसने इसका अर्थ बतलाया है? किसने उसे यह दिया है? क्या वह उस अनजानी भाषा को पढ़ने में सक्षम था, जिसे भाई ब्रन्हम भी नहीं पढ़ सके थे?

सात गर्जन केवल एक ही जगह पर छिपे हुए थे, और वह जगह है, अनजानी भाषा के तले। वहाँ कौन ऐसा है, जो उसे पढ़े? वहाँ केवल एक ही ऐसा है, जो उसे थामे हुए है, और वह सातवाँ स्वर्गदूत है, और वह वो उड़नेवाला दूत है जो पृथ्वी वाले दूत को ऊपर उठाकर ले गया था। इससे पहले कि लोग स्वर्गारोहरण में जाएं, वे जो इस सन्देश पर चलते हैं, उन्हें अपने हृदयों को दीन और नम्र करना होगा। वह सबसे भंयकर दिमागी भ्रम जो कभी इस सन्देश में फैला, वह तब फैला, जब उन्होंने कहा था, कि गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ग से प्रकटीकरण हो गया था।

झूठे गर्जनों के रखवाले

अतः अब जबकि हमारी'खुलासे' वाली पुस्तकें, ट्रेक्ट और टेप बाहर जा चुके हैं, तो वे हर एक गुप्त कक्ष में से ऊपर उठ रहे हैं, हर एक गुप्त छिपने के स्थान से ऊपर उठ रहे हैं, और उनमें से कुछ तो अपनी-अपनी मांदों में से बाहर निकलकर आ रहे हैं। मेरे भाइयों और बहनों,

उन किताबों ने उनके झूठे गर्जनों को बेनकाब कर दिया है और उन्हें बता दिया है, कि वे तो एक पन्थ (सम्प्रदाय) हैं; अतः विभिन्न लोग उठ रहे हैं जिन्होंने इन झूठे गर्जनों पर 1973 से लेकर इस तारीख तक अमल किया है।

उन झूठे अभिषिक्तों ने उनतीस सालों तक अपने अपने बीज बोये और जब रातों-रात खुलासे वाले ये पुस्तके बाहर गईं, तो इससे उन्हें कुछ परेशानी होने लगी। आखिरी वाली किताब की जो लोगों ने सराहना की, वह बड़ी ही जबरदस्त है, और उनका कहना है, कि यह कभी भी लिखी गई सबसे श्रेष्ठ किताब है-और यह एक सर्वश्रेष्ठ पुस्तक है-''सन्देश के विश्वासियों में शिक्षाओं के कारण पाँच अलगाव''-और यह पुस्तक दिखा रही है, कि दुनिया भर में वे सारे लोग जो इस सन्देश पर चलते हैं, वे इन पाँच श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में फिट बैठते हैं, और उन पाँचों में से केवल एक ही श्रेणी सही है।

उस पुस्तक की माँग बहुत ही जबरदस्त है। लोग उसके बंडल के बंडल माँग रहे हैं और इसने लोगों में एक उथल-पुथल पैदा कर दी है, लेकिन यह ''गर्जनों'' के पुरुषों, ''गर्जनों'' के हीरोज़, ''गर्जनों'' के शिक्षकों, ''गर्जनों'' के प्रचारकों के साथ ऐसा कर रही है, कि वे अपने अपने बिलों में से छिपकलियों के जैसे...बिलों में छिपे कीड़ों के जैसे बाहर निकल रहे हैं, ताकि परमेश्वर के वचन पर धावा बोलें। वे जानना चाहते हैं, कि यह छोटा इंसान कौन है; ये लोग कौ न हैं? और मैं अंदर बैठा हुआ लड़ाई लड़ रहा हूँ। मेरे पास चिट्ठी पे चिट्ठी भेजीं जा रही हैं, मेरे पास फैक्स पर फैक्स भेजे जा रहे हैं। मैं बसान के तगड़े बैलों से लड़ रहा हूँ, और लेबनान के उन बांझों से लड़ रहा हूँ, जो गिरे पड़े जा रहे हैं। मेरे भाइयों और बहनों, मैं यह बात अभिमान से फूलकर नहीं कह रहा हूँ, उन में से एक भी परमेश्वर के वचन का मुकाबला करने में सामर्थी नहीं है।

इन दिनों में से किसी एक दिन मैं उन विपक्षियों की चिट्ठियों में से कुछ को पढ़ूँगा, और मैं उन कुछ चिठ्ठियों को पढ़ूँगा, जो मैंने उन्हें उनके जवाब में लिखीं। जिस भी दृष्टिकोण से वे आक्रमण करने के लिए आये, उन सब में उन्होंने धूल ही चाटी। वह हर कोई जिसने गर्जनों का दावा किया, उन से सिर्फ मैं एक ही प्रश्न पूछ रहा हूँ-'' उस अनजानी भाषा का किसने अर्थ बतलाया है? उन सात गर्जनों को समझने के लिए किसने उस अनजानी भाषा का आप पर अनुवाद किया है?'' वे खरगोश के जैसे यहाँ कूदते-फांदते हैं। मैंने उन से कहा, '' आप वापस प्रश्न पर आओ।'' दो चिट्ठियाँ...तीन चिट्ठियाँ मिलीं। मैंने कहा, '' ठीक वापस यहीं आओ।''उन सात गर्जनों को समझने के लिए किसने उस अनजानी भाषा का आप पर अनुवाद किया है? प्रभु का आगमन क्या है? यह सात गर्जनों के तले छिपा हुआ है। **वह** कैसे आया? **वह** कहाँ आया? आपको मुझे यह सब बताना है।'' ओह, यह काफी ज्यादा था!

अतः एक व्यक्ति के हाथों में हमारी कुछ किताबें पड़ गईं, और उसने मुझे एक पत्र

लिखा, और उसने मेरे पास यहाँ पर दो किताबें भेजीं-'' सात मोहरें खुल चुकी हैं''; ''सात गर्जनों का प्रकटीकरण हो चुका है''। उसने अपनी बंदूक की गोलियों पर कोई नाम भी नहीं लिखा था। उसने अपना कोई अता-पता भी नहीं लिखा था, जिससे कि मैं उसके पास पहुँच सकता होता। उसने मुझे बताया था, कि जो मैं अगली पुस्तक लिखूँ, तो मैं वह ''सुधारों'' की एक पुस्तक लिखूँ। श्रीमान, ठीक इसी समय मैं इसी काम को कर रहा हूँ, लेकिन आपके लिए! और अगर ये दोनों किताबें''धर्म-विरोधी हैं, और आपने इस पर ना तो कोई नाम और ना ही कोई पता लिखा है, तो मुझे ही इस पर एक नाम और एक पता लिखना होगा। इसका लेखक कुपंथी है, और इसका पता अधोलक है (नाश होने वालों का स्थान है)ये यही दिखाता है, कि तुम एक कायर हो! मैं अपनी किताबों पर अपना नाम लिखता हूँ, और हमारे सेवकगण अपनी किताबों पर अपना अपना नाम लिखते हैं, और हम आपको अपना पता भी बताते हैं। भाई ब्रन्हम के सन्देश में जो तुमने अपना बिगाड़ डाला है, अगर तुम उसकी हिफाजत कर पाते, तो तुम अपनी किताबों पर अपना नाम और अपना पता लिखा होता, मगर तुम्हारी किताबों पर ना तो कोई नाम और ना ही कोई अता-पता लिखा हुआ है, ये दिखाता है, कि तुम कायर हो। मैं नहीं जानता हूँ, कि आप एक पुरुष है, या एक स्त्री। मुझे तो आप एक स्त्री के जैसे बहुत ज्यादा लगते हैं, और अगर आप एक पुरुष हैं, तो आपअपना एक लिबास धारण कर लें।

अतः मैं श्रीमान कुपंथी का अधोलोक (नाश होने वाले लोगों के स्थान)से आये पत्र को पढ़ूँगा।

सन्दर्भः

''निन्दा योग्य कुपंथों के खुलासे पर एक जवाब''

यह एक दुखद दिन है, जब सन्देश की सच्चाई को निन्दायोग्य कुपंथ कहा जाता है।

इससे पहले कि आप किन्हीं निश्चित विषयों पर इंसान के अनुवाद को छापें, आपको इस बात की जरूरत है, कि आप उस विषय पर दिये गये सभी हवालों को जाँच-परख लें।

कुपंथीय अनुच्छेद 11 की पृष्ठ संख्या 55 पर लिखा है, '' भाई ब्रन्हम के द्वारा गर्जनों का खुलासा कर दिया गया था।'' उनका खुलासा कर दिया गया था! आप पिछले पैंतीस सालों से कहाँ रह रहे हैं? वे हवाले जो नबी ने दिये, वे कहते हैं, कि गर्जनों का खुलासा कर दिया गया था। क्या आप उसकी बातें ग्रहण नहीं कर सकते हैं?

पृष्ठ संख्या 30 पर यह टिप्पणी दी गई थी, '' सातवीं मोहर भाई ब्रन्हम के द्वारा नहीं खोली गई थी।'' यह क्या ही झूठी टिप्पणी है, जबकि सारी की सारी

सातों मोहरें खोल गई थीं।

वे गुप्त भेद हैं, और प्रकाशितवाक्य 10:7 के दूत के द्वारा हर एक गुप्त भेद खोल दिया गया था।

आप इन हावालों को पढ़ें, जो मैंने भेजे हैं, और उसके बाद आप सुधार की एक और पुस्तक छापें। वचन तो हमेशा ही गलती का सुधार करता है।

यह एक कपट है, क्या यह नहीं है? श्रीमान, आइये मैं आपको यहाँ पर उत्तर दिये देता हूँ, क्योंकि आप ने कहा था, कि मैं एक और पुस्तक में आपको जवाब दूँ।

''...यह एक दुखद दिन है, जब सन्देश की सच्चाई को निन्दायोग्य कुपंथ कहा जाता है।''

हम सन्देश को निन्दा-योग्य कुपंथ नहीं कह रहे हैं। हम तो गर्जनों के उस पंथ को जिसका आगास मौत के बीज के साथ न्यू यॉर्क में(और आपने अपनी सारी चेतनाएं वहीं दफन कर दी हैं) हुआ, निन्दायोग्य कुपंथ कह रहे हैं; हम तो उसी को कुपंथ कहते हैं।

इससे पहले कि आप किन्हीं निश्चित विषयों पर इंसान के अनुवाद को छापें, आपको इस बात की जरूरत है, कि आप उस विषय पर दिये गये सभी हवालों को जाँच-परख लें।

आप उसके दोषी हैं। तुमने मुझे हवाले दिये और तुम शुरू से लेकर आखिर तक खरगोश के जैसे कूदते-फांदते हो। मैंने तुम्हारी विनती को रविवार को ही पूरा कर दिया है। मैंने 1962 से लेकर 1965 तक के सारे हवालों को जाँच-परख लिया है, और आपको यह वाली पुस्तक भी मिल जायेगी।

कुपंथीय अनुच्छेद 11 की पृष्ठ संख्या 55 पर लिखा है, ''भाई ब्रन्हम के द्वारा गर्जनों का खुलासा कर दिया गया था।'' उनका खुलासा कर दिया गया था! आप पैंतीस सालों से कहाँ रह रहे हैं? वे हवाले जो नबी ने दिये, वे कहते हैं, कि गर्जनों का खुलासा कर दिया गया था। क्या आप उसकी बातें ग्रहण नहीं कर सकते हैं?

जी हाँ, मैं उसकी बातें ग्रहण कर सकता हूँ, लेकिन मैं आपका मत-सार ग्रहण करने से इंकार करता हूँ। आपने पूछा है, कि मैं पैंतीस साल कहाँ रहा हूँ? मैं स्कूल संख्या-एक में रहा हूँ। मैं स्कूल संख्या एक में..भाई ब्रन्हम के ही स्कूल में शिक्षा पाने जाता रहा हूँ, और मैं आप से पूछ रहा हूँ, कि आप स्कूल संख्या दो में कब शामिल हुए थे।

''....सारी की सारी सातों मोहरें खुल गई थीं।
वे गुप्त भेद हैं, और प्रकाशितवाक्य 10:7 के दूत के द्वारा हर एक गुप्त भेद खोल दिया गया था।''

श्रीमान, उन में से एक का खुलासा नहीं हुआ था। सातवीं मोहर पर जो सच्चाइयाँ हैं, उनके अनुसार, भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि एक का उन पर खुलासा नहीं हुआ था, और वह वाली जिसका उन पर खुलासा नहीं हुआ था, वह पुस्तक के बाहर थी। आप दो अलग अलग बातों को एक साथ मिला रहे हैं। वे सारे गुप्त भेद जो पुस्तक के भीतर थे, उनका प्रकाशितवाक्य 10:7 के द्वारा खुलासा कर दिया गया था, और उन में से सभों का खुलासा हो गया था; लेकिन उन में से एक गुप्त भेद ऐसा है जो पुस्तक के बाहर की तरफ है, और उड़नेवाला दूत उस गुप्त भेद को अपने पास थामे हुए है। आप उड़नेवाले दूत को और चलने वाले दूत को एक साथ आपस में मिला रहे हैं।

आप इन हवालों को पढ़ें, जो मैंने भेजे हैं, और उसके बाद आप सुधार की एक और पुस्तक छापें।

श्रीमान ठीक इस समय हम वही कर रहे हैं, और मैं आशा करता हूँ, कि आप इसे पढ़ सकते हैं।

वचन तो हमेशा ही गलती का सुधार करता है।

आमीन! और यही है वह जो ठीक इस समय वचन कर रहा है। मैं ''सातवीं मोहर का गलत अर्थ बतलाया गया है'' नामक विषय पर ही हूँ, इसी लिए मैं सैकड़ों लोगों के सम्मुख आपके विषय को ध्यान-मनन करने के लिए लाया हूँ, और आप यहाँ पर अपनी पुस्तक के पृष्ठ संख्या पच्चीस का उल्लेख कर रहे हैं, कि सातवीं मोहर का खुलासा हो गया था, और आपके पास सात गर्जनों के प्रकटीकरण पर पच्चपन पेज़ों की एक पुस्तक है। इसी कारण आप जबरन ही अपनी शिक्षा को सन्देश में फिट कर रहे हैं। मैं प्रंचार कर रहा हूँ, कि सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ है, और मैं अब तक इसका समापन नहीं कर सकता हूँ। पिछले रविवार को हम ने इसी पर पौने तीन घन्टे लिये थे, और आज रात्रि भी शायद तीन घन्टे ले चुके हैं, और हम ने अभी तक इसे समाप्त नहीं किया है। जी हाँ, मैं आपकी बात को यहाँ पर उपशीर्षक में लूँगा, श्रीमान, आप जो कोई भी हैं, आप चाहे एक पुरुष हैं, या एक स्त्री, और आपने यहाँ पर एक वचन के लेख का हवाला दिया है, ताकि यह साबित करें, कि सातवीं मोहर खुल गई थी। और आपने वचन के जिस लेख का हवाला दिया है, वो ये रहा..आपने प्रकाशितवाक्य 8:1 का हवाला दिया है,'' और जब उसने सातवीं मोहर खोली, तो स्वर्ग में आध घड़ी का सन्नाटा था।''

भाइयों और बहनों, ये जो पहले जगत के बुद्धिजीवी दानव हैं, हम तीसरे जगत के लोगों पर लज्जा थोपते हैं। वे तो अपनी ही बाइबलें पढ़ नहीं सकते हैं। वे अंग्रेजी नहीं समझ सकते हैं। श्रीमान, आप ऐसा तो ना करें, कि तीसरे जगत कर देहाती पुरुष आपको सबक सिखाये, कि आपको आपकी बाइबल कैसे पढ़नी है। मार्टिन लूथर के दिनों में कोई भी इसे प्रकाशितवाक्य 8:1 में पढ़ सकता था–जब उसने बाइबल का अनुवाद किया था–''और

जब उसने सातवीं मोहर खोली।'' और उन्होंने भी ठीक इसी बात का दावा किया था, कि सातवीं मोहर लूथर के दिनों में खुल गई थी। अतः आपके दिये हुए वचन के लेख की कोई बुनियाद नहीं है। भाई ब्रन्हम ने ठीक इसी वचन के लेख को जो प्रकाशितवाक्य 8:1 में पाया जाता है, पढ़ा था, और यह निष्कर्ष निकाला था, कि इसका खुलासा नहीं हुआ था,अतः आपका दिया हुआ वचन का लेख फिट नहीं बैठता है। आप परमेश्वर के वचन को गलत जगह पर फिट कर रहे हैं। अब आप इस पर कान लगाएं। हमने उसे श्रीमान अनुवादक कहा है, जैसाकि उसने इसे कहा था। वह मुझे सातवीं मोहर से एक हवाला दे रहा है, ताकि यह साबित करे, कि सातवीं मोहर खुल गई थी, **और वे यही काम करते हैं। वे सातवीं मोहर में से यहाँ और वहाँ से हवाले निकालते हैं, और उन्हें वैसे ही ले रहे होते हैं जैसे सफेद मुर्गियाँ; लेकिन वे इस में से बहुत ज्यादा नहीं खायेंगे; और जब वे अपनी पुस्तकें लिखते हैं, और प्रचारमंच पर आते हैं, तो वे कहते हैं,'' आप यहाँ देखें, उसने कहा था, कि यह खुल गई है। यहाँ वह यह कहता है, कि यह खुल गई है।'' लेकिन वे धूर्तापूर्वक उसमें खींच-तान करते हैं और उसे तोड़ते मरोड़ते हैं, और वचन के लेख में जबरन खींच-तान करते हैं, और उसे उसके पवित्र वचनों के सारांश में से इस ढ़ंग से निकालते हैं, कि यह वह कह डाले जो इसने कहा ही नहीं था।**

जिस रीति से मैं इस गलत हवाले को बेअसर करूँगा, वह यह है, कि मैं भाई ब्रन्हम के दिये हुए हवाले को ही पढ़ूँगा और इसके लिए दिये गये सारांश में से ही इसे पढ़ूँगा। उस व्यक्ति ने यहाँ पर यह कहा था–उसने यह हवाला दिया था–

557-2 ''कोई भी स्वर्गदूत नहीं गा रहा है, कोई जयजयकार नहीं हो रही है, ना ही...ना ही कोई ऑल्टर सर्विस हो रही है, कुछ भी नहीं हो रहा है। स्वर्ग में एक सन्नाटा था, स्वर्ग में आध घड़ी के लिए घोर सन्नाटा था। स्वर्ग की सारी सेना इस आध घड़ी के लिए खामोश थी, जब सातवीं मोहर का यह भेद, जो छुटकारे की पुस्तक में था, खोला गया था। ज़रा इसके बारे में सोचिए; लेकिन यह तोड़ी गई थी। मेमना ही इसे तोड़ता है।(सातवीं मोहर 24/3/63)

यह शख्स पृष्ठ संख्या 557 का इस्तेमाल कर रहा है, जहाँ पर भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि सातवीं मोहर तोड़ी गई थी। आप जानते हैं, कि उसने क्या किया; उसने उसके मूल पाठ में से उसका सिर्फ एक ज़रा सा भाग लिया, और एकाएक पैराग्राफ में रुक गया, ताकि भाई ब्रन्हम से ऐसी बात कहलवा दे जो वो कहना भी नहीं चाहते थे। ठीक इस समय मैं आपको झूठा साबित करूँगा। बिलकुल ठीक ऐसा ही काम तो सर्प ने अदन की वाटिका में किया था। ओह, हाँ! उसने कहा था,'' तुम निश्चय ही ना मरोगे।'' मैं इसे इस सभा के लिए पढ़ूँगा,

और हम इससे भली भाँति चिर-परिचित हैं' और मैं आपको यह दिखाने जा रहा हूँ, कि आप एक झूठे हैं, और आप परमेश्वर के वचन का गलत अर्थ बतला रहे हैं। सबसे पहले तो मैं आपके ही हवाले को पढ़ूँगा। वहाँ पर, वह थोड़ा सा रुका। बिलकुल ठीक है, वह यहाँ पर बोलना ज़ारी रखता है -

557(2) स्वर्ग की सारी सेना इस आध घड़ी के लिए खामोश थी, जब सातवीं मोहर का यह भेद, जो छुटकारे की पुस्तक में था, खोला गया था। ज़रा इसके बारे में सोचिए; लेकिन यह तोड़ी गई थी। मेमना ही इसे तोड़ता है। आप जानते क्या हैं? मेरा मानना है, कि इससे वे विस्मित हो गए थे। वे नहीं जानते थे। वहाँ यह थी; वे बस थम गए थे। क्यों? यह क्या है?''

अब मैं पढ़ना ज़ारी रखूँगा-

557-3 ''अब, हम में से कोई नहीं जानता है; लेकिन मैं...मैं इस पर आपको अपना प्रकाशन बताने जा रहा हूँ। और अब, मेरा झुकाव इस ओर नहीं है, कि मैं एक कटरपंथी बन जाऊँ। यदि मैं ऐसा हूँ, तो मैं इससे अनजान हूँ। समझे? मैंने अपने आप को ऐसा नहीं बनने दिया कि मैं ''हीन दृष्टिवाला'' या मनगढ़ंत-काल्पनिक बातें करनेवाला'' हो जाऊँ। हो सकता है, कि मैंने कुछ ऐसी बातें कहीं हों, जो कुछ लोगों को विचित्र लगी हों, लेकिन जब परमेश्वर ही उसके सामर्थन में उसके चारों ओर आ जाता है और प्रमाणित करता है, और कहता है, कि यह सत्य है, तो फिर वह परमेश्वर का ही वचन होता है। हो सकता है, कि बात उस रीति से विचित्र लगती हो। समझे?

557(4)और अब, यह बात वैसे ही सुनिश्चित है जैसे कि आज रात्रि मैं यहाँ पर खड़ा हुआ हूँ, मेरे पास वह प्रकाशन है जो प्रकट हुआ—यह त्रिमुखी उद्देश्य (तीन तहों)के भीतर है। ऐसा है, कि परमेश्वर की सहायता से मैं आप से इसकी एक तह के बारे में बोलूँगा। और इसके बाद आप....आइये सबसे पहले हम वहीं पर चलते हैं। सबसे पहले तो यहाँ पर उसका प्रकाशन है जो...मैं आपको बताना चाहता है, कि यह क्या है। उन सात गर्जनों में क्या हुआ था जो उसने सुने थे, और उसे लिखने से मना कर दिया गया था; ये ही तो वह गुप्त भेद हैं जो उन लगातर एक के बाद एक होने वाले गर्जन के शब्दों के पीछे स्थित है।

557(5) अब, क्यों? आइये हम इसे साबित करते हैं। क्यों? यह वह गुप्त भेद है, जिसके बारे में कोई नहीं जानता है।

मेरे भाइयों और बहनों, यह शख्स जिस बात का यहाँ पर ठीक इस समय हवाला दे रहा है, यह उस में भविष्यद्वक्ता और भाई ब्रन्हम की सारी बातों का हवाला देने से चूक रहा है। **भाई ब्रन्हम तो उसके बारे में बोल रहे हैं, जो स्वर्ग में हो रहा था, और उस समय के विषय में बाइबल में कहा गया है,'' और उसने पुस्तक ली और मोहरें**

खोलीं...और स्वर्ग में एक सन्नाटा था।'' अतः यह शख्स तो उस पिछली तस्वीर को चित्रित कर रहा है, जो यूहन्ना ने देखा था; और उसने वहाँ पर तब की बात पढ़ी है, जब मेमने ने पुस्तक ले ली थी और पहली मोहर से लेकर सातवीं मोहर तक खोली थी; जब वह सातवीं मोहर पर आया, तो हर कोई खामोश था। परन्तु उसके बाद भाई ब्रन्हम बोलना ज़ारी रखते हैं, और अब उन्होंने कहा था,'' हम उस प्रकाशन को नहीं जानते हैं।''

यह बिलकुल ठीक बात है, कि इस व्यक्ति ने हवाले ढूँढ़ने की कोशिशें की हैं...और मेरे पास उसकी व्यर्थपूर्ण बातों के लिए समय नहीं है। आपको सातवीं मोहर के तथ्यें मिल जायेंगे, और बेहतर होगा, कि आप अपने कुपंथ और मत-सार को भाई ब्रन्हम के शब्दों और हवालों से तुलना करके देख लें। यह बिलकुल ठीक है। यह व्यक्ति हवालों से सीधा ही इतना ज्यादा बाहर हो गया, कि उसे सीधे ही सातवीं मोहर से ही हवाला देना पड़ा और वह खुद ही अपनी बात के खिलाफ हो गया। अब इस पुस्तक का नाम है''सात मोहरों का खुलासा हो गया है''-और इसका उपशीर्षक है-''सात मोहरें खुल गईं'', और आप वह सुनिए, जो इस व्यक्ति ने अपनी पुस्तक में डाला है :

''उस मोहर का एक भेद...वह कारण जो यह प्रकट नहीं हुआ था, वह सात गर्जन थे जिन्होंने अपने अपने शब्द बोले थे, और वहाँ पर यह बिलकुल सिद्धता से है, क्योंकि कोई भी इसके बारे में कुछ नहीं जानता है; यहाँ तक कि इसे लिखा भी नहीं गया था। अतः हम अंत समय पर हैं; हम यहीं पर हैं।'' (568-2(335) सातवीं मोहर 6370324, रविवार संध्या)

यह मेरा वाला हवाला है। यह भाई ब्रन्हम का हवाला है। परमेश्वर ने ही आपकी ही बात को आपके विरोधाभासी बना दी है। यह पृष्ठ संख्या 17 है, जो मैं इस महाशय की पुस्तक में से बता रहा हूँ; अगर आप अपनी पुस्तक भूल गए हैं, मैं ठीक इसी पेज़ से आपका हवाला पढ़ रहा हूँ।

''...अब, यह कौन सा महान गुप्त भेद है, जो इस मोहर के तले पाया जाता है, मैं नहीं जानता हूँ। मैं नहीं जानता हूँ। मैं इसे समझ नहीं सका। मैं इसे बता भी नहीं सकता, कि यह बस क्या था, और बस इसने कहा क्या था। परन्तु मैं यह जानता हूँ, कि ये वे सात गर्जन थे जो एक के बाद एक करके बिलकुल साथ साथ अपने अपने शब्द उच्चारित कर रहे थे; बस सात अलग अलग बार धमाके से हो रहे थे; और यह किसी और चीज में प्रकट हुआ जो मैंने देखी। 567-1(332) सातवी मोहर 63-03/24 रविवार संध्या

पेज़ 17

यह तो मेरा वाला ही हवाला है। ये तो वही है जिस पर मैं विश्राम कर रहा हूँ। आप असमंजस्य में पड़े हुए हैं। खुद आपकी पुस्तक का नाम है'' सात मोहरों का खुलासा हो गया

है'' और आपने उन हवालों को इसमें डाला है जो यह साबित करते हैं, कि उन में से एक का खुलासा नहीं हुआ था।

आपका उपशीर्षक कहता है,'' सात मोहरें खुल गई हैं''; और आपने यहाँ पर वह हवाला डाला है, कि ये साबित करे, कि इसका प्रकटीकरण नहीं हुआ था और भाई ब्रन्हम ने इसके बारे में कुछ नहीं कहा था। अगला हवाला यह है..(ऐसे ही तीन हवाले एक एक करके दिये गये हैं)

''आज हमारे पास इसकी सिर्फ यही एक समझ है; क्योंकि इसका बाकी सारा का सारा भाग खुला हुआ नहीं है; लेकिन यह खुली हुई नहीं है। परन्तु मैं अपने कमरे में बैठा हुआ था, और मैंने इसे सुना था...या बल्कि मैंने इसे सुना नहीं था; परन्तु देखा, कि इसने इस सात गर्जन को खोला। अब, हम सिर्फ इतनी ही दूर तक जा सकते हैं। 576-3(394) सातवीं मोहर सोमवार, 63-03-24 संध्या...पेज़ संख्या 17

मैंने इन्हीं हवालों का उपयोग अपने विषय को साबित करने के लिए करता हूँ; और आपने इसे यहाँ पर डाल दिया है; अतः यह तो मेरे लिए बड़ा ही मददगार है। ओह, हाँ! मैं फिर से पढ़ने जा रहा हूँ।

...हमें ज्ञात होता है, कि मसीह ने, अर्थात् मेमने ने अपने हाथ में पुस्तक ले ली, और उसी ने ही वह सातवीं मोहर खोली। परन्तु आप देखते हैं, कि यह एक गुप्त भेद है। कोई भी इसे नहीं जानता है। परन्तु यह उसके साथ साथ है जो उसने कहा था- किसी को भी उसका आगमन मालूम नहीं होगा; वे इस सात गर्जन के भेद के विषय में भी नहीं जान पायेंगे। अतः आप देखते हैं, इसका आपस में एक दसरे से सम्बंध है। 576-3(394) सातवीं मोहर सोमवार, 63-03-24 संध्या...पेज़ संख्या 14

अब, हम यहाँ पर परमेश्वर के अनुग्रह से छः मोहरों के सारे भेदों की समाप्ति पर हैं, और हम यह समझते और जानते हैं, कि सातवी मोहर जन-साधारण(पब्लिक) पर अवगत नहीं करायी जानी है। 576-5(397) सातवीं मोहर सोमवार, 63-03-24 संध्या...पेज़ संख्या 14

''इसमें कोई ताज्जुब नहीं है, कि यह तो लिखा भी नहीं गया था। आप देखते हैं, कि वे बिलकुल खामोश थे; तब कुछ भी नहीं हुआ था। स्वर्गदूत इसे नहीं जानते हैं; कोई नहीं जानता है, कि वह कब आ रहा है। परन्तु एक ऐसा...होगा...इन गर्जनों के सात शब्द होंगे, जो इस महान प्रकाशन को उस घड़ी में प्रकट करेंगे। अतः मैं विश्वास करता हूँ, हम पर जो...अगर हम इसे नहीं जानते हैं; और हम...हम...यह उस समय तक ज़ाहिर नहीं होगी; लेकिन यह उस दिन में प्रकट होगी, उस घड़ी में प्रकट होगी, जिस घड़ी में इसे प्रकट होना है।

575-6(392) सातवीं मोहर सोमवार, 63-03-24 संध्या...पेज़ संख्या 16

स्मरण रखिए, सातवीं मोहर पूरी हुई है। और जब वे प्रकट सच्चाइयाँ....उन में से एक तो वह हमें जानने की अनुमति नहीं देगा। सात मोहरों के समय कितने लोग यहाँ पर थे? मैं सोचता हूँ, कि तकरीबन आप सभी थे। समझे? सातवीं मोहर, वह इसके लिए इजाज़त नहीं देगा। (वे प्राण जो अब कैद में है 11/11/63) पेज़ संख्या 12

''वह सातवीं मोहर अभी तक खुली हुई नहीं है; आप जानते हैं, वह तो उसका आगमन है।''(तुरहियों का पर्व 19/7/64) पेज़ संख्या 22

यह शख्स ''निन्दा योग्य कुपंथों का खुलासा'' का काफी ज्यादा समर्थन कर रहा है। अतः श्रीमान, मुझे सारे आदर-सम्मान के साथ कहना होगा, कि आप व्यर्थ की बकवास कर रहे हैं, और आपने तो तीसरे जगत के देहाती लोगों को भी शर्मिन्दा कर दिया है। ऐसा दिखाई पड़ता है, कि मानो आप पहले जगत से हैं, और अमेरीका के समस्त अंहकार और आडम्बर से भरे हुए हैं, जिसकी वज़ह से आप सभों को भविष्यद्वक्ता की बातों का अर्थ बताने और शेष जगत को तबाह करने का प्रयास करने की बीमारी लगी हुई है। ओह, जी हाँ!

श्रीमान, अब आप अपनी पुस्तक की पेज़ संख्या 11 पर इस स्वर्गदूत को जो सातवीं मोहर थामे हुए था...आप उसे प्रकाशितवाक्य 10:7 बना रहे हैं; और यह शैतान का ही एक झूठ है। वह स्वर्गदूत जो सातवीं मोहर पकड़े हुए था, वह एक उड़नेवाला दूत है, और वह उसे लेकर ही उड़ गया था; और वह उन बाकी स्वर्गदूतों में से एक था जो पृथ्वी वाले दूत को ऊपर उठाकर ले गए थे, अतः निश्चित तौर पर आप दुविधा में पड़े हुए हैं, और आपने इन बातों को उनके मूल विषय से ही अलग ले लिया है। अब मैं यहाँ पर इसे पढ़ने जा रहा हूँ, यह आपकी पुस्तक का पृष्ठ 10 है

और अंत समय की मोहर--जब यह शुरू होती है, तो बाइबिल के अनुसार यह पूरी तरह से पूर्णतः एक गुप्त भेद है। और इससे पहले कि उसे जानें...और याद रखिए, प्रकाशितवाक्य 10:1,7 (1-7, प्रकाशितवाक्य का 10:1-7) सातवें दूत के सन्देश की समाप्ति पर परमेश्वर के सारे गुप्त मनोरथ जान लिये जायेंगे। हम अंत समय में हैं—सातवीं मोहर के खुलने के समय में है। *(564-2 सातवीं मोहर, रविवार संध्या 63-03-24)*

आप ने इस हवाले का अर्थ गलत लगाया है, और यह तो वही हवाला है, जो हमने अपने तथ्य संख्या 10 और 11 में दिया है, और आप इसका गलत अर्थ बतलाने की चेष्टा कर रहे हैं। जब मैं इस पुस्तक को भेजता हूँ, और मैंने इन तथ्यों को उस प्रकार से पंक्तिबद्ध किया हुआ है, तो मैं तुम अफ्रीकी सेवकगणों से यह चाहता हूँ, कि तुम इस पुस्तक को

पढ़ना। भाई माविनो..क्या मैं आपके नाम का बिलकुल ठीक उच्चारण कर रहा हूँ...कचनजी, सैगे और भाई मैटेम्बी, और बाहर जो हमारे बहुमूल्य भाई गाइटन हैं; जब कभी वे हवाले आपके सामने पेश करते हैं, तो मैं आप से चाहता हूँ, कि आप उस किताब को लें और इसका उल्लेख करें और कहें, कि'' आप तथ्य संख्या दस, तथ्य संख्या ग्याराह, तथ्य संख्या तीस के मुताबिक नहीं बोल रहे हैं, आप दूषित हैं।

यह तथ्य संख्या दस और तथ्य संख्या ग्याराह है, जिसे यह शख्स यहाँ पर बिगाड़ रहा है। वह ये दिखाने का प्रयास कर रहा है, कि सारे प्रकाशनों का खुलासा प्रकाशितवाक्य 10:7 पर हो जाना चाहिए था, इस कारण उसने सातवीं मोहर खोली। मैं आपको इसके बारे में इसके सही प्रसंग में बताने जा रहा हूँ। सातवीं मोहर पृष्ठ संख्या 564(4)

564(4)...अब ध्यान दीजिए, क्योंकि समय के सन्देश के अंत पर यह वाली मोहर...कुछ भी हो, उसने--उसने सारी की सारी छः मोहरें तो खोली, लेकिन यह सातवीं मोहर के बारे में कुछ नहीं कहता हैं..''

श्रीमान, आपने उस भाग को तो छोड़ ही दिया और आप जबरदस्ती परमेश्वर के वचन को तोड़-मरोड़ रहे हैं; और आप अपने ही निज विनाश के लिए पवित्र वचनों से कुश्ती लड़ रहे हैं।

''....लेकिन यह सातवीं मोहर के बारे में कुछ नहीं कहता है। और अंत समय की मोहर--जब यह शुरू होती है, तो बाइबिल के अनुसार यह पूरी तरह से पूर्णतः एक गुप्त भेद है। और इससे पहले कि उसे जानें...और याद रखिए, प्रकाशितवाक्य 10:1,7 (1-7, प्रकाशितवाक्य का 10:1-7) सातवें दूत के सन्देश की समाप्ति पर परमेश्वर के सारे गुप्त मनोरथ जान लिये जायेंगे। हम अंत समय में हैं—सातवीं मोहर के खुलने के समय में है।''

हम उस सब का विश्वास करते हैं। मैं यकीन करता हूँ, कि भाई ब्रन्हम अपने जीवन भर सातवीं मोहर के खुलासे के लिए बाट जोहते हुए आगे को देखते रहे, लेकिन तब उन्होंने उससे अलग हटकर बात समझी, लेकिन उन्होंने ज़ोर दिया था, कि छः मोहरों का खुलासा हो गया था। जी हाँ!

इस शख्स ने एकऔर हवाले को भी तोड़ा-मरोड़ा है, जो यहाँ पर पृष्ठ संख्या 564 में पैरा न. दो में पाया जाता है, उसने इसे भी बिलकुल ठीक उसी रीति से तोड़ा-मरोड़ा है। मेरे पास आपके साथ इसके लिए वक्त नहीं है। आप यह साबित करने का प्रयास कर रहे हैं, कि सातों की सातों मोहरें खुल गई थीं। अब यह इस बात का सबूत है, कि इसका इस पुस्तक में

इस्तेमाल किया गया था, और बुनियादी तौर पर वे सारे संसार भर में इसी का उपयोग करते हैं।

''सात मोहरों का प्रकटीकरण हो गया था''
इसे प्रसंग से ही बाहर निकाल दिया गया है

अब ऐसा है, कि सभी जगह पर भाई ब्रन्हम ऐसा कहते हैं,'' किसी दूसरे दिन सातों मोहरों का प्रकटीकरण हो गया था।'' '' क्या आपको याद है, जब उसने सात मोहरें खोली थीं?'' ''क्या आपको याद है, जब मैंने सात मोहरों पर प्रचार किया था?'' मैं आपको उनके कुछ और हवाले बताऊँगा। मेरे भाई, उन से कुछ तो इन में से लिये गये हैं,''यह सूर्य का उदित होना है''; ''बिचवाई में खड़ा''; वे प्राण जो अब कैद में हैं''; ''अदृश्य मिलाप''; ''विवाह और तलाक''; '' पहाड़ पर क्या आकर्षण है''; ''भूसी के साथ बीज वारिस नहीं''; और ऐसे ही कुछ और सन्देश हैं, जो आपको दिखा रहे हैं, कि यह पुस्तक खुली हुई है। अतः अब इन बौद्धिक दानवों ने खूब खखौड़ा मारा, और जब परमेश्वर का नबी बोल रहा है, और कह रहा है,'' आपको याद है, जब किसी दूसरे दिन वे सात मोहरें खुली थीं''; और उन्होंने उसके सारे टेपों की खूब छानबीन की, और उस सब को बाहर निकाला और बोले,'' तुम देखते हो, कि कहाँ पर नबी ने कहा था, कि सात मोहरें(छः नहीं)..सात मोहरें खुल गई थीं। क्या आप नबी का विश्वास नहीं करते हैं? जबरदस्ती परमेश्वर के वचन को खींच-तानकर उसे उसकी मूल बात से ही बाहर कर रहे हैं।

बिलकुल ठीक है, भाई ब्रूस, आप उसका कैसे सामना करते हैं? भाई ब्रूस, ''निन्दा योग्य कुपंथों का खुलासा'' के समर्थन में हम अमेरीका के इन गोलियतों का, अमेरीका के इन दानवों का, इन सारे कुपंथों के खिलाफ, जिन्हें वे हमारे गले के भीतर उतारने का प्रयास कर रहे हैं, मुकाबला करने के लिए कैसे खड़े हों? आप उन्हें सात मोहरों की पुस्तक के द्वारा यह जान लेने दें, कि भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि छः मोहरों का खुलासा हो गया था और एक का प्रकटीकरण नहीं हुआ था, और जब भाई ब्रन्हम ने अपने टेपों और अपनी पुस्तकों में यह कहा था,'' किसी दूसरे दिन जब सात मोहरें खुली थीं''; तो वे सात अलग अलग मोहरों के सन्दर्भ में यह बात नहीं कह रहे हैं, लेकिन वे तो 1963 की घटना के सन्दर्भ में ही ऐसा कह रहे हैं, और उनका इससे अभिप्राय सात मोहरों की पुस्तक से है। वे ऐसा सात मोहर लगी पुस्तक के सन्दर्भ में कह रहे हैं–उस पुस्तक के सन्दर्भ में कह रहे हैं, जिस पर सात मोहरें लगी थीं।

भाइयों, आपके लिए मेरे पास ठीक यहाँ पर इसका सबूत है, और मैं इसका हवाला देने जा रहा हूँ। अब आप थकिए मत(आपको छः या पाँच दिन की छुट्टियाँ मिलने वाली हैं, आप जाकर इसका आनन्द लेना, आपका एक अच्छा समय रहे, और आप यहाँ पर सप्ताह के अंत पर फिर से आकर उपवास और प्रार्थना करना; आप कन्टकी और मैक डॉनल्ड्स से

परहेज रखकर उपवास करें और यह हो, कि हम अपने प्राण खाली कर लें।)

33-3 *मेमने ने अपनी पुस्तक ली जब वह सातवीं मोहर--छठवीं मोहर ...जब यह बस खुलने को तैयार ही थी।* ***स्मरण रखिए,उसने सातवीं मोहर हम से छिपा कर रखी।*** *वह इसे नहीं करेगा। जब स्वर्गदूत खड़ा होकर दिन बा दिन इसे बता रहा था, तो उसने ऐसा उस वाली पर नहीं किया। बोला, ''स्वर्ग में सन्नाटा था।;; कोई नहीं जानता।* ***यह प्रभु का आगमन था। (वे प्राण जो अब कैद में हैं11/11/63)***

भाई ब्रन्हम ने सात मोहरें कहना तो शुरू किया था, लेकिन जब उन्होंने इसे अपने आप में महसूस किया, तो उन्होंने सोचा, कि कोई ऐसा समझ रहा है, कि सातों की सातों सारी मोहरें खुल चुकी है, तो उन्होंने कहा,'' मेरा तात्पर्य छः मोहरों से है''; और अब उन्होंने उल्लेख करके बताया, और कहा,'' याद रखिए, उन में से एक वह प्रकट नहीं होने देगा।'' यह सन् 1963 का ग्यारहवाँ महीना है जब उन्होंने ऐसा कहा था; मैं आपके लिए एक और हवाला पढ़ूँगाः

23-4 076 अब हम इन बातों को देखते हें। स्मरण रखिए, सातों मोहरें पूरी हुई हैं। और जब वे प्रकट सच्चाइयाँ.... ***उन में से एक तो वह हमें जानने की अनुमति नहीं देगा।*** *सात मोहरों के समय कितने लोग यहाँ पर थे? मैं सोचता हूँ, कि तकरीबन आप सभी थे। समझे?* ***सातवीं मोहर, वह इसके लिए इजाज़त नहीं देगा।*** *(****वे प्राण जो अब कैद में है 11/11/63)***

मैं आपको यह साबित कर रहा हूँ, कि वह शब्दावली है, जिसका भाई ब्रन्हम ने उपयोग किया, वह एक वाक्यशैली है जिसका भाई ब्रन्हम ने लगभग 1963 में उपयोग किया, जब सात मोहरें खोली गई थीं; और ये सात एक सी-अभिन्न मोहरें नहीं थी जिनके बारे में वो बोल रहे थे, वे तो 1963 में घटी घटना के विषय में ही बोल रहे थे,'' रहस्योमयी घटना'' के बारे में नहीं, वरन मोहरों के प्रचारे जाने के विषय में ही बोल रहे थे। और इसके बाद जब उन्होंने अपने में महसूस किया कि उन्होंने कहा है,'' सात मोहरें खुल गई थीं''; तो वे रुके और उन्होंने समझाया, और कहा,'' और याद रखिए, उन में से एक के लिए वह इजाज़त नहीं देगा।'' अतः यह कहने के द्वारा, कि ''सात मोहरें खुल गई थीं''; भविष्यद्वक्ता ने एक शब्दावली और एक वाक्यशैली का उपयोग किया था। क्या किसी को कोई शक है! आप इस पर शक नहीं कर सकते हैं! मैं इसके लिए दुनिया को चुनौती देता हूँ।

यह पुस्तक पहले से ही खुल चुकी है (यह सच है), ***सिर्फ सातवीं मोहर के लिए***

प्रतिक्षा की जा रही है, कि उसकी मसीह के आगमन के साथ पहचान हो।(मैं इस यीशु का क्या करूँ, 24/11/63)

पुस्तक खुली हुई है, लेकिन हम अभी भी किसी बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं, और वह है, जब प्रभु का आगमन समझ लिया जाता है, तो यह सातवीं मोहर की पहचान करायेगा।

''वह सातवीं मोहर अभी तक खुली हुई नहीं है; *आप जानते हैं, वह तो उसका आगमन है।''(तुरहियों का पर्व 19/7/64)*

मित्र, आप पिछले पचास साल कहाँ रहे थे? आप कौन से स्कूल जा रहे हैं? क्या आपने इसे ''तुरहियों का पर्व'' वाले सन्देश में नहीं पढ़ा? आप ज़ोर से बोलने के लिए माफ करना; लेकिन जब मैं मूर्खता सुनता हूँ, बड़े बड़े पुरुष, ज्ञानवान पुरुष, तेज़-तर्रार, चालाक पुरुष को मूर्खतापूर्ण बातें करते हुए सुनता हूँ, तो कोई चीज है जो मुझे अंदर से झंझोड़ डालती है।

आप सोचते हैं, कि वह छोटा सा धमाका जो ट्यूसान में हुआ था कोई बात थी, जब उसने ***छः मोहरें खोलीं थीं,*** *जिसने देश को लगभग हिला सा दिया था, और इसे चर्चा का विषय बना डाला था, आप ज़रा तब तक प्रतीक्षा करें जब यह पृथ्वी अपना बपतिस्मा पाती है।****(भावी घर 2/8/64)***

भाई ब्रन्हम ने कितनी मोहरें कही थीं, कि खुली थीं? (सभा कहती है,''छः'') छः!

''सातवें दूत को तो छः मोहर वाले गुप्त भेद खोलने थे। इस सब को मनुष्य के पुत्र(The Son of Man) के अंदर इकट्ठा होना है; उसके समय की परिपूर्णता उसके वचन की परिपूर्णता के लिए आनी है, ताकि उसकी देह की परिपूर्णता प्रकट करे।''(वह अपना वचन साबित कर रहा है 16/8/64)

क्या आपके पास सातवीं मोहर है? क्या आप वचन की सम्पूर्णता को साक्षात् प्रकट कर रहे हैं? क्या आपके पास सात गर्जन हैं? क्या देह इस वचन की सम्पूर्णता को साक्षात् प्रकट कर रही है? क्या हम पिन्तेकुस्त पर वापस जा चुके हैं? बिलकुल भी नहीं! अब वह 1964 में कही टिप्पणी है। अब भाई ब्रन्हम ने ''इस बुरे युग के ईश्वर'' में कहा था--(जिसका मैं पहले से ही उल्लेख कर चुका हूँ)--वो वहाँ पर सात गर्जनों का प्रचार करने के लिए थे। यह बिलकुल ठीक बात है।

आप बस तब तक प्रतीक्षा करें जब तक कि हम उन मरियों और मोहरों और ***उन***

सात गर्जनों को खोलने के लिए अंदर आते हैं। आप देखिए, कि क्या होता है। *ओह, भाई, बेहतर तो यही होगा, कि आप गोशेन में चलें जाएं, जबकि गोशेन में जाने का समय है। आप इस बाहर की ओर कोई ध्यान न दें।****(इसे नहीं जानते हैं 15/8/65)***

क्या आप जानते हैं, कि वह क्या है? गोशेन ही एक मात्र ऐसा स्थान है जहाँ पर न्याय नहीं आन पड़ेगा। गर्जनों का परमेश्वर के न्याय से सम्बंध है, अतः आपके लिए बेहतर होगा, कि आप दौड़कर गोशेन में चले जाएं, इससे पहले कि न्याय जन-साधारण पर पड़े। आइये मैं यहाँ पर एक और शानदार सा हवाला दिये देता हूँ। बिलकुल ठीक है!

140, ''यह ऐसा पत्रिका में था। इससे पहले कि यह घटित होता, इसके बारे में महीनों पहले ही बता दिया गया था। सात स्वर्गदूत नीचे आए, और बताया, कि परमेश्वर की छः-मोहर के सम्पूर्ण प्रकाशन का गुप्त भेद खुल जायेगा। और वहाँ यह बिलकुल ठीक वैसा ही था, जैसा उसने कहा था, जैसा उसने इसके बारे में पहले से ही बता दिया था, इससे पहले कि यह घटित होता। (प्रभाव 3/8/63)

सात स्वर्गदूत नीचे आए, और उन्होंने भविष्द्वक्ता को बताया, कि छः मोहर के गुप्त भेद का खुलासा हो जाएगा, और ऐसा बिलकुल ठीक वैसे ही हुआ जैसा उसने इसे कहा था। सातवीं मोहर के खुल जाने से पहले छः मोहरें खेल जानी चाहिए थीं।

36-3 याद रखिए, सारी तुरहियाँ इस छठवीं वाली मोहर पर फूंकी गईं। छठवीं मोहर गुप्त भेद पूरा करती है--छठवी मोहर के तले प्रकटीकरण करती है, इससे पहले कि सातवीं मोहर खेले।''(तुरहियों का पर्व 19/7/64)

पहले तो छः मोहरें खुलनी थीं और उसके बाद ही सातवीं मोहर उनके पीछे पीछे आनी थी। अब कौन उस पर शक कर सकता है? मैं इसे फिर से पढ़ूँगा।

23-4 *''स्मरण रखिए, सातवीं मोहर पूरी हुई है। और जब वे प्रकट सच्चाइयाँ....उन में से एक तो वह हमें जानने की अनुमति नहीं देगा। सात मोहरों के समय कितने लोग यहाँ पर थे? मैं सोचता हूँ, कि तकरीबन आप सभी थे। समझे? सातवीं मोहर, वह इसके लिए इजाज़त नहीं देगा। वह ठीक वहाँ कमरे के अंदर खड़ा हुआ था, और उसने उन में से हर एक को ज़ाहिर किया था, और अगर मैने अपने जीवन में प्रेरणा से ओत-प्रोत कभी कुछ प्रचारा था, ? तो यह वही थी...और याद रखिए, छठवीं मोहर में ही ऐसा है, जहाँ सारी सातों की सातों तुरहियाँ उस छठवीं मोहर के तले ही फूंकी जाती हैं....जब हम उस पर आयेंगे, तो आप उसे देखेंगे। हर एक सात तुरही उस छठवीं मोहर में ही फूंकी गई। सात सर्वदा ही एक भेद*

रहा है। उस सात पर गौर फरमाएं; वह पूरी है। वह प्रभु का आगमन था। स्वर्ग खामोश था; स्वर्ग मे सन्नाटा था। किसी ने भी कोई हरकत ना की; क्योंकि खुद यीशु ने कहा था, ''यहाँ तक कि स्वर्ग का कोई दूत भी नहीं जानता है, कि मैं कब वापस आऊँगा। मैं खुद भी नहीं जानता हूँ, कि मेरा आगमन कब होगा। पिता ने ही उसे अपने दिमाग में रखा हुआ है। केवल परमेश्वर ही इसे जानता है; अर्थात् आत्मा ही। लेकिन मैं इसे नहीं जानता हूँ।'' देखिए, इसका तब खुलासा नहीं हुआ था, जब वो सातवीं तुरही फूंकी गई थी...या सातवां दूत, या जब वह मोहर खुली थी; तब स्वर्ग में सन्नाटा छाया हुआ था। समझे? यह राज खोला नहीं गया था, कि वह कब होगा।'' (वे प्राण जो अब कैद में हैं 10/11/63)

ये दो किताबे हैं...श्रीमान; आप जो कोई भी हैं, आप चाहे एक पुरुष हैं, या एक स्त्री; आपके तो कोई रीढ़ की हड्डी भी नहीं है, वरना आपने इस पर अपना नाम और अपना अता-पता लिख दिया होता, और आप मुझे यह जान लेने देते, कि आखिर आप हैं, कौन; जिससे कि हम युद्ध तो कर सकते होते। आपने परमेश्वर के वचन की गलत व्याख्या की है, और बेहतर होगा, कि आप खोजबीन करके उस बीज को तलाशें जिससे आपका जन्म हुआ था। ढूँढ़-ढाँढ़ करके उस बीज को तलाशें जहाँ से आपका जन्म हुआ है। आपने अलग-थलग किस्म के हवाले दिये हैं। मेरे भाइयों और बहनों, क्या आप मुझे फिर से कुछ और मिनट दे सकते हैं? आइये मैं इन बातों को बता दूँ। हो सकता है, कि आप इन बातों को जानते हों, लेकिन दूसरे लोग उन्हें ना जानते हों।

दूसरे स्कूल के हवाले–उसके सिर्फ चार ही हवाले हैं

ऐसे तीन या चार ही प्रमुख हवाले हैं, जिनसे ऐसा प्रतीत होता है, कि मानो भाई ब्रन्हम ऐसा कह रहे हो, कि गर्जनों का खुलासा हो गया था, और गर्जनों वाले सम्पूर्ण जगत में; गर्जन के सन्देश वाले लोगों के पास सिर्फ तकरीबन तीन ही ऐसे हवाले हैं, जिनसे ऐसा प्रतीत होता है, कि मानो भाई ब्रन्हम कह रहे हैं, कि सात गर्जनों का खुलासा हो गया था। दस साल तक वे इन हवालों को कदापि लेकर ना आए, क्योंकि हम सभी सातवीं मोहर के द्वारा पूरी तरह से सुनिश्चित थे, कि भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर नहीं खोली थी। परन्तु इसके बाद 1973 में हर कोई तेज़ हो गया, और जिन हवालों का वे उपयोग कर रहे हैं, वे गर्जनों और मोहरों पर गलत व्याख्यान हैं, (वे उनका गलत अर्थ बतलाने का प्रयास कर रहे हैं) जिन्हें वे मूल प्रसंग से ही बाहर हटाकर ले रहे हैं।

अतः अब आप अपनी मोहर की पुस्तक में यह पाते हैं, कि वे उन कुछ निश्चित बातों को इस ढ़ंग से खींचकर निकालेंगे, कि ऐसा लगे, कि भाई ब्रन्हम कहते हैं, ''वह मोहर प्रकट हो गयी थी''; ''मोहर टूट गई थी''; और ऐसा है और वैसा है; लेकिन वे उसे उसके असली

प्रसंग में नहीं पढ़ते हैं। अतः इसी रीति से वे इन किताबों को बनाते हैं। आप उन से विचलित ना हों।

अतः अब आप इन हवालों को देखें, मैंने इसे पिछली बार नहीं पढ़ा था। मैं इन्हें टेपों के लिए और पुस्तक की खातिर पढ़ना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ, कि इस समय आप थोड़ा सा थक चुके हैं, लेकिन आप मेरे साथ थोड़ा सा सब्र रखें; ये प्राण हैं जिन्हें हम छुड़ाने का प्रयास कर रहे हैं। अतः हमारे पास वे एक, दो, तीन, चार हवाले हैं, जिनके बारे में वे सोचते हैं, कि वे ये कह रहे हैं, कि सात गर्जनों का प्रकटीकरण हो गया था। मैं उन हवालों को आपके सामने प्रस्तुत करूँगा और उनके बारे में समझाऊँगा।

''हमें यहाँ पर प्रकाशितवाक्य 10 में यह मालूम होता है, कि'' सातवें दूत के सन्देश के दिनों में परमेश्वर के गुप्त मनोरथ पूरे हो जायेंगे।'' सातवीं मोहर को खोल दिया जाएगा। यह वहाँ पर होगी। जब यह घटित हो रहा था, तभी एकाएक एक दर्शन उभर कर आया, और कहा गया, '' टयूसान को जाओ; इस समय पर एक बड़े ज़ोर का धमाका होगा, जिससे तुम पूरी तरह से समझ जाओगे और जान जाओगे, के इसे भेज दिया गया है।''

परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता सचमुच में किसी उस घटना के सन्दर्भ में बातें कर रहा है जो 1963 से पहले घटी थी। वह कहता है, कि सात मोहरें खोल दी जायेंगी। भाई ब्रन्हम विश्वास के पुरुष थे। वे इस बात की उम्मीद कर रहे थे, कि सातों की सातों सारी मोहरें प्रकट हो जायेंगी, और वे इसी आशा के साथ ऐरीज़ोना गए थे, कि सारी मोहरों का खुलासा हो जाएगा। 1963 के बाद उन्होंने चालीस विभिन्न तथ्यों के द्वारा यह निचोड़ निकाला, कि '' इसे उन से दूर रखा गया, और इसका खुलासा नहीं हुआ था।'' ये ज्ञानवान लोग कैसे किसी उस बात के पीछे दूर तक जा सकते हैं, जो कहीं धुंधली और अस्पष्ट है! परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता आपके लिए चालीस तथ्यों को लेकर आया, ताकि आपको साबित करे, कि सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ था; और फिर भी कोई इंसान किसी ऐसी बात के पीछे चलना चाहता है, जैसे कि यह है, जहाँ भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि सातवीं मोहर खोल दी जायेगी।

अब, लोग इस सन्देश में बहुत ही खाली हैं, और उनके पास केवल एक ही बात है, जो उन्हें बहका रही है, और वह यह है, '' रहस्योमयी ढ़ंग से प्रकट हो गए'' अतः वे सोचते हैं, कि वे रहस्य को ढूँढ़ रहे हैं, जब वे वहाँ पढ़ते हैं। केवल वही एक अकेली बात है, जो उनके सिरों में गुनगुनाती रहती है, '' रहस्योगमयी ढ़ंग से प्रकट हो गए।''

जबकि भाई ब्रन्हम लोगों को सातवीं मोहर का स्थान दिखाने के लिए और सात गर्जनों का स्थान दिखाने के लिए चालीस सच्चाइयाँ बता चुके थे, कि क्यों उनका प्रकटीकरण नहीं हुआ था, उसके बाद भी आप सुनिएं, कि सन्

1964 में कोई व्यक्ति भविष्यद्वक्ता को क्या प्रश्न लिखेगा, और क्या पूछेगा। आप इस व्यक्ति के ख्यालातों पर ज़रा कान तो लगाएं। वह अपनी ही निज व्याख्या और अपने ही निज विचारों के सम्बंध में यह प्रश्न पूछ रहा है। वह गर्जनों के बारे में अपनी निज व्याख्या और अपने ही निज विचार जाहिर कर रहा है। ज़रा इसे सुनें।

1161-प्र.सं. 395. ''क्या वे सात गर्जन जो सात गुप्त मनोरथ के बराबर है, पहले से ही प्रकट हो चुके हैं? क्या उनका सात मोहरों में प्रकटीकरण हो गया था, लेकिन क्या वे अभी तक हम पर सात गर्जनों के रूप में ज़ाहिर नहीं हुए हैं? नहीं, उनका तो सात मोहरों में ही खुलासा हो गया था; गर्जन के शब्द इसी वज़ह से ही तो थे। वे सात गर्जन जिन्होंने अपने अपने शब्द उच्चारित किये थे, और उन्हें कोई भी नहीं समझ पाया था...यूहन्ना जानता था, कि यह क्या था, लेकिन उसे यह लिखने से मना कर दिया गया था। उसने कहा था,'' लेकिन सातवें दूत के शब्द देने के दिनों में--उसके शब्द देने के दिनों में सात गर्जनों के सात गुप्त भेद प्रकट हो जायेंगे।''(सी. ओ. डी. प्रश्न और उत्तर 30/08/64)

आप ज़रा कल्पना कीजिए, कि कोई व्यक्ति भविष्यद्वक्ता से ऐसा प्रश्न पूछ रहा है, हो सकता है, कि वह वहाँ 1963 में उस सारे उल्लेख को लिये हुए बैठा हो, और उसके बाद भी आप भविष्यद्वक्ता से उस प्रकार का प्रश्न पूछेंगे। क्या उस व्यक्ति के दिमाग में एक व्याख्या नहीं है, कि उसके पास एक बीज तो है, पर वह उसकी भविष्यद्वक्ता के द्वारा पुष्टि करना चाहता था ? क्या इससे यहाँ पर ऐसा प्रतीत नहीं होता है, कि मानो जैसे यह रहस्योमयी रीति से प्रकट हो गया हो और यह मोहरों के भीतर छिपा हुआ हो, लेकिन हम इसे अभी तक समझ नहीं पाये हैं? अब आप इस पर भाई ब्रन्हम का पहला जवाब सुनें-''नहीं!'' भविष्यद्वक्ता एक ही प्रश्न के दो अलग अलग जवाब कैसे दे सकता है? कैसे मैं अपने प्राण को उस जैसी किसी बात पर टिका का रख सकता हूँ। भाई ब्रन्हम का पहला जवाब है,''नहीं!'' दूसरा जवाब है,''हाँ, हाँ, वे सात मोहरों में प्रकट हो गए हैं।'' कहाँ? सात गर्जन सात मोहरों में कहाँ पर प्रकट हो गए हैं? पिछले सप्ताह हमने सारी की सारी मोहरों का अच्छी तरह से अध्ययन किया था। क्या आप ने वहाँ पर सात गर्जन ढूँढ़ निकाले थे? ठीक है, तब तो मेरे भाई, वे तो अक्षरों के जाल में ही उलझे हुए हैं। वे तो शब्दों के जाल में ही उलझे हुए हैं।

यहाँ पर कोई बात कही गई है ; आपको अवश्य ही इसे साबित करने में सक्षम होना चाहिए; आप को अवश्य ही उसे समझने में सक्षम होना चाहिए। उसने कहा था, कि यह

मोहरों के भीतर है, ठीक है, तो फिर आइये हम मोहरों की तरफ ही रुख करें। अब यही बात यहाँ पर उनके तीसरे हवाले में हैं..(भाई बैरॉ) इसके बाद उनके पास कोई नहीं है। संसार भर में जितने भी सारे के सारे गर्जन हैं, और जितनी भी सारी की सारी व्याख्या न्यू यॉर्क से आती हैं, और वे सारे बड़े बड़े नाम , उनके पास भविष्यद्वक्ता के सन्देश में खड़े होने के लिए कुछ नहीं है, सिवाये उन चारों हवालों के जिन्हें हम यहाँ पर बता रहे हैं तथा सात मोहरों पर उनके द्वारा दी गई गलत व्याख्याओं के; जहाँ भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि सात मोहरें प्रकट हुई थीं। **क्या आप अपने प्राण को उस पर टिका कर रख सकते हैं?**

यह बिलकुल ठीक बात है। जो सबसे जबरदस्त हवाला है, जिसका वे उपयोग करते हैं, वह सात कलीसियायी कालों की पुस्तक में है; और फिर भी वे इसे प्रमाणित नहीं कर सकते हैं। कितने यह जानते हैं, कि कलीसियायी कालों का प्रचार 1960 में किया गया था?(सभा कहती है,''आमीन!'')**आप को यह हवाला टेप में कहीं नहीं मिल सकता है।** मैं ये कह रहा हूँ, कि **ये वाला हवाला जिसे मैं पढ़ने जा रहा हूँ, वह भाई ब्रन्हम के सन्देश के मुताबिक नहीं है**। भाई ब्रन्हम का सन्देश तो कहता है,'' छः मोहरें खुली थी; और सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ था; और सातवें दूत को छः मोहरों के गुप्त भेद का खुलासा करना था।'' क्या हमने इसे पढ़ा था? (सभा कहती है,''आमीन'') **सातवें दूत का यही कार्य-भार था, कि छः मोहरों के गुप्त भेद का खुलासा करे।** भाई ब्रन्हम ने ही ऐलान करके ऐसा कहा था।

327-1 ''अब मलाकी 4 और प्रकाशितवाक्य 10:7 का यह सुसमाचारदूत दो काम करेगाः पहला- मलाकी 4 के अनुसार वह बालाकों के मनों को पितरों की ओर फेरेगा। दूसराः वह प्रकाशितवाक्य 10 में पाये जाने वाले सात गर्जन के शब्दों का खुलासा करेगा, जो कि वे प्रकाशन हैं, जो सात मोहरों में पाये जाते हैं। ये वे ''भेदपूर्ण सत्य'' होंगे, जिनका दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही खुलासा किया जाएगा; और ये ही वास्तविक रूप में बालकों के मनों को पिन्तेकुस्त वाले पितरों की ओर फेरेंगे। बिलकुल ठीक ऐसा ही है।''(लौदीकियायी कलीसियायी काल पृष्ठ संख्या 327)

मैं यहाँ पर आप पर यह अवगत कराने के लिए हूँ, कि यह वाला वक्तवय भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं के विरोधाभासी है; और वह कोई जो मुझ से इस पर जिरह करना चाहता है, वह मुझ से इस पर कहीं भी जिरह कर सकता है। और दूसरी भी विरोधाभासी शिक्षाएं हैं, जिन्हें सात कलीसियायी कालों की शिक्षाओं में घुसा दिया गया था, जिन्हें हम साबित कर सकते हैं, कि वे गलत हैं, और उन्हें परमेश्वर के वचन में घुसा दिया गया है, और मैं टेप की सहुलियत के लिए एक हवाले का उल्लेख करना चाहता हूँ, और जो कोई भी मुझ से इस पर

ज़िरह करना चाहे, तो कर सकता है। मैं ''सात कलीसियायी कालों की व्याख्या'' से हवाला दे रहा हूँ।

144-2-3 ''अब इससे पहले कि हम इस विषय को छोड़ें, ***मैं खुद अपने आप पर इस बात को बहुत अधिक स्पष्ट कर देना चाहता हूँ, कि वचन के अनुसार पवित्र आत्मा का बपतिस्मा क्या होता है।*** *यह मेरे अनुसार नहीं होना है, या यह आपके अनुसार नहीं होना है। यह तो 'यहोवा यूँ फरमाता है' वाले वचन के अनुसार ही होना है, वरना हमारी गलत अगुवाई हुई है। आमीन! ....और मैं आपको बिलकुल ठीक ठीक बताना चाहता हूँ, कि मेरा क्या अभिप्राय है। मेरा अभिप्राय यह है, कि पापी आगे आयें और नये सिरे से जन्म लें, जो कि पवित्र आत्मा के द्वारा मसीह की देह में बपतिस्मा लेना है; और बिलकुल ठीक यही काम पिन्तेकुस्त के दिन तब हुआ था जब कलीसिया का आरम्भ हुआ था। दूसरे शब्दों में आत्मा से नया जन्म पाना ही सचमुच में पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाना होता है। ये एक ही है और एक सी ही बात है।*

भाई ब्रन्हम ने बहुत सी जगहों पर बताया था, कि नया जन्म और पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दो अलग अलग और एक दूसरे से जुदा अनुभव हैं।

37 '' और नया जन्म, ***जैसा कि लोग बातें करते हैं, कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा ही नया जन्म है। अब, यह गलत है। पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नये जन्म से बिलकुल अलग है। नया जन्म तो तब होता है जब आप नये सिरे से जन्म लेले हैं।*** *परन्तु पवित्र आत्मा का बपतिस्मा वह है, जब सामर्थ सेवा के लिए उस जन्म में अंदर आती है। यह बिलकुल ठीक बात है। समझे? (उल्टी गिनती 62-09 09)*

114 ''और अनिवार्य रूप से नये सिरे जन्म लेने का अर्थ यह नहीं है, कि आपको पवित्र आत्मा मिल गया है। अब, यह याद रखें। अब, बहुत ***से लोग ऐसी शिक्षा देते हैं। '' मैं किसी ऐसे को नहीं जानता हूँ, जो इसे इस प्रकार से सिखाता है''; जैसाकि*** *हमारे बुजुर्ग भाई आर्गनब्राइट ने किसी और रात्रि को यहीं पर प्रचार मंच से कहा था। समझे?* ***लेकिन नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। पवित्र वचन इसका समर्थन नहीं करता है।*** *समझे? जैसाकि मेरा इसे देखने का नज़रिया है, मैं ऐसा नहीं सोचता हूँ। समझे? (द्वार के लिए कुँजी62-1007)*

नीचे दिये गए हवालों के माध्यम से हम यह देख सकते हैं, कि वचन पर आधारित जो शिक्षाऐं भाई ब्रन्हम के द्वारा दी गई, हमारे बहुमूल्य भाई वेयले सात कलीसियायी कालों की पुस्तक के सम्पादन के समय तक भी, उन पर पूरी सहमति में नहीं थे, और ना वे उन पर बहुत ज्यादा स्पष्ट थीं। यह बहुत सम्भव है, कि उन्होंने उस समय से अपनी भ्रमित धारणा बदल दी हो, जैसाकि वे अब वचन में और भी ज्यादा परिपक्व हो गए हैं। उन्होंने 1963 में ही उस के

बाद ही फिर से बपतिस्मा लिया था, जब कलीसियायी कालों पर प्रचार हो चुका था, और मोहरों पर भी प्रचार हो चुका था। वह कोई भी व्यक्ति जो भाई वेयले से प्रेम करता है, जैसा कि हम भी उन से प्रेम करते हैं, भली-भाँति समझ जायेगा, कि एक थियोलोजिन के रूप में उन्होंने सर्वश्रेष्ठ काम किया, कि वे एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के नये सन्देश का सम्पादन करने का प्रयास कर रहे थे, और अनजाने में ही उनकी कुछ धार्मिक शिक्षाएं सात कलीसियायी कालों के महान और विस्तृत-अलंकृत सन्देशों में घुसा दी गईं। यह किसी कोई भी इस बात का अधिकार प्रदान नहीं करता है, कि वह ऐसी गलत-अवधारणाओं पर और दूसरी नितांत आवश्यक शिक्षाओं को स्थापित कर दें, जबकि वे गलत-अवधारणाऐं नबी के प्रकाशन और शिक्षाओं से बिलकुल भी मेल नहीं खाती हैं।

194 ''भाई ली वेयले, अगर आप इस बात को पकड़ सकते हैं, तो ये रही वह बात। केवल यही एक प्रश्न है, जिस पर हम असहमत हैं; वो विश्वास करते हैं, कि कलीसिया न्याय में से होकर जायेगी। मैं इसे नहीं देखता हूँ। मैं इसका विश्वास नहीं करता हूँ।''(एकत्व 11/2/62)

''भाई ली वेयले आज हाल ही में यहाँ पर थे। मैंने आज ही उन्हें यहाँ पर बपतिस्मे की एक सभा में बपतिस्मा दिया है।(पौलुस, मसीह का एक कैदी 17/7/63)

''भाई वेयले सभाओं में मुझ से पहले कई बार बोलें हैं, तथा उन्होंने ऐसे ही और दूसरे काम किये हैं। ***उन्होंने एक लम्बे अरसे तक सभाओं का रख-रखाव रखा है,*** *और वे एक अच्छे भाई है, और उन्होंने एक शानदार काम किया है।''(अपने को नम्र करो 14/7/63)*

''मैंने और भाई ली ने वह सब कुछ किया जो हम कर सकते हैं, और हमने प्रचारकगणों की ऐसोसिऐशन को मुफ्त नाश्ता भी दिया, जिससे कि वे आ जाएं और हम उन से बातचीत कर सकें। सचमुच में भाई ली वेयले एक विद्वान और डॉक्टर ऑफ डिवनिटी हैं। उन्होंने वास्तव में अपनी डिग्री मेहनत से हासिल की है।'' (यीशु की ओर देखो 29/12/63)

कलीसियायी कालों की पुस्तक के पृष्ठ 139 के बाद शिक्षा यह बताती है, कि नया जन्म और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक और एक सा ही कार्य है। यह परमेश्वर के वचन के विपरीत है। यह एक सा ही कार्य नहीं है; और मैं इसके लिए पवित्र वचन में से हवाला दूँगा। कितने लोग यह विश्वास करते हैं, कि यीशु का पहला जन्म बिलकुल ठीक था? (सभा कहती है, ''आमीन'') उसके तीस साल के बाद उसे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिला था। कितने लोग यह विश्वास करते हैं, कि प्रेरितों का तो पहले से ही नये सिरे से जन्म हो गया था? (सभा कहती है, ''आमीन'') '' मैं तुम से सच सच

कहता हूँ, वह जो मेरा वचन सुनता है, और मेरे भेजनेवाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दंड़ की आज्ञा नहीं होती..(वह न्याय पर नहीं आता)...परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका।''(यूहन्ना 5:24)ठीक उसी झुण्ड़ को पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के लिए पिन्तेकुस्त तक जाना था। वह विरोधाभासी शिक्षा है, और वह बैपटिस्ट शिक्षा है, कि जब आप विश्वास करते हैं, तो आपको पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिलता है। यह परमेश्वर के वचन के विपरीत है। मैं अभी भी विश्वास करता हूँ, कि कलीसियायी कालों की पुस्तक प्रेरणा से ओत-प्रोत है, लेकिन यह बात इस सच्चाई को सिरे से ख़ारिज नहीं करती है, कि एक या दो बीजों, और घातक बीजों का कलीसियायी कालों की पुस्तक में अन्तःक्षेपण हो गया था।

यह बिलकुल ठीक है, आइये हम इसे परमेश्वर के वचन के द्वारा जाँचे-परखें। भाई ब्रन्हम तो पहले ही तकरीबन आधा दर्जन बार बोल चुके हैं, कि सातवें दूत की सेवकाई छः मोहरों के गुप्त भेदों को खोलना थी। क्या हर कोई इस पर सहमत है? (सभा कहती है, ''आमीन'') बिलकुल ठीक है, यह 1960 में हुआ, कि इसे रिकार्ड किया गया था। यह मोहरों के खुलने से काफी पहले समय की बात है।

सात गर्जन सात मोहरों की पुस्तक में नहीं हैं

ये हवाला यह कह रहा है, कि वह प्रकाशन जो सात मोहरों में पाया जाता है, सात गर्जन हैं। हम ने इसे अपने पहले ही सन्देश में गलत साबित कर दिया था, क्योंकि आप सात मोहरों की पुस्तक में सात गर्जन नहीं ढूँढ़ सकते हैं। क्या यह सही है?(सभा कहती है,''आमीन'') पहली मोहर ''श्वेत घोड़ा'' है, और वह ''शैतान'' है। दूसरी मोहर; कितने लोग कहते हैं, कि वह शैतान है?(सभा कहती है,''शैतान'') तीसरी मोहर,''शैतान'' है; चौथी मोहर, ''शैतान'' है। पाँचवीं मोहर,''यहूदियों का उद्धार'' है। छठवीं मोहर,'' न्याय'' है ; और सातवीं मोहर ''खुली हुई नहीं'' है। (सभा कहती है,''आमीन'') मैं इन ''अर्थ बतलाने वालों'' से पूछ रहा हूँ, कि ''कहाँ पर गर्जन सात मोहरों में पाये जाते हैं?'' आप मुझे दिखा नहीं सकते हैं।

यही बात आगे चलकर कहती है, कि **ये सात गर्जन ही वे हैं, जो वास्तविक रूप में बालकों के मनों को उनके पितरों की ओर फेरेंगे।** उनका कहना है,'' यह यहीं मोहरों की पुस्तक में हैः चार घुड़सवार, यहूदियों का छुटकारा है, और न्याय का प्रचार किया जाना है, वह काम है जो हमें पिन्तेकुस्त की ओर फेरेगा।'' परमेश्वर की महिमा होवे! भाई वे कह रहे हैं, कि हमें पिन्तेकुस्त की ओर फेरने में मोहरों की इस पुस्तक की कोई न कोई भागीदारी है ?

सबसे पहले तो मैं यह पूछना चाहता हूँ,'' बालकों के मनों को पितरों की ओर फेरने

का क्या अर्थ है?'' बालकों के मनों को पितरों की ओर फेरा जाना, कलीसिया का पिन्तेकुस्त की ओर ठीक उसी प्रकार की शिक्षा के साथ; ठीक उसी प्रकार के आश्चर्यकर्मों के साथ, ठीक उसी प्रकार के चिन्हों के साथ और ठीक उसी प्रकार की सामर्थ के साथ जो उन्होंने पिन्तेकुस्त के दिन पायी थी, फेरा जाना है। ओह, परमेश्वर की महिमा होवे! मैं किसी बात को लेकर आ रहा हूँ! परमेश्वर को महिमा मिले!

कितने लोग जानते हैं, कि यह क्या है जिसने पितरों के मनों को बालकों की ओर फेरा था? वहाँ पर कुछ तो ऐसा था, जिसने पितरों के मनों को बालकों की ओर फेरा था; और वह घटना प्रभु का आगमन थी, जिसने ऐसा किया था। जी हाँ, श्रीमान! यहाँ पर यह वह झूठ है, जिसे घुसाया गया था। यह वचन में टिक नहीं सकता है, और यह भाई ब्रन्हम के सन्देश में टिक नहीं सकता है। और जहाँ कहीं यह टेप जाता है, यह जान लिया जाए; जहाँ कहीं यह पुस्तक जाती है, यह जान लिया जाए, कि मैं कोई आठवाँ दूत नहीं हूँ; और मैंने खुद अपने को एक भविष्यद्वक्ता होने का कभी दावा नहीं किया है; और मैं वह वाला नहीं हूँ। मैं तो मसीह के बारे में ही बोल रहा हूँ। मैंने ये कदापि नहीं सोचा है, कि मैं एक भविष्यद्वक्ता हूँ। जी नहीं, श्रीमान! और मैं ना ही कोई आठवाँ दूत हूँ। जी हाँ, श्रीमान! लेकिन मेरे पास प्रभु का वचन है, और मैं जानता हूँ, कि मैं क्या कह रहा हूँ।

इस सात मोहरों की पुस्तक में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो पितरों के मनों को बालकों की ओर फेर सके। जी नहीं, श्रीमान! आप मेरी बात को गलत न लें; मोहरें दो काम करने के लिए खोलीं गईं थींः ताकि पाप के पुरुष को और मनुष्य के पुत्र(The Son of Man) को उज़ागर करें। जी हाँ, श्रीमान! लेकिन इसका लेखा-जोखा सात मोहरों की पुस्तक में नहीं है। जी नहीं, मेरे भाई! मनुष्य का पुत्र तो सातवीं मोहर के तले छिपा हुआ था, और वह घटना जो सातवीं मोहर के तले छिपी हुई थी, वह तो एक अनजानी भाषा में थी। जी हाँ, श्रीमान! परन्तु मोहरों का खुलना दो बातों को पूरे दृश्य में लेकर आया- पाप का पुरुष; और मनुष्य का पुत्र जो कि एक गुप्त भेद में है। इस सन्देश के अनुयायी केवल एक ही रीति से मनुष्य के पुत्र के उस गुप्त भेद को जान सकते हैं, कि वे अपने आप को नम्र कर लें, मगर उन्होंने तो अपनी सिरों में गर्जनों, और गर्जनों और गर्जनों की हवा भरी हुई है; और वे वैसे ही हुए पड़े हैं, जैसाकि खुदा के नबी ने कहा था, कि उनके पास बिजली की चमक तो बहुत ज्यादा है , पर कोई गर्जन नहीं है।

यह हो, कि संगीत बजाने वाले आगे आयें, और अब मैं बस अपनी आखिरी टिप्पणियाँ बोलने जा रहा हूँ, जैसाकि मैं जानता हूँ, कि बहुत से लोग इसे पढ़ेंगे, और मैं उस हर बात की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूँ, जो मैंने बोली हैं। जी हाँ! सातवीं मोहर और सात

गर्जनों पर जो उन्होंने यह व्याख्या निर्मित की है, **इसने इस सन्देश के मानने वालों की एक बड़ी भीड़ को उस सबसे ज्यादा मबजूत भ्रान्ति में गिरा दिया है,** जिसमें कभी लोग गिरे है। यह सबसे ज्यादा मजबूत भ्रान्ति है! और मौत का वह एक बीज जो अमेरिका से आया, और जो यह कहता है, कि इसका रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा हो गया था, सन्देश में पूरी तरह से छितर गया है, और इसने लोगों को एक दिमागी भ्रम में डुबो दिया है, और इस दिमागी भ्रम की वज़ह से लोग यह सोचते हैं, कि वे सारी प्रतिज्ञाएं जो प्रभु ने भाई ब्रन्हम के माध्यम से कीं, और वे सारी बातें जो पूरी होनी हैं, वे आत्मिक तौर पर पूरी हो चुकी हैं। और जब वे किताबें पढ़ते हैं और टेप सुनते हैं, तो वे इतने ज्यादा दिमागी तौर पर भ्रमित होते हैं, और एक ऐसे काल्पनिक आयाम में जी रहे होते हैं, कि वे सोचते हैं, कि उन्होंने प्रकाशन हासिल कर लिया है, और हर कोई अपने ही कुँए में कूपमन्डूक हैं, हर कोई सोचता है, कि वह तो अपने अगले वाले शख्स से ज्यादा आत्मिक है, और हर कोई सोचता है, कि वह गर्जनों को और प्रकाशन को हासिल कर रहा है। काश आप केवल वह समझ सकें, जो मैं बोल रहा हूँ।

जबकि वे बड़ी बड़ी शेखी बघारते हैं; और अभिमान से इतने ज्यादा भरे हुए हैं, कि वे उन सच्चाइयों पर दृष्टि भी नहीं डाल रहे हैं, जो उन्हें घेरे हुए हैं। **सातवीं मोंहर/ सात गर्जनों की उस शिक्षा ने पवित्रता के सन्देश का सत्यनाश कर डाला है। आज हम में व्यभिचार के और भी ज्यादा मामले हैं, दोगलेपन के और भी ज्यादा मामले हैं; हमारे लोग और भी ज्यादा अनैतिक-भद्दी पोशाकें पहन रहे हैं, स्त्रियाँ अत्याधिक गिरी हुई हालत में है।, स्त्रियाँ गाद-कीचड़ में पड़ी हुई हैं। मित्र, वे यहाँ पर फिर सें गीत गाने नहीं जा रहीं हैं। देखिए, वे उन अनैतिक-भद्दे कपड़ों को पहन रही हैं, अपने बालों को छोटे छोटे कटवा रही हैं, और अपने पतियों पर हुकूमत कर रही हैं; प्रचारकों की पत्नी कलीसिया पर हुकूमत कर रही हैं। क्या आप उसी को गर्जन कहते हैं? प्रचारक की पत्नी डीकनों को फटकार लगा रही हैं। वे प्रचारक जो कहते हैं, कि वे गर्जनों का प्रचार कर रहे हैं, उनकी ''उद्धार ना पायी'' हुई औलादें उनकी ही छत्रछाया तले जी रही हैं, और जो चाहे वह कर रही हैं। क्या वही गर्जन हैं? उन तथाकथित गर्जनों ने यह किया है, कि उन्होंने पवित्रताई के सन्देश का सर्वनाश कर दिया है। वे ऊँची ऐड़ी की जूतियाँ पहन रही हैं, न्यू यॉर्क के सारे के सारे आधुनिक स्टाइलों को अपना रही हैं। क्या यही वे गर्जन हैं? बिलकुल भी नहीं!**

जब हम गर्जनरहित सन्देश का प्रचार कर रहे थे, तो हम में और भी ज्यादा पवित्रता थी, हम में और भी ज्यादा सत्यनिष्ठा-संज़ीदगी, और भी ज्यादा धार्मिकता

थी। और वह कारण जो यह कलीसिया, संसार भर की उन चंद कलीसियाओं के साथ अभी भी उसी मूल स्तर को कायम रखे हुए है, उसी पवित्रता को कायम रखे हुए हैं,यह है; क्योंकि हम उसी पर टिके हुए हैं जो भाई ब्रन्हम ने कहा था। और वह कारण जो आप यहाँ पर किसी भी असम्बेली(संगति) की अपेक्षा कहीं ज्यादा परमेश्वर की उपस्थिति और आत्मा की सामर्थ महसूस करते हैं, क्योंकि मिखाइल हमारी ओर है। और वही एक ऐसा है, मैं जिसके बारे में बोल रहा हूँ, वह इस टेबरनिकल में आता है, और वह अकेला ही नहीं आता है, वरन वह तो अपने दूसरे दूतों की एक सेना के साथ नीचे आता है, क्योंकि तीसरा खिंचाव दूतों की एक सेवकाई है। इब्रानियों 1 के अनुसार, उन्हें तो चुने हुओं की सेवा करने के लिए आना है।

हे भाई, काश आप केवल उस दुखद स्थिति को जान जाते! मैं आशा करता हूँ, कि मैं उसे मात देकर आगे बढ़ रहा हूँ। अज़ीजों, काश आप उस दुखद स्थिति को जान जाते, जिसमें मलाकी 4 के अनुयायी हैं; और ऐसा उसी मौत के बीज के कारण ही है जो अमेरिका से आया। इसने उन्हें एक काल्पनिक दुनिया में, एक भ्रान्ति में, दिमागी वहम में डुबो दिया है, जहाँ हर कोई सोचता है, कि परमेश्वर उन से बातचीत कर रहा है और गर्जन प्रकट कर रहा है। उनके पास तो इतने ज्यादा गर्जन हो गए हैं, कि वे ऐसा स्वाँग रचते हैं, कि मानो उन्हें पवित्र आत्मा मिल गया हो; और वे गिर पड़ते हैं, अपने कपड़ों को ऊपर उठा लेते हैं, कि आपको उन्हें चादरों से ढंकना पड़ता है। यही है वह जो इन तथाकथित गर्जनों ने उत्पन्न किया है।

आप कहते हैं, ''भाई ब्रूस, ऐसा कैसे हुआ है? यह एक भंयकर बात है, कि परमेश्वर कभी नहीं जानता था, कि ऐसा होगा?'' परमेश्वर कुछ भी अकस्मात नहीं हो जाने देता है। क्या भाई ब्रन्हम ने ''अधोलोक के भवन'' का दर्शन नहीं देखा था? क्या वहाँ अंदर भाई बॉडर्स् के साथ पागलों वाली हालत में, एक दिमागी भ्रम में लोग नहीं थे, और अपने सिरों को लोहे की दस इंची मोटी सलाखों पर जोर जोर से नहीं मार रहे थे? और क्या वे छुटकारे के लिए रो नहीं रहे थे, और चिल्ला-चिल्लाकर नहीं कह रहे थे,'' हमें छुड़ा लो; हमें छुड़ा लो?'' और जब भाई ब्रन्हम ने वहाँ अंदर निगाह डाली, तो क्या उन्होंने मेघधनुष वाला दूत(A Rainbow Covenant Angel) नहीं देखा था? क्या उन्होंने नहीं देखा था, कि प्रकाश एक मेघधनुष की मानिन्द चमक रहा था? क्या उन्होंने उसें मसीह कहकर नहीं पुकारा था? जैसे ही जब उन्होंने मसीह को देखा था, तो तुरन्त ही किसी चीज ने उन से कहा था,'' उन लोगों को छुड़ा।'' और भाई ब्रन्हम ने वचन बोला। यह कोई चिन्ह नहीं था जो हाथ में हो; क्योंकि उन्होंने कहा था,''मेरी बाजुएं बहुत छोटी हैं।'' वैसा पहले खिंचाव

और दूसरे खिंचाव के द्वारा नहीं होने जा रहा था। नहीं! जी नहीं! उन्होंने तो वचन बोला था। उन्होंने कहा था,''हे अधोलोक के भवन, यीशु मसीह के नाम में उन्हें छोड़ दे।'' और लोहें की सलाखें टूट गईं। और भाई ब्रन्हम चिल्लाकर पुकारने लगे,''भाई बॉडर्स, आप कहाँ हैं? परमेश्वर अपने लोगों को छुड़ा रहा है।'' और भाइयों और बहनों, हम ऐसी ही आशा करते हैं। चाहे शैतान ने मलाकी 4 के अनुयायियों को कितना ही परगंदा क्यों न कर दिया हो; फिर भी हर एक संगति में परमेश्वर की सन्तानें हैं। संसार के हर एक भाग में परमेश्वर के दास–सेवक हैं, परन्तु वे उन झूठे अभिषिक्तों के द्वारा बंधन में जकड़े हुए हैं, जिन्होंने सन्देश की गलत व्याख्या की है; और वे इन सारे लोगों को एक दिमागी भ्रम में डालते हैं। वे ही इन सारे लोगों को एक ऐसे मुकाम पर ले आये हैं, कि वे अपने सिर पीट रहे हैं। भाई ब्रूस, वे सलाखें क्या हैं? गलत व्याख्या, ये उन गलत व्याख्याओं की दस इंची मोटी सलाखें हैं जिन्होंने उन्हें कैद में जकड़ा हुआ है, और वे अपने सिर उस पर पीट रहे हैं; वे (अपनी दिमागी ताकत से) उन व्याख्याओं पर सिर पीट रहे हैं। लेकिन छुटकारा करनेवाली एक सेवकाई आयेगी।

सातवीं मोहर/ सात गर्जन–परमेश्वर की कार्य–योजना ही छुड़ाती है

अब कुछ भी हो, यह सब कुछ झूठे अभिषिक्तों का ही किया–धरा है; जो घटित होता है, वह सात गर्जनों की असली–सच्ची कार्य–योजना है, सातवीं मोहर की असली–सच्ची कार्य–योजना है...भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि एक असली–सच्ची कार्य–योजना है। और उन लोगों ने न्यू यॉर्क से और संसार में चारों ओर परमेश्वर की असली–सच्ची कार्य–योजना में घपलेबाज़ी मचा दी है; लेकिन एक असली–सच्ची कार्य–योजना है। अब जब वह असली–सच्ची कार्य–योजना आती है, तो यह सातवीं मोहर को उसकी सामर्थ में सामने लेकर आयेगी; यह सात गर्जनों को उसकी सामर्थ में लेकर आयेगी; और परमेश्वर के न्याय आन पड़ेंगे। और क्या होगा––जब वह सेवकाई पब्लिक याने जन–साधारण के पास आती है, तो यह एक भंयकर दुस्वप्न के जैसे आयेगी। जब हर कोई सोचता होगा, कि सब कुछ खत्म हुआ, तो एक कलीसिया पिन्तेकुस्त पर जा रही होती है(क्योंकि गर्जन तो चोटी के पत्थर के भीतर ही हैं) और उसके बाद वे जंगली मानवों के जैसे आज़ाद होने जा रहे होंगे। मित्र, यह हो, कि यह आपको एक अज़ीबो–गरीब बात न लगे। परमेश्वर ही नये नियम के कुछ प्रेरितों को आज़ाद छोड़ने जा रहा है, और हो सकता है, कि वे आज ठीक यहाँ पर बैठे हुए हों। नये नियम के प्रेरित; भविष्यद्वक्ता, शिक्षक और प्रचारक! आप अपनी बाइबल में गौर फरमाएं; कलीसिया को सुधारने के लिए प्रेरितों की जरूरत पड़ती थी, जहाँ कहीं भी वे नये नियम में मार्ग से भटक थे। और केवल एक ही चीज है, जो यहाँ पर इस काम का सुधार करेगी; और

वह ये है, कि नये नियम के कुछ प्रेरित परमेश्वर की परिपूर्णता वैसे ही प्राप्त कर रहे होंगे, जैसे उन्होंने पिन्तेकुस्त के दिन प्राप्त की थी। मैं नबूवत कर रहा हूँ। और जब उन्हें इस काम के लिए खुला छोड़ दिया जाता है, तो वे न्याय में आगे जा रहे होंगे, क्योंकि सात गर्जन एक न्याय वाली सेवकाई है––यहूदा के गोत्र का सिंह(प्रकाशितवाक्य 10:1 पर गौर फरमाएं; वह एक सिंह की नाई चिल्लाया) और उसके बाद वह बाहर जाता है। वह सेवकाई लगभग छः महीने की होगी–भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि यह तीन से छः महीने तक होगी; और जब वह वहाँ बाहर जाता है, तो कैदखाने की ये सलाखें टूट कर गिर जायेंगी। **ये झूठे अभिषिक्त बेनकाब हो जायेंगे। मसीह, जो कि इस सेवकाई का सिर होगा, इन झूठे अभिषिक्तों से रू–ब–रू होगा,** और वह कहेगा, ''तुम इस पथ से दूर हो जाओ।तुम इस पथ पर सवारी करने के लिए नहीं ठहराये गए हो।तुम झूठे अभिषिक्त हो।''

वह श्वेत घोड़ा प्रेरिताई वाली कलीसिया को उसकी सामर्थ में दर्शाता है, और वह सामर्थ में होकर ही आगे बढ़ रही होगी; और हमारे सारे भाइयों और बहनों को हिन्दुस्तान से और अफ्रिका से, और निर्गमन में से, और इस देश की सारी असेम्बिलयों में से **बाहर निकालकर लायेगी**। उन्हें तो केवल एक ऐसे प्रेरित की आवश्यकता है, जो उस भीड़ से होकर दौड़ता जाए, और परमेश्वर के वचन का दावे के साथ ऐलान करता जाए। और जब वह सेवादार सोचता है, कि वह इतना महान और इतना शक्तिशाली है, तो वह अपनी ही मंड़ली के सम्मुख मर कर गिर जाएगा; और तब लोग विश्वास करेंगे; जैसे एलिय्याह ने उन चार सौ नबियों को जान से मार डाला था। उसी प्रकार की एक सेवकाई धरती पर आने जा रही है। वैसी मूर्खता नहीं, जिसके बारे में वे बातें किये चले जा रहे हैं—गर्जन और गर्जन और गर्जन! न्याय कहाँ हैं? नया नाम कहाँ है? परमेश्वर की सामर्थ कहाँ है? मैं इसे मूर्खता कहता हूँ! जी हाँ, श्रीमान! इसी प्रकार की सेवकाई है जो बाहर जा रही है। जब यह बाहर जाती है, तो यह नये नियम के प्रेरितों का एक झुंड़ होगा, और वे ऐलान करके दावे के साथ सात गर्जन बता रहे होंगे। उनके पास नया नाम होगा। और उसी नाम से वे अपने चिन्ह और आश्चर्यकर्म दिखायेंगे। ऐसा तब होता है जब नया नाम दुल्हन के भीतर नीचे आ जाता है। नये नाम की सामर्थ के द्वारा ही वे अपने चिन्ह और आश्चर्यकर्म दिखायेंगे। नये नाम की सामर्थ के द्वारा ही उनका रूपांतरण होगा। यही है वह जहाँ यह है। यह नाम''परमेश्वर का वचन''! नहीं होगा; यह नाम''यीशु'' नहीं होगा। यह तो नया नाम होगा! और नये नियम के ये प्रेरित बाहर जाते हैं और जिस प्रकार के वे आश्चर्यकर्म कर रहे होंगे, वे तीसरे खिंचाव के बोले हुए वचन के ही आश्चर्यकर्म होंगे जिन्हें वे कर रहे होंगे, क्योंकि सात गर्जन और तीसरा खिंचाव एक और एक से ही हैं, और तीसरे खिंचाव में ही साक्षात् प्रकटीकरण पाया जाता है; और भाई ब्रन्हम ने पाँच बार उन का साक्षात् प्रकटीकरण करके दिखाया था, ताकि दुल्हन को दिखला दें, कि वह क्या है। अतः हम पागल नहीं बन सकते हैं। यही वह

सेवकाई है जो धरती पर आ रही है। एक भविष्यद्वक्ता के जैसे मेरे पास सन्देश नहीं होना है, और हर किसी को मुझ पर कान नहीं लगाना है। यह किसी एक ही इंसान की सेवकाई नहीं होगी। यह तो प्रेरितों के एक झुंड़ की सेवकाई होगी।

मेरी बात सुनो, क्या यूहन्ना आया?(सभा कहती है,''आमीन'') क्या यीशु उसके बाद आया? (सभा कहती है,''आमीन'') क्या वह वाचा का दूत था? मैं कहता हूँ, क्या वह वाचा का दूत था?(सभा कहती है,''आमीन'')जब वह वाचा का दूत नीचे आ गया, तो क्या उसके बाद कलीसिया का ख्याल रखने के लिए धरती पर प्रेरित थे?(सभा कहती है,''आमीन'')यही तो परमेश्वर की योजना है। जो कुछ भी उसके बाहर है, वह शैतान ही है। ठीक इस समय तो सब कुछ प्रबंध से ही बाहर है। लेकिन एक फसल है जो रेगिस्तान के पिछले भाग में बढ़ रही है; और जब गोलियत दहाड़ना शुरू करता है, तो दाऊद बाहर निकल कर आ रहा होगा। वह बहुत ही अयोग्य दिखाई देगा, जा हाँ; वह कलीसिया है, वह दुल्हन है; लेकिन वह कलीसियाओं के विश्व-संघ की चुनौती का मुकाबला करेगा। मित्र, हम ऐसी स्थिति में हैं। क्या आप इसका विश्वास करते हैं?(सभा कहती है,''आमीन'')

आज रात्रि मैंने आपके अंदर इन बातों को घुसा दिया है, लेकिन यह सच है, और मैंने अपना प्राण निकालकर रख दिया है, और यह संसार में चारों ओर जा रहा है। जी हाँ, श्रीमान! यह परमेश्वर के लोगों को एक आशा देने जा रहा है। यह उन्हें एक समझ प्रदान करने जा रहा है। मैं इससे फलों की उम्मीद कर रहा हूँ, कि लोगों को उस अगले काम का जो धरती पर होने जा रहा है, एक नज़ारा मिल सकेगा। **वह अगला काम जो धरती पर होना है, वह सात गर्जनों वाली बेदारी और सात गर्जनों का गुप्त भेद है। ऐसा होने जा रहा है। ऐसा लगभग बस प्रभु के आगमन के समय पर होने जा रहा है, जैसाकि भाई ब्रन्हम ने कहा था, और उन्होंने कहा था,'' सात गर्जन दुल्हन को इकट्ठा करेंगे।''**

अतः इस समय तो दुल्हन हर एक असेम्बली(संगति) में है, और परमेश्वर के चुने हुए इन सभी असेम्बिलयों (संगतियों) में हैं; अतः जब गर्जन सही प्रकाशन के साथ, और सही सामर्थ और सही नाम के साथ बाहर जाते हैं, तो यह उसी सामर्थ के द्वारा ही हर एक जन-समूह में से चुने हुओं को बाहर निकालकर लाएगा; और तब दुल्हन एक होने जा रही है; और वह सात गर्जनों की सामर्थ के द्वारा रूपान्तरित हो जायेगी। सात गर्जनों की सामर्थ नया नाम और परमेश्वर की वह परिपूर्णता होगी जो उन्होंने पिन्तेकुस्त के दिन पायी थी। यह तो रूपान्तरण करने वाली(बदल देने वाली) सामर्थ होगी।

भाई, वहाँ हमें एक गीत की धुन दीजिए! आइये हम सब खड़े हो जाएं।

सातवीं मोहर/ सात गर्जनों के बिगड़े रूप

भविष्यद्वक्ता को माफी और चेतावनी

''आमीन'' का अर्थ होता है,''ऐसा ही हो''; और हमारा परमेश्वर आमीन है। अतः हम आज रात्रि एक बार फिर से एक साथ जमा होने के लिए परमेश्वर के धन्यवादित हैं। और हमने भाई का अंगीकार सुना; और किसी को असली-विशुद्ध प्रायश्चित पर आते देखकर हमें हमेशा ही खुशी होती है। और मुझ छोटे दास के लिए जो कुछ भी उसने कहा था, अथवा जिस भी रीति से उसने जो कुछ भी किया था, मैं उस को उन सब के लिए माफ करता हूँ। भाई, मैं आपको माफ करता हूँ। और मेरी दिलचस्पी तो सिर्फ एक ही बात में है, और वह है–हर एक प्राण का अधोलोक के भवन से छुटकारा हो। अतः आप कुछ भी ऐसा नहीं कह सकते थे, जो मुझ पर इस कदर असर डालता, कि मैं किसी भी तरह से आप से नफरत करता या मुझ में आपके प्रति कोई मन-मुटाव या द्वेष-गिला-शिकवा होता, लेकिन प्रभु ने ही मुझे वह दया प्रदान की है; और मैं उसके लिए प्रभु का धन्यवादित हूँ। अतः आपने मेरे लिए जो कुछ भी क्यों न किया हो; मैं आपको उसके लिए क्षमा किये देता हूँ। और भविष्यद्वक्ता वाली उस सेवकाई के कारण, जिसका आप दावा किया करते थे, और बहुत सी चेतावनियाँ दिये जाने और सलाह-मशवरा किये जाने के बाद भी, आप उसी राह पर चलने के लिए दृढ़ संकल्पी थे; आपको बेदखल कर दिया गया था; और मैं यह यकीन नहीं करता हूँ, कि कोई भी चरवाहा(पास्टर) एक भविष्यद्वक्ता की चरवाही कर सकता है।

अतः जब से मोहरें खुली हैं; पागलपने की इन आत्माओं को धरती पर खुला छोड़ दिया गया है; और वे उस किसी भी महत्वाकांक्षी व्यक्ति को, किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसमें यक्ष-ख्याति पाने की ललक है, जो चाहता है, कि उसे जाना जाए, और वह ऐसी ही अभिलाषाएं अपने मन में संजोय रखता है, अपने काबू में कर लेती हैं–वह व्यक्ति इन आत्माओं से ग्रस्त हो जाता है; और यहीं इसी कलीसिया में हमें ऐसे कई अनुभव हो चुके हैं, कि बहुत से भविष्यद्वक्ता ऊपर उठ खड़े हो रहे थे; और इन बातों को आपको बताने के लिए घन्टों लग जायेंगे; और हो सकता है, इन भविष्यद्वक्ताओं के सम्बंध में विस्तार से जानने के लिए कुछ दिन लग जाएं; ना केवल इन भविष्यद्वक्ताओं के बारे में, अपितु मसीहों(Christs),मनुष्य का पुत्र(son of man) मिखाईल, जो बली दूत है, और गलत ध्येय और गलत मकसदों के माध्यम से मनुष्य द्वारा आयीं इन शक्तिशाली सेवकाइयों के बारे में विस्तारपूर्वक बताने के लिए तो कई दिन लग जायेंगे। और आप खुद अपने आपको रातों रात एक झूठा भविष्यद्वक्ता बना सकते हैं, खासतौर पर जब आप इस सन्देश के पीछे चल रहे होते हैं, और आप उस सारे ज्ञान और समझ को देखते हैं, और जब आप इस

टेबरनिकल में आते हैं और उन बातों को उस प्रकार से एक साथ जुड़ा हुआ देखते हैं, और आप प्रकाशन की ऊँचाइयों में ऊपर उठते चले जाते हैं, और यदि आपके ध्येय गलत हैं और आपके मकसद गलत हैं, तो आप गलत आत्मा को अपने ऊपर आने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। अतः हम यहाँ पर इन सारी बातों से गुजर चुके हैं, और यदि हम उनकी गिनती करें, तो तकरीबन 20-25 झूठे भविष्यद्वक्ताओं को गिना जा सकता है, जो यहाँ से होकर और उन दूसरी मंड़लियों से होकर गुजरे हैं, जिन से हम जुड़े हुए हैं। और उनका बड़ा ही भंयकर अंत हुआ, और भाइयों और बहनों, बुरी बात तो यह है, कि उन सारे भविष्यद्वक्ताओं में से, जो उठ खड़े हुए थे, मैं किसी एक ऐसे को नहीं जानता हूँ, जिसका कभी छुटकारा हुआ हो, और उन्होंने आकर अंगीकार किया हो और प्रायश्चित किया हो। अब, मैं यह नहीं कह रहा हूँ, कि यह भाई छुड़ाया नहीं जा सकता है; परन्तु मैं यह कह रहा हूँ, कि यह एक भंयकर आत्मा है जिसके खिलाफ लड़ा जाना होता है, और इसके लिए आपको अपने हृदय में नम्र व दीन बनना होता है। ''जब तक मनुष्य अपने आपको एक नन्हें बालक के जैसे नम्र न करें, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा। वह जो खुद अपने को ऊँचा उठाता है, नीचा किया जायेगा; लेकिन जो खुद अपने को नीचा बनाता है, ऊँचा उठाया जायेगा।''

जो कुछ भी आपने कहा था, वह ना तो यहाँ और ना ही वहाँ, ना तो मेरे लिए और ना ही इस मंड़ली के लिए कोई बात है; हालांकि उनके लिए कुछ तो समाधान निकालना ही है, जिन्होंने आपको उकसाया था; आप एक पत्र लिख सकते हैं और अपने पक्ष का ऐलान कर सकते हैं। और वे जान जाएं, कि वे सब झूठे और धोखेबाज़ हैं (सभा कहती है, ''आमीन'') ताकि खुद उनका भी छुटकारा हो सके। अतः मैं डीकनों से कहूँगा, कि वे देखें, कि इस काम को अंज़ाम दे दिया गया है, और हम उस पत्र की एक कॉपी अपने पास रखेंगे। परन्तु इस भाई के साथ जो सबसे बड़ी समस्या है, वह वो नहीं है जो कुछ भी इसने कहा था, या जो कुछ भी इसने किया था, या इसे कोकीन की लत पड़ गई थी, या सन्देश के एक विश्वासी के रूप में यह कई साल तक एक अभागी जिन्दगी जीता रहा; इसकी सबसे बड़ी समस्या है—वह सेवकाई और भविष्यद्वक्ता वाली वह कार्य स्थिति, जिसका वह दावा करता है।

अब वह एक ऐसी चीज है, जो बड़ी मुश्किल से जाती है, और वह एक भंयकर चीज है, जब तक मनुष्य अपने आप में ही अपनी अवधारणा को ना बदल ले और अपने आप को अपने हृदय में नम्र न बना ले, वह आत्मा मनुष्य को छोड़कर नहीं जाती है। अतः मेरी आपको या देश भर में चारों ओर किसी भी झूठे भविष्यद्वक्ता को, जो इस टेप को सुनेगा, यही सलाह है--उसको मेरी यही फटकार है, कि आप अपने हृदय को एक नन्हें बालक के जैसे नम्र बना लें। हम परमेश्वर की दृष्टि में कुछ भी नहीं हैं; परमेश्वर के पुत्रों को अभी उनके स्थान पर रखा नहीं गया है। परमेश्वर के पुत्रों को उनके स्थान पर रखा जाना बाकी है; और

कोई भी वह व्यक्ति जो इस घड़ी में अपने ही निज विचारों, अपनी निज इच्छा, और दिमागी अवधारणा के द्वारा किसी कार्य-सेवा का दावा करता है, तो वह इससे खुद अपने को एक झूठा भविष्यद्वक्ता बना डालेगा, और ये यही दिखाता है, कि वह सन्देश नहीं समझता है; परमेश्वर के कार्यक्रम में जो अगला काम होना है, वह यह है, कि अवश्य ही परमेश्वर के पुत्रों को उनके स्थान पर तैनात किया जाए; और हमने उस नमूने का नज़ारा पिन्तेकुस्त से ठीक पहले देखा था; और उनके बीच यह विवाद चल रहा था, कि परमेश्वर के राज्य में कौन सबसे बड़ा होगा; और यीशु ने कहा था, जो सबसे बड़ा बनना चाहेगा, वह सबसे छोटा बनाया जाएगा। यही है वह जहाँ पर ठीक इस समय हम मसीह की सेवकाई में हैं। हमें अवश्य ही इस निश्चित स्थान पर आना चाहिए, जहाँ हम अपने आपको ''कुछ भी नहीं'' समझें।

मैंने आपको कई बार बताया है, कि मैं तो सिर्फ धार्मिकता का एक प्रचारक हूँ, और मैं आपको पूरी नम्रता के साथ प्रचार करने का यत्न करता हूँ, और मैं कोमलता से चलने का और उन आत्माओं को उज़ागर करने का प्रयास करता रहता हूँ, जो मोहरें के खुलने के द्वारा आयीं। जब मोहरें खुलीं, तो पागलपने की ये आत्माएं पृथ्वी पर आ गईं, और वे दसयों लाखों की तादाद में फुरात नदी में तालाबंद थीं, और उन्हें पृथ्वी पर खुला छोड़ दिया गया, ताकि वे लोगों को दुष्ट आत्माओं से ग्रस्त कर दें। यह एक बड़ा ही गम्भीर मसला है, और यही कारण है, कि जब कोई भविष्यद्वक्ता इस मंड़ली में उठ खड़ा होता है, तो अवश्य ही उसे खुद अपने को साबित करना चाहिए; मैं उस हर एक भविष्यद्वक्ता को जो उठ खड़ा होता है, एक मौका देता हूँ, कि वह साबित करे, कि वह पवित्र वचनों के मुताबिक एक भविष्यद्वक्ता है। मैं उसे बस यूँ ही बाहर का रास्ता नहीं दिखाता हूँ, क्योंकि अगर वह कहता है, कि वह एक भविष्यद्वक्ता है, तो मैं उसे अपना मामला साबित करने के लिए मौका देता हूँ; हो सकता है, कि वह एक भविष्यद्वक्ता हो; अतः मैं उसे उसके सन्देश को उज़ागर करने के लिए, उसकी बुलाहट को उज़ागर करने के लिए एक मौका देता हूँ, और कभी कभी तो मैं उनको प्रचारमंच की पेशकश भी कर देता हूँ; और हम सब बैठ जाते हैं और उस वरदान को जाँचते-परखते हैं, जो उस व्यक्ति के पास होता है। और हम उसका वचन से मिलान करके देखते हैं, और यदि वह वरदान परमेश्वर की ओर से नहीं है, तो हम उससे प्रायश्चित करने के लिए कहते हैं, और यदि वह प्रायश्चित नहीं करता है, तो फिर मैं एक छोटे पास्टर के जैसे एक नबी की चरवाही नहीं कर सकता हूँ। अतः उसे अवश्य ही चले जाना चाहिए, और खुद अपना कार्य-स्थल ढूँढ़ लेना चाहिए, और उसे उसी कार्य-स्थल में ही काम करना चाहिए।

हालांकि मैं यह कहना चाहता हूँ, कि मुझे इस भाई की ओर से कई शानदार और नम्र पैगाम मिलें हैं, और उसने कहा था, कि वह इस सेवकाई के तले एक बार फिर से बैठने के लिए कुछ भी करेगा। मुझे उस भाई के विषय में अच्छा महसूस होता है ; और मैं आपको

बता देना चाहता हूँ, मेरे मन में ना तो इस भवन में किसी शख्स के लिए और जहाँ जहाँ मेरी आवाज जाती है, किसी भी शख्स के लिए कड़वाहट का अल्पांश तक नहीं है–और ना ही आपके लिए मेरे मन में कड़वाहट का कोई अल्पांश है, चाहे आपने कुछ भी क्यों न किया हो। जब कभी हमारे मनों में कड़वाहट आ जाती है, तो मसीह हमें छोड़ कर जा रहा होता है। चाहे कुछ भी क्यों न हो, अपने भाई के लिए कड़वाहट या अपनी बहन के लिए कड़वाहट, या अपने शत्रुओं के लिए कड़वाहट! नहीं नहीं! चाहे कुछ भी क्यों ना हो, आप में कोई कडवाहट नहीं होनी चाहिए; चाहे कुछ भी हो मेरे हृदय में किसी भी इंसान के लिए कोई कडवाहट नहीं है। परमेश्वर ने ही दया का काम किया है। और मैं जानता हूँ, कि यह दया का ही काम है, क्योंकि मैं ऐसा नहीं था। जी हाँ! कई साल पहले तो मैं आप से होड़ कर लिया करता था; और अगर मुझे आपको जान से भी मारना पड़ जाता, तो मैं आपको जान से मार डालता। यह सिर्फ बगैर पवित्र आत्मा के दिमागी कसरत थी। वह मेरी मानसिकता थी, चाहे आप कितने ही बड़े क्यों न थे, मैं आपको दबोच लिया करता था। जी हाँ! लेकिन परमेश्वर ने ही मेरे भीतर कुछ बदल डाला है; और मैं उस बदलाव को जानता हूँ। और यह बस अभी हाल ही में नहीं आया था, यह तो कईसालों पहले आया था; और भाइयों और बहनों, वह हर कोई जो स्वर्गारोहरण में जाएगा, उसे अवश्य ही उस मुकाम तक आना चाहिए जहाँ आप एक दूसरे के प्रति कोई भी मन-मुटाव, कडवाहट और नफरत थामे नहीं रहते। आपको अवश्य ही उस मुकाम तक आना चाहिए। हम उसी की ओर काम किये चले जा रहे हैं।

अतः संसार में चारों ओर कई आठवें दूत उठ खड़े हुए हैं, और मोहरों के खुलने के बाद उनके आने की भविष्यवाणी करी गई थी। आज हमारे पास संसार में चारों ओर सभी प्रकार के झूठे मसीह और झूठे नबी हैं। और परमेश्वर के नबी ने उन्हें ''अंत समय के झूठे अभिषिक्त'' की संज्ञा दी थी; और ठीक इस समय सम्पूर्ण जगत सब प्रकार के झूठे अभिषिक्तों से भरा पड़ा है।

अगर कोई व्यक्ति परमेश्वर की बगैर मंज़ूरी के, खुदा के बिना बुलाए या ठहराए हुए ही उठ खड़ा हो और दावा करे, कि वह इस घड़ी के लिए भविष्यद्वक्ता है, तो वह सरासर मूर्ख ही होगा; यही कारण है, कि हम कुछ नहीं हैं। हम इस भाई के प्रायश्चित के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं। और हम उस आत्मा को इस भाई पर से दूर करने के लिए हर प्रकार से इस की सहायता करने का प्रयास करना चाहते हैं। मेरा भरोसा है, कि वह उस आत्मा को अपने ऊपर से पहले ही दूर और दफा कर चुका है। इससे पहले कि वह परमेश्वर के भवन का एक हिस्सा बन सकता होता, उसे एक मुलाकाती(visiter) की श्रेणी में रखा गया था, ताकि वह साबित करता, कि वह उस मसीहविरोधी आत्मा से मुक्त हो गया है। (कुछ भी इसके बारे में बोला नहीं गया था, कि वह अपनी कार्यस्थिति तज रहा है) अतः आज रात्रि सातवीं

मोहर/ सात गर्जनों पर बोलना ज़ारी रखने के लिए मेरे पास एक छोटा सा सन्देश है,(सभा कहती है, ''आमीन'') और इस सन्देश का शीर्षक है–'' सातवीं मोहर/ सात गर्जनों के बिगड़े रूप- अधोलोक का भवन''!

''फिर मैंने एक और बली स्वर्गदूत को बादल ओढ़े हुए स्वर्ग से उतरते हुए देखा, उसके सिर पर मेघधनुष था; और उसका मुँह सूर्य का सा और उसके पांव आग के खम्भे के से थे।

और उसके हाथ में एक छोटी खुली हुई पुस्तक थी; और उसने अपना दाहिना पांव समुद पर, और बांया पांव पृथ्वी पर रखा।

और ऐसे बड़े शब्द से चिल्लाया, जैसा सिंह गरजता है; और जब वह चिल्लाया, तो गर्जन के सात शब्द सुनायी दिये।

और जब सातों गर्जन के शब्द सुनायी दे चुके, तो मैं लिखने पर था, और मैंने स्वर्ग से यह शब्द सुना, कि जो बातें गर्जन के उन सात शब्दों से सुनी हैं, उन्हें गुप्त रख (उन पर छाप कर दे) और मत लिख।'' (प्रकाशितवाक्य 10:1-4)

'' मायारहित, क्षमारहित, दोष लगानेवाले, असंयमी, कठोर, भले के बैरी।

विश्वासघाती, ढीट, घमंडी, और परमेश्वर के नहीं, वरन सुखविलास ही के चाहने वाले होंगे।

वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उसकी शक्ति को न मानेंगे; ऐसों से परे रहना। (दूसरा तीमुथियुस 3:3-5)

पहला पद ही इसकी पुष्टि करता है, कि अंत के दिनों के लिए वचन का लेख कैसा भला है! वचन के इन सारे लेखों का पौलुस के दिनों से सरोकार था, और इसका इस दिन से भी सरोकार है, जिसमें हम रह रहे हैं। ये अन्तिम दिन हैं; 2000 हजार वर्ष अन्तिम दिन हैं। प्रभु के लिए तो एक हजार वर्ष एक दिन के बराबर है, और हम अन्तिम दो दिन में हैं। अतः हम अन्तिम दिनों में हैं। होने पाये प्रभु अपने पवित्र वचनों पर अपनी आशीषें प्रदान करें।

मैं आज रात्रि भी यहाँ पर फिर से इसी विषय पर हूँ, क्योंकि यह एक नितांत आवश्यक विषय है, और मैं विश्वास करता हूँ, कि संसार में चारों ओर बहुत से प्राण हैं जिन्हें उन बातों से छुड़ाया जा सकता है, जिनके बारे में आप आज रात्रि जीवन्त सुननेवाले हैं। अतः मैं''विचारधारा के दूसरे शिक्षालय के द्वारा–अधोलोक के भवन के द्वारा सातवीं मोहर/सात गर्जनों के बनाये बिगड़े रूपों'' पर बोलूँगा। और एक छोटी सी पृष्ठभूमि बनाने के लिए मैं बताये देता हूँ, कि आज के समय में मलाकी 4 भेजा गया था, और मलाकी 4 की सेवकाई का सबसे महानतम भाग मोहरों का खुलासा था। अतः 1963 में मेमने ने मोहरें खोलीं और उसने हमारे भाई ब्रन्हम को छः मोहरें दीं। और जब भाई ब्रन्हम सातवीं मोहर पर आए, तो

उन्होंने कहा था, कि सातवीं मोहर का प्रकाशन सात गर्जनों के तले छिपा हुआ है, और यह उस एक अनजानी भाषा में था जिसे मैं पढ़ नहीं पाया और उसे समझ नहीं पाया। ऐसा 1963 में हुआ था, और तब से 1965 तक परमेश्वर का यह भविष्यद्वक्ता इसी बात की शिक्षा देता रहा, कि सातवीं मोहर का खुलासा नहीं हुआ है। अब आपकी समझ के लिए बता दूँ, कि जब मैं कहता हूँ, ''सातवीं मोहर/ सात गर्जन'' तो मैं ऐसा इसीलिए कहता हूँ, क्योंकि सातवीं मोहर और सात गर्जनों का प्रकाशन एक और एक सा ही है।

यह भविष्यद्वक्ता इस बात को तब तक नहीं जानता था, जक तक कि प्रभु ने ही उसे नहीं बताया था, कि वह सातवीं मोहर जो प्रकाशितवाक्य 8:1 में है, उसका प्रकाशन इन सात गर्जनों के तले छिपा हुआ है। और भाई ब्रन्हम पर सात गर्जन प्रकट नहीं हुए थे। अतः उसके कुछ समय बाद एक ऐसा समय आया, कि मलाकी 4 के माननेवालों के बीच ठीक इसी विषय पर विचारधाराओं के दो शिक्षालयों का उदय हुआ; कि सातवीं मोहर खुली थी, या नहीं; और 1973 तक तो हर कोई यह कहता हुआ साथ चला था, कि सातवीं मोहर/सात गर्जनों का खुलासा नहीं हुआ था। और मैं इस बात का गवाह हूँ, और आज हमारे पास यहाँ पर इस बात के कई गवाह हैं, जो उन बीते हुए पिछले दिनों की तस्वीर फिर से खींच सकते हैं; और उस समय से लेकर, अर्थात् 1963 से 1973 तक कोई भी इस बात का दावा नहीं करता था, कि सातवीं मोहर/सात गर्जनों का खुलासा हो गया था। अतः 1973 में प्रचारक उठ खड़े हुए, और खासतौर से न्यू यॉर्क में एक पुरुष उठ खड़ा हुआ, मैं उसका नाम सारे आदर से पुकारता हूँ, और उस पुरुष का नाम है-पास्टर जोजेफ कॉलमैन। उसी ने ही यह बात फैलायी थी, कि सात गर्जनों का रहस्यमयी ढ़ंग से खुलासा हो गया था, और यह सन्देश में ही छिपा हुआ है, और उसने इसे ढूँढ़ निकाला है। अतः उसी समय से ही सातवीं मोहर/ सात गर्जनों के सिलसिले में विचारधाराओं के दो स्कूल हो गए-और विचारधारा के ये दो स्कूल बड़े ही आसान हैं। एक समूह तो कहता है, कि इसका खुलासा नहीं हुआ था, और दूसरा समूह कहता है, कि इसका खुलासा हो गया था; और 1973 में उन्होंने कहा था, कि उन्होंने इसे ढूँढ़ निकाला है।

अब विचारधारा का वह स्कूल जो 1963 में खुला था, वह वो स्कूल था, जिसे भाई ब्रन्हम और परमेश्वर के मेमने ने स्थापित किया था, और वे ही इसके प्रधानाचार्य थे। भाई ब्रन्हम ने उसका 1965 तक समर्थन किया, जब तक कि वे जुदा न हो गए। मैं यहाँ पर इसकी घोषणा करना चाहता हूँ, कि मैं इन प्रचारकगणों के साथ और इस मंड़ली के साथ पहले वाले शिक्षालय में ही पहचाना जाता हूँ। (सभा कहती है, आमीन) अब मैं आपकी आवाजें सुनना चाहता हूँ। (सभा कहती है, आमीन) अतः हमारी पहचान विचारधारा के उसी पहले वाले शिक्षालय के साथ होती है। विचारधारा के पहले स्कूल की शिक्षाएं सातवीं मोहर पर

तथा और दूसरे टेपों पर स्थापित की गईं थीं। अतः विचारधारा के पहले स्कूल के विद्यार्थियों के रूप में हम यह विश्वास करते हैं, 1963 में सातवीं मोहर/सात गर्जन नहीं खुले थे। यह तो प्रभु का आगमन समेटे हुए है, जो कि पूरी तरह से एक गुप्त भेद है।

प्रकाशितवाक्य 8:1 में, स्वर्ग में सन्नाटा था, और इसका सम्बंध यीशु के दूसरे आगमन से है। सात गर्जन तो प्रकाशितवाक्य 10 में लिखे भी नहीं गए थे; यही कारण था, कि वहाँ पर सन्नाटा था। यीशु ने मती 24 में उन्हे कदापि नहीं बताया था, कि वह कैसे आयेगा, वह कब आएगा। यही कारण है, कि बाइबल में तीन खामोशियाँ (या सन्नाटें) हैं, और वे तीन खामोशियाँ जो बाइबल में पायी जाती हैं, यीशु मसीह के दूसरे आगमन को दर्शाती हैं। वह कोई भी व्यक्ति जो सातवीं मोहर और सात गर्जनों के जानने का दावा करता है, उसे अवश्य ही आपको प्रभु के आगमन के विषय में बताने में सक्षम होना चाहिए। यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी नहीं जानते, एक मनुष्य के रूप में यीशु भी नहीं जानता था, मगर सिर्फ स्वर्गीय पिता ही जानता था।

पहले शिक्षालय की शिक्षाएं स्थापित हो चुकी हैं, और परमेश्वर के पास एक निश्चित घड़ी है, उसके पास एक निश्चित दिन है, उसके पास एक निश्चित समय है, ताकि वह सातवीं मोहर/ सात गर्जनों के प्रकाशन का खुलासा जन-साधारण(पब्लिक) पर करे। और इसके लिए परमेश्वर के पास एक कार्य-योजना है, और परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता भाई ब्रन्हम ने उस हर एक व्यक्ति को जिसने सातवीं मोहर का प्रचार सुना था, और जो इसे बाद में टेप पर सुनेगा, चेतावनी दी थी, और उन्होंने कहा था, सातवीं मोहर का अनुवाद मत करना, क्योंकि इसका खुलासा नहीं हुआ है; और उन्होंने यह भी कहा था, कि ऐसा करके तुम तबाह हो जाओगे। परन्तु उन्होंने इन शब्दों में इसे कहा था, '' ऐसा करके तुम खुद अपने को असली मार्ग से ही भटका दोगे।'' यदि तुम अवज्ञाकारी बनना चाहते हो और तुम सोचते हो, कि तुम सातवीं मोहर/ सात गर्जनों का प्रकटीकरण करना चाहते हो, तो जान लो, कि उसने कहा था, कि तुम तबाह हो जाओगे। आपको परमेश्वर की कार्य-योजना के लिए प्रतीक्षा करनी चाहिए; और भाई ब्रन्हम ने कहा था, **''जब तुम इसका अर्थ बतलाने की चेष्टा करते हो, तो तुम परमेश्वर के ही कार्यक्रम में घपलेबाज़ी कर डालते हो।''** यही उनका वचन है, यही उनकी शिक्षा है, और यह हमारे उस पहले सन्देश में जो ''सातवीं मोहर के तथ्य'' कहलाता है, पूर्णतः स्थापित है। इसके बाद हम एक दूसरा यह सन्देश लेकर आए, '' सातवीं मोहर की गलत व्याख्याएं की गईं''; इसका अभिप्राय यह है, कि वे जो अवज्ञाकारी थे उन्होंने भविष्यद्वक्ता की चेतावनी को नहीं माना, जबकि उसने उन्हें इतना ज्यादा चेताया था, कि सातवीं मोहर की व्याख्या मत करना। वे तो बस अपनी ही धुन में आगे बढ़े, और

उन्होंने सोचा, कि वे तो भविष्यद्वक्ता से भी ज्यादा तेज हैं, और उन्होंने सातवीं मोहर की व्याख्या कर डाली, और **अब वे असली मार्ग से ही भटक गए हैं।**

मैं आज रात्रि आपका ध्यान किसी उस बात की ओर खींचना चाहता हूँ, जो विचारधारा के इस दूसरे स्कूल को और भी ज्यादा बेनकाब करेगी। मैं कहूँगा, कि सन्देश के अनुयायियों की बहुसंख्या विचारधारा के इसी दूसरे शिक्षालय से सम्बद्ध है; और सिर्फ मुट्ठी भर लोग ही हैं जो विचारधारा के भाई ब्रन्हम वाले शिक्षालय से सम्बद्ध हैं। मुझे सन्देह नहीं होगा, कि 90 प्रतिशत या 95 प्रतिशत अनुयायी उसी दूसरे शिक्षालय से सम्बद्ध हैं–जब 70 प्रतिशत से पुनःविचार किया जाता है, तो मुझे सन्देह नहीं होगा, के सन्देश के 90 प्रतिशत से 95 प्रतिशत अनुयायियों का सम्बंध उसी दूसरे शिक्षालय से है। जी हाँ! और मैं यहाँ पर उस शिक्षालय को फिर से उसी रीति से बेनकाब करने के लिए हूँ, कि कोई ना समझ भी वहाँ कान ना लगाएगा। और मैं आपको हवाले बताऊँगा; मैं उन्हें विस्तृत रूप में तो नहीं बताऊँगा, मगर मैं मुख्य -मुख्य बातों का उल्लेख करता चला जाऊँगा; और मैं जिन हावालों को आपको यहाँ पर बतलाने जा रहा हूँ, **ये आपके लिए एक ऐसी समझ उभारेंगे, कि आप जान जाएं, कि सात गर्जनों को क्या उपजाना चाहिए।** और मैं इससे, कि सात गर्जनों को क्या उपजाना चाहिए, और विचारधारा के दूसरे स्कूल ने और उन्होंने क्या उपजाया है, तुलना करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ, कि आप ही इस मामले पर न्यायी ठहरें, और वो जो संसार भर में इसे टेप पर सुनते हैं, न्यायी ठहरें; और जो इसे पुस्तक के माध्यम से पढ़ते हैं, न्यायी ठहरें। **सात गर्जनों से अपेक्षा की जाती है, कि वे किन्हीं निश्चित बातों को उपजाएं। वे जो गर्जनों का दावा करते हैं, या तो उन्होंने इन्हें उपजाया है, या उन्होंने इन्हें नहीं उपजाया है। यदि उन्होंने इसे नहीं उपजाया है, तो उन्होंने झूठा दावा किया है, और वे शैतान के एक बहकावे में हैं।**

कलीसिया पर गर्जनों के द्वारा चोटी ढ़ांकी जायेगी; क्या यही वह भेद है जो चोटी के पत्थर को वापस लेकर आता है? चोटी का पत्थर अभी आना बाकी है।

*47-1 ''हो सकता है, कि ऐसा होना उससे भी कहीं नज़दीक जितना कि आप सोचते हैं, कि यह है। इसने मुझे भयभीत कर दिया है। ओह, मैंने बहुत कुछ नहीं किया है। हम कहाँ पर हैं? समय और ना होगा। वह तो उद्घोषणा करता है, कि समय पूरा हुआ। क्या होता है? भाइयों, क्या ऐसा अभी हो सकता है? गम्भीरतापूर्वक सोच-विचार करें। अगर ऐसा ही है, तो **पिरामिड सात गर्जनों के द्वारा चोटी से ढका हुआ है।** क्या आपको मेरा पिरामिड वाला सन्देश याद है? यही चोटी का पत्थर है। इसने क्या किया था? जब हम*

*अपने विश्वास पर सद्गुण, और भक्ति तथा विश्वास तथा और दूसरे गुणों को रखते चले जाते हैं, जब तक कि हम इस पर सातों के सातों गुणों को नहीं रखते चले जाते हैं, और सातवाँ वाला प्रेम है जो कि परमेश्वर ही है, तब पवित्र आत्मा व्यक्तिगत अकेले के ऊपर चोटी रखता है और इस पर छाप करता है। इसी रीति से ही वह व्यक्तिगत अकेले जन को बनाता है। **वह उस पर चोटी रखता है और उस पर पवित्र आत्मा से छाप करता है।** तब तो अगर ऐसा ही है, तो उसके पास सात कलीसियायी काल थे, और उसके पास सात गुप्त भेद थे, कि उन्हें बतला दिया गया होता, लेकिन वे तो उन पिछले समय में इन्हें वापस पाने के लिए जद्दोजहद करते रहे थे, और अब **चोटी का पत्थर कलीसिया पर चोटी ढकने के लिए आता है। मेरे भाइयों, क्या गर्जनों का अर्थ यही है?** श्रीमानों, क्या यही है वह जहाँ पर हम हैं?*

*48-5 दृष्टि डालिए, इसके बाद देखिए, **चोटी के पत्थर का अनुवाद नहीं किया गया था।** समझे? कहा गया था, ''पश्चिम की ओर जा और वापस आ।'' या क्या यही वह है? क्या ये सात स्वर्गदूत जो मेरे पास एक संघनित समूह में आए थे...जब मैं आप से पुनरुत्थान के दिन पर मुलाकात करूँगा, तो आप देख लेंगे, कि मैं झूठ नहीं बोलता हूँ। परमेश्वर ही मेरा न्यायी है। या क्या यही वह दूसरी चर्मसीमा(क्लाइमैक्स) है जिसके बारे में मैंने किसी दूसरे दिन बातें की थीं? क्या कलीसिया के लिए कुछ घटित होने वाला है? मैं नहीं जानता हूँ। मैं इसी पर कुछ देर टिका रह सकता हूँ, लेकिन मैं आगे बढ़ूँगा। क्या यह वह हो सकता है? वह जबरदस्त गर्जन, या सातवें संघनित समूह में सातवाँ स्वर्गदूत, सातवीं अवधि वाला संघनित समूह; **वह पिरामिड जो बना था, वह इस शक्ल में था, कि तीन-तीन तो छोर पर थे, और एक सबसे ऊपर था;** और वे अनन्तता से प्रकट हुए थे। **क्या ये वह हो सकता है? क्या यह उन गर्जनों का भेद है, जो चोटी के पत्थर को वापस लेकर आएगा?***

***48-8, और आप जानते हैं, कि पिरामिड पर कभी भी चोटी नहीं रखी गई थी। चोटी का पत्थर तो अभी आना बाकी है। उसे तो ठुकरा दिया गया था।** भाइयों और बहनों, क्या ये यह हो सकता है?**(श्रीमानों, क्या यह वह समय है?** 30/12/62)*

गर्जनों में नया नाम प्रकट हुआ

*158-3 (283) ''और **यीशु;** जब वह पृथ्वी पर था, तो **उसका नाम यीशु,** उद्धारकर्ता था। जब वह धरती पर था, तो वह उद्धारकर्ता था; यह सच है। परन्तु जब उसने मौत और अधोलोक पर फतह पा ली, और उन पर जयवंत हो गया, और ऊँचे पर चढ़ गया, तो उसने एक नया नाम पाया। यही कारण है, कि वे उस प्रकार से हो-हल्ला मचाते हैं जैसाकि वे हो-हल्ला मचाते हैं, और उन्हें कुछ भी हासिल नहीं होता है; इसे तो गर्जनों में ही प्रकट किया*

जाएगा। (पहली मोहर 18/3/63)

कोई ऐसी चीज है जो कलीसिया को बदले-नया नाम

*158-4 (284) ''गुप्त भेद पर गौर फरमाएं। वह आ रहा है, वह सवार हो कर आ रहा है...**कुछ तो ऐसा होना है जो इस कलीसिया को बदल दे,** आप यह जानते हैं। कुछ न कुछ तो होना ही है। ध्यान दीजिए। **उसे कोई और नहीं, वरन वह खुद ही उसे जानता है। अब, ध्यान दीजिए, कोई मनुष्य नहीं, वरन वह खुद ही उसे जानता है।**(पहली मोहर 18/3/63)*

दुल्हन को जगाता है और उसकी बेदारी लेकर आता है

*253 (182) **दुल्हन ने तो अभी तक एक बेदारी पाई भी नहीं है।** समझे? वहाँ पर अभी तक कोई बेदारी नहीं है, दुल्हन को झंझोड़ने के लिए अभी तक परमेश्वर का प्रकटीकरण नहीं है। समझे? हम उसकी बाट जोह रहे हैं। **उसे फिर से जगाने के लिए वहाँ पर वे सात अजजाने गर्जन होने हैं।** वही इसे भेजेगा। उसी ने ही इसकी प्रतिज्ञा की थी। अब, अब दृष्टि डालिए! अब, वह थी...वह मरी हुई थी। (तीसरी मोहर 20/3/63)*

गर्जन टुकड़े टुकड़े करके काटेंगे–आसमानों को बंद करने की सामर्थ होगी, सैकड़ों करोड़ो टन कुट्कियाँ बुला सकते हैं

*304-1(179) ''तब तक प्रतीक्षा कीजिए, जब तक कि वे **सात गर्जन** अपने शब्द उस झुंड़ पर उच्चारित नहीं करते हैं, जो सचमुच में परमेश्वर का वचन ले सकता है और उसे वहाँ दे सकता है। **यह तो टुकड़े टुकड़े करके काटेगा। और वे आसमानों को बंद कर देंगे; वे इसे बंद कर सकते हैं, या वह कर सकते हैं, वे जो चाहे कर सकते हैं।** परमेश्वर की महिमा होवे! वह उस वचन से वध होगा जो परमेश्वर के मुख से निकलता है; यह तो दोधारी तलवार से भी चोखा है। **यदि वे चाहें तो सैकड़ों करोड़ों कुट्कियों को बुला सकते हैं।** आमीन! जो कुछ भी वे कहेंगे, वह घटित होगा, क्योंकि यह परमेश्वर का ही वचन है जो परमेश्वर के ही मुख से आ रहा है। आमीन! **(चौथी मोहर 21/3/63)***

गर्जन अतिशीघ्र ही उस खास बात को हम पर प्रकट करेंगे चौथे घुड़सवार पर जय पाने की सामर्थ होगी

322-4(314) और उस पर ''जीवन'' लिखा हुआ है, और वह श्वेत घोड़े पर सवार है; और यहाँ पर एक ऐसा पुरुष है जिस के अंदर तीन अलग अलग सामर्थ आपस में मिली हुई हैं, और वह मृत्यु कहलाता है, और वह अपने भू-बन्धित नुमाइन्दों को इकट्ठा कर रहा है; और मसीह अपने स्वर्गीय जन्म पाये हुए अपने लोगों को, अपने पवित्र संतों को इकट्ठा कर

*रहा है। उस पुरुष के ऊपर मृत्यु लिखा हुआ है; लेकिन मसीह के ऊपर जीवन लिखा हुआ है। वे जो उसके साथ हैं, वे भी श्वेत घोड़े पर हैं; और वे'' जगत की उत्पत्ति से भी पहले चुने हुए'' कहलाते हैं..(आमीन!)..और वे वचन के प्रति वफादार हैं। आमीन! वाह! मुझे यह बात अच्छी लगती है। वे जगत की उत्पत्ति से भी पहले चुने हुए, बुलाए हुए हैं; और तब वे अपने चुनाव के द्वारा ही वचन के प्रति वफादार हैं;उन सभों में नई दाखरस और तेल के नवजीवन का संचार है, और वे उससे मुकाबला करने के लिए घोड़ों पर सवार होकर आ रहे हैं। **वे जानते हैं, कि अतिशीघ्र ही वे गर्जन एक खास बात को प्रकट करेंगे।** समझे? **(चौथी मोहर 21/3/63)***

परमेश्वर का न्याय लेकर आता है- भंयकर नज़ारे, टिड्डियाँ

*22-5 ''और उसने कहा था, कि धरती पर भंयकर नज़ारे होंगे; ऐसी टिड्डियाँ होंगी जिनके बाल औरतों के जैसे होंगे, और उनके लम्बे लम्बे बाल उन औरतों के पीछे लगकर तंग करने के लिए होंगे, जिन्होंने अपने बाल कटवाये हैं। उनके सिंह के समान दांत होंगे, और उनकी पूँछ में बिच्छुओं के समान डंक होंगे...वे पुरुषों के मुँह को पीड़ा देंगी। **आप तब तक प्रतीक्षा करें, जब तक कि हम उन विपत्तियों और मोहरों और उन सात गर्जनों के खुलासे पर नहीं आ जाते हैं। देखिए, कि क्या घटित होता है। ओह, भाई, आपके लिए बेहतर होगा, कि आप गोशेन में चले जाएं, जबकि गोशेन में जाने का समय है। आप इस बाहर की ओर कोई ध्यान न दें।'' (और वे इसे नहीं जानते हैं** 15/8/65)*

बड़ी बड़ी रहस्योमयी बातें प्रकट करता है उन रहस्योमयी नज़ारों को प्रकट करता है, जो पृथ्वी पर आ रहे हैं

*19 ''और इस अधीर-नर्वस युग को देखें, जिसमें हम रह रहे हैं...और मैं सोचता हूँ,कि **पिछले सप्ताह का टेप आप पर उन बड़ी बड़ी रहस्योमयी बातों को प्रकट करेगा जिन्हें हम इन दिनों में से किसी एक दिन तब बोलने जा रहे हैं,** जब हमें उन अन्तिम विपत्तियों के बारे में, जो पृथ्वी पर उंड़ेली जानी हैं,...उन विपत्तियों के कटोरों के बारे में, बल्कि उन विपत्तियों के कटोरों के उंड़ले जाने के बारे में, **और सात गर्जनों के बारे में** बोलने के लिए एक उपयुक्त जगह मिल सकती है...**और वे रहस्योमयी नज़ारे जो पृथ्वी पर आ रहे है।** (मसीह अपने ही वचन में प्रकट हुआ है 22/8/65)*

भंयकर समयों में से उस एक सबसे भंयकर समय में से होकर गुज़रना है, जो कभी मानव जाति के सामने रखा गया

*149 ''**परन्तु हमें भंयकर समयों में से उस एक सबसे भंयकर समय में से***

होकर गुज़रना है, जो कभी मानव जाति के सामने रखा गया। *अब , मैं उस समय का इंतजार कर रहा हूँ, जब हमें मिल सकता है...जब हर किसी को एक मौका मिल सकता है, जहाँ आप अपने काम से छुट्टी ले सकते हैं और अपने कुछ दिन बिता सकते हैं, और हम कहीं पर इंतज़ाम कर सकते हैं, जहाँ पर मैं उन विपत्तियों पर तथा ऐसी ही बातों पर बोल सकता हूँ , जो इन दिनों में गिरने वाली हैं; और हम एक साथ मिलकर उन पर दो या तीन सप्ताह लगायेंगे, और उन्हें एक साथ लेकर आयेंगे, अगर खुदा मुझे ऐसा करने के लिए जिन्दा रहने देता है, और मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगा। **देखिए, कि कैसे वे बातें तथा वे गर्जन होते हैं,** इसके बाद आपको मालूम हो जायेगा, कि वह इंसान और वे लोग किस बारे में स्वप्न देख रहे हैं और वहाँ पर ये सब बातें क्या हैं; यह घटित होगा ही।''* ***(मसीह अपने ही वचन में प्रकट हुआ है 22/8/65)***

कलीसिया पर प्रकट करता है, कि कैसे जाना है

*53-2 ''यदि यीशु आ रहा है, ठीक यही है वह....ठीक यही है वह क्षण जिसके लिए सम्पूर्ण जगत कराहता है और चीखता-पुकारता है। क्या यह कोई ऐसा काम है , जो अब आरम्भ हो रहा है, एक नये आगमन के लिए...एक नये वरदान या ऐसी ही किसी बात के लिए एक नया आगमन हो रहा है, तो यह एक शानदार बात होगी। क्या यह उस वक्त का आना हो रहा है जब **सात गर्जनों के प्रकाशन का खुलासा कलीसिया पर हो, कि उस पर यह प्रकट करे, कि उसे कैसे जाना है;** मैं नहीं जानता हूँ, मैंने तो सिर्फ केवल वही कहा है जो मैंने देखा है।'' (श्रीमानों, क्या यह वह समय है?)*

स्वर्ग पर उठाए जाने वाले विश्वास के लिए दुल्हन को एक साथ तैयार करता है

128-2(75) ***'' और तब उन भेदपूर्ण सात गर्जनों का प्रकटीकरण होना है जो कि बिलकुल भी लिखे हुए नहीं हैं। यह सच है। और मैं विश्वास करता हूँ, कि अंत के दिनों में उन सात गर्जन के शब्दों का खुलासा होना है, ताकि दुल्हन को स्वर्ग पर उठाए जाने वाले विश्वास के लिए एक साथ तैयार करे;*** *क्योंकि ठीक इस समय जो हमारे पास है, उससे तो हम ऐसा नहीं कर पायेंगे। हमें आगे बढ़ने के लिए किसी चीज को पाना है; हमारे पास तो अभी इतना भी विश्वास नहीं है, कि हम मुश्किल से दिव्य चंगाई हासिल कर लें। हमें तो इतना ज्यादा विश्वास हासिल करना है, कि हम क्षण भर में बदल जाएं और इस धरती को छोड़ कर उड़ जाएं; और हम इसे कुछ समय बाद ढूँढेंगे, यदि प्रभु ने चाहा, तो हम ढूँढ लेंगे, कि यह कहाँ पर लिखा हुआ है।*

यह उस कलीसिया को स्वर्ग पर उठा लिए जाने वाले उस अनुग्रह के लिए विश्वास प्रदान करेगा, ताकि वह बाहर निकल आए

142-1(166) ''परन्तु सोचिए, अब वह इसे लिखता है; परन्तु जब उसने उन दूसरे सात गर्जनों को लिखना शुरू ही किया था, कि उसने कहा, ''इसे मत लिख।'' उसे उस हर एक बात को लिखने का प्राधिकार दिया गया था, जो उसने देखीं थीं। परन्तु जब प्रकाशितवाक्य 10 के वे गर्जन के शब्द उच्चारित हो चुके, तो उसने कहा, ''उन्हें बिलकुल भी मत लिख।'' वे गुप्त भेद हैं। ***हम अभी तक नहीं जानते हैं, कि वे क्या हैं; परन्तु मेरी राय है, कि वे शीघ्र ही प्रकट हो जायेंगे। और जब ऐसा होगा, तो यह स्वर्ग पर उठा लिये जाने वाले अनुग्रह के लिए विश्वास प्रदान करेगा, ताकि कलीसिया बाहर निकल आए।*** *हम उन सभी बातों का अभी हाल ही में अध्ययन करते हुए आ चुके हैं, जिनके बारे में हम जानते हैं; हम ने हर एक आयामों में सभी बातों को जाँचा-परखा है। हम ने परमेश्वर के गुप्त भेद देखे हैं। हम अंत के दिन में दुल्हन को एक विशाल जन समूह में एक साथ एकत्र होते हुए देख चुके हैं, परन्तु फिर भी वहाँ कोई ऐसी बात है जिसे हम हल्का-फुलका नहीं ले सकते हैं। वहाँ कुछ और बात भी है। परन्तु मैं कल्पना करता हूँ, जब उन गुप्त भेदों का प्रकटीकरण होने लगा...परमेश्वर ने कहा था, ''अब तू इसे अपने तक ही सीमित रख। एक मिनट के लिए रुक; मैं इसे उस दिन में प्रकट करूँगा। यूहन्ना, इसे बिलकुल भी मत लिख, क्योंकि वे इससे ठोकर खा जायेंगे। देख, बस तू इसे रहने दे। (समझे?) परन्तु मैं इसे उस समय में प्रकट करूँगा जब इसे प्रकट करने की आवश्यकता होगी। (पहली मोहर 18/3/63)*

225-6(350) परमेश्वर, हमारे अविश्वास का उपाय कर। प्रभु, इसे हम से दूर कर दीजिए। हम स्वर्ग पर उठा लिये जाने वाला अनुग्रह पाना चाहते हैं। हम इस बात में सक्षम होना चाहते हैं, कि जब वे ***रहस्योमयी गर्जन के शब्द*** *होते हैं, और कलीसिया को ऊपर उठा लिया जाता है, प्रभु, हम चाहते हैं, कि हम इसे ग्रहण करने के लिए तैयार पाये जाएं।''* ***(दूसरी मोहर,19/3/63)***

कुछ ऐसी बात हो, जो हमें जानने दे, कि हमें स्वर्गारोहण वाले विश्वास के भीतर कैसे प्रवेश करना है- हमारी झरझर मरनहार देह बदल जायेंगी

46-1 ''और जब वह गुप्त मनोरथ पूरा हो जाता है, तो स्वर्गदूत ने कहा, ''अब तो देर न होगी (समय और बाकी न रहेगा)''; और सात गर्जनों ने अपने शब्द उच्चारित किए। क्या हो, ***अगर यह कुछ कुछ ऐसी बात हो, जो हमें जानने दे, कि हमें स्वर्गारोहण वाले विश्वास के भीतर कैसे प्रवेश करना है।*** *क्या यह वही है? क्या हम दौड़ेंगे और दीवारों को लांघ जायेंगे। क्या कोई घटना घटित होने वाली है, और क्या ये बूढ़े, मरनहार, झरझर शरीर बदलने वाले हैं? हे प्रभु, क्या मैं इसे देखने के लिए जिन्दा रह सकता हूँ? क्या यह*

इतना नज़दीक है, कि मैं इसे देख लूँगा? क्या यह इसी पीढ़ी में होगा? महाशयों, मेरे भाइयों, यह कौन सा समय है? हम कहाँ पर हैं?'' (श्रीमानों, क्या यह वह समय है? 30/12/62)

कुछ ऐसा बोलने को हैं, जिससे यह छोटा झुण्ड़ स्वर्गारोहरण में जाने के लिए
स्वर्ग पर उठाये जाने वाला विश्वास प्राप्त कर लेगा

*51-5 '' **क्या सचमुच में वे सात गर्जन कोई ऐसी बात बोलने वाले हैं, जिससे यह छोटा झुण्ड़ जिसे उसने एक साथ इकट्ठा किया है, स्वर्गारोहरण में जाने के लिए स्वर्ग पर उठाए जाने वाले विश्वास को प्राप्त कर लेगा, कि जब वह आता है, तो स्वर्गारोहण में चला जाए;** क्योंकि हम उतनी जल्दी ही बदल जायेंगे जैसे वे स्वर्गदूत आते हैं; हम क्षण भर में, पलक झपकते ही बदल जायेंगे; और उन लोगों के साथ जो सोये हुए हैं, ऊपर उठा लिये जायेंगे, ताकि प्रभु से हवा में भेंट करे।'' (श्रीमानों, क्या यह वह समय है 30/12/62)*

यह प्रभु का दूसरा आगमन समेटे हुए है
उसने अभी तक इसका खुलासा नहीं किया है

*7-3 057 जब यीशु यहाँ पृथ्वी पर था, तो वे जानना चाहते थे, कि वह कब आएगा। वह बोला, '' यहाँ तक कि स्वयं पुत्र भी नहीं जानता है, कि ऐसा कब होगा।'' देखिए, यह सारा का सारा केवल खुद परमेश्वर के ही पास है। यह एक गुप्त भेद है। और यही कारण था, कि **स्वर्ग में आध घड़ी के लिए सन्नाटा था। और सात गर्जनों ने अपने शब्द निकाले, और यहाँ तक कि यूहन्ना को इसे लिखने के लिए मना कर दिया गया था..(समझे?)-प्रभु का आगमन! केवल यही एक मात्र ऐसी बात है जिसका उसने अब तक खुलासा नहीं किया है, कि वह कैसे आएगा और वह कब आएगा।** यह एक अच्छी बात ही है, कि उसने ऐसा नहीं किया है। नहीं! उसने इसे उस हर एक नमूने या प्रतिछाया में दर्शाया है, या प्रकट किया है जो बाइबल में हैं।(मसीह परमेश्वर का प्रकट भेद है 28/7/63)*

वह कोई भी जो सात गर्जनों का दावा करता है, उसके गर्जनों को अवश्य ही उन सारी प्रतिज्ञाओं को पूरा करना चाहिए, जिन्हें सात गर्जनों को अवश्य ही पूरा करना है, वरना उनकी झूठी तौर पर अगुवाई हुई है।

विचारधारा का दूसरा स्कूल पास्टर कॉलमैन के द्वारा सन् 1973 में खुला था, और उसने दावा किया था, कि भविष्यद्वक्ता के द्वारा सात गर्जनों का

रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा कर दिया गया था, और यह सन्देश में ही छिपा हुआ था, और उसने इसे स्वर्गीय आयाम में ऊपर चढ़ने के द्वारा ही मालूम किया। अतः उसे नौ-दस या ग्याराह साल के बाद स्वर्गीय आयाम में ऊपर चढ़ने का वरदान मिला था, और वह यह ढूँढ निकालता है, कि भविष्यद्वक्ता ने कहाँ पर सात गर्जनों को छिपाया हुआ था। मैं कह रहा हूँ, कि दूसरे शिक्षालय (स्कूल) की नेंव ही शैतान का एक झूठ है; और दूसरे स्कूल का निर्माण इसी बुनियाद पर हुआ है, कि ''भाई ब्रन्हम ने रहस्योमयी ढ़ंग से सात गर्जनों का खुलासा किया था, और वो इस प्रकाशन को सन्देश के भीतर ही छिपा रहे थे; और प्रचारक-सेवकगण को और मंड़ली को किसी एक निश्चित आयाम में ऊपर चढ़ना चाहिए, और उसके बाद ही वे उस प्रकाशन को ढूँढ पाते हैं, और उसे उन लोगों के पास लेकर आते हैं जिनके पास वह प्रकाशन नहीं है।'' मैं कह रहा हूँ, कि यह शैतान का ही एक झूठ है।

सातवीं मोहर के उन तथ्यों में जिन्हें हमने पढ़ा था, कहीं पर भी ऐसी बात नहीं कही गई। आप यहाँ पर बैठे थे और आप ने ''सातवीं मोहर के तथ्य'' सुने थे। क्या उस पर भाई ब्रन्हम ने कहीं पर भी ऐसा कहा था, कि गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा हो गया था? (सभा कहती है, ''जी नहीं'') तब तो यह शैतान का ही एक झूठ है। (सभा कहती है, ''आमीन'')हमने सातवीं मोहर पर चालीस या उससे भी ज्यादा तथ्यों का हवाला दिया था, और भाई ब्रन्हम ने कदापि किसी एक भी शब्द के द्वारा इस बात का इशारा नहीं किया था, कि सात गर्जन रहस्योमयी ढ़ंग से छिपे हुए हैं। मैं ऐसे किसी भी वक्तव्य का खंड़न करता हूँ, कि भाई ब्रन्हम ने कुछ रहस्योमयी ढ़ंग से छिपाया था, क्योंकि **भाई ब्रन्हम को पृथ्वी पर इसलिए नहीं भेजा गया था, कि वे हमें गुप्त भेदों का प्रचार करें; वरन उन्हें तो हमारे पास परमेश्वर के गुप्त भेदों का खुलासा करने के लिए भेजा गया था।** उन्हें तो गुप्त भेदों के प्रकटीकरण के लिए ही भेजा गया था, ना कि बाइबल को भेदपूर्ण बनाने के लिए भेजा गया था; वरन उन्हें तो बाइबल को समझने योग्य बनाने के लिए ही भेजा गया था। किसी बात का खुलासा करने का अर्थ होता है, उसे प्रकट करना; और जब वो उस सातवीं मोहर पर आए, तो उन्होंने कहा था, कि यह अभी भी एक गुप्त भेद है, और यह यीशु मसीह के दूसरे आगमन का एक गुप्त भेद है; जिसका वो अनुवाद नहीं कर सके। लेकिन एक भी जगह उन्हांने कभी ऐसा नहीं कहा, कि इसका रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा हो गया था। एक जगह पर तो उन्होंने कहा था, कि उन्होंने सात तुरहियों का परम आलौकिक ढ़ंग से प्रचार किया। ''परम आलौकिक ढ़ंग से'' और ''रहस्योमयी ढ़ंग से'' ये दोनों ही पूरी तरह से दो अलग अलग बात हैं। वे इस बात को नमूना ठहरा रहे हैं, कि भाई ब्रन्हम ने तुरहियों का छठवीं मोहर के अन्तर्गत प्रचार किया था, और मैं आपका ध्यान खींचना चाहूँगा, कि यद्यपि भाई ब्रन्हम ने तुरहियों का परम आलौकिक रीति से प्रचार किया था, और यह छठवीं मोहर के तले

था; और वो यह जानते थे, कि लोगों के पास उस प्रकाशन को फिर से वापस बाहर लाने के लिए भविष्यद्वक्ता वाली दक्षता की ही आवश्यकता है, अतः वो सात तुरहियों का फिर से प्रचार करने की योजना बना रहे थे। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ, कि यह उनकी सेवकाई नहीं थी; यह सेवकाई तो इस्राएल के लिए उस दूसरे भविष्यद्वक्ता की थी जो एलिय्याह कहलाता था, और उस दूसरे भविष्यद्वक्ता की सेवकाई थी जो मूसा कहलाता था।

अतः चुप्पी के दस सालों के बाद--उस चुप्पी को न्यू यॉर्क से तोड़ा गया, अतः वे ऐसा दावा करते हैं, और तो और कुछ तो ये व्याख्या करते हैं, उन दस सालों में जहाँ सात गर्जनों और सातवीं मोहर पर प्रचार नहीं किया गया था, यह सातवीं मोहर का ही सन्नाटा था; अतः यह एक नमूना था। किसी और ने यह नमूना बना डाला, कि जब भाई ब्रन्हम सातवीं मोहर पर आये तो उन्होंने उस पर प्रचार शुरू करने के लिए बहुत ज्यादा समय ले लिया, क्योंकि उन्होंने डेढ़ घन्ठे तक सातवीं मोहर से सम्बन्धित एक भी बात नहीं कही थी, यही कारण था, कि वह एक सन्नाटा था, डेढ़ घन्टे के लिए। मेरे दोस्त, तुम एक झूठे हो; क्योंकि बाइबल में कभी भी डेढ़ घन्टे के सन्नाटे की बात नहीं कही गई है; वह तो आध घड़ी के सन्नाटे के बारे में ही कहती है। यह डेढ़ घन्टा नहीं है, बल्कि यह तो आध घड़ी का ही सन्नाटा है।

अतः विचारधारा का दूसरा स्कूल सन् 1973 में खुला; और जब उन्होंने इस स्कूल को खोला, तो उन्होंने दावा किया था, कि उन्होंने उस चुप्पी को तोड़ा; और विचारधारा के उस स्कूल ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने पांव पसारे, और **आज हमारे पास हजारों विभिन्न अनुवाद, पंथ और मत, और आठवें दूत और व्याख्या करने वाले, और वे हजारों गर्जनों के विभिन्न संस्करण हैं, जो विचारधारा के दूसरे शिक्षालय से बाहर निकलकर आए**। यही है वह जहाँ पर लोगों की एक बड़ी संख्या इस सन्देश में खड़ी है; लगभग हर एक वह व्यक्ति जो गर्जनों का प्रचार करता है, उसका यही पक्ष है, और इसमें मेरे संसार भर के और त्रिनाड के वे भले मित्र भी शामिल हैं, जिन्होंने सालों साल कभी भी गर्जनों पर प्रचार नहीं किया था; मेरे भले मित्रों ने मोहरों के खुलने के दस साल, पन्द्रह साल, बीस साल, पच्चीस साल के बाद ही गर्जनों पर प्रचार करना शुरू किया था। उन से मेरा यही प्रश्न है,'' **तुम्हें अपने गर्जन कहाँ से मिले?**''

ये सन्देश आपको यह दिखाने के लिए हैं, कि आपके गर्जन...इससे कोई मतलब नहीं है, कि तुम कितना ज्यादा न्यू यॉर्क का इंकार करना चाहते हो, और उस भले सज्जन का इंकार करना चाहते हो जो श्रीमान कॉलमैन कहलाता है; आपके गर्जन न्यू यॉर्क से ही आए हैं; और वही इसकी जड़ है; और **उन गर्जनों की जड़ वहाँ है, जिसके लिए वे कहते हैं, कि भाई ब्रन्हम के द्वारा गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा कर दिया गया**

था। वास्तव में आपके पास तो और दूसरे शख्स भी हैं, जो कहते हैं, कि वे नबी हैं, जैसे श्रीमान विलियम सोटो सेन्टीआगो, जो कि यहीं हमारे पिछवाड़े लैटिन अमेरिका में है, और प्रकट मनुष्य का पुत्र होने का दावा करता है, और वह आठवाँ दूत होने का भी दावा करता है। और ऐसा ही हमारे पास एक और शख्स है, जो कि सिंगापुर में है, जो कि श्रीमान गेन है, वह दावा करता है, कि वह भाई ब्रन्हम के बाद एक विशेष प्रेरित है, और वह दावा करता है, कि **सात पुरुषों को सात गर्जन मिलेंगे।** श्रीमान गेन आप झूठ बतला रहे हैं, और सचमुच में मैंने आपके बारे में लिखा था, और आप हार गए हैं, आप अपने उन सारे तर्कों में जो आपने अपनी चिट्ठियों में लिखे थे, परमेश्वर के वचन के द्वारा धराशाही हो गए थे। जी हाँ!

अतः दूसरे शिक्षालय की बुनियाद इन चंद शब्दों पर रखी हुई हैं,'' रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा किया'', ये ही वे चंद शब्द हैं, ''सात गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा हुआ था।'' जी हाँ! अब विचारधारा का यह दूसरा शिक्षालय, चूँकि यह जानता था, कि गर्जनों को अवश्य ही इन सारी बातों को उपजाना चाहिए जो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कही थीं, अतः उनके हाथों में आग थी। अगर कोई व्यक्ति दावा करता है, कि उसके पास सात गर्जन हैं, तो उसे इन सारी प्रतिज्ञाओं की ओर वापस लौटना होता है जिन्हें मैंने अभी हाल ही में पढ़ा था; और उसे अवश्य ही इसे लोगों के पास लेकर आना चाहिए, कि उन्हें दिखाये, कि यह पूरा हो गया है। क्या आप उस समस्या को समझे जो उनके पास हाथ पर है? अब उन्होंने एक रास्ता ढूँढ़ निकाला। 1973 से लेकर आज तक जो सालों साल लगाकर गर्जनों वालों ने रास्ता ढूँढ़ निकाला था, वे अभी भी उसी पर व्याख्याएं बनाते चले जा रहे हैं, ताकि उन बातों का पूरा होना दिखलाएं जिनके बारे में मैंने अभी हाल में वर्णन करके आपको बताया था, कि सात गर्जनों को अवश्य ही इन्हें उपजाना चाहिए। हम विश्वास करते हैं, कि सात गर्जनों को अवश्य ही उसे उपजाना चाहिए। इसे तो अवश्य ही यह उपजाना चाहिए।

अतः उन्होंने यह किया, कि विचारधारा के उस दूसरे स्कूल ने उन प्रतिज्ञाओं को लिया जिन्हें मैंने अभी हाल ही में पढ़ा था, और उनका आत्मिककरण (Spiritualisation) कर दिया, और वे यह कह रहे हैं, वे आत्मिक रीति से, आत्मिक आयाम में पूरे हो गए हैं। उन्होंने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अलग ही मायने समझा दिये। भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वह कोई भी जो परमेश्वर की प्रतिज्ञा का कुछ और ही मायने समझाता है, वह मसीहविरोधी है, और जैसा कि दूसरे तीमुथियुस के तीसरे अध्याय में पाया जाता है, एक खास किस्म की श्रेणी के लोगों को उठ खड़ा होना था, ताकि अंत के दिनों में परमेश्वर की सामर्थ का इंकार करें; और वे यन्नेज और यम्ब्रेस कहलाए थे, और वे आज की तारीख के झूठे अभिषिक्त थे। अतः जब उन्होंने परमेश्वर की इन सारी बड़ी बड़ी प्रतिज्ञाओं का

आत्मिककरण कर दिया, जिन्हें अन्तिम दिनों में पूरा होना था, तो इसने प्रचारकगणों और विश्वासियों और भले लोगों को एक ऐसी काल्पनिक, शैतानी भ्रांति में विलीन कर दिया जिसका निर्माण दिमागी समझ, बौद्धिक समझ, और दुनियावी व्याख्यानों पर हुआ है।

आइये बच्चों, हम एक मिनट के लिए रुक जाएं। क्या हम इस बात का मूल्यांकन कर सकते हैं, कि इन लोगों के सिरों पर कितनी बड़ी जिम्मेदारी होती है, जब वे दावे के साथ कहते हैं, कि उन्हें सात गर्जनों का प्रकाशन मिल गया है? जब वे दावे के साथ कहते हैं, कि उन्हें सात गर्जनों का प्रकाशन मिल गया है, तो उनके दिमागों में तुरंत ही उस सब की छवि कौंध जाती होगी, जो सात गर्जनों को पैदा करना चाहिए, क्योंकि इसे तो एक बड़े भविष्यद्वक्ता के माध्यम से , मलाकी 4 के माध्यम से , भाई ब्रन्हम के माध्यम से , पवित्र आत्मा के द्वारा बोला गया था। उनके दिमागों को अवश्य ही सक्रिय हो जाना चाहिए। कहाँ पर ये प्रतिज्ञाऐं पूरी हुई हैं, दिखाने के लिए उन्हें अवश्य ही तरीके और मायने ढूँढ़ निकालने चाहियें। उन्हें नया नाम दिखाना होता है। उन्हें रूपान्तरण करनेवाली सामर्थ दिखानी होती है। उन्हें दुल्हन की बेदारी दिखानी होती है। क्या आप समझे, कि मैं किस बात पर आ रहा हूँ? अब इन प्रचारकों के मस्तिष्क तुरन्त ही काम पर लग गए, और थोड़े ही सालों में विचारधारा का दूसरा शिक्षालय संसार में चारों ओर पसर गया, और अन्तर्राष्ट्रीय स्कूल बन गया, और इसने इन सारे प्रचारकों को इस में तल्लीन कर दिया, कि वे इसकी तस्वीर बना डालें, कि परमेश्वर किस प्रकार से इन सारी प्रतिज्ञाओं को पूरा कर रहा है; और चूँकि उनका निर्माण ही ''रहस्यामयी ढ़ंग से खुलासा हुआ'' विचार पर हुआ था, अतः उन्होंने ठीक इसी शब्दावली को-''रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा हुआ'' को नये नाम के लिए, रूपांतरण की शक्ति के लिए, इन सारी प्रतिज्ञाओं के लिए लागू कर दिया; अब वे ठीक उसी विचार को, ठीक उसी आईडिया को लागू करते हैं और इस तरह से उन्होंने सम्पूर्ण वस्तु का-परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाओं का आत्मिककरण कर डाला।

अब मैं यहाँ पर हूँ, भाइयों और बहनों, और हालांकि आप इन बातों को पहले भी सुन चुके हैं, मगर जो उन्होंने यह काम किया, इसने तो भाई ब्रन्हम के उस स्वप्न को ही पूरा कर दिया, जो उन्होंने सन् 1965 में मरने से अठाइस दिन पहले देखा था; परमेश्वर ने ही उन्हें एक स्वप्न दिया था, जिसमें उन्हें दिखाया जा रहा था, कि इस सन्देश के माननेवालों के मध्य में यह हालत उभर आयेगी; और यह स्वप्न ''अधोलोक का भवन'' कहलाता है; और इसका उल्लेख ''काम विश्वास का प्रकटीकरण हैं'' नामक सन्देश में किया गया है; और यह स्वप्न तो तभी पूरा हो गया था जब दूसरे शिक्षालय का उद्घाटन किया गया था; और यह शिक्षालय अन्तर्राष्ट्रीय बन गया, और परमेश्वर के एक सेवक के रूप में मेरा विश्वास है, कि उस शिक्षालय ने इस स्वप्न को पूरा कर डाला जो भाई ब्रन्हम ने उन भले लोगों के सिलसिले में

देखा था, जो अधोलोक के भवन में थे; और मैं ठीक यहीं पर आपको साबित कर दूँगा, कि वे केवल शब्द मात्र ही नहीं हैं।

यद्यपि वे लोग सन्देश के विपरीत चले गए, मगर मैं चाहता हूँ, कि आप यह जान लें, कि वे हमारे ही भाई और बहनें हैं। हम उन से प्रेम करते हैं, और उस स्वप्न के अनुसार वे भले लोग हैं; लेकिन भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि इन भले लोगों ने उन्हें गलत समझा था। अतः इस समय ये भले लोग दस इंची मोटी लोहे की सलाखों के पीछ कैदखाने में हैं। यही है वह, जहाँ पर भाई ब्रन्हम ने उन भले लोगों को देखा था, भाई ब्रन्हम ने उन लोगों को लोहे की दस इंची मोटी सलाखों के पीछे कैद देखा था। अज़ीजो, आप जो वहाँ आगे उस लाहे के खम्भे को देखते हों, वह तो तकरीबन साढ़े तीन इंची मोटा ही है। आपको उसे लगभग तीन बार गुणा करना पड़ेगा तब कहीं उतनी मोटी सलाख बनेगी; और वह कोई एक अकेली सलाख नहीं थी; वे सलाखें तो एक दूसरे से सटी हुई थीं, और वे लोग उन सलाखों के पीछे थे। अगर मैं उस स्वप्न तक पहुँचा, तो मैं आपको इसके बारे में और भी बताऊँगा, आइये मैं आगे चलता हूँ।

अब ये भले लोग हैं। अब, यदि ये भले लोग हैं, और ये लोग उस कैदखाने की सलाखों के पीछे कैद हैं जो अधोलोक का भवन कहलाता है, तो मैं आपको यहाँ पर यह बताने के लिए हूँ, कि जिन्होंने इन लोगों को उन दस इंची मोटी सलाखों के पीछे कैद किया है, वे झूठे अभिषिक्त हैं। ओह बच्चों, मैं एक क्षण के लिए यहीं पर रुक जाऊँ। जिस समय मोहरों के खुलने का समय था, तभी वह समय भी था, जब झूठे अभिषिक्तों को खोल दिया जाता। मोहरें मसीह की दुल्हन को छुड़ाने के लिए ही खोली गईं थीं।

लगभग ठीक उस समय पागलपन-उन्माद की आत्माओं को और भविष्यद्वक्ताओं की आत्माओं को, और मसीहों की आत्माओं को खोल दिया गया था; और अगर आप गौर फरमाएं, तो आप देखेंगे, कि इन झूठे अभिषिक्तों ने ना तो जल के बपतिस्मे को और ना ही परमेश्वरत्व को या ऐसी ही किसी भी बात को फिर से बिगाड़ने का कभी प्रयास किया। उन्होंने तो आकर सातवीं मोहर को ही बिगाड़ा। उन्होंने तो सातवीं मोहर पर ही धावा बोला, क्योंकि उन्हें सात मोहरों के समय के आसपास ही खोला गया था। भला क्यों झूठे अभिषिक्त सातवीं मोहर पर आक्रमण करेंगे? भला क्यों झूठे अभिषिक्त सात गर्जनों के शब्दों पर आक्रमण करेंगे ? यह तो आम समझ की बात है!मेरे भाई, सात गर्जन ही एक मात्र ऐसे हैं, जो दुल्हन को बताते हैं, कि स्वर्गारोहण में कैसे जाना है, कैसे उसका रूपांतरण होना है, बैरी से कैसे बचना है; और शैतान जानता है, कि वे गर्जन ही इस बात का गुप्त भेद हैं, कि कैसे रूपांतरण होना है और कैसे स्वर्गारोहरण में जाना है। अगर झूठे अभिषिक्त संसार भर में चारों

ओर लोगों के पास एक झूठा सन्देश लेकर जा सकेंगे, तो वह लोगों को स्वर्गारोहण में जाने से रोक सकेगा। बच्चों यह बात आपके अंदर आत्मसाध हो जाए!

झूठे अभिषिक्तों ने क्यों सातवीं मोहर/सात गर्जनों पर धावा बोला? उन्होंने सारे विश्व भर में एक झूठा प्रकाशन ले जाने के लिए ही सातवीं मोहर/सात गर्जनों पर धावा बोला, ताकि जब लोग उस झूठे प्रकाशन पर विश्वास कर लेंगे, तो वे स्वर्गारोहण में नहीं जा सकते हैं, लेकिन वे क्लेश में से होकर गुजरेंगे, क्योंकि सातवीं मोहर जो कि पुस्तक पर है, जो कि सात गर्जन है, दुल्हन का रूपांतरण करने वाला एक मात्र प्रकाशन है। इसलिए शैतान ने फुरती करके लोगों को लिया, और उन्हें परमेश्वर की कार्य-योजना के बगैर ही समय से पहले बाहर दौड़ाया, ताकि सारे संसार में चारों ओर एक झूठ लेकर जाएं। विचारधारा का दूसरा शिक्षालय ही...मैं इस बात की खुलकर घोषणा करता हूँ, और मैं इस पर कोई खेद भी प्रकट नहीं करता हूँ, और मैं चाहता हूँ, कि दुनिया मेरी बात सुन ले, अगर लोग मेरी बात सुन सकते हैं...विचारधारा का दूसरा स्कूल ही अधोलोक के भवन को दृश्य में लेकर आया है। झूठे अभिषिक्तों का...उनका पहला हमला था, सातवीं मोहर और सात गर्जनों पर धावा बोलना,ताकि चुनी हुई दुल्हन को धरती की बंधुवाई में जकड़ कर रखा जाये। परन्तु हम धरती की बंधुवाई में जकड़े हुए नहीं रहेंगे, क्योंकि परमेश्वर की एक असली-सच्ची कार्य-योजना है। उसके पास असली-सच्चे गर्जन हैं। उसके पास इसके लिए एक असली समय है, और इसे दुल्हन को अंत समय में बदल देने के लिए ही पहले से ठहराया गया है।

आप उस गोली के बारे में बातें करते हैं जो शैतान ने मसीह की अंत समय की दुल्हन पर दागने की कोशिश की। यही वह सबसे बड़ी गोली है जो उसने दागी। उसने जल का बपतिस्मा कदापि न बिगाड़ा। उसने उन समस्त साधारण शिक्षाओं को कदापि न बिगाड़ा, लेकिन झूठे अभिषिक्तों को तो मोहरों के पीछे ही खुला छोड़ा गया था। चूँकि उसे मोहरों के बाद खुला छोड़ा गया था, यही कारण है, कि वह सातवीं मोहर की कीमत जानता है, वह सात गर्जनों की कीमत जानता है; वह जानता है, कि **दुल्हन का सम्पूर्ण उद्धार और उसका स्वर्ग पर उठाया जाना, और पुनरुत्थान तथा सब कुछ सात गर्जनों पर ही विश्राम कर रहा था, यही कारण है कि उसने अपने झूठे अभिषिक्तों के द्वारा झूठी शिक्षा रूपी गोली दागी।** वे जो प्रचार करते हैं, कि सात गर्जन-सात सद्गुण हैं; सात गर्जन-परमेश्वर का वचन है; सात गर्जन यह है और वह है और अगली कोई बात है, आप शैतान के एक बहकावे में हैं, और आपको उस खुमार से बाहर निकलने की जरूरत है। जी हाँ! आप को तो उन गर्जनों को ढाह देने की और परमेश्वर के असली-सच्चे कार्यक्रम की बाट जोहने की आवश्यकता है। ओह, हाँ! यही तो वह गलती है जो हव्वा ने अदन की

वाटिका में की थी, वह आदम से ही आगे दौड़ गई थी, और वह वहाँ बाहर समय से ही पहले चली गई थी, और उसने एक गलत बीज पाया था।

आज रात्रि हमारे भाई और बहने कैदखाने की उन सलाखों के पीछे हैं। मेरे पास भाई और बहन हैं, और आपके पास भी भाई और बहन हैं, जो उस हर एक संगति में हैं जो इस सन्देश के पीछे चलती हैं। वे जो अफ्रिका में हैं, हम उन से प्रेम करते हैं; वे जो भारत में हैं, हम उन से प्रेम करते हैं ; वे जो त्रिनिडाड में हैं, हम उन से प्रेम करते हैं, वे जो उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका में हैं, हम उन से प्रेम करते हैं ; और मैं आपको बताता हूँ, कि वे हमारे ही भाई हैं, और वे भले लोग हैं, और झूठे अभिषिक्तों ने ही उन्हें उन सलाखों के पीछे कैद किया हुआ है, और झूठे अभिषिक्त ने उन्हें उन सलाखों के पीछे इसी लिए डाला हुआ है, क्योंकि उन्होंने सात गर्जनों पर एक झूठी रिपोर्ट का विश्वास किया है। ओह यह बात बड़ी भली है!

अज़ीजों, आप उसे हर जगह नहीं सुनेंगे। शैतान स्वर्गारोहरण को रोकने का प्रयास कर रहा है, शैतान रूपांतरण को रोकने का प्रयास कर रहा है, शैतान दुल्हन को उसके स्वर्गीय घर जाने से रोकने का प्रयास कर रहा है; शैतान दुल्हन के ऊपर पवित्र आत्मा की बारिश होने से रोकने का प्रयास कर रहा है, और ऐसा करने के लिए वह...वे सारी प्रतिज्ञाएं जो दुल्हन के लिए हैं..अगर वह इन प्रतिज्ञाओं का उस के लिए आत्मिककरण कर दे, तो फिर वह स्वर्गारोहण में नहीं जा सकती है। परन्तु जो चुने हुए हैं, वे इसे सुनने के लिए ठहराये हुए हैं। मूर्ख कुँवारी .....और वह बिना तेल के ही क्लेश में से होकर गुजरेगी। ओह, मेरे खुदा! भाई क्या आप उस दागी हुई गोली को देखते हैं? प्रचारकों-सेवादारों, क्या आप गोली को देखते हैं जो दागी गई थी ? वह एक भंयकर वस्तु है, जिसके बारे में मैं बोल रहा हूँ। मैं एक बड़ी बात के बारे में बोल रहा हूँ। मैं बस एक साधारण समझ के बारे में बोल रहा हूँ। मैं तो सादगी के बारे में बोल रहा हूँ। मैं तो शैतान की योजना के बारे में बोल रहा हूँ। वह कोई भी जो आज उस दूसरे स्कूल से निकले गर्जनों पर विश्वास करता है, वह शैतान के बहकावे में है। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि वे कौन हैं। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि उनके नाम कितने बड़े हैं। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि वे कितना अधिक भाई ब्रन्हम के पीछे चले हैं; वे तो शैतान के धोखे में हैं, क्योंकि आपके गर्जन वह सब उत्पन्न नहीं कर रहे हैं जो गर्जनों ने कहा था, कि यह उत्पन्न करेगा।

क्या आप नहीं जानते हैं, कि गर्जनों को बिगाड़ा नहीं जा सकता है? मित्र, मेरे पास उस पर कोई बात है। भाइयों और बहनों, आप उस वक्तव्य का किस प्रकार मूल्यांकन करते हैं ? भाई ब्रूस, आपने कहा था, कि सात गर्जनों को बिगाड़ा नहीं जा सकता है, और यहाँ पर

हमारे पास सात गर्जनों के सभी किस्म के बिगड़े रूप हैं, और शिक्षाओं की हर किस्म का बिगड़ा हुआ रूप हमारे पास है? यह तो इसका केवल एक ही भाग है। कोई इंसान गर्जनों पर झूठी शिक्षा तो लेकर आ सकता है, लेकिन वह उस सामर्थ को नहीं बिगाड़ सकता है, जो सात गर्जनों के द्वारा आती है, क्योंकि वह बोले हुए वचन की सामर्थ है और सिर्फ परमेश्वर ही बोल सकता है और सृष्टि कर सकता है। अब आप को उस पंक्ति में बने रहना होता है। वे सात गर्जनों पर झूठी शिक्षाएं तो उभार कर लायेंगे, किन्तु वह उस सामर्थ की नकल नहीं कर सकते हैं, और वह तो उन्हें हमेशा ही बेनकाब कर देगी।

अतः अब विचारधारा का दूसरा शिक्षालय ही अधोलोक के भवन को वज़ूद में लेकर आया, और झूठे अभिषिक्तों ने ही सन्देश के हमारे भाइयों और बहनों को--उन में से बहुतेरे को अधोलोक के भवन में उन दस इंची मोटी सलाखों के पीछे कैद करवाया है। हे मेरे मित्र,बेहतर तो यही है, कि आप अपने बच निकलने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें। आप परमेश्वर का उन झूठे गर्जनों को पॉइन्ट फॉर्टिन में छोड़कर आने के लिए धन्यवाद करें। आप हर दिन परमेश्वर का धन्यवाद करें, कि आप इन प्रचारकों में से किसी प्रचारक के ताबे में नहीं आए। यह परमेश्वर का ही अनुग्रह है। आप परमेश्वर का धन्यवाद करें, कि आप ''निर्गमन'' से दूर हो गए, भाई, आप उस झूठे नबी से जो वहाँ पर है, उस मनुष्य के पुत्र से और उस श्वेत उकाब से जो कि वह है, दूर हो गए। आप नित्य-प्रतिदिन परमेश्वर का धन्यवाद करें। आप परमेश्वर का धन्यवाद करें, कि आप गर्जनों के इन प्रचारकों के चंगुल से जो देश भर में चारों ओर हैं, छूट गए। यह तो परमेश्वर का ही अनुग्रह है, जिसके कारण आप पहले शिक्षालय से सम्बंध रखते हैं।

मैं कह रहा हूँ, कि वह दूसरा शिक्षालय शैतान का ही है। मैं कह रहा हूँ, कि विचारधारा का दूसरा स्कूल मसीहविरोधी है। विचारधारा के दूसरे स्कूल का सम्बंध झूठे अभिषिक्तों से हैं। विचारधारा का दूसरा शिक्षालय शैतान की ही योजना है, ताकि दुल्हन को स्वर्गारोहण में जाने से रोके। विचारधारा का दूसरा शिक्षालय वह अधोलोक का भवन है जिसमें दस इंची मोटी सलाखों हैं, जहाँ हमारे भाइयों और बहनों को कैद में जकड़ा हुआ है, लेकिन हमारे पास छुटकारे का एक वायदा है। वह छुटकारा अफ्रिका, भारत, और चीन के पास आ रहा है। वह छुटकारा उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के पास और कैरेबियन के पास और बाकी सारी दुनिया के पास आ रहा है। यह वहाँ पर परमेश्वर के सच्चे सात गर्जनों के द्वारा, परमेश्वर के दास-सेवकों के द्वारा, सात गर्जनों की सामर्थ के द्वारा, मसीह के नये नाम के द्वारा आ रहा है।

जहाँ विचारधारा का दूसरा स्कूल बेनकाब होता है, क्योंकि वे उस सामर्थ की नकल नहीं कर सकते हैं, जिससे सात गर्जनों को उत्पन्न करने की अपेक्षा की जाती है, जहाँ इंसान की इच्छा के द्वारा आकाश को खोला या बंद किया जा सकता है। जहाँ मनुष्य एक हजार करोड़ कुट्कियों को बुला सकता है, और वे रात भर में आ सकती हैं। अज़ीजों, यही है वह, जहाँ पर यन्नेज और यम्ब्रस नाकाम हुए थे। मूसा के अन्तर्गत यन्नेस और यम्ब्रेज का पर्दाफाश कर दिया गया था, और उनकी मूर्खता प्रकट कर दी गई थी, जबकि वे वचन बोलने वाली उस सामर्थ को उत्पन्न नहीं कर सके थे जो मूसा अपनी सेवकाई द्वारा उत्पन्न कर रहा था। उन्होंने और दूसरे सभी चिन्ह और आश्चर्यकर्म तो करके दिखा दिये थे, लेकिन एक दिन मूसा ने भूमि की कुछ धूल उठायी और उसे हवा में फेंका, और कहा, ''पिस्सु हो जाएं''; और इन जादूगरों ने वैसा ही करने की कोशिश की, और वे ऐसा नहीं कर पाये, यही कारण था, कि यन्नेस और यम्ब्रेज की मूर्खता प्रकट कर दी गई थी। मैं कह रहा हूँ, परमेश्वर की असली-सच्ची कार्य-योजना के द्वारा और उन असली-सच्चे गर्जनों के द्वारा जो दुनिया में होने वाले हैं, इन झूठे अभिषिक्तों की मूर्खता और दूसरे स्कूल की मूर्खता प्रकट कर दी जायेगी, और इससे पहले कि स्वर्ग पर उठाया जाना हो, यह जन साधारण के पास आने जा रहे हैं। ओह अज़ीजों, जब मैं इस समय के छलावे को देखता हूँ, तो मेरे सबसे अंदुरुनी वजूद में से मेरा प्राण रो उठता है, लेकिन वहीं मेरे प्राण का पौन हिस्सा परमेश्वर के लिए धन्यवाद से भर जाता है, जब हम अपने उस ''बाल-बाल बचने'' को देखते हैं, जिसमें हम बचे हैं। परमेश्वर का इस बाल-बाल बचाने के लिए धन्यवाद हो।

वह भंयकर चीज है। ये झूठे अभिषिक्त इन मोहरों के बाद आज़ाद छोड़ दिये गए थे, ताकि आयें और उस सातवीं मोहर/ सात गर्जनों को बिगाड़ें जिनका अभी खुलासा नहीं हुआ था। उनके पास यही एक मात्र हथियार है जिससे वे काम करें, कि आयें और उस गुप्त को बिगाड़े, क्योंकि इसका खुलासा नहीं हुआ था। अतः ये झूठे अभिषिक्त सात गर्जनों को दूषित करने लगे, गर्जनों में रद्दोबदल करने लगे, गर्जनों का आत्मिककरण करने लगे, और गर्जनों के सही मायने से हटकर और जो सात गर्जनों को उपजाना चाहिए उससे हटकर ही व्याख्या करने के लिए अपने मस्तिष्कों का उपयोग करने लगे। अतः पहली बात यह है, कि सात गर्जनों से अपेक्षा की जाती थी, कि वे दुल्हन की एक बेदारी उत्पन्न करें। क्या आपने मुझे इसे पढ़ते हुए सुना था?(मंड़ली कहती है, ''आमीन'') अतः सात गर्जनों की व्याख्या की जो पहली सलाख उन्होंने बनायी थी..(आप जानते हैं, कि इस कैदखाने को बनने में एक समय लगा था, और अब यह सबसे ज्यादा मजबूत है, और यह पहले से ही बन चुका है)वह पहली दस इंची मोटी सलाख उन्होंने तब बनायी थी, जब उन्होंने दुल्हन की बेदारी के बारे में अलग हटकर बताया था। दुल्हन ने तो अभी तक एक बेदारी कदापि नहीं पायी है, लेकिन वह

सात गर्जनों के द्वारा एक बेदारी पायेगी। और जो व्याख्या वहाँ से उभर कर आयी थी, यह है, कि परमेश्वर उस प्रकार की बेदारी नहीं लाने जा रहा हैजैसी बेदारी विलियम ब्रन्हम के पास थी और जैसी यीशु के पास थी और जैसे उन विभिन्न पुरुषों के पास थी, लेकिन यह तो प्राण की एक आत्मिक बेदारी है, और यह आपको तब मिलती है, जब आप कॉलमैन के गर्जनों को और ऐरीजोना के गर्जनों को, और अफ्रीका के गर्जनों को और दक्षिणी अमेरिका के गर्जनों को ग्रहण करते हो, और इसी तरह से तुम एक बेदारी में प्रवेश कर जाते हो। तुम कहते हो,'' यह सामर्थ की एक बेदारी नहीं है। नहीं! यह तो प्राण की ही एक बेदारी है। परमेश्वर तो प्राण पर ही काम कर रहा है।'' तुम झूठे बोलनेवाले पाखंड़ी! तुम बड़े धोखेबाज़! परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कलीसियायी कालों में कहा था, कि बेदारी सामर्थ में होकर परमेश्वर के वचन का साक्षात् प्रकटीकरण करती है। यही इस कैदखाने की पहली सलाख थी, और उसने सारे संसार भर में चारों ओर अपने पांव पसारे; और वे इस सारी बेदारी की जगमागहट में इसके अंदर अफ्रीकी गीत लेकर आएं, और इसमें अफ्रीकी संगीत लेकर आएं। जी हाँ! मैं ठीक यहाँ पर उस पुरुष पर नज़रें टिका रहा हूँ जो गीत गाया करता था, और सामर्थ में आ जाया करता था; और यह बहुत ज्यादा शैंगो सामर्थ और बैपटिस्ट सामर्थ से और अफ्रिका के उन ढ़ोलों से मिलती -जुलती है, जिस पर रॉक एन रॉल संगीत का निर्माण हुआ है, रॉक एक रॉल संगीत का निर्माण उन ढ़ोलों पर ही हुआ है, जो प्रेतात्मा बुला लाते हैं; और शैंगो ढ़ोल अभी भी प्रेतात्माओं को बुला लाते हैं; और यही है वह जहाँ पर रॉक एन रॉल संगीत का आधार पाया जाता है-अफ्रिका के ढ़ोलों पर। और जब आप रॉक एन रॉल संगीत को सुनते हैं, तो आप प्रेतात्मा से ग्रस्त हो जाते हैं, और आप समाज से नफ़रत करने लगते हैं, आप अपने माँ और बाप से नफ़रत करने लगते हैं; और आप खून के प्यासे हो जाते हैं।

क्या आप जानते हैं, कि वह शब्द रॉन एन रॉल ''काम विचारोत्तेजक''(Sex Suggestive) है? आप इस नाम की खोजबीन करके देख लें। आप बड़े लोग हैं। वह संगीत जिसका नाम रॉक एन रॉल है''काम-विचारोत्तेजक'' है, और यह नाम अमेरिका में काले लोगों के द्वारा ही दिया गया था। और प्रेतात्मा से ग्रस्त वह पुरुष जो ''एल्विस प्रेसली'' कहलाता है, वही उस दुष्ट रॉक एन रॉल संगीत को अफ्रिका में, अफ्रिका की हॉटनटोट जनजातियों में लेकर आया।

अतः उन्होंने उसका आत्मिककरण कर डाला। हर कोई उस के लिए गिर गया, और हर कोई यही सोचता था, कि वे एक बेदारी में हैं। उसके दस साल बाद एक और बेदारी शुरू हुई, और यह बेदारी'' छाप करनेवाली बेदारी''(sealing revival) कहलाती थी-जो कि वह अन्तिम चीज थी जिसे दुल्हन स्वर्गारोहण में जाने से पहले हासिल कर ले। क्या आप देखते हैं, कि वे उसका किस प्रकार से आत्मिककरण करते हैं? वे जिन्होंने दावा किया था,

कि वह मोहर संसार में वापस गई, उन में से बहुतेरे, यहाँ तक कि प्रचारक भी, कुछ साधारण सदस्य एड्स से मरे, वे व्यभिचार में दोगलेपन में और सभी किस्म की अनैतिकता में गिर गए। जबकि और दूसरों को कोकीन और मेरिजुआना की लत पड़ गई। ''छाप करनेवाली बेदारी'' वह बेदार शैतान का ही एक झूठ था। आ जाओ; बेहतर होगा, कि आप वहीं पर बैठे रहें, चाहे आधी रात ही क्यों नही हो जाती है; हम परमेश्वर के वचन के साथ साथ आगे बढ़ रहे हैं।

इससे अगली उन्होंने यह व्याख्या की, कि'' सात गर्जन दुल्हन के ऊपर चोटी ढकते हैं;'' और चूँकि उन्होंने सोचा था, कि गर्जनों ने दुल्हन के ऊपर चोटी ढक दी है, इसलिए चोटी का पत्थर आ गया है। अज़ीजों पिरामिड का जो चोटी का पत्थर प्रेम है, जो कि मेल है, जो पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना है, जो कि खुद पवित्र आत्मा है, उन्होंने उसे ही अपने गर्जनों के मत-सार के रूप में बदल डाला, और वे कहने लगे, कि यही सात गर्जन दुल्हन के ऊपर चोटी का पत्थर रखेंगे। बजहाये इसके , कि वे यह कहते, कि यह तो पवित्र आत्मा का और परमेश्वर की सामर्थ का उंड़ेला जाना है, उन्होंने इसे वचन के वे मरे हुए शब्द बना दिये, जिन्हें उनके द्वारा ही बिगाड़ा गया था।

अतः उन्होंने अपने मतों-सारों के द्वारा बेदारी का आत्मिककरण कर दिया; उन्होंने अपने मत-सार के द्वारा चोटी के पत्थर का आत्मिककरण कर दिया, और वे दूसरे शिक्षालय के ''गर्जनों'' को ही ''चोटी का पत्थर'' कह रहे हैं। यह वे गर्जन नहीं है, यह तो पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना ही है।''वह चोटी का पत्थर तो अभी तक आया नहीं है।''

वहाँ एक बड़ी समस्या थी, और वे नहीं जानते थे, कि वे इसके बारे में क्या करें। उन्होंने कई साल इंतजार किया। गर्जनों से अपेक्षा की जाती थी, कि वे नये नाम का खुलासा करेंगे। अतः उन्होंने कुछ और सलाखों का निर्माण किया और एक शख्स को एक प्रकाशन मिला, और उसने कहा,''वह नया नाम यीशु है, जबकि ठीक मोहरों की पुस्तक में भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वह नया नाम नहीं था। यीशु तो छुटकारा दिलानेवाला नाम था।

*158-3 (283) '' और **यीशु; जब वह पृथ्वी पर था, तो उसका नाम यीशु, उद्धारकर्ता था।** जब वह धरती पर था, तो वह उद्धारकर्ता था; यह सच है। **परन्तु जब उसने मौत और अधोलोक पर फतह पा ली,** और उन पर जयवंत हो गया, और ऊँचे पर चढ़ गया, तो उसने एक नया नाम पाया। (मोहरों की पुस्तक 18/3/63)*

159-4 (289) ''*....**मसीह परमेश्वर का वचन कहलाता है। यही है वह। वह यही कहलाता है। अब देखिए, उसने एक नाम पाया है जिसे कोई मनुष्य नहीं जानता है; लेकिन वह परमेश्वर का वचन कहलाता है।'' (मोहरों की***

पुस्तक 18/3/63)

221-2 (321) ''...उसका नाम कहलाता है...(है नहीं, पर कहलाता है)...परमेश्वर का वचन। क्योंकि वह और वचन एक ही हैं। (मोहरों की पुस्तक 19/3/63)

एक और शख्स उठ खड़ा हुआ, और उसने कहा,'' यह नया नाम यीशु नहीं है।'' उसने कहा कि वह नया नाम'' परमेश्वर का वचन'' है। क्या आप प्रकाशितवाक्य 19 में नहीं देखते हैं, कि वह परमेश्वर का वचन कहलाता है? भाई ब्रन्हम तो इसे पहले ही समझा चुके हैं, कि वह वो कहलाता तो है, लेकिन उसके पास एक नया नाम है जिसे कोई मनुष्य नहीं जानता। इन नये नाम''यीशु'', ''परमेश्वर के वचन'' के साथ एक ही बात है, कि वे एक हजार करोड़ कुट्कियाँ नहीं बुला सकते हैं; और वे परमेश्वर के न्याय को नीचे लेकर नहीं आ सकते हैं। अगर आप विश्वास करते हैं, कि वह नया नाम ''यीशु'' या ''परमेश्वर का वचन'' है, तो आप अधोलोक के भवन में हैं, मेरे दोस्त; और आप ठीक उसी भवन में से बोल रहे हैं, चाहे आप एक चुने हुए ही क्यों न हों, चाहे आप एक भाई ही क्यों न हों, चाहे आपको छुड़ाया क्यों न जायेगा। आप उसी ''अधोलोक के भवन'' में से बोल रहे हैं। नया नाम तो रूपांतरण के लिए ही दिया गया है। नया नाम तो दुल्हन को सामर्थ प्रदान के लिए दिया गया है। हम इन चिन्हों और आश्चर्यकर्मो को बोले हुए वचन के द्वारा करेंगे। वही उस नये नाम को प्रकट करेगा। यही तो सात गर्जनों का एक वायदा है।

तुम सात गर्जनों वाले प्रचारकों, तुम जो ''दूसरे शिक्षालय'' से सम्बन्धित हो, तुम झूठे पाये गए हों। यीशु, नया नाम इत्यादि अपनी सारी व्याख्याओं के साथ तुम शक्तिहीन हो। यहाँ तक कि तुम तो किसी मरी हुई चींटी को भी हरकत में नहीं ला सकते हो। तुम तो एक मरा हुआ पिस्सु भी नहीं बना सकते हो, हजारों करोड़ो कुट्कियाँ तो बड़ी ही दूर की बात है। तुम बेनकाब हो गए हो! तुम ढ़ोंगी हो! तुम उसका प्रचार करने के लिए एक झूठे हो! अगर तुम नये नाम का दावा करते हो, तो इसे वही उपजाना चाहिए जो गर्जनों को उपजाना चाहिए।

उन्हें तो एक व्याख्या लेकर आनी थी, क्योंकि सात गर्जनों से अपेक्षा की जाती है, कि वे दुल्हन को एक साथ इकट्ठा करेंगे। अतः उन्होंने कनवैन्शन कीं, वे कुछ भाई जिन्हें हम जानते हैं, वहाँ पर उनके पास गए। उन्होंने प्रचारकों-सेवादारों की मीटिंगें कीं, और उन्होंने उन मीटिंगों में गर्जनों के बारे में वादविवाद किया; और वे आज के दिन तक वादविवाद ही किये चले जा रहे हैं। इससे अपेक्षा की जाती है, कि यह दुल्हन को एक साथ इकट्ठा करे। जब दुल्हन इकट्ठा होती है, तो वे आपस में लड़ते-झगड़ते नहीं है और ऐसे ही

और दूसरे काम नहीं करते रहते हैं। दुल्हन का इकट्ठा होना तो एकता और प्रेम में ही होता है।

अब वे ''मुहब्बत वाले सुसमाचार''के द्वारा इकट्ठा हो रहे थे। यह मुहब्बत वाला सुसमाचार मत-सिद्धांतों पर समझौता करना, विचारों पर समझौता करना, आप इसे कैसे देखते हैं, इस पर समझौता करना, और आओ हम सब एक बन जाएं, इस पर समझौता करना है। वह कारण जो वहाँ पर ''मुहब्बत वाला सुसमाचार'' आया यह था, क्योंकि उन्हें संसार को एक एकता दिखानी थी, क्योंकि सात गर्जनों को दुल्हन को एक साथ इकट्ठा करना था। बिलकुल ठीक है! मैं चाहता हूँ, कि यह सन्देश ज़ोर की आवाज़ में और स्पष्टता में जाए। मेरे मित्रों, यह समय पर ही है।

गर्जनों में प्रभु का आगमन सिमटा हुआ था। तुम ने इसे सात सद्गुण बना डाला। श्रीमान व्याख्या करनेवाले, तुम एक झूठे हो। भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि सात गर्जन प्रभु का आगमन हैं। तुम ने कहा, कि ये सात सद्गुण हैं। तुम एक झूठे हो। यह प्रभु का आगमन है, भविष्यद्वक्ता भी इसे नहीं जानता था। तुम हो ही कौन, जो दावा करो, कि तुम्हें यह मालूम है। तुम एक झूठे अभिषिक्त हो! तुम शैतान के दास हो, तुम तो परमेश्वर के वचन की गलत व्याख्या करने वाले हो! सात सद्गुण वे नहीं हैं, जो सात गर्जनों के तले हैं; यह तो प्रभु का आगमन ही है। यहाँ तक कि भविष्यद्वक्ता भी इसे नहीं जानता था।

कई वर्षो के बाद एक और व्याख्याकर्त्ता उठ खड़ा हुआ, और उसने कहा,'' जो गर्जनों के तले था, वह परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन था, और मोहरों के समय परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन अस्तित्व में आ गया था, और यही सात गर्जन था। मोहरों के खुलने के द्वारा सात गर्जन परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन है।'' मेरे पास आपके लिए एक खबर है। परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन मसीह है। कितने इसका विश्वास करते हैं?(सभा कहती है,''आमीन'') और वही गर्जनों के तले छिपा हुआ था। यही कारण है, कि तुम उसे ढूँढ़ नहीं पाये, क्योंकि कोई नहीं जानता, कि वह कब आता है, और वह कैसे आता है। वचन ही मसीह है, और अगर तुम कहते हो, कि मोहरों के खुलने के समय परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन आया; तो ऐसा ही हो; लेकिन वह तो छिपा हुआ था। एक बार यीशु ने दुनिया में जन्म लिया था, और तीन मंजूसी उसकी तलाश में लगे हुए थे और वे उसे ढूँढ़ नहीं पाये थे। उन्हें तो एक निश्चित सितारे को ढूँढ़ना था, और जब यह समय आने को होगा, तो भाई , तो इस समय में जिस में हम यहाँ पर है, जब प्रभु जन-साधारण पर गर्जनों का प्रचार करने के लिए तैयार होगा, तो आपको इन सितारों में से किसी एक को ढूँढ़ना होगा। आपको इन ''सितारे-लड़के''(star-boy) प्रचारकों में से एक को ढूँढ़ना होगा, वरना आप क्लेश से होकर गुज़र रहे होंगे।

उन्हें स्वर्गारोहरण वाले विश्वास के लिए समाधान ढूँढ़ निकालना था, क्योंकि गर्जनों को तो स्वर्गारोहण वाले विश्वास को लेकर आना है। क्या आप उस झूठ को जानते हैं, जो उन्होंने उत्पन्न किया? उन्होंने कहा, कि जब आप ''गर्जन'' सुनते हैं, और आपका जीवन खुद बा खुद रूपान्तरित होना शुरू हो जाता है, तो आप स्वर्ग में ऊपर उठाए लिये जाते हैं। अतः गर्जनों की बेदारी के द्वारा प्राण के भीतर स्वर्गारोहण शुरू हो जाता है, अतः स्वर्गारोहण ठीक इस समय चल रहा है। तुम झूठ बोलने वाले पाखंड़ी!लोग सन् 1973 से सन् 2002 तक बदल ही तो रहे हैं, और वे बद से बद्तर ही तो होते चले जा रहे हैं; और आप वह सुनें जो मेरी बाइबल कहती है,'' उस अन्तिम तुरही पर **हम क्षण भर में** पलक झपकते ही बदल जायेंगे, क्योंकि तुरही फूंकी जायेगी, और मरे हुए जी उठेंगे।'' **वह तो अन्तिम तुरही ही है जो बदलाव लाएगी।** उस दूसरे शिक्षालय में तुम ने यहाँ तक कि स्वर्गारोहण और रूपांतरण का भी आत्मिककरण कर दिया। तुम बेकनाब हो गए हो! मैं आशा करता हूँ, कि यह तुम्हारी व्याख्यानों की सलाखों के पीछे तुम से भेंट करे। क्या स्वर्गारोहरण वाला विश्वास? क्या तुम स्वर्गारोहण वाले विश्वास का दावा कर रहे हो, और उससे भी बद्तर जीवन जी रहे हो जैसा कि तुम कुछ सालों पहले जिया करते थे?

गर्जनों को एक सामर्थ उपजानी चाहिए थी और उन्हें पृथ्वी के मुखमंड़ल पर न्याय लेकर आना चाहिए था। उन्होंने इससे अलग ही इसकी व्याख्या करी, और वह व्याख्या यह है- परमेश्वर की सामर्थ, चिन्हों, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों में नहीं है; यह तो उनके गर्जनों में है। यह तो सिर्फ वचन में ही है। यह तो परमेश्वर के वचन की ही सामर्थ है। तुम झूठे प्रचारकों, तुम तो यरूशलेम के मूक कुत्ते हो जो भौंक भी नहीं सकते, जब परममेश्वर के वचन के द्वारा तुम्हें ललकारा जाता है। सामर्थ तो अवश्य ही वचन के पीछे पीछे आनी चाहिए। यीशु वचन था, और उसकी सामर्थ, चिन्हों और आश्चर्यकर्मों के द्वारा पहचान करायी गई थी। और उसने कलीसिया से, दुल्हन से ठीक उसी सामर्थ का वायदा किया है।

''वे जो विश्वास करते हैं, उनके ये चिन्ह होंगे...''(मरकुस 16:17, 18)

''मैं तुम से सच सच कहता हूँ, कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा, वरन इन से भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।''(यूहन्ना 14:12)

बाइबल कहती है, कि तुम यहाँ पर अन्तिम दिन में होगे, और परमेश्वर की सामर्थ का इंकार करोगे। जब तुम परमेश्वर की सामर्थ का इंकार करते हो, तो यह तुम्हें यन्नेज और यम्ब्रेज बना देता है, तुम्हें अंत समय के झूठे अभिषिक्त बना देता है, मगर तुम्हारी मूर्खता

प्रकट होने के लिए तैयार हो रही है। (दूसरा तीमुथियुस 3:5-9)

उन्होंने परमेश्वर के न्यायों की अलग हटकर ही व्याख्या कर डाली। उन्होंने कहा,'' क्या तुम जानते हो, कि परमेश्वर का न्याय क्या है? परमेश्वर का न्याय यह होता है, जब तुम ''गर्जनों'' का इंकार करते हो।'' फिर तो मेरे जैसा इंसान परमेश्वर के न्याय के तले आ जायेगा। उनकी शिक्षा के अनुसार, हम जो यहाँ पर बेतेल में हैं, हम तो बर्बाद हैं, क्योंकि हम तो ''गर्जनों'' की खिलाफत करते हैं। मुझे उसकी खिलाफत में प्रचार करते हुए पच्चीस साल से भी ज्यादा समय हो गया है। और मैं दुर्बल-क्षीण होने के बजाए और भी मजबूत होता चला जा रहा हूँ। ये तो वे सारे लोग हैं जो उन दस इंची मोटी सलाखों के पीछे से बोल रहे हैं और मुझे उन में से किसी से डर नहीं लगता है। मेरे मित्र, मैं परमेश्वर के वचन पर अडिग खड़ा हूँ। हमारा सम्बंध भाई ब्रन्हम के ही स्कूल से है। जी हाँ! हमारा सम्बंध तो उस कार्य-योजना से है, जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। हम तो अंत तक उसी पर टिके रहेंगे।

मेरे सारे मित्र इस पहले शिक्षालय से बाहर निकल गए, और ''गर्जनों'' का प्रचार करने चले गए। जी हाँ, तुम्हारी जड़ें न्यू यॉर्क में हैं। प्रचारकों, मैं यह मालूम करना चाहता हूँ, कि तुम्हें ये गर्जन कहाँ से मिले हैं? मैं जानना चाहता हूँ, कि जब तुम दस या पन्द्रह सालों के लिए ''गर्जनों'' का प्रचार क्यों नहीं कर रहे थे, क्या तुम तब गलत थे? अगर तब तुम गलत नहीं थे, तो आज रात्रि मैं भी गलत नहीं हूँ।

अतः इस प्रकार से मैंने अपको पक्के शब्दों में साबित कर दिया है, कि विचारधारा के दूसरे शिक्षालय ने झूठे दावे पेश किये और उन्होंने वह नहीं उत्पन्न किया जो असली सच्चे गर्जनों को उत्पन्न करना चाहिए, यही कारण है, कि वे झूठे हैं। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि वह कौन सा गॉडफादर है; वह कौन सा शख्स है जो भाई ब्रन्हम के पीछे चला, और उसने कितने सालों तक प्रचार किया; मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ। तुम्हारा सम्बंध दूसरे स्कूल से है और तुम शैतान के अभिषिक्त किये हुए हो, और तुम अधोलोक के भवन से ही बोल रहे हो। तुम ने मेरे भाइयों और बहनों को अधोलोक के भवन में कैद करके रखा हुआ है, और हम उनके लिए आ रहे हैं। हम उनकी छुड़ौती के लिए आ रहे हैं। हम परमेश्वर के असली सच्चे कार्य-योजन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम सही समय का इंतज़ार कर रहे हैं। हम सही घड़ी का इंतज़ार कर रहे हैं। हम सही दिन का इंतजार कर रहे हैं। यह प्रभु के आगमन के समय के आसपास ही होगा, जब सात गर्जनों को जन-साधारण पर तोड़ा जा रहा होगा, और जब हम वहाँ पर आते हैं, तो हम पवित्र आत्मा की एक और बारिश के द्वारा सामर्थ से भर कर

आ रहे होंगें, और हम उन व्याख्यानों के कैदखाने की सलाखें तोड़ देंगे। उस अधोलोक के भवन के कैदखाने की हर एक सलाख सात गर्जनों की एक व्याख्या हैं। वे सलाखें दस इंच मोटी हैं। हर एक सलाख सातवीं मोहर और सात गर्जनों पर अविष्कार की गई व्याख्या है।

मैं इस प्रकाशन पर जिसे मैं यहाँ पर लेकर आ रहा हूँ, दुनिया को चुनौती देता हूँ, और मैं चाहता हूँ, कि तुम प्रचारक इसे कबूल कर लों। विचारधारा के दूसरे शिक्षालय ने...बजाये इसके कि वे वह उपजाते जो सात गर्जन कहते हैं, कि वे उपजायेंगे, उन्होंने पवित्रता के सन्देश के लिए विनाश ही उपजाया है। जिस बात के लिए भाई ब्रन्हम ने 1933 से लेकर 1965 तक मेहनत की, ताकि पवित्रता को स्थापित करें, **विचारधारा के इस दूसरे स्कूल ने आकर उसी का- उसी पवित्रता के उस सन्देश का ही विनाश कर डाला। मैं कहता हूँ, कि वह कोई भी चीज जो भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश का विनाश करती है, वह शैतान ही है। वह झूठा अभिषिक्त है! वह अधोलोक का भवन है!** विचारधारा के इस दूसरे शिक्षालय में अन्ज़ाम यह निकला कि, उन लोगों मे बीच गड़बड़ियाँ- दुविधाऐं, रगड़े-झगड़े, कलह, और गर्जनों की वे हजारों व्याख्याएं हैं, जिनका वे दावा करते हैं। गर्जनों से तो यह अपेक्षा की जाती है, कि वे दुल्हन को एक सिद्ध एकता में लेकर आयें। अकेला यही तथ्य विचारधारा के दूसरे स्कूल को मसीह-विरोधी के रूप में दोषी ठहरा चुका है, क्योंकि इस ने सन्देश में लोगों के टुकड़े कर डाले हैं। वे परिवारों को तोड़ते हैं; वे कलीसियाओं को तोड़ते हैं, वे भाइयों को तोड़ते हैं। यह शैतान का ही है। मैं ऐसी बात कहने के लिए कोई क्षमा-याचनाएं नहीं माँगता हूँ। जो मैं बोल रहा हूँ वह सच है। उनके पास हजारों व्याख्याएं हैं, उन में हजारों गुटबाज़ी हैं, और वे हर रोज़ एक दूसरे से लड़ते झगड़ते हैं। और जैसे जैसे समय बीतता चला जाता है, उन में ''गर्जनों'' पर और भी गुट बनते चले जाते हैं। यह तो सात गर्जन नहीं हैं। हमारे पास इस देश में और कैरीबियन में चारों ओर तथा विश्व में चारों ओर उनके ऐसे गुट हैं। जब मैं इन झूठे गर्जनों के खिलाफ बोलता हूँ, तो मैं अपना निशाना किसी एक प्रचारक या किसी एक कलीसिया पर नहीं साध रहा हूँ। मैं तो अधोलोक के भवन पर निशाना साध रहा हूँ; और हर एक संगति में मेरे भाई और बहन हैं, और आपके अपने भाई और बहन हर एक संगति में हैं। उनकी छुड़ौती का समय अति शीघ्र आ रहा है। बेहतर होगा, कि आप सुधर जाएं।

शैतान के इस झूठे बहकावे का, विचारधारा के दूसरे शिक्षालय का अंज़ाम नफरत, कड़वाहट, व्यभिचार, दोगलापन, मिली-जुली शादियाँ निकला है। मैं इस बारे में बोल रहा हूँ, के सैकड़ों की संख्या में प्रचारक भ्रष्टता और व्यभिचार में गिरते चले जा रहे हैं। क्या आप मुझे बताना चाहते हैं, कि यही है वह जो गर्जनों ने उत्पन्न किया है? तुम्हारे गर्जन शैतान के हैं। इन सारी बातों का सम्बंध अधोलोक के भवन से है।

समस्त व्यभिचार, समस्त भ्रष्टता-दोगलापन, समस्त अनैतिक जीवन-यापन अधोलोक के भवन से ही सम्बद्ध है, और अगर आप वैसा ही यहाँ बेथल में कर रहे हैं, तो अभी भी आपका सम्बंध उसी अधोलोक के भवन से है। अगर आप अपने भाई से नफरत करते हैं, तो आपका सम्बंध अधोलोक के ही भवन से है। अगर आप में ऐसी कड़वाहट है, कि आप महीनों और सालो साल तक माफ नहीं कर सकते हैं, तो आपका ताल्लुक अधोलोक के भवन से है। अगर आप व्यभिचार कर रहे हैं, तो आपका ताल्लुक अधोलोक के भवन से है। अगर आप भ्रष्टता-दोगलापन कर रहे हैं, तो आपका ताल्लुक अधोलोक के भवन से है। उन सभी बातों का ताल्लुक अधोलोक के भवन से ही है। अगर आप टेलीविजन देखते हैं, तो अभी भी आपका ताल्लुक अधोलोक के भवन से ही है।अगर आप सिनेमा-चलचित्र देखने जाते हैं, तो आपका सम्बंध अधोलोक के भवन से ही है। अगर आप खेल-कूद के शौकीन हैं, तो अभी भी आपका ताल्लुक अधोलोक के भवन से ही है। यही है वह जो ये झूठे गर्जन पैदा करते हैं, कड़वाहट। आप मुझ जैसे इंसान से नफरत करने के बारे में बातें ना करें। भाइयों और बहनों, आप घृणा, कड़वाहट भरी घृणा के बारे में बातें करते हो। अगर उनके पास असली-सच्चे गर्जन होते, तो उनके पास मुहब्बत होती। तुम इस मंड़ली से नफरत करने के बारे में बाते बना रहे हो, तुम मेरे नाम पर झूठ और अफवाहे फैलाने के बारे में बातें बना रहे हो। क्या ये ही गर्जन हैं? मुर्गे के जैसे कुडुक-कुडुक करना; क्या ये ही गर्जन हैं? क्या झूठी भविष्यवाणियाँ गर्जन हैं? जी नहीं; आपके भीतर तो झूठबोलने वाला शैतान पैंठा हुआ है। तुम अपनी पत्नियों को चुस्त कपड़े पहनने की और डीकनों पर हुकूमत चलाने की इज़ाजत देते हो। क्या यही गर्जन हैं? ऐसी स्त्री के अंदर तो एक पुरुष की आत्मा है, और वह अपने पति के ज़रिये कलीसिया को अपने काबू में रख रही है। क्या ये ही गर्जन हैं? जी नहीं, मेरे दोस्त! उन्होंने उस टेलीविज़न को वापस खरीद लिया है जिसे भाई ब्रन्हम ने कलीसिया से निकाल बाहर किया था, उन्होंने फिल्में वापस खरीद लीं, और उन्होंने खेल-कूद(स्पोर्टस्) वापस खरीद लिये। बंधुओं, झूठे गर्जन (दूसरा शिक्षालय) उन सारी चीजों को कलीसिया में वापस लेकर आ गए। उनके गर्जन झूठे हैं। वे लोग जिन्होंने इन कसौटियों को कायम करके रखा था, जब से उन्होंने इन झूठे गर्जनों को गले लगाया, वे सदोम और अमोरा की राह पर निकल गए। वे टेलीविज़नों पर नंग्नता निहार रहे हैं, गंदे-भद्दे शोज् देख रहे हैं, उनका टेलीविज़न ठीक उनके सामने होता है, और उनके बच्चे पुरुषों को स्त्रियों के मुँह के भीतर चुम्बन करते हुए देखते हैं, और स्त्रियों को पुरुषों के मुँह के भीतर चुम्बन करते हुए देखते हैं, और वे ब्लू फिल्में देखते हैं।

वे मुझे बताना चाहते हैं, कि वे ही गर्जन हैं। यही है वह जो उन गर्जनों ने पैदा किया है- भाई ब्रन्हम के सन्देश का विनाश! मेरे दोस्त, मैं इंसानों की तरफदारी नहीं करता हूँ, क्योंकि मैं पैसों के लिए भीख नहीं माँगता हूँ; और मैं कहीं भी आप से आपके पैसों के लिए भीख माँगने

नहीं आया हूँ। परमेश्वर ही अपने दास-सेवक का ध्यान रखता है। मैं यहाँ पर परमेश्वर का वचन प्रचार कर सकता हूँ, और यहाँ पर उन मूल मापदंड़ों को स्थापित कर सकता हूँ, क्योंकि मेरी बुलाहट परमेश्वर की सुनाई देने वाली आवाज़ के द्वारा हुई थी।

वह कोई भी व्यक्ति जो खेल-कूद को, स्पोट्स को प्रोत्साहित करता है, वह उन्हीं सलाखों के पीछे है, और आप उसी अधोलोक के भवन के अंदर कैद हैं। अगर आप खेल-कूद के शौकीन हैं, और अखबारों में यह देखने के लिए खखोड़ा मार रहे हैं, कि कौन जीता है, और कौन यह और वह हुआ है, तो आप अधोलोक के भवन से सम्बद्ध हैं, और आप उन्हीं सलाखों के पीछे कैद में हैं। यदि आप अपना रेडियो चलाकर उन स्पोट्स(खेल-कूदों) के बारे में सुनना पसंद करते हैं, तो आपके ऊपर एक प्रेतात्मा है। ओह, हाँ! ज़रा इस की कल्पना कीजिए, कि इस दिन में यह सन्देश एक ऐसी हालत में पहुँच सकता हो, कि मेरे भाई और बहन, इसी सन्देश की एक मंड़ली दूसरी मंड़ली को क्रिकेट में, फुटबॉल में, तथा और दूसरे कहीं स्पोट्स में चुनौती दे रही हो। बेथेल कलीसिया पॉइन्ट फोर्टइन में रविवार को एक क्रिकेट मैच खेलने जा रही हो। कुरिन्थियों की कलीसिया मैच खेलने जा रही हो, इफिसुस की कलीसिया मैच खेलने जा रही हो, और यीशु कप्तान हो, और पतरस गोलची हो; और मरियम मगदलीनी छोटी छोटी नीकरें पहने हुए दर्शक बनकर नज़ारा देख रही हो। और अगर गेंद बाहर निकल जाती हो, तो वह उसके लिए दौड़कर जाती हो और उसे फेंकती हो। असम्भव! नामुनकीन! नामुनकीन! ऐसी तो आरम्भिक कलीसिया की तस्वीर नहीं है। यीशु कोई स्पोर्टस्मैन नहीं था। कोई भी प्रेरित खिलाड़ी अर्थात् स्पोर्टस्मैन नहीं था; क्योंकि सारे के सारे खेलकूद(स्पोर्टस्) अंहकार, प्रतिस्पर्धा-होड़ और स्वार्थ से भरे हुए हैं। सारे खेलकूद अहंकार से भरे हुए हैं। कोई भी चीज जिसमें होड़बाज़ी या प्रतिस्पर्धा होती है, वह अहंकार से ही भरी हुई है, और वह दुनिया की ही चीज है। यही कारण है, कि हम खेलकूद;या स्पोर्टस् नहीं खेलते हैं। वह शैतान का है। वह कोई भी वस्तु जिसमें अंहकार है, वह शैतान की ही है! वचन पर दृढ़ हो जाओ; क्योंकि बाइबल कहती है, ''वह सब कुछ जो जगत में है, शरीर की अभिलाषा और आँखों की अभिलाषा है, और..'' और क्या है?..''जीवन का अंहकार।''आपको तो चाहिए, कि आप परमेश्वर का वचन लें, और दिखाएं, कि खेलकूद जीवन का अंहकार है, और आप ऐसी चीजों की प्रचारमंच से भर्त्सना करें, आप उस अंहकार के लिए प्रचारकों की भर्त्सना करें, सन्देश के विश्वासियों की भर्त्सना करें। और विनाश के आगे आगे अहंकार जाता है, और पतन के आगे आगे अभिमानी आत्मा जाती है। आप वचन का अध्ययन करें, ताकि आप खुद अपने कों स्वीकार करने योग्य ऐसा मेहनकश पुरुष साबित करके दिखाएं, जो सत्य का वचन सही सही बाँटता है।

टेलीविज़न, मूवियाँ, खेलकूद(स्पोर्टस्) कलीसियाओं के आपस में खेलकूद के मुकाबले; यही वे सारी चीजें हैं जो इन तथाकथित गर्जनों के उत्पादन हैं। मेरे भाइयों और बहनों, जब से ये तथा-कथित गर्जन आये हैं, स्त्रियाँ अपने पहरावों में और भी ज्यादा अनैतिक हो गईं हैं। ऐसा पहले कभी नहीं था। एक बार को इसी देश में हर कोई आप बहनों के जैसे ही पहरावे पहना करती थीं, उनके स्कर्ट ढीले-ढाले वैसे ही हुआ करते थे जैसे भाई ब्रन्हम ने कहा था। आपके स्कर्ट को आपके घुटनों के दो या तीन या चार इंच नीचे तक होना चाहिए। यह परमेश्वर का वचन है। परन्तु हमारे पास क्या है? हमारे पास तो न्यू यॉर्क के फैशन हैं, क्योंकि गर्जनों की शुरूआत न्यू यॉर्क में ही हुई थी।

आप चुस्त-तंग पहरावों के बारे में बातें कर रहे हैं; आप मरमैड स्टाइल की पोशाकों के बारे में बातें कर रहे हैं, और वह मरमैड स्टाइल की पोशाकें जिनके बारे में मैं कह रहा हूँ, ऐसी हैं, कि वे स्त्री के बदन से बिलकुल चिपकी रहती हैं, जहाँ आप उसके बदन के हरएक कटाव व कटाक्ष को देख सकते हैं, जबकि वह चलती है; लेकिन यह पोशाक नीचे तक होती है, और तकरीबन पाँव तक को भी ढ़ांक लेती है। और मैं ऐसे कपड़ों को मरमैड स्टाइल के कपड़े कहता हूँ, और ठीक वे प्रचारक जो अपनी औरतों को लम्बी लम्बी आस्तीनों के कपड़े, जिनमें चुन्नटें डालकर और भी ढीला-ढाला बनाया जाता था, और लम्बे-चौड़े खुले स्कर्टस् पहनने देते थे, अब उनकी वे ही औरतें मरमैड वाले कपड़े पहनती हैं, और उनका उनके लिए अपना मुँह खोलने की हिम्मत तक नहीं होती है, क्योंकि वे तो इस पर बहुत ज्यादा समझौता कर चुके हैं।

और अगर किसी समय वे इस पर बोलने की थोड़ी बहुत हिम्मत जुटाते भी हैं, तो औरतों का एक दल आपस में इकट्ठा हो जाएगा और कहेगा, '' हम तो गर्जनों वाले इस गिरजे में जा रहे हैं। हम तो गर्जनों वाली इस कलीसिया को छोड़ देंगी, और गर्जन वाली किसी दूसरी कलीसिया में शामिल हो जायेंगी।'' और जब इस मामले पर उन से चिकनी-चुपड़ी बातें कर मामले को रफा-दफा कर लिया जाता है, तो इस रीति से वे गर्जनों वाली उसी कलीसिया में वापस आ जाती हैं। मित्र, यह तो गर्जन नहीं हैं। यह तो शै तान का ही है। अपनी आँखें खोल लो। अपनी चेतनाओं में आ जाओ। उस समय जब तुम गर्जनों का प्रचार नहीं करते थे;गर्जनों का प्रचार करने से पहले तुम्हारे पास ऐसे लोग होते थे जो नैतिक-सलौने वस्त्र पहना करते थे, और तुम्हारी औरतें तुम्हारे कहने में हुआ करती थीं, और तुम्हारा घर-परिवार तुम्हारे कहने में हुआ करता था। जब से तुम्हें ये गर्जन मिलें हैं, तुम अंधे हो गए हो। तुम औरतों को कलीसिया में सालों साल ऊँची ऐड़ी के जूते पहने की इज़ाजत दे डालते हों। अपनी चेतनाओं में वापस लौट आओ। आओ हम पहले वाले स्कूल को लौट चलें। आओ

और मेरे साथ पहले वाले स्कूल को चले चलो। मैं पहले वाले स्कूल में ही टिका रहा हूँ। मेरी कलीसिया पर ऊँगली रखकर देखो, अगर तुम ऐसा कर सकते हो। मेरे जीवन पर ऊँगली रखो, मेरे प्रचारकों के जीवन पर ऊँगली रखों, और मेरी बहनों पर ऊँगली रखो। मैं आप से ढ़ोगियों के बारे में नहीं कह रहा हूँ, आप कुछ ढ़ोगियों को तो ढूँढ़ निकाल सकते हो। मैं तो कसौटी के बारे में बोल रहा हूँ, मित्र; मैं तो सन्देश की कसौटी के बारे में बोल रहा हूँ। **अनैतिक पहरावें, पुरुष अनैतिक पहरावें पहन रहे हैं, वे सभी किस्म के फैशन कर रहे हैं, वे बड़े बड़े जूते पहन रहे हैं, उनके चेहरों पर दाढ़ी हैं, वे चौड़ी-ढीली पैन्टें पहन रहे हैं, वे बड़े बड़े स्नीकरस्, बड़े बड़े-ढीले स्वेटर पहन रहे हैं, और प्रचारक कुछ भी नहीं बोलते हैं। बाइबल कहती है, कि संसार के सदृश्य ना बनो, परन्तु तुम बदल जाओ।**

भाई ब्रन्हम ने संसार के उन सभी फैशनों के विरूद्ध बोला था, और तुम ने एक ढ़ोंगी प्रचारक के जैसे उसी को कालीन के नीचे दुबका कर रख लिया है। वह सब कुछ जो तुम कहना चाहते हो, वह सिर्फ है-''गर्जन, गर्जन, गर्जन, गर्जन!'' यह शैतान का ही है। अनैतिक-भद्दे पहरावे, पुरुषों के फैशन, स्त्रियों के फैशन, चुस्त-तंग कपड़े, मरमैड वाली पोशाकें, और उन सबसे बढ़कर ऐसे झीन्ने-पारदर्शी कपड़े जो उनके सारे अन्दरूनी कपड़े दिखाते हैं। तुम अश्लील स्त्री हो और गर्जनों का दावा करती हो। तुम एक अश्लील प्रचारक हो, कि तुम्हारी मंड़ली में उस किस्म के झीन्ने-पारदर्शी पहरावे पहने जाते हैं, तुम एक अश्लील प्रचारक हो, कि तुम्हारी पत्नी उस किस्म के पहरावे पहनती है; तुम एक अश्लील प्रचारक हो, कि तुम्हारी पत्नी तंग-चुस्त पहरावे पहन रही है तथा बहनों के लिए एक मिसाल ठहरा रही है। तुम प्रेतात्मा से ग्रस्त हो! वह पवित्र आत्मा हो ही नहीं सकता! यह तो एक दुष्टात्मा ही है; और उस सब को सहन करने के लिए आपने शैतान से अभिषेक पाया हुआ है। भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि कलीसिया उस हालम में तभी आती है, कलीसिया उस हालत में प्रचारमंच की कमज़ोरी के कारण ही आती है। उन्होंने कहा था, कि **प्रचारमंच की कमजोरी मंड़ली में प्रतिबिम्बित होती है, और अगर आपके पास समझौते करने वाला एक प्रचारक है, तो वह आपको अधोलोक में ले जा रहा है, और हर समय'' गर्जन, गर्जन'' का ही जाप कर रहा है।जब हमारे पास कोई गर्जन नहीं थे, तो हम और भी ज्यादा नैतिक जीवन जीया करते थे।**

मैं आपको दिखा रहा हूँ, कि उन गर्जनों ने क्या क्या किया है। उन गर्जनों ने भाई ब्रन्हम के सन्देश की पवित्रता का नाश कर डाला; और यह काम सन् 1973 से ही शुरू हो गया था। इन सबसे भद्दे पहरावे तो वे हैं जिनमें से अंदर के कपड़े तक दिखाई देते हैं, और प्रचारकगणकी पत्नी ऐसे पहरावो पहने हुए होती हैं। अब वे मरमैड वाले पहरावे पहनकर, पारदर्शी-झीन्ने कपड़े पहनकर और ऊँची ऐड़ी की जूतियाँ पहनकर ऊपर चढ़ती हैं; और अब उन्होंने इसमें

भी एक भिन्नता बना डाली, और बोले, कि भाई ब्रन्हम ऊँची ऐड़ी के बारे में नहीं कह रहे थे, वो तो नुकीली-ऊँची ऐड़ी वाली जूतियाँ के बारे में ही कह रहे थे, जो लगभग दस इंची लम्बी या बारह इंची लम्बी होती हैं, उन्होंने तो उन्हीं नुकीली ऐड़ी वाली जूतियों की भर्त्सना की थी। तुम झूठ बोलने वाले पाखंड़ी! भाई ब्रन्हम ने एक स्वप्न के बारे में बोला था, और उन्ळोंने बताया था, कि एक स्त्री ने कहा था, कि वह ऊँची ऐड़ी की जूतियाँ पहनकर परमेश्वर के राज्य के अंदर जा सकती है और सकरे मार्ग पर चल सकती है, और उसने कहा था, कि मैं तुम्हें ऐसा दिखाऊँगी, और वह एक गहरी खाई में जा गिरी और अधोलोक के भवन के भीतर चली गई।

वह कोई भी जो उन ऊँची ऐड़ी के जूतों को अनदेखा करके बढ़ावा देता है, वह अधोलोक के भवन में ही है। वह कोई भी जो उन अनैतिक-भद्दे पहरावों को पहनता है, अधोलोक के भवन में ही है। आप देखते हैं, कि वह अधोलोक का भवन किस तरह से भर गया है। वह कोई भी जो स्पोट्स में, टेलीविज़न में, तथा ऐसे किसी भी कार्यकलाप में तल्लीन हैं, आप अधोलोक के भवन में ही हैं, और आप ठीक यहीं पर बैठे हुए हो सकते हैं, और उन जोखिमों को ले सकते हैं; आप अधोलोक के भवन में है।

आज गर्जनों ने सन्देश में ठीक यही पैदा किया है। बेथेल वालों के लिए उनकी सादगी के लिए नफरत और हिकारत। मैंने ऐसा कभी ख्वाब नहीं देखा था, कि कभी ऐसा दिन भी आएगा, जब सन्देश के विश्वासी लोग बहनों के सुहावने-सादा पहरावों के लिए उन पर गंदे-भद्दे कटाक्ष करेंगे। तुम तो पूरे के पूरे घृणा से भरे हुए हो! तुम तो शैतान के गर्जनों से पूरे के पूरे भरे हुए हो। यही कारण है, कि तुम बहनों से नफरत करते हो। यही कारण है, कि तुम सुहावने-शालीनता से भरे हुए पहरावों को''यूनीफॉर्म'' कहते हो। अगर स्कूलों-विद्यालयों में चुन्नटदार स्कर्टों को किशोर युवतियों के लिए शालीनता से भरा पहरावा माना जाता है, और उन से घुटने से नीचे तक स्कर्ट पहनवाये जाते हैं, तो मैं कहना चाहता हूँ, कि ''तुम तो पढ़ाई-लिखाई सिखानेवालों से भी कहीं ज्यादा अंधे हो।'' अगर पोप कॉनवेन्ट में बच्चों के लिए सुहावने-शालीनता से भरे हुए कपड़ें पहने पर जोर दे सकता है, और उन पर चुन्नटदार ढीले-ढाले कपड़े पहने के लिए जोर डाल सकता है, और वहीं तुम ऐसे पहरावों की भर्त्सना करते हो, तो तुत तो प्रेतात्मा ग्रस्त हो; और पोप तुम से कहीं ज्यादा आत्मिक है। ओह, हाँ! जोश से भर जाओ, आज रात आप मेरे साथ सुस्त मत पड़ो, मैं अपने पिता के काम में लगा हुआ हूँ। जी हाँ, श्रीमान! सन्तुष्ट होने पर मधु का छत्ता भी फीका लगता है, परन्तु भूखे को सब कड़वी वस्तुएं भी मीठी जान पड़ती हैं। और अपने भाइयों और बहनों को आनन्द करते हुए सुनता हूँ, जब वे सुनते हैं, कि एक पुरुष सन्देश के लिए और परमेश्वर के वचन के लिए खड़ा होता है। उन्होंने मुझ में परमेश्वर की महिमा की। जी हाँ, मेरे भाई!

अगर आप इस मधु के छत्ते को रौंदना चाहते हों, तो जाओ और सो जाओ। कहीं न कहीं लोग सच्चाई सुनने के लिए भूखे हो रहे हैं। आप कहते हैं, ''मैं उस प्रकाशन को सुनता-सुनता उकता चुका हूँ; बस हर रात एक ही बात!'' तुम अंधे हो और तुम बहरे हो। तुमने अभी तक कुछ नहीं सुना है। परमेश्वर का वचन तो मधु के छत्ते से भी मीठा है। जी हाँ, श्रीमान! अगर आप पहले ही से उस प्रकाशन को सुन चुके हैं, तो परमेश्वर की उपस्थिति के बारे में क्या बात है? हर रात एक नया तजुर्बा होता है। हो सकता है, कि आप एक सी ही बातें सुनते हों, लेकिन पवित्र आत्मा के तजुर्बे के बारे में क्या बात है? इस वर्ष यह एक नई बात है, और जो इसे नया बनाता है, वह परमेश्वर की उपस्थिति है, और परमेश्वर की उपस्थिति हर साल बढ़ती चली जाती है। हम संगति करने की धुन में आते हैं। हम परमेश्वर के आत्मा की धुन में आते हैं। हम पवित्र आत्मा की उस सामर्थ की धुन में आते हैं जो एक दिन हमारी देहों को रूपान्तरित कर देगी।

जी हाँ! उन लोगों से नफरत करते हो और उन्हें तुच्छ समझते हो, जो सुहवाने-शालीनता से भरे कपड़े पहनते हैं? ''वे तथा-कथित गर्जन'' कलीसिया में दुनियावी संगीत पैदा करते हैं। कितने लोग जानते हैं, कि मैं सच बोल रहा हूँ? (सभा कहती है, ''आमीन'') जी हाँ, श्रीमान! दुनियावी संगीत, रॉक बीट्स, देहाती पश्चिमी थाप, ये सारे तेज़-तेज़ बजने वाले संगीत; उन तथाकथित गर्जनों ने ही उन्हें पैदा किया। ओह, जी हाँ, श्रीमान! अफ्रिका के ढोलों (ड्रमों) को यहाँ पर लाया गया था। जी हाँ, श्रीमान! गर्जन वाले प्रचारक तुम ने ही ऐसा किया था। जी हाँ! इस समय हालत इतनी बिगड़ गई है, वे अब अपने बाल कटवा रही हैं। अपने बाल कटवा रही हैं। ऐसे गर्जनों का वे प्रचार कर रहे हैं! लिपस्टिक! ऐसे गर्जनों का वे प्रचार कर रहे हैं! उनके नाखून वैसे हैं, जैसे नबूकद्नेस्सर के हो गए थे। क्या आप नहीं जानते हैं, कि नबूकदनेस्सर प्रेतात्मा से ग्रस्त हो गया था, जब उसके नाखून बड़ गए थे। और क्या उसके पास पशु वाला गुण नहीं हो गया था? नैल पॉलिश; और वे पारदर्शी रंग वाली नेल पॉलिश लगाती हैं, ताकि प्रचारक की आँखों में धूल झोंक सकें। तुम ढ़ोंगी! तुम बहुत बड़ी ढ़ोंगी! जी हाँ, श्रीमान, और तुम्हारे पास आरे जैसी आत्मा है, जो तुम अपने आपको डीकनों के प्रति नम्र नहीं कर सकती हो। जी हाँ, बेहतर होगा, कि तुम जाग जाओ, और बेहतर होगा, कि तुम नये सिरे से जन्म ले लो। ओह, जी हाँ!

तुम्हारी औरतें अपने बाल कटवा रही हैं, लिपस्टिक लगा रही हैं, लम्बे लम्बे नाखून बढ़ा रही हैं, और नेल पॉलिश लगा रही हैं, और तुम्हारे पास स्त्री-प्रचारक हैं। साहित्य लिख रही हैं, और वे कह रही हैं, कि मैं प्रचार नहीं कर रही हूँ, मैं तो बस लिख ही रही हूँ; तुम्हारे भीतर प्रचार करनेवाली आत्मा है। ओह, जी हाँ! आप के पास औरतें हैं जो अपने अपने पतियों का सन्देश का प्रचार कर रही हैं, और उनके नाज़ुक-हड्डीरहित पति प्रंचारमंच से गर्जनों का प्रचार कर रहे हैं। ओह, जी हाँ! ये सब लोग जो ऐसे ऐसे कामों को करते हैं और

ऐसे ऐसे पापों को करते हैं, वे उन दस इंची मोटी सलाखों के पीछे ही हैं। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, चाहे आप आज रात्रि यहाँ पर हों या आप किसी दूसरी संगति में हों, या चाहे आप दूसरे शिक्षालय से ताल्लुक ना रखते हों; आप उन दस इंची मोटी सलाखों के पीछे ही हैं। ओह, जी हाँ! क्या हम थोड़ा सा और आगे जा सकते हैं? विचारधारा का दूसरा शिक्षालय अधोलोक का भवन है। मैं उसे फिर से दोहरा देता हूँ। मेरे भाइयों और बहनों, वह अधोलोक का वही भवन है जिसका स्वप्न भाई ब्रन्हम को सन् 1965 में दिया गया था। अब इससे पहले कि मैं समाप्त करूँ, मैं अब आपको उस स्वप्न की थोड़ी सी अन्दरूनी झलक दूँगा। वह स्वप्न ''काम विश्वास का प्रकटीकरण हैं'' नाम सन्देश से लिया गया है।

अधोलोक के भवन का एक स्वप्न

''किसी दूसरी सुबह मैंने एक स्वप्न देखा था। मैं अक्सर बहुत ज्यादा स्वप्न नहीं देखता हूँ, मैं स्वप्नदर्शी नहीं हूँ। लेकिन मैंने उस स्वप्न में एक पुरुष को, एक नवयुवक को बेडियों से जकड़ा हुआ देखा। वह उससे बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था, और..और मैं बोला..किसी ने मुझसे कहा, ''वे डरावने किस्म के लोग हैं, उन से किसी तरह का कोई सरोकार मत रखना।'' और मैंने देखा, कि वह युवक अपनी उन बेड़ियों में से बाहर निकल रहा था; अतः मैंने उसे बस अकेला छोड़ दिया। मैंने सोचा, ''मैं बस देखूँगा, कि वह क्या करता है।'' अतः वह बाहर निकला, और वह एक भला सज्जन था। मैंने और दूसरों को भी बाहर निकलने की कोशिश करते हुए देखा।

अब, यह सिर्फ एक स्वप्न था। और मैं चलकर इस ओर गया, ***और मैंने भाई रॉय बॉडर्स को देखा;*** *वो मेरे एक परम मित्र हैं जो कैलीफोर्निया में रहते हैं। ऐसा दिखाई पड़ता था, कि मानो कुछ गड़बड़ थी, उनकी आँखें आधी बंद थीं।* ***और एक बहुत बड़ा--हो सकता है, कि कैन्सर या कोई चीज उनकी आँखों पर थी।*** *अब, कुछ था जो मुझे उन से दूर खींचने का यत्न कर रहा था। और मैंने ज़ोर से चिल्लाकर कहा,''* ***भाई बॉडर्स, प्रभु यीशु के नाम में फुरती करके उसे हटाकर फेंक दो।'' और बड़ी मुश्किल से उनका बोल निकल पा रहा था; और वो कह रहे थे, ''भाई ब्रन्हम, ऐसा करने के लिए तो इससे भी किसी बड़ी चीज की आवश्यकता होगी। भाई ब्रन्हम, मैं तो इसे अपनी पकड़ में भी नहीं ले सकता हूँ। मैं बस इसे अपनी पकड़ में नहीं ले सकता हूँ।''*** *मैंने कहा, ''ओह, भाई बॉडर्स! मैं उन से प्रेम करता हूँ।*

और किसी ने मुझे वहाँ से दूर खींचा, और मैंने दृष्टि डाली, और यह एक महिला थी, जो यहाँ पर खड़ी हुई थी। जब मैं एक छोटा लड़का था तो मैं परचुने की दुकान से राशन इत्यादि लोगों के लिए घसीट कर ले जाया करता था। और उस महिला का नाम श्रीमती

फैनटॉन था; और वह अभी भी जैफरसनविले में ही रहती है; वह मेरी और मेरी पत्नी की एक निज मित्र है। और ***वह बोली, ''भाई ब्रन्हम, हमें इससे मुक्ति दिलाओ।''*** *बोली,* ***'' यह अधोलोक का भवन है।''*** *और बोली, '' आपको गलत समझा गया है।'' और बोली, ''और आपने भी लोगों को गलत समझा है।'' बोली, ''ये भले लोग हैं । और मैंने वहाँ पर दृष्टि डालकर देखा; और वह कैदखाने की एक बड़ी कालकोठरी जैसा था, या ऐसा था, जैसे किसी बहुत बड़ी गुफा के नीचे मोटी मोटी दीवारें हों, और उसमें लोहे की मोटी मोटी सलखें लगी थीं जो आठ या दस इंची मोटी थीं। और लोग पगलाये से थे, और उनके हाथ पाँव मुड़े-तुड़े से थे, और वे इस प्रकार से अपने सिर पीट रहे थे। और वह रो रोकर कह रही थी, ''भाई ब्रन्हम, लोगों को छुड़ा लो।'' बोली, '' हमारी मदद करो; हम मुसीबत में हैं।'' मैं उसे जानता हूँ, और खुद उसका सम्बंध..मैं सोचता हूँ, कि उसका सम्बंध चर्च ऑफ क्राइस्ट या क्रिसचियन चर्च से है, जो कि चर्च ऑफ ब्रादरन कहलाता है।*

मैंने चारों ओर नज़र डाली, और कहा, ''काश मैं ऐसा कर पाता।'' और मैं आगे बढ़ता रहा और चारों ओर दृष्टि डालता रहा...मेरी देह छोटी और ज़रज़र थी, और वे लोहे की ऊँची ऊँची मोटी-मोटी सलाखें थीं; और वे बेचारे लोग वहाँ अंदर थे, और आप उनके पास नहीं पहुँच सकते थे, ***लोहे की वे सलाखें एक दूसरे से सटी हुई थीं। और मैंने निगाह डालकर देखा, कि वे अपने सिर ऐसे पीट रहे थे, कि मानो वे पगला चुके थे।***

और मैंने वहीं अंदर चारों ओर कुछ रोशनियों को झिलमिलाते हुए देखा। और मैंने ऊपर दृष्टि डाली, और वहाँ पर प्रभु यीशु खड़ा हुआ था, जिसके चारों ओर मेघधनुष की रोशिनियाँ उजाला दे रही थीं। वह बिलकुल ठीक मुझ पर दृष्टि जमाये हुए था, और बोला, '' उन लोगों को छुड़ा।'' और वह चला गया। *और मैंने सोचा, '' मैं उन लोगों को कैसे छुड़ा सकता हूँ? मेरी बाजुओं में तो उन सलाखों को तोड़ने के लिए पर्याप्त बल भी नहीं है।* ***अतः मैं बोला, ''हे अधोलोक के भवन, यीशु मसीह के नाम में उन्हें मुक्त कर दे।'' और बड़ी तेज़ चरचराहट की सी आवाज़ और धड़धड़ गिरने की सी आवाज़ आने लगीं, और पत्थर-चट्टानें कडक कर लुढ़कने लगीं, और सलाखों ढहने लगीं, और लोग चिल्लाते हुए दौड़े, ''छुड़ा लिया।'' और वे अपनी बुलंद आवाज़ से चिल्लाकर कह रहे थे, और सब के सब छुड़ा लिये गए थे।*** *और इसके बाद मैं चिल्लाते हुए पुकार कर कह रहा था, ''भाई बॉडर्स, आप कहाँ हैं?* ***परमेश्वर अपने लोगों को छुड़ा रहा है।*** *भाई बॉडर्स, आप कहाँ हैं?'' मैं उसके विषय में विस्मित हुआ।*

(काम विश्वास का प्रकटीकरण हैं, 26-11-65)

भाइयों और बहनों, पहली बात तो यह है, कि जिसे भाई ब्रन्हम ने इस स्वाप्न में देखा था, वह सन्देश का ही विश्वासी था, जो दस इंची मोटी सलाखों के पीछे था, और उसका नाम भाई बॉडर्स था; और भाई बॉडर्स की आँखों पर कैन्सर था, और वे कठिनता से ही बोल सकते थे। वह पहला शख्स जो भाई ब्रन्हम ने अधोलोक के भवन में देखा था, वह सन्देश का विश्वासी ही था। आप इसकी जैसी भी तस्वीर बनाना चाहें बना सकते हैं। और उसकी आँखों पर कैन्सर था, और भाई ब्रन्हम ने उसे बताया था, ''भाई बॉडर्स, प्रभु यीशु के नाम में फुरती करके उसे हटाकर फेंक दो।'' उसने कहा, '' भाई ब्रन्हम, मैं ऐसा नहीं कर सकता हूँ।''उसने कहा था, '' **मैं तो इसे अपनी पकड़ में भी नहीं ले सकता हूँ**।'' भाई ब्रन्हम ने कहा, ''भाई बॉडर्स, प्रभु यीशु के नाम में फरती करके उसे हटाकर फेंक दो।'' उसने कहा, ''भाई ब्रन्हम, ऐसा करने के लिए तो इससे भी किसी बड़ी चीज की आवश्यकता होगी।''मेरे मित्रों, प्रधानदूत की आवाज़ के साथ मेरी बात सुनो, वे लोग, सन्देश के वे विश्वासी जो अधोलोक के भवन की इन दस इंची मोटी सलाखों के पीछे हैं, उन्हें उस कैदखाने की उन सलाखों से बाहर निकालने के लिए तो प्रचार से भी कहीं बड़ी चीज की, ट्रैक्टों से भी कहीं बड़ी चीज की, किताबों से भी कहीं बड़ी चीज की, प्रचारक-सेवादारों की सभाओं से भी कहीं बड़ी चीज की, और तर्कों-वितर्कों से भी कहीं बड़ी चीज की,आवश्यकता होगी।

चाहे आप उन्हें सबसे बड़ी बेदारी में बैठा लें और आप उन्हें बताये, कि भाई फुरती करके उसे हटाकर फेंक दो, समझौता करना बंद कर दो भाई, और भाई पहले वाले स्कूल में वापस लौट आओ। उनका उत्तर यही होगा, ''भाई, मैं तो इसे अपनी पकड़ में भी नहीं ले सकता हूँ। भाई, ऐसा करने के लिए तो इससे भी किसी बड़ी चीज की आवश्यकता होगी।'' आप अधोलोक के भवन में हैं। इसे बदल दो। यह हो, कि कोई इसे बदल दे। यह हो, कि कोई उसे बदल दे, जो मैं कह रहा हूँ। भाई बॉडर्स सन्देश के एक विश्वासी थे, और वो कोई आम विश्वासी नहीं थे। वो भाई ब्रन्हम की सभाओं के कार्यक्रमों के मैनेजर थे। वो ''स्पोकन वर्ड पब्लिकेशन'' के लिए जिम्मेदार थे। और इस स्वप्न के कारण मैंने 1972 से भाई बॉडर्स के इतिहास को बारीकी से जाँचा-परखा; और मैंने उन से मुलाकात करी, और उनकी आँख पर निगाह डालकर देखा, कि देखूँ, कि कहीं उन्हें कैन्सर तो नहीं है। भाई बॉडर्स के दिल में पेसमेकर तो लगा हुआ था, लेकिन उन्हें कभी कोई दिक्कत नहीं हुई थी, और जब उनका देहान्त हुआ था, तो उनकी आँखों पर कोई भी कुदरती कैन्सर नहीं था। क्या वह स्वप्न विफल हो सकता है? ''यदि तुम्हारे मध्य में कोई भविष्यद्वक्ता हो, तो मैं यहोवा उससे दर्शनों और स्वप्नों में बातें करूँगा, और यदि वह कुछ कहे और वह घटित हो जाए, तो तुम उस पर विश्वास करना, क्योंकि वह मेरा भविष्यद्वक्ता है। क्या यह सही है?(सभा कहती है, ''आमीन'')

अब मैं इसके लिए कोई क्षमा-याचना नहीं करता हूँ, मैं 1972 में भाई बॉडर्स के सम्पर्क में आया, और उनसे अपेक्षा नहीं की जाती थी, कि वे एक प्रचारक हों; भाई ब्रन्हम ने बताया था, कि वो एक बिजनसमैन हैं; और हमारी सेवादारों की एक सभा हो रही थी, और भाई बॉडर्स ऊपर उठे, और उन्होंने अपनी आँखों के ऊपर आत्मिक कैन्सर को दिखा दिया। मैं मौज़ूद था, और ऐसा हुआ, कि उन्होंने इसे दिखा दिया। क्योंकि वो जानते थे, कि मैं तथा और दूसरे कई भाई वहाँ पर थे, जो परमेश्वर की सामर्थ के लिए बाट जोह रहे थे, वो बोले, '' क्या आप किसी बड़ी चीज की बाट जोह रहे हैं? शैतान आपको निश्चिय ही कोई बड़ी चीज देने जा रहा है।'' **उन्होंने परमेश्वर की सामर्थ का इंकार किया था। मेरा यकीनन है, कि भाई बॉडर्स ने इसी में ही उसे पूरा कर दिया था; और उसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो। परन्तु भाइयों और बहनों, उस दिन उन्होंने उस आत्मिक कैन्सर को दर्शा दिया था; और वह आत्मिक कैन्सर परमेश्वर की प्रतिज्ञा में अविश्वास करना था;** वह आत्मा की एक और बारिश में अविश्वास किया जाना था; एक और बेदारी के आगमन में अविश्वास किया जाना था। और वो कभी किसी ऐसे कैन्सर से न मरे जो उनकी आँखों पर था, यही कारण था, कि वह कैन्सर अविश्वास का आत्मिक कैन्सर था। और जब आप का परमेश्वर के वचन पर अविश्वास होता है, जब आपके पास परमेश्वर के वचन के लिए आलोचनाएं होती हैं, जब आप पर अपने याजक-पास्टर के विरोध में अहंकारी-अभिमानी आत्मा होती है, तो आपको कैन्सर खा चुका होता है। यह समय होता है, कि आप अपने घुटनों पर आ जाएं। ओह, हाँ! क्या हम आगे बढ़ सकते हैं! (सभा कहती है, ''आमीन'')

मेरे मित्र, उस स्वप्न में एक नवयुवक उन बेड़ियों में से बाहर निकल रहा था, और भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वो उसकी सहायता नहीं करने जा रहे थे, और उस युवक ने भाई ब्रन्हम की मदद के बगैर ही उन बेड़ियों को तोड़ दिया था, और वह खुद अपने आप ही बाहर निकल आया था। परन्तु वे भले लोग थे। भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वह युवक जिसने उस बेड़ी को तोड़ डाला था, एक भला सज्जन था। और उन्होंने महसूस किया था, कि वह एक भला इंसान था। तब वहाँ पर वे भले लोग थे जिन्होंने भाई ब्रन्हम को गलत समझा था और भाई ब्रन्हम ने भी उन्हें गलत समझा था, और उन्होंने कहा था, '' भाई ब्रन्हम यह अधोलोक का भवन है। हमें छुड़ा लो।'' भाई ब्रन्हम ने कहा था, '' मैं नहीं छुड़ा सकता हूँ, मेरे पास उन सलाखों को तोड़ने की सामर्थ नहीं है।'' वो उन्हें छुड़ा नहीं सके थे, मगर वे भले लोग थे।

भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि, जब उन्होंने अधोलोक के भवन पर दृष्टि डाली, तो वह एक बड़ी कालकोठरी के जैसा था,(वह कुछ वैसा सा होगा जैसे अमेरिका में तहखाने होते हैं)उन्होंने कहा था, कि उन्होंने मोटी मोटी दीवारें देखीं, और लोग वहाँ अंदर थे। उन्होंने कहा

था, कि उन्होंने एक बड़ी गुफा देखी थी। **यही है वह जो दूसरे शिक्षालय ने पैदा किया।दूसरे शिक्षालाय ने व्याख्यानों(Interpretations) की उन सलाखों को पैदा किया। दूसरे शिक्षालय ने लोगों की आँखों पर कैन्सर, कालकोठरी, दीवारें, बड़ी बड़ी गुफाऐं पैदा कीं।** विचारधारा के दूसरे स्कूल ने ही ऐसा किया। लोहे की सलाखें! जी हाँ! जब भाई ब्रन्हम ने नीचे दृष्टि डाली, तो उन्होंने कहा था, कि अधोलोक के भवन में जो लोग थे, उनके दिमाग पगला चुके थे। मेरे भाई, यही है वह जो इस दूसरे स्कूल ने उपजाया है। यह उन्हें **एक आयाम में, एक काल्पनिक आयाम में ले गया, और लोग पगला गए, दिमागी तौर पर उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई।** यहाँ पर इसका यह स्वप्न है। जी हाँ! लोगों के दिगाग पगला गए थे, और उनके हाथ पैर मुड़े-तुड़े थे। वास्तव में यह एक आत्मिक बात है। ''और अपने पांवों के लिए सीधे मार्ग बनाओ, कि लंगड़ा भटक न जाए, पर भला-चंगा हो जाए।'' (इब्रानियों 12:13)

उनके हाथ पांव मुड़े तुड़े थे और वे अपने सिर लोहे की सलाखों पर मार रहे थे, इसका मतलब ये है, कि वे और भी गलत अर्थ निकालकर तस्वीर बनाने की चेष्टा कर रहे हैं। यही है वह जो इन गर्जनों ने पैदा किया है। यही है वह जो तुम ने उपजाया है, अधोलोक का एक भवन जिसमें मेरे भाई और बहन कैद में जकड़े हुए हैं, और वे वहाँ अंदर रो रहे थे-चिल्ला रहे थे, जैसे कि आप इस तरह से रो कर पुकारने का शब्द सुनते हैं, '' आओ, और हमें छुड़ा लो, हमारी मदद करो।'' क्या आपने कुछ चिल्लाहटें सुनी हैं? क्या आपने छुड़ौती के लिए कुछ चिल्लाहटें सुनी हैं? (सभा कहती है, ''आमीन'') क्या आपने कुछ ऐसी चिल्लाहटें सुनी है जो कह रही हों, कि आकर हमारी मदद करो।'' हमें उस घड़ी के लिए इन्तज़ार करना है। मेरे अज़ीज मित्र, इसके लिए एक समय है, एक घड़ी है, और एक कार्य-योजन है। हम खुदावंद से आगे नहीं दौड़ सकते हैं। वे अपने सिरों को पीट रहे थे। स्वप्न में कहा गया था, कि उनके दिगाम पगला गए थे, उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी; और अज़ीजों, इन गर्जनों वाले सारे के सारे लोगों की बुद्धि भ्रष्ट हो गई है।यह झूठे गर्जन ही हैं, जिन्होंने उन्हें वहाँ पर कैद में जकड़ा हुआ है। और कुछ घटित हुआ था, अब ये बस मेरी अन्तिम टिप्पणी है।

भाई ब्रन्हम उन लोगों को आज़ादी नहीं दिला पाये थे; और मुझे इस बात का भी अवश्य ही उल्लेख कर देना चाहिए, कि संस्थागत लोग भी वहाँ अंदर थे, एक स्त्री वहाँ पर ऐसी थी जिसका ताल्लुक संस्था से था। अतः यह छुड़ौती ना केवल मलाकी 4 के लोगों के लिए ही आ रही है, यह तो उन चुने हुओं के लिए भी आ रही है, जो संस्था में हैं। और भाइयों और बहनों, भाई ब्रन्हम ने किसी चीज पर ध्यान दिया था। उन्होंने ध्यान दिया था, कि **मसीह वहाँ अंदर खड़ा हुआ था-उसने उन से मुलाकात की थी;** और वहाँ पर मेघधनुष के रंगों वाला प्रकाश था जो झिलमिला रहा था। वहाँ पर मेघधनुष वाचा वाला मसीह था,

प्रकाशितवाक्य 10:1। वहाँ उसके अंदर मेघधनुष वाचा वाला मसीह था, और उसने भाई ब्रन्हम से इन लोगों को छुड़ाने के लिए कहा था, और इसके तुरंत बाद ही वह चला गया था। और उसके बाद भाई ब्रन्हम ने कहा था, ''मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ? ये सलाखें तो मोटी मोटी हैं''; पर उसके बाद कोई बात उनके दिमाग में कौंधी, और फिर अधोलोक के उस भवन से उन लोगों को ऐसे वह छुड़ौती मिलती है, उन्होंने कहा, हे अधोलोक के भवन, यीशु मसीह के नाम में उन्हें मुक्त कर दे।'' जो काम उनकी भुजा से नहीं हुआ, वह काम बोले हुए वचन ने कर दिया था। वही तो आपके असली गर्जन हैं। वही तो आपका वह असली तीसरा खिंचाव था। यही वह असली सेवकाई है जो धरती के मुखमंड़ल पर आने वाली है।

वहाँ अंदर से तुरन्त ही मसीह चला गया था, और वह भाई ब्रन्हम से बोला था, और उसने कहा था, ''उन लोगों को छुड़ा।'' मेरे दोस्त, क्या मुझे नीचे बैठ जाना चाहिए और भाई ब्रन्हम के मरे हुओं में से जिन्दा हो जाने का इंतज़ार करना चाहिए? मेरे पास आपके लिए एक खबर है। मैं इस स्वप्न के द्वारा पुनरुत्थान वाली शिक्षा को गलत साबित करूँगा। भाई बॉडर्स मर चुके हैं। क्या भाई ब्रन्हम को आने के लिए मरे हुओं में से फिर से जी उठना चाहिए और भाई बॉडर्स को जिला उठाना चाहिए? और क्या उन्हें भाई बॉडर्स को छुड़ाना चाहिए? नहीं, मेरे दोस्त! **भाई ब्रन्हम तो किसी बात को दर्शा रहे थे, और वह है अन्तिम समय वाली सेवकाई; और भाई बॉडर्स सन्देश के अनुयायियों को दर्श रहे थे। यदि भाई बॉडर्स मलाकी 4 के अनुयायियों को दर्शा रहे थे, और भाई बॉडर्स कहीं पर नहीं पाये गए थे, जब भाई ब्रन्हम ने कहा था, ''भाई बॉडर्स, आप कहाँ हैं; आप कहाँ हैं?'', क्योंकि वे तो पहले ही मर चुके हैं।**

अब यही उन गर्जनों की सच्ची सेवकाई है जो अब आ रहे हैं; जबकि दूसरा शिक्षालय अपने झूठे अभिषिक्तों के द्वारा सारे संसार भर में लोगों पर जादू चला चुका है, तो मेरे भाई, इसके बाद अब असली-सच्चे गर्जन परमेश्वर के असली कार्य-योजन और परमेश्वर की असली पाँच प्रकार की सेवकाई के द्वारा आने जा रहे हैं; और यह बाहर उन प्रतिज्ञाओं में जायेंगी, जिन्हें गर्जनों के सिलसिले में किया गया था। यह वही झुण्ड़ है, जो नये नाम के साथ आगे बढ़ने जा रहा है। (यह नया नाम ''यीशु'' नहीं है, और ना ही यह ''परमेश्वर का वचन'' है। यह वाला झुंड़ तो तीसरे खिंचाव की सामर्थ में, सात गर्जनों की सामर्थ में होकर आगे बढ़ेगा; और वे आगे ही बढ़ ते चले जा रहे होंगे। और जब वे वहाँ बाहर जाते हैं, तो उन के पास बोला हुआ वचन होता है; और ये सलाखें आत्मिक व्याख्यान हैं, और ये सलाखें ही वे वस्तु थीं जिन्होंने हमारे भाइयों और बहनों को कैद किया हुआ था, और बोला हुआ वचन वहाँ पर आगे बढ़कर गया, और बोला, ''हे अधोलोक के भवन, यीशु मसीह के नाम में उन्हें

मुक्त कर दे।'' और नबी ने कहा था, कि कैदखाना जरजरा कर गिरने लगा और वे सलाखें ढहने लगीं। क्या यह सही है? मेरे अज़ीजो, जब परमेश्वर की वह सामर्थ आती है, तो आप चिंगारियों को झिलमिलाते हुए देखोगे, ऐसा भाई ब्रन्हम ने कहा था। उन्होंने कहा था, कि कोई तो इस दर्शन को पकड़ेगा, और इसे लेकर आगे बढ़ेगा, और ये चिंगारियाँ झिलमिलायेंगी। जी हाँ! '' मैं इसका अपने सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करता हूँ।''

एक ऐसा महान-जबरदस्त समय है जो आने वाला है; और हम अपने भाइयों और बहनों को निकम्मा नहीं ठहराते हैं। जी नहीं, हम अपने भाइयों और बहनों की भर्त्सना नहीं कर रहे हैं। हम यह नहीं कह रहे हैं, कि सन्देश में हर कोई ही शैतान है; और हम ही परमेश्वर की औलादें हैं। जी नहीं, श्रीमान! भाइयों और बहनों, हम तो यही कह रहे हैं, कि विचारधारा के दूसरे शिक्षालय ने भले लोगों पर जादू किया हुआ है और असली-सच्चे गर्जनों के द्वारा उनकी छुड़ौती का समय आ रहा है। और जब असली-सच्चे गर्जन आते हैं, तो ऐसा सामर्थ में होने जा रहा होगा, और उन सभी वायदों और प्रतिज्ञाओं को पूरा किया जा रहा होगा, जो भाई ब्रन्हम ने गर्जनों के विषय में बोली थीं। यह रातों रात ही दुल्हन को एक ही सूत्र में पिरो देगा, क्योंकि इसका खुलासा जन-साधारण में होगा, और ऐसा ''स्वर्ग पर उठाये जाने'' से बिलकुल ठीक पहले होगा।

अतः हर एक वह संगति जो उन सलाखों के पीछे है, जो उन व्याख्यानों के पीछे कैद है, बेनकाब हो जायेगी, और परमेश्वर की सन्तानें वहाँ से कूद कर बाहर निकल आयेंगी, और वे सच्चे भाई और बहन होंगे, और वे आपकी गर्दन से लिपट कर आपको चुम्बन करेंगे, और आप भी उन्हें गले लगाकर उनका चुम्बन करेंगे। जी हाँ! और वे इस बात को स्वीकार करेंगे, कि वे उन झूठे गर्जनों के बहकावे में आ गए थे। और रातोरात ही परमेश्वर की सामर्थ आगे बढ़कर जायेगी, और वे तीसरे खिंचाव के प्रकटीकरणों को पहचान लेंगे। क्या आप नहीं देखते हैं, कि क्या हो रहा है? क्योंकि जब वे उस तीसरे खिंचाव को साक्षात् प्रकट होते हुए देख5तते हैं, तो वे जान जाते हैं, कि यह तो परमेश्वर ही है जो ऐसा कर रहा है। ठीक इस समय परमेश्वर के पास संसार की कुछ जगहों पर एक फ़ौज है, जिसकी उस सामर्थ को साक्षात् प्रकट करने के लिए ट्रेंनिग चल रही है। और जब वह साक्षात् प्रकट होती है, तो वे तीसरे खिंचाव की सामर्थ को पहचान जायेंगे। उन्हें इस बात का एहसास हो जाएगा, कि यही है वह जो असली गर्जनों को उपजाना है। अतः सबसे पहले तो आपके पास ''एक साथ इकट्ठा होना'' होगा, और वही सात गर्जनों वाली असली बेदारी होगी। जी हाँ! एक बेदारी ही तो उस सामर्थ की महत्ता को प्रकट करती है जो परमेश्वर के वचन में होती है। और जब वह

बेदारी आगे बढ़ती है, तो वे ऐसी जबरदस्त सामर्थ, चिन्हों, और आश्चर्यकर्मों, के साथ आगे बढ़ रहे होंगे, कि वे भाई जो उन जमघटों में हैं और सत्यनिष्ठ हैं, उसे देखेंगे, और कूद कर बाहर निकल आयेंगे, और उनके उन झूठे गर्जनों का परित्याग कर देंगे। जी हाँ! और जब वे इन झूठे गर्जनों का परित्याग करेंगे, तो दुल्हन एक साथ इकट्ठा होना शुरू हो जायेगी, ''नया नाम'' प्रकट हो जाएगा; और जब वह नया नाम प्रकट हो जाएगा, तो हम उस नये नाम की सामर्थ में आगे बढ़ रहे होंगे, क्योंकि यही तो वे गर्जन है।

मेरे भाइयों और बहनों, तब मरे हुओं को जिलाना एक आम-साधारण सी बात होगी, और न्याय परमेश्वर के भवन से ही शुरू हो जाएगा। क्या आप देखते हैं, कि वह कहाँ पर जाकर फिट बैठता है? अतः ''सात गर्जन'' एक न्याय की सेवकाई है, अतः न्याय की शुरूआत परमेश्वर के भवन से ही होती है, और जब वहाँ पर प्रचारक खड़ा होता है और कहता है, कि ब्रूस झूठा है, और यह मोमबत्ती बेचनेवाला; इसके साथ परेशान होते मत फिरो; मेरे भाई, एक नबूवत निकलकर आयेगी। क्या आप इसका विश्वास करते हें?(सभा कहती है,''आमीन'') क्या पौलुस ने ऐसा नहीं किया था? क्या हनान्याह और सपिरा मौत से नहीं मर गए थे? क्या भाई ब्रन्हम ने नहीं कहा था, हनानन्याह और सपिरा वाला एक और खुल्लमखुला प्रकटीकरण आने वाला है? मैं भविष्यवाणी करता हूँ, कि सबसे पहले तो इन प्रचारकों में से कुछ पर ही इसका इस्तेमाल होगा; इन झूठे अभिषिक्तों में से कुछ पर इस का इस्तेमाल होगा, ताकि मंड़ली की छुड़ौती की जा सके। **(श्वेत घोड़े वाला सवार अर्थात् मसीह की वह सेवकाई जो दुल्हन के माध्यम से होनी है, उस अगले घुड़सवार को ही राह से बाहर कर देगी)**

और दुल्हन के पास एक सामर्थ आने जा रही है। और तब जब परमेश्वर की सामर्थ दुल्हन के पास आ जाती है, दुल्हन पर चोटी का पत्थर पहले से ही आ जाता है, पवित्र आत्मा का जबरदस्त रीति से उंड़ेला जाना मसीह की दुल्हन पर आ जाता है, तो उसके बाद वह सामर्थ में चलने लगती है। परमेश्वर की सारी की सारी सन्तानों को कैदखानों में से छुड़ाने के लिए तीन से छः महीने लग जायेंगे। यही है वह जो गर्जनों को उत्पन्न करना चाहिए। क्या आपको इसकी तस्वीर नहीं दिखाई देती है?

यह एक स्पष्ट तस्वीर है! पहले तो दुल्हन की एक बेदारी होनी है, जो एक एकता-मेल मिलाप को लेक र आयेगी, हम नये नाम की सामर्थ से लैस होंगे, और वह कोई भी जो मूर्खता करता होगा, उस पर न्याय आ पड़ेंगे। और जबकि वह न्याय वहाँ बाहर जाता है, मेरे भाइयों और बहनों, अब दुल्हन रूप में ढ़लने लगती है और कुछ निश्चित बातें उस पर प्रकट होने लगती हैं। अब उस नये

नाम का रूपान्तरण से सरोकार होता है। क्या भविष्यद्वक्ता ने ऐसा ही नहीं कहा था? इस कलीसिया को बदलने के लिए तो किसी चीज की आवश्यकता होगी, और कोई मनुष्य उसे नहीं जानता है, उसे सिर्फ परमेश्वर ही जानता है। यही है वह जिस रीति से भविष्यद्वक्ता ने इसके बारे में बतलाया था।

अतः यह नया नाम ऐसा है, और हमारे पास यह नया नाम होगा; जो कि रूपान्तरण के लिए एक कुंजी है, अतः आप उस नये नाम को हासिल कर लेना। जी हाँ! और उसके बाद ही आप बाहर निकलकर जाना शुरू करते हैं। और उसी नये नाम के द्वारा मुर्दे जी उठेंगे, और यही पहला पुनरुत्थान लेकर आएगा। क्या आप सोचते हैं, कि क्या तब आप शक कर रहे होंगे, कि आप स्वर्गारोहरण में जायेंगे, या नहीं? (सभा कहती,''जी नहीं'') क्योंकि ऐसा नये नाम के द्वारा ही होता है। अतः सबसे पहले उन्हें जिलाया जाएंगा, और जब वे उसी नये नाम की सामर्थ के द्वारा जी उठेंगे, तो उसके बाद(अब इस सब का सम्बंध उस तुरही से है, जो फुंकेगी)प्रकाशन पर प्रकाशन, प्रकाशन पर प्रकाशन आता चला जाएगा, जब तक कि आप उस अन्तिम तुरही पर क्षण भर में बदल नहीं जाते हैं, और तब सात गर्जनों के द्वारा स्वर्ग पर उठाया जाना होगा। हम ऐसी ही स्थिति में हैं!

क्या ये व्यर्थपूर्ण बकवास जिसे वे सात गर्जन कहते हैं,असली-सच्चे गर्जनों से मेल खा सकते हैं? (सभा कहती है, ''जी नहीं'') निश्चय ही, नहीं! यही कारण है, कि विचारधारा का दूसरा शिक्षालय शैतान वाला, काल्पनिक, और झूठे अभिषिक्तों वालों के रूप में बेनकाब हो चुका है; और वे सब जो उस शिक्षालय में हैं, उन्हें तुरंत ही उस स्कूल को छोड़ देना चाहिए, और परमेश्वर के कार्यक्रम के लिए ज़ोर लगाकर इंतजार करना चाहिए, और असली-सच्चे गर्जन कलीसिया के पास शीघ्र ही आने वाले हैं। मेरे भाइयों और बहनों, ठीक इस समय वह घड़ी पास आती चली जा रही है, और जो कुछ धरती पर ठीक इस समय इस्राएल में हो रहा है उसे देखकर मुझे यकीन है, कि ऐसा शीघ्र और अति शीघ्र होने जा राहा है; और झंझोड़ देने वाला वह आत्मा हमारे मध्य में मंड़रा रहा है, और मेरा यकीन है, कि पवित्र आत्मा का वह उंड़ेला जाना किसी भी क्षण हो सकता है। मेरी आपको यही सलाह है, कि आप तैयार रहें, पिन्तेकुस्त के जैसे ही एकाएक हम संसार के किसी भाग में स्वर्ग से उस एक आवाज़ को सुनने वाले हैं, जिसका स्वर होना है, और बच्चों हमें तैयार हो जाना चाहिए।

अब प्रभु यहाँ पर उन सारे महीनों में व्यर्थ ही हम पर उस प्रकार से अभिषेक नहीं कर रहा है, और झंझोड़ कर रख देने वाली यह महान आत्मा उस रीति से यूँ ही नहीं मंड़रा रही है,

क्योंकि भाइयों और बहनों, यह आपको झंझोड़ने का प्रयास कर रही है, आपको एक मुकाम पर लाने का प्रयास कर रही है, आपको स्वामी के उपयोग के लिए तैयार और उपयुक्त बनाने का प्रयास कर रही है। रेगिस्तान के किसी भाग में फसल उग रही है, और हम विश्वास करते हैं, कि हम उन लोगों का हिस्सा हैं जी हाँ! परमेश्वर के पास एक फसल है, जो कहीं पर उग रही है। जी हाँ! आइये हम प्रायश्चित करें, और प्रायश्चित करने के इस काम में लगे रहें; हम दुआ-प्रार्थना करते रहें; हम आराधना-उपसाना करते रहना ज़ारी रखें, हम अपनी विनती-निवेदनों के राज परमेश्वर के पास और भी नज़दीकी में लेकर जाएं, हम अपने घुटनों पर आ जाएं, उपवास और प्रार्थना करें, परमेश्वर को पुकारें। एक समय आ रहा है, और जो जा रहा है वह जाता रहे, और जो आ रहा है वह आता रहे -जो होना है वह होता रहे। जी हाँ! दाना तो छिलके को पीछे छोड़ देगा। सिर्फ दाना ही स्वर्गारोहण में जाएगा, और जो जाता है जाए, और जो आता है आए। जी हाँ!

परमेश्वर हमारे भाइयों को अफ्रिका में आशीष दे। परमेश्वर हमारे भाइयों को हिन्दुस्तान में, यूरोप में आशीष दे। परमेश्वर हमारे भाइयों को गैटिन में आशीष दे। परमेश्वर हमारे भाइयों को उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका में आशीष दे, जो विश्वास की रखवाली करने में लगे हुए हैं। जी हाँ! आप में से कुछ जो यहाँ पर हैं,खूब भरे हुए हों, तुम काफी प्रकाशन सुन चुके हो, आप भेड़ों को चराने पर ज्यादा लग जाएं, यह वह समय है, कि बाकी संसार सन्देश सुनें। जी हाँ1 और यह सामर्थ में जाने वाला है। खुदावंद सात गर्जनों को पब्लिक पर वैसे ही तोड़ने जा रहा है जैसा उसने वायदा किया था, और लोग भाई ब्रन्हम के सन्देश को सामर्थ में सुनेंगे; और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाए, और उसके बाद अंत आ जाएगा। बेहतर होगा, कि आप जाग जाएं, और मुस्तैद हो जाएं, मेरे दोस्त, इधर-उधर सुस्त व ढीले न पड़े रहो। लौदीकियायी काल वाली उस दुष्टात्मा को अपने से दूर कर दो।(प्रायश्चित, प्रार्थना, और आराधना डेढ़ घन्टे से भी ज्यादा देर तक चलती रहती है।

विचारधारा के दूसरे शिक्षालय द्वारा 17-10-2001 को पास्टर माइकल- फ्रीटॉऊन सीरा लीओन से लिखे गए पत्र का सारांश

इस पास्टर महोदय ने हमसे हमारी पुस्तकों के लिए फरीयाद की थी, और उन्होंने उन में से कुछ को पढ़ा और उन्होंने बड़े ही विनम्र रवैये के जरिये अपनी पहचान विचारधारा के दूसरे

शिक्षालय के साथ करायी। उनकी मत-सार प्रस्तुतिकरण में एक असाधारण अन्तर पाया जाता है, कि वो विश्वास करते हैं, वैसे तो सातवीं मोहर/सात गर्जन 1963 में प्रकट नहीं हुए थे, और अपने तर्क को तर्कसंगत बनाने के लिए उनका कहना है, लेकिन उसका रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा हो गया था। विचारधारा के पहले स्कूल की तरफ से हमारा उन से प्रश्न यह है, कि कब? कहाँ? और किस टेप पर भाई ब्रन्हम के द्वारा इसका खुलासा हो गया था?

पास्टर माइकल द्वारा लिखी बातें

हमारे प्रभु के सुसमाचार के एक सेवक के रूप में, और उस के रूप में जो वफादारी से उस विश्वास की रखवाली कर रहा है जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था, मैं ने सोचा, कि यह उपयुक्त होगा, कि मैं अपनी राय को आपके साथ सेंतमेंत में बाँढूँ। जैसाकि मै ।ने आपकी पुस्तकें पढ़ीं हैं, मैं समझता हूँ, कि तुम भाई दोष निकालनेवालों के जैसे ही यह विश्वास करते हों कि इस दिन के लिए भविष्यद्वक्ता-सन्देशवाहक के द्वारा ना तो सातवीं मोहर खोली गई थी और ना ही प्रकट की गई थी।

सातवीं मोहर खोल और प्रकट कर दी गई थी

मैं किसी प्रकार का कोई मुकाबला नहीं कर रहा हूँ, पर हम विश्वास करते हैं, भाई ब्रन्हम के द्वारा सातवीं मोहर खोल और प्रकट कर दी गई थी। जैसाकि तुम लोगों ने अपनी शिक्षाओं के समर्थन में हवाले दिये हैं, वैसे ही हम भी अपनी शिक्षाओं के समर्थन में हवाले दे सकते हैं। इसके अलावा, हवालों का ना तो कोई मायने हैं या ना ही उन से कोई बात तार्किक साबित होती है, लेकिन हम विश्वास करते हैं, बाइबिल(वचन) को अवश्य ही बिलकुल ठीक ठीक बांटा जाएं, जैसाकि पौलुस ने दूसरे तीमुथियुस 2:15 में कहा था,'' शब्द तो मारता है, पर आत्मा जिलाता है।'' मुझे आपको भविष्यद्वक्ता के अनेकोंनेक हवाले देना अच्छा लगेगा, लेकिन हम पवित्र आत्मा के काम करने में विश्वास करते हैं। एक हवाला है''दानिय्येल के सत्तर सप्ताह पृष्ठ संख्या 80 पैरा संख्या 20''

मेहरबानी करके आप ध्यानपूर्वक हमारी शिक्षाओं का अध्ययन करें, अर्थात् यह कि सातवीं मोहर खुल गई थी, और उसके बाद अगर जरूरी होता है, तो आप हमारा सुधार कर सकते हैं, क्योंकि हम हमेशा ही सीखने के लिए और सुधार करने के लिए तैयार रहते हैं। हम विश्वास करते हैं, कि सातवीं मोहर खुल गई थी।

भाई ब्रन्हम ने कहा था, सातवीं मोहर का 1963 में खुलासा नहीं हुआ था

भाई ब्रन्हम ने ''इस बुरे युग का ईश्वर'' सन्देश 01-08-65 में पेज़ 4 पर तथा'' और वे नहीं जानते'' सन्देश 15-05-65 के पेज़ 23 में तथा और दूसरी कई जगहों पर, खासतौर पर सात मोहरों के प्रकाशन में पेज़ 576-577 में ज़ोर देकर कहा था, कि सातवीं मोहर का

खुलासा नहीं हुआ था।'' परन्तु फिर भी इन उपरोक्त हवालों को सिर्फ उस एक हवाले के लिए, जो सात कलीसियायी कालों की व्याख्या की पुस्तक के पृष्ठ 327-पृष्ठ 328 पर है, गलत साबित कर सकते हैं, और वह हवाला इस प्रकार है- *'अब मलाकी 4 और प्रकाशितवाक्य 10:7 का यह सुसमाचारदूत दो काम करेगाः पहला- मलाकी 4 के अनुसार वह बालाकों के मनों को पितरों की ओर फेरेगा। दूसराः वह प्रकाशितवाक्य 10 में पाये जाने वाले सात गर्जन के शब्दों का खुलासा करेगा, जो कि वे प्रकाशन हैं, जो सात मोहरों में पाये जाते हैं। ये वे ''भेदपूर्ण सत्य'' होंगे, जिनका दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही खुलासा किया जाएगा; और ये ही वास्तविक रूप में बालकों के मनों को पिन्तेकुस्त वाले पितरों की ओर फेरेंगे। बिलकुल ठीक ऐसा ही है।'' आप ध्यान दें, कि वह दो काम करेगा।*

सातवीं मोहर खुल गई थी, भेदपूर्ण सत्यों का प्रकटीकरण हो गया था

फिर यह है, कि अगर सातवीं मोहर नहीं खुली थी, तो भाई ब्रन्हम की सेवकाई क्या थी, और जो भाई ब्रन्हम सातवें सन्देशवाहक के रूप में सन्देश लाये थे, वह क्या था? अगर सातवीं मोहर नहीं खुली थी, तो हम सबसे ज्यादा अभागे और बरबाद लोग हैं, क्योंकि फिर तो परमेश्वर की वे सारी प्रतिज्ञाऐं जो दुल्हन के लिए जगत की उत्पत्ति से पहले छिपी रखी थीं, वे तो अभी भी छिपी हुई ही हैं, और तब तो दुल्हन ना तो कभी सिद्धता तक पहुँचेगी और ना ही कभी सम्पूर्ण वचन की परिपूर्णता हासिल करेगी। सातवीं मोहर का खुलना ही दुल्हन के उत्तरों को लेकर आया, जिन्हें सिर्फ गर्जनों में ही मालूम किया जा सकता है, जो परम आलौकिक रीति से प्रकट हुए सत्य हैं, जो दुल्हन को दिखा सकते हैं-1. कैसे उसे उस रूपान्तरण वाले महान दिन के लिए तैयार होना है, (2) और वही उसे स्वर्गारोहण वाला विश्वास प्रदान करता है, और(3) उसे उसकी बेदारी देता है। आमीन! इत्यादि-इत्यादि।

क्या आठवाँ दूत या दुल्हन गर्जनों का प्रकटीकरण करती है

अगर वे सात गर्जन जो सातवीं मोहर में पाये जाने हैं, प्रकट नहीं हुए थे; जैसाकि तुम भाई लोग कहते हों, तो फिर कौन इसका प्रकटीकरण करने जा रहा है, और मुख्य भविष्यद्वक्ता के अलावा इनका कब प्रकटीकरण होने जा रहा है? या क्या हम आठवें भविष्यद्वक्ता के आने की आशा कर रहे हैं, या इसका प्रकटीकरण दुल्हन के द्वारा होने जा रहा है? कृप्या, क्या आप इन प्रश्नों का उत्तर देकर हमारी सहायता करेंगे?

सातवी मोहर छः मोहरों को प्रकट करती है

हम विश्वास करते हैं, कि सातवीं मोहर के खुलने से सात गर्जनों का प्रकटीकरण हुआ। अगर सातवीं मोहर ना खुली होती, तो हम गर्जनों को कभी नहीं जान पाते या ये नहीं जान पाते हैं, कि उन पहली छः मोहरों का क्या अर्थ होता है। उन सारी छः मोहरों में कुछ न कुछ सुना गया था, और कुछ न कुछ देखा गया था, परन्तु सातवीं मोहर पर व्यवाहारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया था, इसके विपरीत वहाँ पर सन्नाटा था; क्यों? हम विश्वास करते हैं, कि वह सातवें

सन्देशवाहक, भाई ब्रन्हम की सेवकाई थी। भाई ब्रन्हम ने छः मोहरें प्रचारीं, और सातवीं मोहर पर उससे सम्बन्धित कुछ भी नहीं कहा गया था, बल्कि ऐसा करने के बजाए, उन्होंने भेदपूर्ण घटनाओं का, दर्शनों का, स्वप्नों का, और अनुभवों का उल्लेख करना शुरू कर दिया था। वह सब कुछ जो कहा जाना था, उनके माध्यम से कह दिया गया था, और यही सातवीं मोहर के खुलने को पूरा कर रहा था, जैसाकि यह सात कलीसियायी कालों की पुस्तक के पेज़ 327-328 के अनुसार उनकी सेवकाई की दूसरी प्रवस्था थी, कि प्रकाशितवाक्य 10:7 में पाये जाने वाले गर्जनों के गुप्त भेदों का प्रकटीकरण करें। ***ध्यान रखिए, सात मोहरों और सातवीं मोहर में अंतर होता है।***

सातवीं मोहर खुल गई थी-सन्नाटा

प्रकाशितवाक्य 8:1 में मोहर खुल गई थी, पर वहाँ पर एक सन्नाटा था, तो फिर यह सन्नाटा किस लिए था? और प्रकाशितवाक्य 10:4 में यूहन्ना से उन बातों पर मोहर करने के लिए कहा गया था जो सात गर्जनों के शब्दों नें कही थीं और उसने उन्हें लिखा नहीं था। और प्रकाशितवाक्य 10:7 के अनुसार, ''परन्तु सातवें दूत के दिनों में, जब वह...'' इन गुप्त भेदों को सातवें दूत के द्वारा प्रकट किया जाना है, ना कि दुल्हन के द्वारा या किसी दूसरी सेवकाई के द्वारा। हम किसी और दूसरी रीति या रूप में गर्जनों पर विश्वास नहीं करते हैं, वरन हम तो उन पर वैसा ही विश्वास करते हैं, जैसा नबी ने कहा था, कि ये वे भूदपूर्ण सत्य हैं जिनका दिव्य रीति से खुलासा हो गया था, और जो उस मोहर में पाये जाते हैं। और ये ही वे हैं जो वास्तविक रूप में हमारे ह्रदयों को पिन्तेकुस्त वाले पितरों की ओर फेरेंगे। आमीन!

डेढ़ घन्टे का सन्नाटा

आपको भाई जूनियर जैकसन का स्वप्न तो याद होगा ही।''इस पर कोई धूप नहीं पड़ी थी।'' यह निश्चित तौर पर दुल्हन के लिए एक भेद था। यह वहाँ पर नहीं था, यही कारण था, कि हमारे पास डेढ़ घन्टे का सन्नाटा है; यह स्वर्ग से आया दुल्हन के लिए एक दम नया प्रकाशन है। ओह! अनुकम्पा से भरा असीम अनुग्रह!

भाई, इतना सब लिखकर मैं आप की ओर से अति शीघ्र जवाब सुनने की आशा में यही लिखना बंद करता हूँ। मेरे निष्ठा भरे अभिवादन अपने क्षेत्र के पवित्र-संत लोगों तक पहुँचा देना। अगर आपके पास ई-मेल ऐड्रस है, तो आप इसे मेरे लिए भेज सकते हैं, ताकि हम भविष्य में झटपट विचारों का आदान-प्रदान कर सकें। होने पाये खुदावंद हमें आशीष प्रदान करे, जैसा कि हम उसके अति शीघ्र होने वाले आगमन की बाट जोहते हैं। धन्यवाद!

आपकी सेवा में ***पास्टर माइकल***

बेथेल ''दा हाऊस ऑफ गॉड''
कलकत्ता रोड़ न. 2, पोस्ट बॉक्स न. 238

फ्रीपोर्ट, त्रिनिडाड, वेस्ट इन्डिज़्

विषयः <u>सातवीं मोहर/सात गर्जनों का प्रकटीकरण नहीं हुआ था</u>

एक दिसम्बर 2001-जवाबी चिठ्ठी

भाई और पास्टर माइकल, यीशु मसीह के प्यारे नाम में आपको प्रणाम! आपका आपके अति स्वागतपूर्ण पत्र के लिए धन्यवाद। मेरे लिए यह बड़ी ही खुशी की बात हैं, कि आप से, जो मासीह के एक सेवक है, जान-पहचान होने पायी। मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, कि हम मसीह के और अनन्त जीवन के मामले में सहमत हो सकते हैं, यद्यपि हम शिक्षा की एक बात पर असहमत हैं। अन्तिम कलीसियायी काल के सन्देशवाहक(प्रा.वा. 3:14; 10:7) के द्वारा मोहरों की पुस्तक (पृष्ठ संख्या 575-576) में सातवीं मोहर और सात गर्जनों के विषय पर जो तस्वीर खींची थी, उस पर जो आपकी सत्यनिष्ठा और समझ है, उसके लिए मैं आपकी अपने दिल की गहराई से सराहना करता हूँ। यह एक सराहनीय बात है, कि क्योंकि इस सन्देश में आप ही एक ऐसे पहले सेवादार है जिसने खुले तौर पर मुझ से ''इंकार न करने योग्य तथ्य'' पर सहमति जतायी है। आम तौर से तो ऐसा होता है, कि जो इस बात को तर्क-संगत ठहराने की चेष्टा करते हैं, कि सातवीं मोहर और सात गर्जनों का भाई ब्रन्हम के द्वारा खुलासा हो गया था; वे ऐसा उन पन्नों पर वर्णित भाई ब्रन्हम की सत्य बातों को तोड़-मरोड़ कर करते हैं।

मैंने ध्यान दिया था, कि आप उक्त विषय की ओर संजीदगी से और भाई ब्रन्हम के उन दूसरे हवालों को लेकर आगे बढ़े जो मुख्यतः कलीसियायी काल की पुस्तक के 324-327 पन्नों में नीहित हैं। मैं आपके विचार-विमर्श का आधार समझता हूँ, और मैं आपके पहले प्रश्न का उत्तर उन हवालों के माध्यम से दूँगा जो प्रमाणिक हैं। यह और भी ज्यादा विश्वसनीय है, क्योंकि कलीसियायी कालों का प्रचार 1960 में किया गया था; और उनके तीन साल बाद याने 1963 में मोहरों पर प्रचार किया गया था, जब भाई ब्रन्हम ने उस सबसे जबरदस्त अभिषेक में होकर उनका ऐसा प्रचार किया था, जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं किया था, और उन्होंने सातवीं मोहर और सात गर्जनों को एक विषय के रूप में बोला था। वो सुस्पष्ट और सुनिश्चित थे, कि सातवीं मोहर का उन पर खुलासा नहीं हुआ था; और ये वे सात गर्जन थे, जो कि एक अनजानी भाषा में थे।

हवाले-

और सबीनो केनयेन में, उसने कहा था, ''यह तीसरा खिंचाव है।'' और तीन महान बातें हैं, जो इसके साथ साथ आगे बढ़ती हैं, और एक तो आज या बीते हुए कल खुल गई थी, और दूसरी वाली का आज खुलासा हो गया था; ***और एक बात है, जिसका मैं अर्थ बतला नहीं सकता हूँ; क्योंकि यह एक अनजानी भाषा में है।*** (मोहरों की पुस्तक का पेज़ न. 564)

अब, यह क्या ही महान भेद है, जो इस मोहर के तले विद्यमान है, मैं नहीं जानता हूँ। मैं इसे नहीं जानता हूँ। मैं इसका उल्लेख नहीं कर सकता हूँ। मैं बस बता नहीं सकता हूँ, कि यह बस क्या कहती है। परन्तु मैं जानता हूँ, कि यह वह सात गर्जन थे, जो एक साथ बिलकुल साथ साथ ही अपना शब्द कर रहे थे; बस सात बार अलग अलग धमाके हुए और यह किसी और चीज में खुल गई जो मैंने देखी। तब जब मैंने इसे देखा, तो मैंने उसके अनुवाद की प्रतीक्षा की जो वहाँ से उड़ता हुआ निकला, और मैं इसे समझ ना सका था। (मोहरों की पुस्तक का पेज़ न.567)

1965 तक उनके अपने शब्दों द्वारा यह साबित होता है, कि वे अपनी बाकी की जिन्दगी के दिनों में इसी निष्कर्ष पर कायम रहें।

निम्न हवाले इस की पुष्टि करते हैं, कि भाई ब्रन्हम ने 1965 में सात गर्जनों पर कदापि प्रचार नहीं किया था, और यह बात वैसे ही सुनिश्चित है जैसे उन्होंने विपत्तियों के कटोरों और सात तुरहियों पर प्रचार नहीं किया था, लेकिन उन्होंने कलीसिया से तब तक प्रतीक्षा करने के लिए कहा था, जब तक यह खुल नहीं जाती है। हवाला-

अब, ऐसा करने के लिए एक बात है; मैं यहाँ पर प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के विपत्तियों के अन्तिम कटोरों, अन्तिम सात विपित्तियों के कटोरों, और अन्तिम सात तुरहियों, और अन्तिम सात गर्जनों पर शिक्षा देने के मकसद से आया हूँ, और इस घड़ी में जिसमें हम रह रहे है, इसे एक साथ एक ही सूत्र में पिरोने का प्रयास कर रहा हूँ, कि इसके पीछे पीछे सात मोहरों का, सात कलीसियायी कालों का खुलासा हो। अतः हमें इसके लिए जगह न मिल सकी।(इस बुरे युग का ईश्वर 1/8/65)

''आप बस तब तक प्रतीक्षा करते रहें, जब तक कि हम उन मरियों, और मोहरों और उन सात गर्जनों को खोलने पर नहीं आते हैं।'' (और वे यह नहीं जानते हैं 1/8/65)

भविष्यद्वक्ता का यह सत्यापन(प्रमाणीकरण) और निष्कर्ष-सुनिश्चितता, कि सात गर्जन एक अनजानी भाषा में थे, जिसका वो अनुवाद ना कर सके थे, इन प्रश्नों का आधार बनाता है-

(1). भाई ब्रन्हम ने सात गर्जनों की अनजानी भाषा का अनुवाद कब बतलाया था?

(2) . भाई ब्रन्हम ने सात गर्जनों का कब प्रचार किया था?

(3) . प्रभु ने कब भाई ब्रन्हम पर सात गर्जनों की अनजानी भाषा को प्रकट किया था, कि उन्हें इसका अर्थ मालूम हो जाता, कि ये परम-आलौकिक रीति से प्रकट की गई सच्चाइयाँ हैं, जो सात मोहरों में निहित थीं?

(4). सात गर्जनों के प्रचारकों को कब, कहाँ और किससे सात गर्जनों का प्रकाशन प्राप्त

हुआ?

हो सकता है, कि आप इन प्रश्नों पर मेरी सहायता कर सकें।

मैंने इस सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटना का समय, स्थान, तिथि और प्रकाशन टेप में नहीं पाया है। सिर्फ ऐसे वचन के लेख और सन्देश के प्रमाण ही अकेले ही इस बात में सामर्थी हैं, कि सातवीं मोहर और सात गर्जनों पर 1963 में दिये गये निष्कर्षों के लिए वेदी बन जाएं। इस आधार पर, कि मोटे तौर पर मलाकी 4, प्रकाशितवाक्य 10:7 की सेवकाई का खाका यह है, कि इसका हवाला वैसा ही दिया जायेगा जैसी सेवकाई मूसा की होनी चाहिए थी, और वह यह थी,कि (1) इस्राएल को मिस्र में से बाहर बुलाना, और(2) उन्हें प्रतिज्ञा किये देश में लेकर जाना; यह उसके निष्कर्ष के लिए वेदी के रूप में अपर्याप्त होगा। इसके खाके का वर्णन सम्पादक के द्वारा किया गया है, लेकिन इस बात का सबूत कहाँ पर है, कि वह अनजानी भाषा के अनुवाद का मतलब यह था, कि '' सात मोहरों की सच्चाइयों का खुलासा दिव्य रीति से हुआ?'' भविष्यद्वक्ता अपनी कलीसिया और सन्देश के समस्त विश्वासियों के लिए कर्त्तव्यबद्ध था, कि इस बात का ऐलान करे, कि गर्जनों का वह प्रकाशन जो उससे 1963 में छिपा रहा था, और जो एक अनजानी भाषा में था, एक निश्चित समय पर दिया जाना है, और यह देखकर कि लोगों में उस नाखुली हुई सातवीं मोहर और सात गर्जनों पर मतों या वादों का बनाने का खतरा मंड़रा रहा है, उसने यही निष्कर्ष निकाला था, कि इसका खुलासा नहीं हुआ था।

विलियम ब्रन्हम के पास उस अनजानी भाषा का(सात गर्जनों का) प्रकाशन हो, और वह उसे सिर्फ सम्पादक को फुसफुसाकर बतलाए, और विश्व भर में पाये जाने वाले सन्देश के विश्वासियों को सात कलीसियायी कालों की पुस्तक के पब्लिकेशन का इंतज़ार करते रहने दे, यह तो वचन के अनुसार भविष्यद्वक्ता के काम करने का ढ़ंग नहीं होता है। वचन के मामले में नबी की जो नीति थी, वह सबूत सहित विवाह और तलाक विषय पर ज़ाहिर हो गई थी, जब वह एक सुनिश्चित प्रकाशन को वैसे ही लेकर आया था जैसा उसने वायदा किया था, जबकि वह इससे पहले वह इसी विषय पर टुकड़ों में शिक्षा दे चुका था। समय, स्थान, तिथि और प्रकाशन को लिया पहचान जाता है। क्योंकि सबसे महान प्रकाशन के मामले में, स्वर्गारोहण के विश्वास के लिए सात गर्जनों के प्रकाशन के मामले में इस प्रकार की पहचानों का अभाव पाया जाता है? जब उसने यह निष्कर्ष निकाला था, कि यह 1963 में प्रकट नहीं हुआ था, तो यह किसी अनिश्चित शब्दावली में नहीं था।

जो मेरे क्षेत्र में प्रचारक हैं, वे उन प्रश्नों का निम्न लिखित बातें कहने के द्वारा उत्तर देते हैं

(1). ऐसा उन लोगों को दूर फेंकने के लिए था, जो चुने हुए नहीं हैं।

(2). भाई ब्रन्हम ने इसका मोहरों में और मोहरों के बाद सन्देशों में रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचार किया था।

(3). भाई ब्रन्हम ने सन् 1964 में प्रश्नों और उत्तर में कहा था, कि सात गर्जन सात मोहरों में प्रकट हो गए हैं।

ऐसे उत्तर मेरे प्रश्नों का सटीक जवाब नहीं देते हैं। मैं तो पूछ रहा हूँ, भाई ब्रन्हम ने किस टेप में-कहाँ पर, किस टेप में 1963 के अपने निष्कर्ष में कोई रद्दोबदल की थी, और निश्चयपूर्वक इसकी पुष्टि कर दी थी, कि अब इसका उन पर खुलासा हो गया था, जिससे सन्देश के विश्वासी उनके 1963 वाले निष्कर्ष का अपमान कर सकें? क्या वे लोग उनके उस नये सन्देश का जो टेप पर है, भी हवाला दे सकते हैं, कि अगर कोई सातवीं मोहर/सात गर्जनों को लेकर मतों या वादों के साथ उठ खड़ा होता है, तो वह विश्वासियों को असली मार्ग से भटकाने की कोशिश करता है?

मैं इसका प्रचार करता हूँ, मैं इसका विश्वास करता हूँ, और इसकी स्थापना करता हूँ, कि भाई ब्रन्हम पर 1963 में सातवीं मोहर/ सात गर्जनों का खुलासा नहीं हुआ था, और मैं उस सच्चाई को उनके ही अपने निज शब्दों, तिथि, और समय के द्वारा तर्कसंगत साबित कर सकता हूँ, और जो उन्होंने अपने जीवन काल में सात गर्जनों के प्रकटीकरण के सम्बंध में प्रमाण दिये हैं, मैं उनकी सराहना करूँगा। लोगों द्वारा जो मलाकी 4:5-6 की सेवकाई का खाका तैयार किया गया है, वह प्रमाणिक तौर पर यह दावा पेश नहीं करता है, कि सात गर्जनों को भविष्यद्वक्ता के द्वारा प्रकट कर दिया गया था। कब? कहाँ? और क्या? अगर वह सात मोहरों की दिव्य रीति से प्रकट किये गये सत्य हैं, तो फिर क्यों नहीं उन्होंने उस प्रकाशन का प्रचार ''सातवीं मोहर/ सात गर्जनों का खुलना'' करके प्रचार कर दिया होता? यह देखते हुए, कि उन्होंने ठीक उसी सप्ताह सारी की सारी छः मोहरों को और उनके प्रकाशन को प्रसारित कर दिया, तो इसके बारे में इतनी गोपनीय बात क्या थी?

मेरे लिए तो यह नई अवधारणा ही है, कि सातवीं मोहर का सन्नाटा डेढ़ घन्टे का सन्नाटा था, जबकि भाई ब्रन्हम सातवीं मोहर के विषय पर आए थे, तो उन्होंने इससे सम्बन्धित कोई बात नहीं कहीं थी। वचन में और सन्देश में कहाँ पर मैं इस किस्म का प्रकाशन ढूँढ़ सकता हूँ? आत्मा जीवन और प्रकाशन देता है, परन्तु हम जानते हैं, कि यह केवल आत्मा ही है, जो वचन की बात के किसी भी प्रकाशन की गवाही देता है। क्या विलियम ब्रन्हम सातवीं मोहर के मामले में सचमुच में खामोश थे? सात मोहरों से सम्बन्धित जो और बहुत सी बातें हैं और जो उसका प्रकाशन है, उसके साथ, उस समय पर, उन्होंने कहा था, यह प्रभु का आगमन है, जो कि खुला हुआ नहीं है। हवालाः

''सात गर्जन एक सीधी कतार में लगातार ऐसे होते चले जाते हैं जैसे मानो किसी बात का हिज्जा(अक्षर-विन्यास बतला रहे हों) कर रहे हों। ध्यान दीजिए, ठीक उसी समय यूहन्ना

ने लिखना शुरू किया, और वह बोला, ''इसे मत लिख।''यीशु ने कभी इसके बारे में नहीं बोला, यूहन्ना इसे लिख नहीं सका। स्वर्गदूत इसके बारे में कुछ नहीं जानते हैं। यह क्या है? यही एक ऐसी बात है, जिसके लिए यीशु ने कहा था, कि स्वर्ग के दूत भी इसके बारे में कुछ नहीं जानते। देखा, समझे? वह खुद भी इसे नहीं जानता था, उसने कहा था, केवल परमेश्वर ही इसे जानता है; लेकिन उसने हमें यह बताया था, कि जब हम इन चिन्हों को होते हुए देखने लगें... ''(सातवीं मोहर पेज़ 558, 24/3/63)

किसी को भी उसका आगमन मालूम नहीं होगा; वे इस सात गर्जन के भेद के विषय में भी नहीं जान पायेंगे। अतः आप देखते हैं, इसका आपस में एक दूसरे से सम्बंध है। आज हमारे पास इसकी सिर्फ यही एक समझ है; क्योंकि इसका बाकी सारा का सारा भाग खुला हुआ नहीं है; लेकिन यह खुली हुई नहीं है।(सातवीं मोहर का पेज़ 576, 24/3/63)

मेरे लिए आपका यह वक्तव्य भी नया ही है, कि, सातवीं मोहर/सात गर्जनों ने खुलासा किया, कि छः मोहरों का क्या अर्थ था, और वही दुल्हन को स्वर्गारोहण की तैयारी, स्वर्ग पर उठा लिये जाने वाले विश्वास और उसके बेदारी के सिलसिले में सारे जवाब देता है। विलियम ब्रन्हम ने कहाँ और किस टेप पर उस शिक्षा का सातवीं मोहर/ सात गर्जनों के प्रकाशन के रूप उल्लेख किया था? मैं भाई ब्रन्हम के उन एकांकी हवालों से परिचित हूँ, जो स्वर्गारोहण के विश्वास के लिए, दुल्हन की बेदारी के लिए सात गर्जनों का, और इसका वर्णन करते हैं, कि सातवीं मोहर सभी बातों की समाप्ति है। कहाँ पर उन्होंने इस बात का उल्लेख किया था, कि छः मोहरों के सत्य इन प्रतिज्ञाओं की पूर्णता है, और वे ही सात गर्जनों का प्रकाशन हैं?

मैं तो टेप पर वही ढूँढ़ सकता हूँ, जहाँ उन्होंने पहली से चार मोहरों का मसीहविरोधी के रूप में, पाँचवीं मोहर का यहूदियों के छुटकारे के रूप में, और छठवीं मोहर का क्लेश और न्याय के रूप में वर्गीकृत करके वर्णन किया है।स्वर्ग पर उठाया जानेवाला विश्वास, रूपान्तरण की शक्ति क्या है, और 7वीं मोहर/7 गर्जन छः मोहरों के तहत छिपे हुए हैं, या मोहरों में से निकाले गए सन्देश, जैसे कि मल्कीसिदेक, विवाह और तलाक इत्यादि अगर छः मोहरों के प्रकट सत्यों के सारांश ही गर्जन हैं, तो फिर क्यों नहीं भाई ब्रन्हम ने उसकी सातवीं मोहर के रूप में पहचान करायी, और ऐसा ही करना ज़ारी क्यों नहीं रखा; वरन इसके विपरीत उन्होंने अपने चले जाने तक यही स्थापित किया था, कि सातवीं मोहर/ सात गर्जनों का ना तो खुलासा हुआ था और ना ही प्रचार हुआ था?

आपके इन प्रश्नों के सम्बंध में कि'' सात गर्जन कब और किसके द्वारा प्रकट होने हैं, क्या वह दुल्हन होगी या आठवाँ दूत होगा?'' इस तथ्य पर तो मोहर भी चुप्पी धारण किये हुए थी। भाई ब्रन्हम ने अपनी पहचान उस वाले के रूप में नहीं करायी थी, और ना ही किसी दूसरे की उस वाले के रूप में पहचान करायी थी, परन्तु अर्थगर्भित शब्दावली में उन्होंने निम्न लिखित बातें कहीं थी।

हवालाः ***''हो सकता है, कि यही समय हो। हो सकता है, कि इस वक्त ही वह समय हो, कि यह महान पुरुष जिसकी हम दृश्य पर उठ खड़े होने की आशा कर रहे हैं दृश्य पर उठ खड़ा हो। हो सकता है, कि इस वाली सेवकाई ने, जिसमें मैंने लोगों को वचन की ओर फेरने का प्रयास किया है, एक नेंव रख दी हो; और अगर ऐसा ही है, तो मैं भले के लिए ही छोड़कर जा रहा होऊँगा। हम में से दो एक ही समय में यहाँ पर नहीं होंगे। समझे? अगर ऐसा ही है, तो वह बढ़ेगा, मैं घटूँगा।*** *मैं नहीं जानता हूँ। परन्तु मुझे परमेश्वर के द्वारा यह विशेष अधिकार प्रदान किया गया है, कि मैं दृष्टि डालूँ और देखूँ , कि यह क्या थी(देखा, समझे?)–यह उतनी ही ज्यादा खुली। अब, यह सच है।''*(सातवीं मोहर का पेज़ 567)

मेरे लिए यही बेहतर होगा, कि जहाँ पर यह मोहर और भविष्यद्वक्ता खामोश हैं, मैं वहाँ खामोश ही रहूँ, कहीं ऐसा न हो, कि मैं खुद अपने को सातवीं मोहर/सात गर्जनों की व्याख्या करते हुए पाऊँ, और अपने आपको वैसे ही असली मार्ग से गुमराह कर लूँ जैसे हजारों ने भविष्यद्वक्ता की सलाह और चेतावनी के खिलाफ करके किया है।

हवालाः ***''आप इसमें अपना अनुवाद घुसाने का यत्न न करें। ऐसा करके तो आप सिर्फ दूर ही चले जाते हैं।*** *अब, अगर आप मुझ पर यकीन करते हैं, तो आप मेरी सलाह मान लें: आप किसी भी बात में अपना निज अनुवाद घुसाने का प्रयास न करें। आप बस ठीक ठीक आगे बढ़ते रहें, और एक अच्छा मसीही जीवन व्यतीत करें; क्योंकि जब आप वैसा करते हैं, तो आप खुद अपने को ही असली वस्तु से ही दूर कर लेंगे। और लोगों में सभी समय आपकी गवाही प्रेम सहित हो। समझे? क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो* ***आप स्वयं अपने को किसी और ही बात की ओर मोड़ देंगे, और तब आप सत्य-पथ से ही विचलित हो जायेंगे।*** *देखिए, जब भी आपने ऐसा करने का प्रयास किया, तो आपके साथ ऐसा ही हुआ। समझे? अतः* ***आप कैसा भी अनुवाद करने की कदाचित चेष्टा न करना। और खासतौर से आप आज रात्रि उस***

मोहर का अनुवाद करने का यत्न न करें, जब वह मोहर आपके सम्मुख प्रकट की जाती है। आप बस आगे बढ़ें, और नम्र बने रहें और इस सीधे-सरल सन्देश पर चलते रहें। *आप याद रखें, कि मैं ऐसा आपके भले के लिए कह रहा हूँ। (मोहरों पर प्रश्न और उत्तर 24/3/63)*

मैं तो सिर्फ इतना ही जानता हूँ, कि अगर कोई व्यक्ति सोचता है, कि उसके पास सात गर्जन हैं, तो इसे अवश्य ही वचन में होना चाहिए, और इसे मसीह की दुल्हन के लिए परमेश्वर के द्वारा प्रदान किये गए तरीके के माध्यम से ही आना चाहिए। कौन, कहाँ और क्या, परमेश्वर के लिए बाकी है। कब? हम उसे इस पर हवाला दे सकते हैं। हवालाः

अब, अब , क्या आपने इस सातवीं मोहर के खोले जाने पर ध्यान दिया, कि यह भी एक तीन तह वाले उद्देश्य में है। इस वाले को मैंने...मैं बोलूँगा, और मैं बोल चुका हूँ, कि यह सात गर्जनों का एक गुप्त भेद है। सात गर्जन ही स्वर्ग में इस गुप्त भेद को खोलेंगे। यह ठीक मसीह के आगमन पर ही होगा, क्योंकि मसीह ने कहा था, कि कोई नहीं जानता है, कि वह कब वापस आएगा। उस समय पर इन गर्जनों की सात आवाज़ें होंगी, कि उस महान गुप्त भेद को प्रकट करेगी। अतः मैं विश्वास करता हूँ...अगर हम इसे नहीं जानते हैं; और यह उस समय तक ज़ाहिर नहीं होगी; लेकिन यह उस दिन में प्रकट होगी, उस घड़ी में प्रकट होगी, जिस घड़ी में इसे प्रकट होना है। (सातवीं मोह पेज़ सं. 575-576)

परमेश्वर का एक असली कार्य-योजन है, और मैं उसी का एक भाग बनना चाहता हूँ, मैं परमेश्वर के कार्य-योजन में कोई घपलेबाज़ी नहीं करना चाहता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ, कि आप मेरे प्रश्नों पर ध्यान दे सकते हैं, और आप कुछ उत्तरों को वचन के लेखों और सन्देश के हवालों के द्वारा अलंकृत करके पेश कर सकते हैं। इसे पहचानने का केवल एक ही तरीका है, और वह है,''परमेश्वर का असली कार्य-योजन''अगर मैं अपने प्राण को किसी निज अनुवाद पर टिका कर रख रहा हूँ, तो इसका मतलब बर्बादी है। हो सकता है, कि मैं यह बेहतर समझ जाऊँ, कि आप परमेश्वर की सातवीं मोहर का असली कार्य-योजन मुझे पेश कर रहे हैं, जबकि आप मेरे प्रश्नों का उत्तर अलंकृत करके देते हो। ''मेरी भेड़ मेरा शब्द सुनती है।'' हमारा जो यह मैत्रीपूर्ण विचार-विमर्श हो रहा है, इसका मैं आनन्द ले रहा हूँ। मैने इस विषय पर कि '' सातवीं मोहर खुल गई थी''दूसरे कई प्रश्न किसी उस दूसरे समय के लिए छोड़ दिये हैं , जब आप इस चिट्ठी का उत्तर देते हैं। पुस्तक के लिए आपकी माँग का स्वागत किया जाता है, और जल्द ही किताबें आपके पास भेज दी जायेंगी।

होने पाये, कि प्रभु यीशु मसीह की शान्ति आपके ऊपर और उन सन्त लोगों के ऊपर

आकर ठहरे, जो आपकी संगति में हैं, और उन सब के ऊपर भी आकर ठहरे जो अफ्रिका के उस इलाके में हैं। होने पाये वही अपनी टूटी हुई देह की मरम्मत करें, यही मेरी प्रार्थना है। आमीन!

मसीह की खातिर आपका सेवक, डाल्टन ब्रूस

मेरे बहुमूल्य भाई, ***(दूसरे शिक्षालय की दूसरी चिट्ठी)***

मैं अपने प्रभु और उद्धारकर्ता, नाजरत के यीशु मसीह के अद्भुत नाम में, अफ्रिका से अभिनन्दन लेकर आया हूँ, जिसने अंत के समय में हमारी आत्मिक समझ की आँखें खोली हैं। होने पाये उसके नाम की अनन्तकाल तक महिमा होती रहे। आमीन! (सातवीं मोहर/ सात गर्जन प्रकट नहीं हुए थे) के विषय पर आपके जवाब के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद! यह जानना कितना अच्छा है, कि हम एक से ही बहुमूल्य विश्वास के भाई हैं। ''चाहे मसीह श्वेत घोड़े पर आ रहा हो, या लाल घोड़े पर आ रहा हो, इससे कोई मतलब नहीं है। महत्वपूर्ण तो यह है, कि हम दोनों ही विश्वास करते हैं, कि वह फिर से आ रहा है, और इसी से ही मामले का निपटारा हो जाता है।'' परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि हम दोनों ही विश्वास करते हैं, कि मलाकी 4:5-6 और प्रकाशितवाक्य 10:7 पूरा हो गया है। आमीन!

भाई, मैं सत्य की शिक्षा को गलती का सुधार करने के लिए देने में विश्वास करता हूँ, बजाए इसके कि उस गलती से सत्य का मुकाबला किया जाए। (कलीसियायी काल, पेज़ 219, पैरा 2) *इसके बाद यह है, कि पौलुस ने दूसरे कुरिन्थियों 3:6 में कहा था, ''शब्द मारता है, पर आत्मा जीवन देता है।'' हम में से* बहुत सो को सन्देश की ज्यादा से ज्यादा *पुस्तकों और टेपों के सम्पर्क में आने का सौभाग्य नहीं मिला है, लेकिन ऐसी बहुत सी बातें हैं जिनपर हम इस साँझ के उजियाले के सन्देश के सम्पर्क में आने से पहले भी विश्वास करते थे और हम ने उन्हें सत्य पाया था। ठीक वैसे ही इस सन्देश का प्रकाशन है; अभी तक मैने सारे सन्देश सुने या पढ़े नहीं हैं, लेकिन यह कोई समस्या या नज़रिया नहीं था, इससे पहले की परमेश्वर समझ की मेरी आत्मिक आँखों को खोलता। उसने ही मुझे इस सन्देश के प्रकाशन का विश्वास करने के लिए एक हृदय दिया, यद्यपि मैं नवशिष्य ही था, लेकिन जैसा कि मुझमें सीखने की प्यास थी, मैं प्रार्थनों और उपवास में सीखता चला गया, और परिपक्वता में बढ़ता चला गया।*

भाई ,मैंने बौद्धिकतावाद और मानवीय तेज-तर्रारता और ज्ञान के बजाए, हमेशा ही पवित्र आत्मा की अगुवाई और गवाही में विश्वास किया है। मैं यह सब कुछ उसी के अनुग्रह से आत्मा में, आत्मा के द्वारा और आत्मा से, और उसी के पवित्र नाम को महिमा देने के लिए करता हूँ। मैं सात गर्जनों वाला कोई प्रचारक(अगर कोई ऐसी चीज है, या कोई ऐसा

नाम है) नहीं हूँ; मैं तो परमेश्वर का ही एक सेवक हूँ, एक विश्वासी हूँ, और हमारे प्रभु के सुसमाचार का, जैसे वह लिखा है, ठीक वैसे ही प्रचार करने वाला प्रचारक हूँ।

<u>प्रकाशितवाक्य 8:1 सातवीं मोहर खुल गई थी। यह एक सन्नाटा है।</u>

मेरे भाई, मैं नहीं समझ सकता हूँ, कि आप कह रहे हैं, कि सातवीं मोहर/ सात गर्जनों का खुलासा नहीं हुआ था। बाइबल प्रकाशित वाक्य 8:1 में कहती है, 'सातवीं मोहर खुल गई थी, और स्वर्ग में सन्नाटा था...।'' *यह खुल गई थी। यह ना भूलिए, कि प्रकाशितवाक्य 5 में, यह पुस्तक मोहरबंद थी, और यह उसके हाथ में थी जो सिंहासन पर बैठा हुआ था। परमेश्वर का यहूदा के गोत्र के उस सिंह के लिए धन्यवाद हो, जो दाऊद का मूल है, और जो उसकी सात मोहरों को खोलने और तोड़ने के लिए जयवंत हुआ । और प्रकाशितवाक्य 6 में पहली छः मोहरें खोली गई थीं, और सातवीं मोहर के बारे में बिलकुल भी कुछ नहीं कहा गया था। और अब भाई ब्रन्हम ने पहली छः मोहरों का बिलकुल ठीक ठीक अर्थ बतलाया था, कि उनके क्या मायने हैं। और प्रकाशितवाक्य 8:1 में सातवीं मोहर खुंल गई थी, और प्रकाशितवाक्य 10:1-4 में वह बली स्वर्गदूत उस छोटी खुली हुई पुस्तक को लेकर स्वर्ग से नीचे आया, और एक बड़े शब्द से चिल्लाया, और सात गर्जनों ने फिर से अपने अपने शब्द उच्चारित किये, और जो उन्होंने उच्चारित किया था, यूहन्ना ने उसे सुना था, अतः वह उसे लिखने पर था,लेकिन उससे उन बातों पर तब तक के लिए मोहर करने के लिए कहा गया था, जब तक कि ठहराया हुआ समय नहीं आ जाता है, और सातवें पद में बाइबल कहती है, ''वरन सातवें दूत के शब्द देने के दिनों में परमेश्वर के समस्त गुप्त मनोरथ पूरे हो जायेंगे।''*

भाई, अगर हम विश्वास करते हैं,(जो कि हम विश्वास करते ही हैं), कि भाई ब्रन्हम वचन के उन लेखों को पूरा करने के लिए आए थे, तो फिर क्यों ऐसा विवाद है, कि मोहरों का खुलासा हुआ था, या नहीं। यह बाइबल है, और अगर हम बाइबल को देख नहीं सकते हैं और बाइबल को ग्रहण नहीं कर सकते हैं, तो फिर तो उस पर विश्वास करना कठिन होगा जो भविष्यद्वक्ता/सुसमाचारदूत ने कहा था..(हम अंक गणित नहीं समझ सकते हैं, अगर पहले हम अपने क ख ग नहीं समझते हैं)... ''वरन सातवें दूत के शब्द देने के दिनों में.... ''तब वे समस्त भेद चाहे वे सात गर्जनों के शब्द ही क्यों ना हों, पूरे हो जायेंगे, जैसाकि उनका प्रकटीकरण हो जाएगा। अगर उनका प्रकटीकरण नहीं हुआ है, तो फिर इस युग के लिए दुल्हन कहाँ से आयी है, और उसे किसने आकर्षित किया, कि वह नामधारी संस्थाओं के तंत्र-प्रबंध में से बाहर निकल आए? और अगर सात गर्जन अभी तक प्रकट नहीं हुए हैं, तो फिर कब और कौन उनका प्रकटीकरण करने जा रहा है, जैसाकि हमारे प्रभु का आगमन उससे भी कहीं ज्यादा नज़दीक है जितना कि हम सोचते हैं।

मैं सातवीं मोहर के खुलने की गोपनीयता का बिलकुल ठीक वैसे ही विश्वास करता हूँ जैसा कि प्रकाशितवाक्य 8:1 कहता है (कि एक सन्नाटा था) और यह हमें भाई जूनियर जैकसन का स्वप्न भी याद दिलाता है, जहाँ नबी ने कहा था, ''इस पर कोई धूप नहीं पड़ी थी।'' यह वाक्या कब हुआ था? क्यों भाई ब्रन्हम ने इस किस्म की टिप्पणियाँ दी थी, कि ''तुम इन पिन्तेकोस्तल बालकों को ये गुप्त बातें नहीं सीखा सकते हो...'' और क्या आपको खुद नबी का वह स्वप्न या दर्शन स्मरण है, जिसमें वह उस बड़े फीते को बच्चों वाले जूते में डालने का प्रयास कर रहा था, जो कि किसी खास किस्म के जूते के लिए ही था। उस स्वप्न या दर्शन के बारे में क्या है, जो उन्होंने पाया था, जब उन्होंने एक छोटी सी मछली के पेट में से एक बहुत बड़ा कांटा निकाला था, और जब वह उस छोटी मछली में से उस बड़े काँटे को खींच कर बाहर निकालता है, तो उसकी आँत-ओजड़ी भी खिचकर बाहर निकाल आती हैं...मैं सुनिश्चित हूँ, कि आप समझते हैं, कि मैं क्या कह रहा हूँ। ये वे कुछ सबूत हैं, कि सातवीं मोहर/सात गर्जन प्रकट हो गये थे ; मगर रहस्योमयी ढ़ंग से; और इसका मायने सिर्फ दुल्हन से है। आप ध्यान रख लें, कि यह अन्तिम युग और यह अन्तिम सुसमाचार है और जब से सृष्टि हुई है इतनी ज्यादा किसी भी शानदार बात की प्रतिज्ञा नहीं की गई थी , जैसी कि इस अंत के दिन के लिए प्रतिज्ञा की गई थी।

मेरे भाई, मैं नहीं समझ सकता हूँ, कि आप कह रहे हैं, कि ''उसका खाका सम्पादक के द्वारा सम्पादित किया गया था और उस वाली बात का कोई सबूत नहीं है। ठीक है, अगर हम टिप्पणी बनाना शुरू कर देते हैं, जबकि खुद भाई ब्रन्हम ने कई साल सात कलीसियायी कालों की पुस्तक का सम्पादन किया था, इससे पहले कि उसे 1965 में बांटा जाता है; और इस तरह से तो निश्चयी ही हमारा अंत भी उन कुछ नामधारी कलीसियाओं के जैसा हो जाएगा, जो हमेशा ही इस पर और उस पर तर्क-वितर्क करती रहती हैं, जैसाकि वह हवाला कुरिन्थिस की कलीसिया के लिए ही नही था, बल्कि वह तो हमारे लिए भी था। इसके बाद हमारे लिए यही बेहतर होगा, कि हम उन हवालों को देना बंद कर दें। अगर आपके पास हक है, तो आप उसका भी वर्णन करें, क्योंकि कलीसियायी कालों को मोहरों पर प्रचार किये जाने से तीन साल पहले प्रचारा गया था, इसके बाद तो भाई ब्रन्हम के द्वारा मोहरों पर कलीसियायी कालों की अपेक्षा और भी सुस्पष्ट निष्कर्ष दिये गए होते।

फिर से मैं यह कह रहा हूँ, कि कलीसियायी काल की पुस्तक के पेज़ 324-328 के अनुसार यह सुसमाचारदूत दो काम करेगा:(1) फेरेगा(पुन बहाली करेगा)!(2) सात गर्जनों के गुप्त भेदों को प्रकट करेगा, जो मोहरों में नीहित हैं। सच तो यह है, कि यह बाइबल के दिनों से ही एक गुप्त भेद था, परन्तु अब इसका खुलासा हो गया है, और यह वह दिव्य रूप से प्रकट भेदपूर्ण सच्चाई है, जो मोहरों में नीहित हैं, जो वास्तविक रूप में दुल्हन के ह्रदय को फरेगी। हालांकि भाई ब्रन्हम कलीसियायी कालों पर शिक्षा दे रहे थे, लेकिन वो हवाला सात गर्जनों

और मोहरों का दे रहे थे, यद्यपि ऐसा तीन सालों के बाद हुआ था, जब मोहरों को प्रकट किया गया और उन पर प्रचार किया गया, लेकिन फिर भी पवित्र आत्मा ने कोई गलती नहीं की। आमीन! आप सबीनो कैनने वाली घटना याद करें, जिसमें महाराजा की तलवार भाई ब्रन्हम के हाथों में आन पड़ी थी। होने पाये, परमेश्वर ही हमारी सहायता करे, यही मेरी प्रार्थना है।

भाई, विवाह और तलाक पर दिया गया सन्देश और दूसरे गुप्त भेदों में से एक है, जैसे कि सर्पवंश, बाबुल का भेद। वे भेद जो स्वर्गारोहण को तथा ऐसी और दूसरी बातों को चारों ओर से घेरे हुए हैं, वे छिपे हुए थे, और अब इन अंत के दिनों में प्रकट हो गए हैं, और यह कोई एक विशेष सन्देश नहीं है। और बहुत से लेख और हवाले हैं जिन्हें मैं आपको बताना चाहता हूँ, लेकिन मैं विश्वास करता हूँ, कि मैंने भाईचारे की प्रीति से भरे हुए ह्रदय के द्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक और प्रसन्नतापूवर्क आपके पत्र का जवाब दे दिया है। मैं ना तो जानता हूँ, और ना ही इस पर बहस करता हूँ, कि आपके क्षेत्र में सन्देश के प्रचारकगण क्या कह रहे हैं, लेकिन मैं तो वही कहने और जीने के लिए जिम्मेदार हूँ जो भविष्यद्वक्ता/सुसमाचारदूत हमारे लिए छोड़ गया है। आमीन!

भाई, मेरी दिली तमन्ना यही है, कि मैं तो इस साँझ के उजियाले के महिमामय सन्देश के माध्यम से उसके अनुग्रह में होकर किसी भी तरह से किसी भी रूप में उसके पास पहुँच जाऊँ जो पहुँच से बाहर है। यह एक बड़ा ही जबरदस्त समय है, जब हम दुल्हन से की गई प्रतिज्ञाओं को साक्षात् प्रकट होते हुए देखते हैं। ऐसा हमारे सोचने से भी पहले है, अतः हम एक दूसरे की गलतियों को निकालने से बाज़ आएं। ***जब मैं परमेश्वर की सन्तानों को नामधारी कलीसियायी रूकावटों में जकड़ा हुआ देखता हूँ, तो इससे हमेशा ही मेरा ह्रदय रो पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है, कि मैं अपनी ऊँची आवाज से चिल्लाऊँ, ताकि वे आज़ाद हो जाए, सन्देश के प्रचारकों के रूप में हमारी यही प्रार्थना है।***

होने पाये, हमारे प्रभु यीशु मसीह की शान्ति आपके ऊपर और उन पवित्र लोगों के ऊपर आकर ठहरे जो आपके क्षेत्र में हैं, जैसा कि हम उसकी दाख की बारी में परिश्रम और प्रतीक्षा करते हैं। तब तक के लिए मेरी निष्ठापूर्ण शुभाकमनाएं पास्टर भाई तथा सभों तक पहुँचा दीजिए।

आप मुबारक रहें। उसकी सेवा में आपका, पास्टर माइकल

दिनांकः09-01-2002, जवाबी चिट्ठी

प्रिय पास्ट और भाई, माईकल

उसके अद्वैत नाम में आपको और आप सभों को जो कि अफ्रिका में हैं, और खासतौर से उन संतों और पास्टरों को जो आपके क्षेत्र में हैं, ट्रिनिडाड,कैरेबियन और दक्षिणी अमेरिका की तरफ से शुभकमानाएं। मैं आप सभों के लिए वर्ष 2002 के अति मंगलमय होने की कामना करता हूँ; और होने पाये, वह इस वर्ष स्वर्गारोहण के लिए जिला उठानेवाली अपनी आत्मा की अन्तिम बारिश करे; और होने पाये, आप सब उसकी परिपूर्णता को ग्रहण करने वाले ग्राही हों। मेरा अभिप्राय तो आपको जल्द ही जवाब देने का था, मगर इस साल का आखिरी आते आते मैं एक कलीसिया से दूसरी कलीसिया में जाकर सन्त लोगों की हौसलाहफ़जाई में लगा रहा, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है, कि मैंने ''निन्दायोग्य कुपंथों का खुलासा, पुस्तक संख्या चार- शिक्षा पर आधारित पाँच बड़े अलगाव'' पूरी कर ली है। अगर आप इसे पढ़ना चाहें, तो आप हमारी वेबसाइट पर आ सकते हैं।

मैंने आपकी पिछली चिट्ठी, जो आपने पिछले साल 2001 में मेरे द्वारा सातवीं मोहर/सात गर्जनों की बाबत पूछे गए, प्रश्नों के उत्तर के रूप में लिखी थी, और हमने इस विषय पर मैत्रीपूर्ण विचार-विमर्श किया था। आपने ज़ोर ज़ोर से इस बात का ठिंठोरा पीटा था, कि वह विलियम ब्रन्हम के द्वारा प्रकट कर दी गई थी; मगर 1963 में नहीं, क्योंकि उन्होंने मोहरों की पुस्तक के पृष्ठ 567-575 में सुस्पष्ट व साफ वक्तव्य दिया था, कि यह प्रकट नहीं हुई थी। मैं इस समझ और ईमानदारी को सलाम करता हूँ, जैसाकि आप अपने क्षेत्र के उन प्रचारकगणों में से, जो कि यह तर्कसंगत करने की कोशिश में जुटे रहते हैं, कि सात गर्जनों का खुलासा हो गया था, पहले शख्स हैं, जिसने उस हकीकत को मेरे से स्वीकारा हो।

तब मैं ने कई सत्यनिष्ठ प्रश्न पूछे थेः कब? कहाँ? और इस सबसे खास घटना के लिए आपके पास कौन से टेप का हवाला है; उस अनजानी भाषा का जिसमें सात गर्जनों का भेद नीहित था, क्या अनुवाद होना चाहिए, और भाई ब्रन्हम ने ही इसकी पुष्टि की थी, कि वह गुप्त भेद एक अनजानी भाषा में था। मैं इसे अपनी लिखावट और अपने साधारण सवालों में, बुद्धिमत्ता में और मानवीय चपलता में नहीं समझ सकता हूँ, क्योंकि शब्द तो मारता है। मैंने आपकी चिट्ठी में अपने प्रश्नों का उत्तर तलाशना चाहा, लेकिन मैं उन्हें तलाश ना सका, और उन में से बहुत सों का तो आप जवाब तक देने में नाकामयाब रहे; हो सकता है, कि मेरे पास आपका कोई और पत्र भी आ रहा हो, क्योंकि आपने कहा था, कि आपके पास आपके विश्वास के समर्थन में कई हवाले हैं। मुझे उनकी आवश्यकता है, अगर वे मेरे उन प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं, कि कब ऐसा हुआ था? और कहाँ हुआ था, कि वह अनजानी भाषा भाई ब्रन्हम पर प्रकट करी दी गई थी, जिसमें सात गर्जनों का वह प्रकाशन सिमटा हुआ था। केवल ऐसे ही प्रमाण भाई ब्रन्हम के 1963 के उस निचोड़ को बदल सकते हैं, कि सातवीं मोहर उन पर प्रकट नहीं हुई थी, और चुने हुए को उनके द्वारा दी गई उन हिदायतों और दबावों को

तिरस्कृत करने की ओर प्रशस्त करने का कारण हो सकते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था,कि सातवीं मोहर की व्याख्या करने की चेष्टा नहीं करना, क्योंकि वह खुली नहीं थी। मैं जानता हूँ, कि यह उस मानव चपलता से कहीं परे है जिसे कोई देख सकता हो। कलीसियायी कालों की पुस्तक के पृष्ठ 324-328 का बार बार दोहराया जाना, और भाई ब्रन्हम के स्वप्नों और दर्शनों या अनुभवों का हवाला मेरे प्रश्नों का सटीक उत्तर नहीं है, और निश्चय ही प्रका. वा. 8:1 को उसके वचन वाले सारांश से ही बाहर कर दिया गया है। अब ये वो टिप्पणी हैं जो मैं अपनी बात के पक्ष में वचन के मुताबिक और भाई ब्रन्हम के सन्देश के द्वारा पेश करूँगा, जैसा कि मैं इस मैत्रीपूर्ण वादविवाद के कुछ अंशभागों को अपने साहित्यों में दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल करना चाहूँगा। जैसाकि मैंने ''सात गर्जन प्रकट नहीं हुए हैं'' विषय पर जो तथ्य हैं, उन में से कुछ का उपयोग''निन्दा योग्य कुपंथों का खुलासा-पुस्तक संख्या चार'' में उन दूसरे तथ्यों के साथ किया है, जो आश्चर्यजनक रूप से विरोधी-पक्ष के तो हैं, लेकिन फिर भी भावों की विषमता हमारे पाठकों के लिए बढ़ोतरी हो सकती है।

कलीसियायी काल की पुस्तक के पृष्ठ 324-328

आपके द्वारा मलाकी 4:5-6 के कार्यभार के सिलसिले में जो घोषणा की गई है, उसके आधार पर यह है, कि उसकी सेवकाइयों में से एक सेवकाई सात गर्जनों का प्रकटीकरण है; लेकिन फिर भी मेरे प्रश्न का उत्तर दिया जाना बाकी है। भाई ब्रन्हम ने कब सात गर्जनों का खुलासा किया था? मैं दृढ़तापूर्वक विश्वास करता हूँ, कि कलीसियायी कालों का प्रकाशन प्रभु की प्रेरणा से परिपूर्ण है; तो फिर इस बात का सवाल ही नहीं उठता है, कि पवित्र आत्मा कोई गलती कर रहा था, और यह बात इस वाले हवाले के लिए भी लागू होती है।

''सातवें दूत को छः मोहरों को ही खोलना था''

(वह अपना वचन साबित कर रहा है, पेज़ 56, 1964)

क्या भाई ब्रन्हम के पास अपने कार्य भर के सम्बंध में दो विपरीत घोषणाएं थीं? हालांकि मैंने जो पहली चिट्ठी आपको लिखी थी, मैंने उपरोक्त विषय पर विस्तार से समझाया था। मैं अपनी उसी बात को दोहरा कर समय व्यर्थ नहीं करना चाहता हूँ, क्योंकि ठीक वही जबाव ही आपके ठीक प्रश्न के लिए है। ''अगर भाई ब्रन्हम ने सात गर्जनों को प्रकट नहीं करा था, तो कौन और कब इन्हें प्रकट करेगा?'' इसके लिए मेरा जवाब बड़ा ही आसान सा है, कि इसे खुदावंद पर ही छोड़ दिया जाए; और हमारे लिए बेहतर होगा, कि हम वहाँ पर खामोश रहें जहाँ पर परमेश्वर खामोश है और जहाँ पर उसका भविष्यद्वक्ता खामोश है। कहीं ऐसा न हो, कि हम सात गर्जनों पर मत-सार और वाद बना लें। उन प्रश्नों का बार

बार दोहराया जाना मेरे प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सकता है। मेरा अंदाजा है, कि जैसा कि आप एक सत्यनिष्ठ भाई हैं, आप यह जानते हैं, और इसका परिणाम यही है, कि आपने मुझे प्रा.वा. 8:1 का हवाला दिया है, और इस प्रश्न के लिए, कि ''कब उसने सातवीं मोहर खोली थी'',इसी रीति से उत्तर होना चाहिए, कि इसका समर्थन वचन के द्वारा और भाई ब्रन्हम के द्वारा दिये व्याख्यानों के माध्यम से हो।

मुझे यह कहते हुए व्यग्रता हो रही है, कि भाई आप ने अपने विषय,''सातवीं मोहर प्रकट हो गई थी'', को साबित करने के लिए उस महान वचन के लेख (प्रा.वा. 8:1) को गलत स्थान पर फिट किया है। भाई ब्रन्हम ने 1963 में सातवीं मोहर के विषय पर बोलने से पहले ठीक इसी वचन के लेख को पढ़ा था, और यह निष्कर्ष निकाला था, कि सातवीं मोहर उन पर नहीं खुली थी। आप यह कह कर, कि ''वह खुल गई थी'', वचन के लेख को गलत जगह पर फिट कर रहे हैं। कब? कहाँ? किस थि को, किस समय पर और किस सन्देश में? प्रकाशितवाक्य 8:1 तो सन् 96 में ही छठवें अध्याय और छः मोहरों के साथ लिख दिया गया था; लेकिन वह पुस्तक मोहरबंद थी। यहाँ तक कि वह यूहन्ना जिसने उन बातों को लिखा था, कि''और जब उसने खोलीं(मोहरें)''; उसके पास भी मोहरों का प्रकाशन नहीं था। कोई भी झूठे भविष्यद्वक्ता उन शब्दों का उपयोग 1963 में मोहरों के खोले जाने की भर्त्सना करने के लिए कर सकता है, और कह रहा हो सकता है, कि हर एक मोहर खुली हुई तो थी, अतः तब उनका खोला जाना गलत था। अतः यह आपकी समझ को सही नहीं ठहराता है। मैं प्रा. वा. 8:1 की ठीक यही व्याख्या कैरीबियन, और दक्षिणी अमेरिका में सन्देश के गॉडफादरों से सुन चुका हूँ। मैं सोचता हूँ, कि एक बहुमूल्य भाई के रूप में आपको उनकी निन्दा को और वचन को गलत जगह पर फिट करने की लज्जा को नहीं ढोना चाहिए।

<u>आपका सवाल था, अगर गर्जनों समेत गुप्त भेदों का खुलासा नहीं हुआ था, तो फिर कहाँ से दुल्हन आयी, और उसे किसने आकर्षित किया, कि वह नामधारी कलीसियायी पंन्थों में से बाहर निकल आए।</u>

इस साधारण से सवाल के लिए मेरा साधारण सा जवाब है। वह सातवें कलीसियायी काल के सन्देशवाहक के द्वारा प्रकट किये गए गुप्त भेदों के द्वारा नामधारी कलीसियाओं में से बाह र निकलकर आयी; और जब सन्देशवाहक ने कहा था, कि सात गर्जन उस पर प्रकट नहीं हुए थे, तो वह पहले से ही बाहर थी। **सात गर्जनों का सम्बंध तो रूपान्तरण करने वाले विश्वास से ही है; और परमेश्वर की एक कार्य-योजना है, जिसमें किसी को कोई घपलेबाज़ी नहीं करनी चाहिए।** फिर यह है, कि आपका यह तथ्य वैसे ही सटीक नहीं है, जैसे आपके द्वारा इस विचारधारा के समर्थन में कि''सातवीं मोहर रहस्योमयी

ढ़ंग से प्रकट हो गई थी'' दिये गए दर्शनों, स्वप्नों और अनुभवों के हवाल सटीक नहीं हैं। आइये हम उन टिप्पणियों पर विचार-मनन करें।

(1) ''इस पर कोई धूप नहीं पड़ी'' (भाई जैकसन का स्वप्न)-यह घटना कब हुई थी? **भाई निश्चय ही, यह घटना तब हुई थी, जब 1963 में भाई ब्रन्हम पर सातवीं मोहर प्रकट भी नहीं हुई थी।**

(2) ''तुम पिन्तेकोस्तल बच्चों को ये गुप्त भेद नहीं सिखा सकते हो''**-इसने कहा था,''परम आलौकिक बातें'' ना कि''गुप्त भेद''। प्रभु के दूत ने भाई ब्रन्हम को समझाया था-और ऐसा तब हुआ था, जब उन्होंने पिन्तेकोस्तलों को पहला खिंचाव और दूसरा खिंचाव समझाया था, जिनका सम्बंध ह्रदय की गुप्त बातों की परख और चंगाइयों से था।**

(3) ''बहुत बड़े जूते के फीते को बच्चे वाले जूते में डालने का प्रयास कर रहे थे''**-यह ठीक वैसा ही अनुवाद है, जो दूत ने पहले खिंचाव और दूसरे खिंचाव को समझाने के सम्बंध में कहा था-और उन्हें समझाने के कारण ही झूठे भविष्यद्वक्ता के द्वारा इनकी नकलें की गईं।**

(4) ''छोटी मछली को बड़े काँटे से खींचा जाना; आँतें-अँतड़ियाँ खिंचकर बाहर निकल आयीं।'' **दूत ने भाई ब्रन्हम को समझाया था, कि उन्होंने बड़ी मछली को दूसरे खिंचाव से पकड़ने का प्रयास किया, जो काँटे में पूरी की पूरी फंस गई। यकीनन, आपने प्रा. वा. 8:1 को तथा उपरोक्त हवालों को अपने ज़ोश में आकर अपने विषय को साबित करने के लिए गलत जगह फिट किया है। उस छोटी मछली का पुनरुत्थान जिसकी आँत-अँतड़ियाँ बाहर खिच आयी थीं-वह तीसरे खिंचाव का एक तजुर्बा था।और इस अनुभव को आपने जिस तरह से जोड़ा है, यह आपकी गलत अवधारणा का एक स्पष्ट व पक्का चिन्ह है, और ऐसा आपने अपनी पूरी भली मनसा से किया है, और आप स्वाभाविक मछली के साथ तीसरे खिंचाव वाले दर्शन की मछली से तुलना करके दुविधा में पड़ गए हैं।**

भाई, आपकी चिट्ठी ने मुझ पर आप के प्रेम, ध्यान, और एक शानदार व्यक्तित्व का इज़हार किया है; जब आपने अपने आँसुओं के विषय में, एक दूसरे की कमियों को ढूँढ़ने से बाज़ आने और गलती के सुधार के लिए सत्य की शिक्षा देने के अपने ढ़ंग बारे में बताया -बजाए, इसके कि गलती का सत्य से मुकाबला किया जाए-जब आपे इन सब बातों का

अपनी चिट्ठी में बयान किया है, तो मुझे पूरे प्रेम और आदर के साथ आप पर यह अवगत करा देना चाहिए, कि मुझे लगता है, कि आप शिक्षा के वचन वाले मूल्यों का और विश्वास की रखवाली करनेवाले प्रेरितों के सिद्धांत का एक मिला-जुला व्यक्तित्व हैं; और आप ने कलीसियायी काल के पेज़ 219 का हवाला उन अपनाये गये मानको के सम्बंध में दिया है, जिनका वास्ता अंधेरे कालों से (सन् 606-सन् 1520) से था; और इन्हें कोलम्बा द्वारा उपयोग में लाया गया था।

भाई ब्रन्हम ऐसी पद्धति को कभी भी उपयोग में नहीं लाये थे; लेकिन उन्होंने सत्य से गलती का मुकाबला किया, यहाँ तक कि जैसे प्रेरित पौलुस, पतरस, यूहन्ना ने और उस यहूदा ने किया था, जिसने विश्वास की रखवाली (युद्ध करने के लिए, जद्दोजहद करने के लिए) के लिए कहा था। ऐसा व्यक्ति हमेशा ही कम प्रतिरोध वाले मार्ग पर जाएगा, जैसा कि पानी। आज ठीक यही रवैया सन्देश के उन प्रचारकों और विश्वासियों के मध्य में पाया जाता है जिनका कहना है, सातवीं मोहर/ सात गर्जन प्रकट हो गए थे। यद्यपि वे यह दिखाने में असमर्थ है, कि कब, कहाँ और किस टेप में भाई ब्रन्हम ने घोषणा की थी, कि वह अनजानी भाषा समझा दी गई थी, इसलिए सात गर्जन प्रकट हो गए थे।

मैंने प्रेरितों के द्वारा ठहराए गए नमूने के साथ-साथ सत्य से गलतियों का मुकाबला करने की भाई ब्रन्हम की कसौटियों को चुना है। यह मेरे प्रचार में और मेरे वर्तमान पुस्तकों-'' निन्दा योग्य कुपंथों का खुलासा'' 1-4 पुस्तक में स्पष्ट रूप से प्रकट है। मेरी कार्य-पद्धति से असहमति रखने की आपकी कार्य स्थिति को मैं अपने प्रचार में समझ सकता हूँ; क्योंकि मेरा पाला ऐसे ही कइयों से पड़ चुका है, जो (तथाकथित)''प्रेम-सुसमाचार'' पर टिके हुए हैं, जिसे एकत्व को पालने के लिए डब्लू. सी. सी. से उधार लिया गया है। आपके जवाब का स्वगात है। होने पाये हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह आपके तथा उन सभों के साथ हो जो आपके क्षेत्र में हैं।

आपका दास-भाई डॉल्टन ब्रूस

मेरे बहुमूल्य भाई **(पास्टर माइकल की तीसरी चिट्ठी)**

वह जो इस पुस्तक को खोलने और इसकी मोहरों को तोड़ने के लिए जयवंत हुआ है, वह जो यहूदा के गोत्र का सिंह और दाऊद का मूल है; होने पाये कि उसके नाम की युगानुयुग तारीफ होती रहे। आमीन! आपके जवाब के लिए आपका शुक्रिया! मुझे बड़ा ही अफसोस है, कि मैं आपको देरी से उत्तर दे रहा हूँ; क्योंकि मैं इन दिनों ***अपने स्वर्गीय***

पिता की दाखबारी में काफी ज्यादा काम में लगा रहा था। मेरे भाई, उसके अनुग्रह के द्वारा मैं पुराने सत्य का ही विश्वास करता हूँ, ना कि सिर्फ सत्य का। इस सन्देश के विश्वासियों के जैसे ही मैं विश्वास करता हूँ, कि हमें अवश्य ही उस सत्य पर टिके रहना चाहिए जो वचन की परिपूर्णता है, और जैसा हम विश्वास करते हैं, हमें दूसरों की वैसा ही विश्वास कराने में सहायता करनी चाहिए, और उन्हें पवित्र आत्मा से परिपूर्ण कराने में सहायता करनी चाहिए, और यह पवित्र आत्मा एक चिन्ह है, और उस चिन्ह का प्रतीक यह है, कि ''हर एक वचन पर आमीन'' कहा जाए। जैसाकि प्रचारकों द्वारा अपने-अपने विश्वास को तर्क-संगत ठहराने के लिए बाइबल से हवाले लिये गए हैं, ठीक वैसा ही आज सन्देश के बहुतेरे प्रचारक इस घड़ी के सन्देश के साथ कर रहे हैं। परन्तु जो अस्थिरता सन्देश के चारों ओर फैली हुई है, मैं उसके लिए जिम्मेदार नहीं हूँ।

मैं तो इसी बात के लिए उत्तरदायी हूँ, कि सत्य पर कान लगाऊँ, सत्य का विश्वास करूँ और सत्य को जीयूँ, और सत्य के संग ही टिका रहूँ। मेरे भाई, हमारी जो आपस में वार्तालाप हुई है, उसके द्वारा मुझे अब इस बात का एहसास हो गया है, कि आप यह विश्वास करते हैं, कि ''ना तो सातवीं मोहर खुली थी, और ना ही सातवीं मोहर का खुलासा हुआ था''; जबकि मैं विश्वास करता हूँ, कि यह खुल गई थी और इसका खुलासा हो गया था। अतः हम खुद अपने को तर्क-संगत ठहराना ज़ारी नहीं रख सकते हैं। बजाए परमेश्वर के राज्य का निर्माण करें, हम उसे बिखेर रहे हैं। अतः मैं यही सुझाव दे रहा हूँ, कि हम खींचा-तानी बंद करें, और होने पाये भाईचारी की प्रीति बनी रहे, और हम परमेश्वर के राज्य की तरकक्की के लिए प्रार्थना करते रहें, जैसाकि उसका आना अति निकट है। मैं आप से नम्रतापूर्वक पूछ रहा हूँ, कि आप मुझे बाइबल के अनुसा र और सन्देश के अनुसार भाई ब्रन्हम की सेवकाई समझायें। मेरे भाई मैं आप पर यह अवगत करना चाहूँगा, कि इस सन्देश का मुझ पर किसी ने भी खुलासा नहीं किया था, यहाँ तक कि हमारे समुंद्रपार के प्रचारकों ने भी नहीं। स्वयं पवित्र आत्मा ने ही मेरे भीतर अपना कार्य किया, हालांकि मैं तो सन्देश में एक नवशिष्य ही था।

उसके कितने अनुग्रह के द्वारा अब मैं एक पुरुष बनता चला जा रहा हूँ। यह प्रार्थना सहित अध्ययन करने का ही नतीजा है, कि मैं जानता हूँ, कि सातवीं मोहर खुल गई थी, और उसका प्रकटीकरण हो गया था, अतः अब मैं उस प्रकाशन का भला कैसे इंकार कर सकता हूँ। हम कब तक भविष्यद्वक्ता के हवाले देते रहेंगे। निश्चय ही उसने कहा था, कि यह नहीं जानी गई थी, लेकिन कैसे हम उन दूसरे हवालों को एक साथ आपस में मिला सकते हैं, जो कहते हैं, कि यह खुली हुई है? अतः हमें इस बात की आवश्यकता है, कि हम उन हवालों को सही सार दे और उन्हें सही से बाँटें। ''गलतियों 21:8''(चाहे हम या स्वर्ग का कोई दूत भी)...तब तक परमेश्वर आपको आशीष दे, जैसा कि आप उसकी दाखबारी में काम करना ज़ारी रखते हैं।

पास्टर माइकल

दिनांक :12-02-02

प्रिय पास्टर माइकल, फाएया, नायूमा (जवाबी चिट्ठी)

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता के प्रियतम् नाम में आपको शुभकमनाएं। 11-02-02 को भेजे गए आपके उस ई-मेल के लिए आपका धन्यवाद; जिसमें आपने अपने बुद्धिमानी से भरे फैसले का इज़हार किया था, कि हम सातवीं मोहर/सात गर्जन प्रकट हो गई थी, विषय पर अपनी मैत्रीपूर्ण परिचर्चा खत्म करें। हमारी कई वार्तालाप बहुत सुखद रही थीं, और उन्हें काफी लम्बे अरसे तक स्मरण किया जायेगा; और सम्भवतः मैं अपने साहित्यों में उनका उल्लेख करूँ, ताकि और दूसरों की भी उन्नति हो, जैसाकि उन्होंने शिक्षाओं पर हमारी दोस्ताना असहमति देखी है; लेकिन सही रवैया और प्रेम की निरन्तरता, आदर और भाईचारे की प्रीति जाहिर की गई, हालांकि उन में से एक गलत साबित हो गया था, और दूसरे पक्ष के प्रश्नों का सही उत्तर देने में नाकामयाब रहा था।

मैं सोचता हूँ, कि अब यह अनिवार्य हो गया है, कि हम अपने इस विचार-विमर्श को बंद करें, जैसा कि आप फिर से तीसरी बार मेरे प्रश्नों का उत्तर देने में नाकामयाब रहे हैं। अगर सातवीं मोहर भाई ब्रन्हम के द्वारा 1963 में नहीं खोली गई थी, तो वह कब खोली गई? कहाँ खोली गई? और किस टेप पर उन्होंने इसका प्रचार किया था, या इसका खुलासा किया था? और यह भी प्रश्न है, कि उन्होंने ऐसा कब किया था? और कहाँ पर किया था? क्या उस अनजानी भाषा को सात गर्जनों का खुलासा करने के लिए अवगत करा दिया गया था, जो कि सिर्फ वही एक ऐसी है जो भाई ब्रन्हम की चेतावनियों को न्यायसंगत कर सकती है, कि सात गर्जनों पर कोई मत-वाद ना बनायें, क्योंकि यह प्रकट नहीं हुई थी।

मैं और आप सजग थे, कि हो सकता है, कि यह मैत्रीपूर्ण परिचर्चा जो हम ने इस अति महत्वपूर्ण विपय पर की है; मेरे साहित्य में इस्तेमाल कर ली जाएं; मैंने तो सोचा था, कि आप इस मौके को और भी गम्भीरतापूर्वक गले लगायेंगे, जिसे मैंने आपको जुटाकर दिया था, कि आप अपने दावों का बचाव वचन और सन्देश के द्वारा रचनात्मक रीति से करेंगे, और मेरे द्वारा पेश किये गए तथ्यों और सबूतों को गलत साबित करेंगे, और वचन और सन्देश के हवालों के द्वारा अपने पक्ष का समर्थन करेंगे; खासतौर पर तब जबकि मैंने आप से हवाले प्रस्तुत करने के लिए निवेदन किया था; और आपने कहा था, कि आप बैक बर्नर पर ही टिके हुए थे। आपने कहा था, कि आप सन्देश में एक नये नवेले चेले(नवशिष्य) थे, मगर अब

एक पुरुष बनते चले जा रहे हैं। मुझे उस एक ऐसे परिपक्व प्रचारकगण के द्वारा, जिसने खुद अपने आप से सात मोहरों का सारा प्रकाशन पाया है, ऐसा रवैया अपनाते देखकर लज्जा आ गई है।

बहुमूल्य भाई, मुझे तो यह उम्मीद थी, कि कम से कम आप उन ''गलत जगह फिट किये गए हवालों'' और ''गलत अनुवादों'' पर गौर फरमायेंगे, और उनके बारे में लिख भेजेंगे, जो आप ने भविष्यद्वक्ता के अनुभवों और दर्शनों और भाई जैकसन के स्वप्न के बारे में दिये थे। जहाँ आपको अपने उन दावों को, कि''सातवीं मोहर/सात गर्जन प्रकट हो गए थे'', तर्कसंगत ठहराने का प्रयास करना चाहिए था; मगर वैसा करने की बजाए आपने मुझसे ही एक प्रश्न पूछ डाला और कुछ निश्चित टिप्पणियाँ कह डालीं, जो कि मेरे किसी भी प्रश्न का बिलकुल भी सटीक जवाब नहीं हैं। आप ने टिप्पणी करके कहा था,''सत्य जो कि वचन की सम्पूर्णता है, के साथ टिके रहो''; ''चिन्ह का प्रतीक यही है, कि हर एक वचन पर आमीन कहा जाए''; ''सिंह सात मोहरों को तोड़ने के लिए जयवंत हुआ है।'' ''मैं जानता हूँ, कि सात मोहरें खुल गई थीं।'' अब मुझे एहसास हो गया है, कि आप यह विश्वास नहीं करते हैं, कि सातवीं मोहर खुल गई थी, या उसका खुलासा हो गया था।'' **ये टिप्पणियाँ बड़ी ही बचकानी सी लगती है, और इन्होंने मुझे यह गौर करने पर मजबूर कर दिया है, कि उन का उपयोग महज इसलिए किया गया है, क्योंकि आपके पास मेरे प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं है। मेहरबानी करके आप अपनी संज़ीदगी और सुस्पष्ट अभिभावों को और अपने शानदार व्यक्तित्व को इस कार्य-पद्धति के द्वारा सैद्धान्तिक विषय पर बहस करके बदरंग न करें, जैसाकि ज्ञानवान प्रचारक आपको सहज ही क्षमा कर देंगे, और आपको एक परिपक्व मसीह समझ लेंगे।**

भाई और पास्टर माइकल, मैं यहाँ पर इस बात का जिक्र किये देता हूँ, कि संसार भर में चारों ओर ना तो किसी भी प्रचारक-सेवादार ने और ना ही किसी जन-साधारण ने कदाचित मेरे उन प्रश्नों का जवाब दिया, और ना ही उनके उत्तर लिखकर भेजे, जो मैंने आपसे पूछे थे, कि कब? कहाँ? और किस टेप में भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर/सात गर्जनों पर प्रचार और खुलासा किया था? उन प्रश्नों के सरल से उत्तर ये हैं-किसी भी समय नहीं; कहीं पर नहीं; और किसी भी टेप पर नहीं- ऐसे प्रकाशनों को पाया जा सकता है। **अतः सात गर्जनों का इस प्रकार का अनुवाद, कि उनका खुलासा हो गया था, न्यू यॉर्क से आए ''मृत्यु के बीज'' पर स्थापित हुआ था, जो यह कहता है, कि भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर/सात गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा कर दिया था, और यह सन्देश के भीतर ही छिपा हुआ है, और चुने हुए को उस प्रकाशन को**

हासिल करने के लिए एक आत्मिक वातावरण में ऊपर चढ़ना चाहिए। यह विचार सात मोहरों के खुलने के दस साल बाद आया और इसकी वचन-आधारित कोई बुनियाद नहीं है, और भाई ब्रन्हम का कोई एक अकेला हवाला तक ऐसे मूर्खतापूर्ण दावों को तर्कसंगत नहीं ठहराता है। हालांकि ''मृत्यु के इस बीज'' को संसार में चारों ओर प्रसारित किया गया था; और इसने कई महत्वाकांक्षी विश्वासियों और प्रचारक-सेवकदारों में अंहकार और ''खुद अपने आप को ऊँचा दिखाने'' जैसे भ्रम पैदा किये; वे ख्यालों में ही सोच रहे होते हैं, कि वे खुद अपने आप ही सातवीं मोहर/सात गर्जनों का प्रकाशन हासिल कर रहे हैं, जबकि भाई ब्रन्हम ने साफ तौर पर कह दिया था, कि सातवीं मोहर की व्याख्या न करना; अगर तुम्हें कोई बात जाननी होगी, तो परमेश्वर उसे तुम्हारे पास भेज देगा, और वह प्रभु के आगमन के समय के करीब प्रकट होगी, जब कलीसिया को उसकी जरूरत होती है। सात गर्जनों में से कोई मत या वाद ना बनाना। भाई माइकल यह हो, कि **हम अपने हृदयों में नम्र हों; और सादगी और नम्रता में चलें जब तक कि वह घड़ी नहीं आ जाती है जब सातवीं मोहर पब्लिक पर तोड़ी जाएगी-यहाँ तक कि भविष्यद्वक्ता ने हमें इस बाबत मोहरों की पुस्तक के प्रश्नों-उत्तरों में चेतावनी देकर सचेत किया था; इससे पहले कि वे उद्घोषणा करके कहते, कि सातवीं मोहर प्रकट नहीं हुई थी।**

अपनी शुभकमानाएं आपको देते हुए मुझे अब इस पूर्ववर्णित विषय पर परिचर्चा समाप्त करने के लिए अलविदा कह देना चाहिए-आपको मेरी ओर से शुभ कामनाएं, जब तक कि हम यीशु के चरणों पर फिर न मिलें, और अभी भी हमारी यही गवाहियाँ हैं, कि हम अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रभु यीशु मसीह से प्रेम करते हैं। ***आपका दास भाई ब्रूस***

परिचर्चा का संक्षिप्त विवरण-विचारधारा के दूसरे शिक्षालय की कमजोरी दिखाता है

हमने विचारधारा के उन दोनों शिक्षालयों के बीच हुई मैत्रीपूर्ण परिचर्चा पर अभी हाल ही में ध्यान-मनन किया है। और यह आसानी से समझा जा सकता है, कि दूसरे शिक्षालय के प्रचारक और शिक्षार्थी के पास अपनी शिक्षाओं को प्रमाणित करने के लिए कोई बुनियाद नहीं है; हालांकि उसने अपनी चिट्ठी में उस शानदार व्यक्तित्व का इज़हार किया, जो''प्रेम सुसमाचार'' के द्वारा रूप में ढला है। जो बहानेबाज़ी वाला रवैया दिखाया गया है, वह उन बड़े बड़े लोगों की एक सटीक मिसाल है, जो सातवीं मोहर/सात गर्जनों पर अपनी अपनी निज व्याख्याएं पेश करते हैं। बहुतेरे तो मृत्यु के उस सबसे बड़े बीज पर ही आश्रित रहते हैं जिसका प्रतिपादन सत्तर के दशक के आरम्भिक वर्षो में न्यू यॉर्क से किया गया था; और जो

यह कहता है, कि ''भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर/सात गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचार किया था, और यह सन्देश के भीतर ही छिपा हुआ है।'' इसका वे अनभिज्ञता में होकर विश्वास करते हैं, और सातवीं मोहर की उन सच्चाइयों का इंकार करते हैं जहाँ भविष्यद्वक्ता ने ज़ोर देकर यह स्थापित किया था, कि सातवीं मोहर प्रकट नहीं हुई थी; अतः इसकी गलत व्याख्या या अनुवाद ना करना, और ना ही इससे कोई मत या वाद बनाना। हालांकि इस भले सज्जन भाई ने जानबूझ कर यह अंगीकार किया है, कि वह मोहर 1963 में नहीं खुली थी, लेकिन फिर भी उसने शैतान के उस कुख्यात झूठ पर विश्वास करना चुना, जो कहता है, ''सातवीं मोहर/सात गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचार किया गया था''; और वह भाई इसके समर्थन में कोई एक अकेला हवाला भी नहीं दे सकता है, और ना ही वह यह बता सकता है, कि कब, कहाँ, और किस टेप पर भाई ब्रन्हम ने इसका प्रचार किया था; और वह थोड़ा-बहुत यह तो बता सकता है, कि भाई ब्रन्हम ने उस अनजानी भाषा का अर्थ कब बतलाया था या किसी दूसरे निजी अनुवादक ने उस अनजानी भाषा का अर्थ बतलाया था, जो सात गर्जनों का प्रकाशन और फलस्वरूप मसीह का दूसरा आगमन अपने में समेटे हुए है।

वह जो यह स्वीकार करने में पर्याप्त ईमानदार है, कि सातवीं मोहर का 1963 में खुलासा नहीं हुआ था; उससे यह उम्मीद की जाती है, कि ऐसी ही ईमानदारी अपने विरोधीपक्ष के उन प्रश्नों की पुष्टि करने के लिए कायम रखे, कि ''कब , कहाँ और किस टेप पर भाई ब्रन्हम के द्वारा सातवीं मोहर का खुलासा किया गया था''; और अगर ऐसा वचन और सन्देश के आधार पर नहीं किया जा सकता है, तो वह जो सरल सा उत्तर कहने के लिए हो, वह यह है''मैं नहीं जानता हूँ''; और खुलकर यह स्वीकार कर लिया जाए,कि ''मैंने एक ऐसी शिक्षा को ग्रहण किया जो वचन के मुताबिक नहीं है और जो कहती है, कि भाई ब्रन्हम ने सातवीं मोहर का रहस्योमयी ढ़ंग से खुलासा कर दिया था।'' जब कोई सेवादार अपनी मंड़ली में उस जैसे अनुवाद की स्थापना करता है, और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान विचारधारा के दूसरे शिक्षालय के साथ और सन्देश में उन लोगों के साथ कराता है, जो बड़े बड़े नाम हैं, तो उसके लिए अपने घोड़े पर से नीचे उतरकर आना बड़ी ही बेइज्जती की बात होती है। वह अवश्य ही उन प्रश्नों के मामले में कुटिलता दिखाता है जो उसकी गलती बेनकाब कर देते हैं, इसलिए वह सन्देश को अवश्य ही गलत जगह पर फिट करता है, गलत हवाला देता है, और गलत अनुवाद करता है। हमने उस भाई की चिट्ठियों में इस रवैये को एक स्पष्ट उदाहरण के रूप में देख लिया है, जैसाकि उसने भाई ब्रन्हम के दर्शनों और स्वप्नों, और अनुभवों को तोड़ा-मरोड़ा था। और उसने ऐसा बिना किसी शर्म-हया के किया या अपनी गलतियों पर ध्यान-विचार किये बिना ही किया है, जबकि मैं ने उसकी गलतियों की तरफ इशारा भी किया था; लेकिन वह और दूसरे प्रश्न ही पूछता रहा, जबकि हमारी मैत्रीपूर्ण

परिचर्चा खत्म भी हो गई थी।

कुछ भी हो, मैं यहाँ पर उनके कुछ प्रश्नों का उत्तर दूँगा, जिनके बारे में वे सोचते हैं, कि मैं उन से कतराने की कोशिश कर रहा हूँ, क्योंकि वे कठिन हैं।

प्रश्नः अगर मलाकी 4:5-6 ने सात गर्जन प्रकट नहीं किये थे, तो फिर उसकी सेवकाई क्या थी?

उत्तरः भाई ब्रन्हम की सेवकाई का मलाकी 4:5-6 में स्पष्ट रूप से ब्यौरा पाया जाता है; वह यीशु मसीह के दूसरे आगमन के आगे आगे चलने के लिए एलिय्याह था। परमेश्वर की इस बात की पुष्टि 1933 में ओहियो नदी पर स्वर्ग से सुनायी देने वाली आवाज में बोलकर की थी। भाई ब्रन्हम ने आगे चलकर ठीक इसी बात की पुष्टि 1962 में करी थी, जब उन्होंने कहा था, कि ''मैं इस सुबह साफ साफ बोलूँगा; मेरा यकीन है, कि इस धरती पर मेरी सेवकाई वचन के, जो कि मसीह है, आगे आगे चलना है।'' (बोला हुआ वचन ही मूल बीज है, 1962) उन्होंने छः मोहरों के गुप्त भेद प्रकट किये थे। हवालाः

''आप सोचते हैं, कि वह छोटा सा धमाका जो ट्यूसान में हुआ था कोई बात थी, जब उसने ***छः मोहरें खोलीं थीं,*** *जिसने देश को लगभग हिला सा दिया था, और इसे चर्चा का विषय बना डाला था, आप ज़रा तब तक प्रतीक्षा करें जब यह पृथ्वी अपना बपतिस्मा पाती है।''* ***(भावी घर 2/8/64)***

'सातवें दूत को तो छः मोहर वाले गुप्त भेद खोलने थे....'' (वह अपना वचन साबित कर रहा है 16/8/64)

प्रश्नः सात गर्जनों को परमेश्वर के समस्त गुप्त भेदों को प्रकट करना था, कि हम समझ सकें, कि छ' मोहरों का क्या अर्थ है; अगर भाई ब्रन्हम के द्वारा गर्जनों का प्रकटीकरण नहीं हुआ था, तो उनकी सेवकाई क्या थी?

उत्तरः जो भाई ब्रन्हम ने कहा था, उसके अनुसार सातवीं मोहर, सात गर्जन मसीह के आगमन का दूसरा भेद है, और यह प्रकट नहीं हुआ था। हवालाः

जब यीशु यहाँ पृथ्वी पर था, तो वे जानना चाहते थे, कि वह कब आएगा। वह बोला, ''यहाँ तक कि स्वयं पुत्र भी नहीं जानता है, कि ऐसा कब होगा।'' देखिए, यह सारा का सारा केवल खुद परमेश्वर के ही पास है। यह एक गुप्त भेद है। और यही कारण था, कि ***स्वर्ग में आध घड़ी के लिए सन्नाटा था। और सात गर्जनों ने अपने शब्द निकाले, और यहाँ तक कि यूहन्ना को इसे लिखने के लिए मना कर दिया गया था..(समझे?)-प्रभु का आगमन! केवल यही एक मात्र ऐसी बात है जिसका उसने अब तक खुलासा नहीं किया है, कि वह कैसे आएगा और वह कब आएगा।*** *यह एक अच्छी बात ही है, कि उसने ऐसा नहीं किया है। नहीं! उसने इसे उस हर*

एक नमूने या प्रतिछाया में दर्शाया है, या प्रकट किया है जो बाइबल में हैं।(मसीह परमेश्वर का प्रकट भेद है 28/7/63)

यही कारण है, कि यह एक गुप्त भेद था, यह वे गुप्त भेद नहीं हैं, जिसका ब्यौरा पुस्तक के भीतर भी हो। और फासले वाले सन्देश में उन्होंने स्पष्ट कर दिया था, कि पुस्तक का खोला जाना सात गर्जनों से अलग था। हवालाः

75-3 (49) यह पुस्तक तब तक पूरी तरह से मोहरबंद है, जब तक कि सात मोहरें तोड़ी नहीं जाती हैं। यह सात मोहरों के द्वारा मोहरबंद है।अब देखिए, सात गर्जनों से यही इसकी भिन्नता है। (फासला 17/3/63)

निम्नलिखित चिट्ठी विचारधारा के दूसरे शिक्षालय से जिमबाव्वे, अफ्रिका से आयी चिट्ठी के बाबत लिखी गई है। पास्टर बहुत ज्यादा ऐसा दिखाई दे रहा है, कि वह उन गॉडफादरों के समर्थन में खड़ा हो रहा है, जो अमेरिका में हैं। जिस बात पर उसने ज़ोर दिया था, उससे यही ज़ाहिर होता है, कि उसने अपनी शिक्षा को साबित करने की बजाए, ''प्रेम सुसमाचार'' पर कहीं ज्यादा ज़ोर दिया है। अपने विश्वास के समर्थन करने के चक्कर में उसने अपनी चिट्ठी को ऐसे बुरे ढ़ंग से लिखा है, कि हालांकि उसे सन्देश के पास्टर के जैसे सम्मान दिया गया है, फिर भी उससे वायदा किया गया था, कि उसके बिना दिनांक वाले पत्र को छापा नहीं जायेगा, ताकि उसे बहुत ज्यादा शर्मिन्दगी उठाने से बचाया जा सके।

बेतेल, ''परमेश्वर का भवन''
08 जनवरी, 2002

पास्टर ऐल्बर्ट टेरवेरी
क्वेक्वे, जिमबाव्वे

प्यारे भाई और पास्टर टेरवेरी

आपको और आपके क्षेत्र के पवित्र लोगों को मसीही अभिनन्दन! मैं आप सभों को वर्ष 2002 की शुभकमानाएं देता हूँ। ''निन्दायोग्य कुपंथों का खुलासा'' पुस्तक को अपना सहयोग देने के लिए आपका धन्यवाद! मेरा अभिप्राय तो आपको और भी जल्दी उत्तर देना था, मगर अब जाकर मुझे समय मिला है, मैं केवल यही कामना करता हूँ, कि आपकी चिट्ठी उस पुस्तक के बारे में, जिसका आप सन्दर्भ दे रहे हैं, और भी ज्यादा वचन के अनुसार रचनात्मक होती, और यह स्पष्ट होता कि आप कौन सी वाली पुस्तक, अर्थात् पुस्तक

संख्या 1, 2, 3, या 4 के विषय में कह रहे हैं, और जिस निश्चित विषय का आप खंड़न करने का प्रयास कर रहे हैं, वह स्पष्ट होता, और सबसे ज्यादा खास बात तो यह है, कि वह वचन का लेख और वचन के प्रमाण स्पष्ट होते कि मेरी जो कुपंथों का सुधार करनेवाली आत्मा है, वह मसीह का आत्मा नहीं है। मेरा सुधार किया जाए इससे मुझे बुरा नहीं लगता है, क्योंकि मैं सुधार से बढ़कर नहीं हूँ, लेकिन मैं ऐसा वचन के अनुसार किये जाने की सराहना करता हूँ, बजाए इसके कि गलत आत्मा और सही शिक्षा पर भविष्यद्वक्ता का हवाला दिया जाए, जो कि आज झूठी शिक्षाओं के खुलासे के खिलाफ एक गीत सा ही बन गया है।

मुझे आपकी अवधारणा पर हैरानी हुई, क्योंकि एक चरवाहे के रूप में आप पर स्त्रियों और पुरुषों के प्राणों का दायित्व है; पर तुम ने तो परमेश्वर के वचन और सन्देश को इतना सस्ता और आम बना दिया है, कि आप इसे सेवादारों के उन विभिन्न विचारों के मामले में बिगाड़ते चले जा रहे हैं, जिनकी ना केवल भर्त्सना की जानी चाहिए, बल्कि सही या गलत शिक्षा को सत्य या गलती के रूप पहचाना भी जाना चाहिए। यह सच है, कि सब लोगों को अपनी भावानाओं का इज़हार करने का अधिकार है, जो कि ''बोलने और धर्म की आज़ादी'' है, और इसका सम्बंध राजनीति से भी है; लेकिन वचन के अनुसार तो किसी भी मनुष्य को परमेश्वर के वचन और सन्देश में ना तो कुछ जोड़ने का और ना ही कुछ बाहर निकालने का कोई हक है; क्योंकि बाइबल और सन्देश एक ही प्रकाशन हैं; और चाहे स्वर्ग से भी कोई दूत आ जाए, और उस प्रकाशन को बदलने का प्रयत्न करे, तो वह स्रापित ठहरे, जैसाकि भाई पौलुस ने (गलतियों 1:8-9) में कहा था।

आप की वह अवधारणा, जिसे आप थामें हुए हैं, कि किसी दूसरे व्यक्ति की शिक्षा का खंड़न नहीं करना चाहिए, वचन और प्रेरितों की शिक्षा के विपरीत है; यहूदा ने विश्वास की रखवाली करने के लिए कहा था, और उसने सन्देश के झूठे प्रचारकों को प्रतिकूल नाम दिये थे (यहूदा 1) और ठीक ऐसा ही पतरस ने किया था (दूसरा पतरस दूसरा अध्याय), और प्रेरित पौलुस ने भी अपनी कई पत्रियों में ऐसा ही लिखा; और यीशु ने भी मत्ती के 23वें अध्याय में ऐसा ही किया था। और आपकी अवधारणा के अनुसार उनके पास गलत आत्मा थी पर उनकी शिक्षा सही थी; और तुमने ठीक उसी नाप से सुदूर अफ्रिका बैठकर यहाँ कैरीबियन में मेरी आत्मा को परख डाला, और जबकि तुम ने मुझ शख्स को ना तो कभी देखा और ना ही कभी बातचीत की; **भाई, यह तो सच्चोंच आत्मिक काम हो गया है! बेहतर होगा, कि आप अपनी आत्मा और अपनी शिक्षा को परखें। आपकी चिट्ठी से गलत आत्मा का समर्थन करने वाले एक ऐसे व्यक्तित्व की बू आ रही**

थी, जो उस खेमे और उस शिक्षा का समर्थन करता है, जो परमेश्वर के वचन और भाई ब्रन्हम के सन्देश के विपरीत है। हो सकता है, कि आप ने भाई ब्रन्हम का ''अभियोग'' शीर्षक से दिया गया सन्देश ना सुना हो, उन्होंने निश्चय ही ''समझौता करनेवाला ढ़ोंगी रवैया'' नहीं दर्शाया था, लेकिन हो सकता है, कि आपकी ढुलमुल अवधारणा के अनुसार उनके पास गलत आत्मा हो। क्या आपने कभी भी पौलुस द्वारा तीमुथियुस की लिखी वे उत्साहवर्धक बातें नहीं पढ़ी हैं, जिसमें वह उससे झूठी शिक्षाओं के कारण तथा उन लोगों के कारण जो अपने कानों की खुजली मिटाने के लिए प्रचारको को खिलाने-पिलाने का इंतज़ाम करते थे,डाँटने की बात तथा ऐसी ही और दूसरी बातें कहता है?

आपके प्रश्न के लिए मेरा उत्तर ''हाँ'' है। मैं तो किसी भी सेवादार भाई से यही चाहूँगा, कि वह उसका पवित्र वचनों से और सन्देश से खंड़न करे, जो मैंने प्रचारा है, या जो मैंने लेखों, ट्रेक्टों, किताबों और इन्टरनेट कवररेज में छापा है; लेकिन ऐसा सिर्फ वचन से या सन्देश के द्वारा ही किया जाए, ना कि न्यू यॉर्क, कनाडा, या संसार के किसी भी भाग से सातवीं मोहर/सातगर्जनों या सात तुरहियों पर काल्पनिक अवधारणा के द्वारा नहीं होना चाहिए।

आपका हवाला सात कलीसियायी कालों की पुस्तक से पेज़ 327 से था, और मैं इस हवाले को खूब जानता हूँ; परन्तु ऐसा कैसे हो सकता है, कि वह जिसका प्रचार सन् 1960 में किया गया था, सात गर्जनों के विषय पर जो सन् 1963 में स्पष्टीकरण(मोहरों की पुस्तक के पेज़ 567-575 तक में) दिया गया था, उसपर अपनी सर्वोच्चता कायम कर लें, जबकि भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि सात गर्जन एक अनजानी भाषा में थे, और इसे उन पर प्रकट नहीं किया गया था? आप भाई ब्रन्हम द्वारा ''बालविहार'' पर दी गई टिप्पणी का उपयोग यहूदा की''विश्वास की रखवाली'' (युद्ध करने, लड़ाई)करने वाली टिप्पणी से मिलाकर कैसे कर सकते हैं?बहुत से प्रचारक नबी की बातों और टिप्पणियों को गलत जगह पर फिट करके ऐसा बना देते हैं, कि मानो वह उनकी कायरतापूर्ण अवधारणा के मुताबिक बोल रहा हो।

वे भाई जिनसे सहायता लेने के लिए आपने नाम सुझाये हैं, वे जरमियाह, चिकोसी हैं..(अगर मैं उन्हें बुला भी लेता हूँ) तो वे अपनी काफी ख्याति खो चुके होंगे, इससे पहले कि वे कभी मुझ से सम्पर्क भी करें, और ऐसा आपकी उस पहल के कारण ही है जो आपकी पहल कमजोर और वचन के मुताबिक नहीं है और आपकी यह पहल चिट्ठी-पत्री के द्वारा है। यदि वे भी ठीक उसी विचारधारा का ढिंढोरा पीटते हैं जिसका आप ढिंढोरा पीटते हैं, कि **विश्वास के लिए कोई लड़ाई ना करें, तो फिर वे उस युद्ध में किसी मकसद को हल नहीं करेंगे, जो यहाँ कैरीबियन में इन समस्त झूठे भविष्यद्वक्ताओं, झूठे प्रचारकों, झूठी शिक्षाओं, झूठे सम्प्रदायों, और कुपंथों के खिलाफ प्रचंड़ रूप**

में छिड़ा हुआ है। जैसाकि आपने अपनी गवाही दी है, कि आप शिक्षाओं के समस्त मतभेदों से मुक्त हैं, तो मैं समझता हूँ, कि वे किसी काम के नहीं ठहरेंगे, जैसाकि हमें तो उन मज़बूत सिपाहियों की ही आवश्यकता है जो इस प्रकार की ढुलमुल विचारधारा को नहीं मानते हैं, कि ''मत लड़ों'', ''ज़ोर लगाकर रखवाली मत करो'', ''मत चखो'',''मत हाथ में लो'', और ''दूसरे प्रचारकों के विचारों की खिलाफत में मत आओ'', जो कि निश्चय ही प्रेरितों वाली शिक्षा नहीं है।

हमारे द्वारा लिखे गये लेखों के खिलाफ आपके द्वारा लिखे गए और भी रचनात्मक पत्र की मैं सराहना करूँगा, बेशक उसे हमारी शिक्षाओं का परमेश्वर के वचन और भाई ब्रन्हम के सन्देश के द्वारा खंड़न करना होगा; चाहे हमने अपने विषयों को ऐसे ही क्यों न प्रस्तुत किया हो–पंक्ति पर पंक्ति, सन्देश पर सन्देश! मैं सुनिश्चित हूँ, कि आप अपने कुछ निज पत्रों को हमारी पुस्तक और वेबसाइट पर बिना शर्मिन्दगी के पढ़कर सराहना करेंगे। यकीनन आपकी पहली चिट्ठी आप पर ज्यादा शर्मिन्दगी लेकर आयेगी; अतः मैं जो आपका एक सेवदार भाई के रूप में सम्मान और प्रेम करता हूँ, उसके कारण मैं उसका उपयोग करने से पहरेज़ करूँगा।

होने पाये, कि खुदावंद आपको बोलने की हिम्मत से और वचन को फैलाने की वचन-मुताबिक अवधारणा से आशीषित करे; जैसाकि यहूदा ने भी शेष प्रेरितों के साथ मिलकर इस बात का एक नमूना ठहराया था; हमारे भाई ब्रन्हम ने भी इस बात को तरज़ीह दी थी। जब तक आप के पास वचन और सन्देश के मुताबिक कहने के लिए कोई रचनात्मक बात है, आप हमें चिट्ठी लिखने के लिए आज़ादी महसूस करें।

आपका दास-भाई डॉल्टन ब्रूस

इन पत्रों और पुस्तकों के द्वारा हमने सातवीं मोहर/सात गर्जनों के विषय पर जो विचारधारा के दूसरे शिक्षालय की बुनियादी कमजोरी पर विचार-मनन किया है; और उसकी यह बुनियादी कमजोरी स्पष्ट रूप से उज़ागर हो गई है; वहीं विचारधारा के प्रथम शिक्षालय की अचूकता स्पष्ट प्रमाणों सहित प्रकट हो गई है–और इस शिक्षालय का निर्माण उसी बुनियाद पर हुआ है जिसे भविष्यद्वक्ता ने रखा था। विचारधारा के दूसरे शिक्षालय के अगुवाओं और शिक्षार्थियों का निमार्ण उस एक काल्पनिक-मन गढ़ंत भ्रम पर हुआ है, जो कहता है, सातवीं मोहर/सात गर्जनों का भविष्यद्वक्ता के द्वारा रहस्यामयी ढ़ंग से खुलासा कर दिया गया था; और जब इस पर उन्हें चुनौती दी जाती है, तो वे इसे किसी एक अकेले हवाले के द्वारा साबित भी नहीं कर पाते हैं; और यह कहना जरूरी नहीं है, कि जब उन से पूछा जाता है,''कब, और कहाँ और किस टेप पर भविष्यद्वक्ता ने इसे रहस्योमयी ढ़ंग से खुले तौर पर प्रचारा था, तो वे निरुत्तर पाये जाते हैं। मलाकी 4:4-6 को, एलिय्याह को, प्रकाशितवाक्य 10:7 को इसलिए नहीं भेजा गया था, कि वह कलीसिया पर गुप्त भेदों, दृष्टान्तों, गहरे

वाक्यों और प्रतीकों के रूप में प्रचार करे, जैसा कि बाइबल के लेखों में देखने को मिलता है, मगर उसे तो पुस्तक के भीतर छिपे गुप्त भेदों को प्रकट करने के लिए भेजा गया था। हो सकता है, कि वे कहें, कि इसका रहस्योमयी ढ़ंग से ठीक वैसे ही प्रचार किया गया था जैसेकि छठवीं मोहर के तहत तुरहियों का प्रचार दिव्य-आलौकिक रीति से किया गया था। यद्यपि तुरहियों का छठवीं मोहर के तहत दिव्य-आलौकिक रीति से प्रचार किया गया था, फिर भी भाई ब्रन्हम ने उसके प्रकट होने के लिए आगे को राह ताकी थी; और उन्होंने इसे लोगों के ऊपर यूँ ही नहीं छोड़ दिया था, कि वे इसकी तस्वीर खींच डालें, लेकिन बाद में आगे चलकर उन्होंने कहा था, कि यह मूसा और एलिय्याह की सेवकाई है। ''रहस्योमयी ढ़ंग से'' और ''दिव्य-आलौकिक रीति से'' ये दो बिलकुल अलग-अलग बातें हैं। अतः यह बात इसका प्रतिचित्रण नहीं करती है, या इस दावे को तर्कसंग नहीं ठहराती है, कि भाई ब्रन्हम ने सात गर्जनों का रहस्योमयी ढ़ंग से प्रचार किया था।

सातवीं मोहर/सात गर्जनों के विषय पर संक्षिप्त विवरण- विचारधाराओं के दो शिक्षालय

इस अति विस्तार विषय(सातवीं मोहर/सात गर्जन-विचारधाराओं के दो शिक्षालय) के संक्षिप्त विवरण में यह उल्लेख करना अति आवश्यक है, कि विश्व के विभिन्न भागों में पाये जाने वाले उन सेवकगणों और विश्वासियों के उन कुछ तथ्यों का वर्णन किया जाए, जिनका वे बड़े ही ज़ोरदार ढ़ंग से और अचूक तथ्यों के द्वारा ऐलान करते हैं, कि सातवीं मोहर/सात गर्जनों का भाई ब्रन्हम के द्वारा सन् 1963 में खुलासा नहीं किया गया था; और वे ऐसा अपनी ही सहुलियत के लिए करते हैं। इससे यह अनिवार्य तो नहीं हो जाता है, कि यह उन्हें विचारधारा के पहले शिक्षालय के सेवकगण और शिक्षार्थी के रूप में योग्य ठहरा दे। उन सभों की सात गर्जनों के प्रकाशन के मामले में विभिन्न गलत अवधारणाएं हैं।

उनमें से बहुतेरों ने तो खुद ही अपने को आठवें कलीसियायी काल के दूत, भविष्यद्वक्ता, मसीह, मनुष्य का पुत्र, इन्ड़ियन चीफ, यहोशू, श्वेत उकाब, एलीशा, और असली सातवें दूत के रूप के रूप में नियुक्त कर लिया है। हमारे क्षेत्र में ऐसे उन बहुतेरे लोगों का, जिन्होंने खुद अपने आपको उतना ऊँचा उठाया है, हमारी पिछली पुस्तक'' निन्दायोग्य कुपंथों का खुलासा-पुस्तक संख्या.4-शिक्षाओं के आधार पर पाँच बड़े अलगाव'' में ब्यौरा पाया जाता है। (पुस्तक को पढ़ने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाया जा सकता है, या हम से यह पुस्तक उस पते से मंगवायी जा सकती है, जो पुस्तक में पीछे दिया गया है, या पुस्तक के लिए हमारे पते पर फरियाद की जा सकती है, कि उन्हें आपके पास भेज दिया जाए) उस पुस्तक को माँगने के लिए लिखा जा सकता है, जो सन् 2000 में लिखी गई थी, और जिसका शीषर्क है'' भाई ब्रन्हम की नई सेवकाई बिगाड़ डाली गई''

हम इस बात में पूरी तरह से सचेत हैं, कि हमारे काम का इस्तेमाल ऐसे नकलचियों के द्वारा ''1963 में सात गर्जनों के खुलासे'' को गलत साबित करने के लिए, और अपने अपने निज स्वार्थों को ऊपर उठाने के लिए, और खुद अपना प्रचार इस किस्म का करनें के लिए, कि वे ही एक ऐसे हैं, जो इस समय जन साधारण पर सात गर्जनों के प्रकाशन का खुलासा कर रहे हैं, किया जायेगा। हम इस बात में भी पक्के हैं, कि भाई ब्रन्हम का''अधोलोक का भवन'' वाला सपना भी ऐसे झूठे नबियों के द्वारा यह साबित करने के लिए बड़े ही प्रभावशाली ढ़ंग से इस्तेमाल किया जायेगा, कि वे जो उनके प्रकाशनों का विश्वास नहीं करते हैं, वे सब के सब उसी अधोलोक के भवन में हैं, और वे उन प्रचारकों के द्वारा छुड़ौती की आवश्यकता में खड़े हुए हैं।

ऐसे झूठे भविष्यद्वक्ताओं द्वारा दी जाने वाली व्याख्या निश्चय ही बेमतलब और गलत इस्तेमाल में लायी जा रही हैं, क्योंकि भाई ब्रन्हम के सपने के मुताबिक संस्थाओं में से चुने हुओं की और सन्देश वाली संगतियों में सहभागिता करने वाले चुने हुए लोगों की छुड़ौती बोले हुए वचन की सामर्थ के द्वारा आती है। आप स्मरण करें, कि सात गर्जनों को वे बहुत से कार्य उत्पन्न करने हैं, जिन्हें उत्पन्न करने में विचारधारा का दूसरा शिक्षालय नाकाम रहा है– रूपान्तरण और सामर्थ के लिए नया नाम; स्वर्ग पर उठा लिये जाने वाला विश्वास, दुल्हन की बेदारी, मसीह की देह का एकीकरण; बोले हुए वचन की सामर्थ और परमेश्वर के न्याय, ये वे बातें हैं जो गर्जनों को उपजानी हैं। वर्तमान समय में ये बिगाड़ करनेवाले-नकलची ठीक उसी रीति से बेनकाब हो गए हैं, ठीक जैसे कि विचारधारा के दूसरे शिक्षालय के सारे प्रचारक और शिक्षार्थी हमारे काम में-अर्थात् ''सातवीं मोहर/सात गर्जनों के बिगड़े रूप'' में बेनकाब हो गये थे। वे सामर्थरहित हैं, उनकी परमेश्वर ने ना तो पुष्टि और ना ही पहचान करायी है; और उन सभों की नेंव मरी हुई शिक्षाओं की बौद्धिकता पर पड़ी हुई है; और वह प्रचार जो वो सभी जगह कर रहे हैं वचन के शब्दों पर ज़ोर देता है, मगर वे परमेश्वर की शक्ति का इंकार कर रहे हैं। पौलुस के द्वारा उनकी पहचान ''परमेश्वर के द्वारा त्यागे हुए'' के रूप में करायी गई है, जिन्हें अन्तिम दिनों में उठ खड़ा होना है-दूसरा तीमुथियुस तीसरा अध्याय!

सातवीं मोहर/सात गर्जनों की हकीकत के अनुसार सातवीं मोहर/ सात गर्जनों का जन-साधारण पर सात गर्जनों के उन प्रमाणों के बगैर खुलासा नहीं होना था, यह तो नये नाम और तीसरे खिंचाव के माध्यम से परमेश्वर की सामर्थ का सक्रिय प्रकटीकरण है। ये बेनकाब हो गए हैं और इनकी पहचान विचारधारा के दूसरे शिक्षालय के साथ हो चुकी है। आपको अवश्य ही यह याद रखना चाहिए है, कि उनमें से अधिकतर न्यू यॉर्क से आये अनुवाद और अनुवादक के तरफदार हैं। इसका एक सजीव-सटीक उदाहरण उस व्यक्ति का है जो हमारे पिछवाड़े रहता है, वह ''इन्ड़ियन-चीफ, यहोशू, पाँच सितारे वाला सेनानायक, श्वेत उकाब,

मनुष्य का पुत्र, सातवीं पिंडुक का धारक, वह जिसके हाथ में तीसरे खिंचाव की तलवार है'', है; और उसका बड़ी ही शानदार रीति से हमारी पुस्तक ,''भाई ब्रन्हम की नई सेवकाई बिगाड़ी गई'' में पर्दाफाश हो गया था। बिगाड़ करनेवाला एक वह शख्स, जिसने कई अखंड़नीय तथ्यों में बहुत बड़ा सहयोग दिया था,''निगर्मन''(The Exodus)वाली उस सेवकाई के चक्कर में पड़ गया और इस समय विभिन्न रीति से अपनी ही गवाही का इंकार कर रहा है। वह एक असम्भव काम है, क्योंकि ''दा चीफ के सन्देश, लिखित गीत, पिंडुक उकाब की अगुवाई कर रहे हैं'', वाली उसकी पुस्तक में उकाब पिरामिड पर चोटी का पत्थर रख रहा है; और पुस्तक पर जो जीवती गवाहियों के रूप में प्रतीक हैं, वे ये ही बताते हैं, कि वर्षो पहले वह उस पंथ से अलग हो गया था, जो अभी भी सत्य की गवाही देता है। **इन बिगाड़ करनेवालों के दावों का जो सबसे बड़ा और अचूक प्रमाण है, वह यह हकीकत है, कि वह जल्द ही बेनकाब हो गया और उसने इन दावों का अपने सन्देशों में या कहीं और इंकार कर दिया; परन्तु उसने अपने किसी दूसरे सन्देश में अपनी सेवकाई की पुष्टि की, जिसमें उसने कहा था, कि वह जो उस अनजानी भाषा के साथ है उसका उपहास उड़ाया गया है**–वह यहाँ पर खुद अपने आपको मसीह करके दर्शा रहा था जो रोमी सलीब पर इन सब दुखों को उठा रहा है; और यह सब उसके सतानेवालों के द्वारा, सनबल्लत और तोबीन के द्वारा किया गया है-यह उन के द्वारा किया गया है, जिनका उपयोग शैतान ने उस मन्दिर को तबाह करने के लिए किया गया जिसे अंत के दिनों में मसीह के लिए खड़ा करने के लिए उसको सेवकाई सौंपी गई थी। हालांकि इस समय ''इन्ड़ियन चीफ'' के द्वारा सनबल्लत और तोबीन का उपयोग उस नुकसान की भरपाई करने के लिए किया गया है, जो नुकसान उस मन्दिर का हुआ था। जिस सत्य की वह स्वतंत्र रूप से गवाही देता था, उसी का ही इंकार करने के लिए कुछ पत्र लिखे गए थे, और सम्भवतः इसे इन्टरनेट पर भी डाला गया था। यह बात पवित्र वचनों के विपरीत है, क्योंकि इस्राएल के इतिहास में कभी कोई ऐसा समय नहीं रहा है, जब ना तो कभी सनबल्लत का और ना ही तोबीन का मन्दिर के पुनर्निर्माण करने के लिए इस्राएल के द्वारा उपयोग किया गया हो। ऐसे प्रयास क्षीण और व्यर्थपूर्ण हैं; और मैं दोहराता हूँ, कि स्पष्ट प्रमाण तो यह है, कि उसने उन सेवकाइयों का इंकार नहीं किया है, जिनका वह पक्के तौर पर दावा करता है; परन्तु वह सामर्थविहीन है और उसने उसे नहीं उपजाया है जो सात गर्जन उपजायेंगे, जब उन्हें जन-साधारण पर खोला जाएगा।

अगर आप एक विश्वासी या प्रचारक के रूप में गर्जनों के इस मक्कड़ जाल में फंसे हुए हैं, जिसे विचारधारा के उस दूसरे शिक्षालय द्वारा उत्पन्न किया गया है, जो हजारों गलत व्याख्याएं और पंथ प्रस्तुत करता है, तो आपको निष्पक्ष और खुले दिमाग से प्रार्थनाओं और उपवास सहित हमारे काम पर सावधानीपूर्वक विचार-मनन करना चाहिए; क्योंकि यह आपके

प्राण का मामला है, यह आपकी मंड़ली के प्राणों का, आपके खानदान के प्राणों का, और आपके अज़ीजों के प्राणों का मामला है; क्योंकि यह एक काल्पनिक-मन गढ़ंत दिमागी छलावा है जिसने बहुत से भले लोगों को डुबाया हुआ है, और उन्हें दस इंची मोटी लोहे की सलाखों के पीछे गुफाओं और कीचड़युक्त कालकोठरियों में जो''सन्देश की संगतियाँ या सभाऐं'' कहलाती हैं, कैद में जकड़ कर रखा हुआ है। उस मरीचिका के पीछे चलना जिसके पीछे भीड़ की भीड़ चले जा रही है, अधोलोक के भवन से सम्बंध रखने वाली बात है। सत्य को भीड़ों के द्वारा जाँचा-परखा नहीं जाता है। पूर्व समय में परमेश्वर का सत्य तो हमेशा ही छोटे झुंड़ के पास रहा है, और आज भी ठीक वैसा ही है। छोटा झुंड़ विचारधारा के प्रथम शिक्षालय से, भाई ब्रन्हम के शिक्षालय से ही ताल्लुक रखता है।

कोई भी वह ईमानदार-निष्ठावान सेवकगण या कलीसिया का आम सदस्य इस विषय पर इस साधारण सी पहल को पढ़ता है, जिसमें गर्जनों पर भाई ब्रन्हम के हवालों को लिया गया है; और साबित किया गया है, कि इसे क्या उपजाना चाहिए, और इसकी उससे तुलना की गई है जो विचारधारा के दूसरे शिक्षालय ने उन्नतीस वर्षो में उपजाया है; और यदि वह परमेश्वर का चुना हुआ जन है, तो उसे अवश्य ही पवित्र आत्मा ने समझाया होगा, कि वे लोग उसके बिलकुल भी करीब नहीं पहुँचे जो गर्जनों से उत्पन्न करने की अपेक्षा की जाती है; परन्तु वे तो सन्देश से वैसे ही दूर चले गए जैसाकि भाई ब्रन्हम ने बोला था, कि तुम अपने आपको सत्य-पथ से भटका लोगे; सातवीं मोहर की कोई व्याख्या ना करना, गर्जनों में से कोई मत या वाद ना बनाना; ऐसा करके तो तुम और भी भटक जाओगे। और बिलकुल ठीक वैसा ही हुआ है।वे आज सन्देश से और भी ज्यादा दूर हो गए हैं। उन्होंने मलाकी 4 के सन्देश की पवित्रताई को तहस-नहस कर दिया है, और उनकी मूर्खता जग-जाहिर हो गई है, जैसाकि वे शक्तिविहीन हैं और वह उत्पन्न नहीं कर सकते हैं जो गर्जनों से उत्पन्न करने की अपेक्षा की जाती है। ऐसे यन्नेज ओर यम्ब्रेज का, मूसा की सेवकाई के नकलचियों का, जो परमेश्वर की सृष्टि करनेवाली सामर्थ का प्रकटीकरण नहीं कर पाये थे, और भी खुलासा आ रहा है। ये सारी प्रतिज्ञाएं मसीह की दुल्हन के द्वारा उपयुक्त समय पर और उपयुक्त ऋतु में मसीह के आगमन और दुल्हन के रूपान्तरण के करीब पूरी कर दी जायेंगी।

अगर आपने इस विषय पर हमारी इस पहल को गलत समझा है, तो इसी जगह यह जान लिया जाए, कि हमने अपने समस्त लेखों में शैतान के प्रबंध और अंत समय के झूठे अभिषिक्तों पर ही निशाना साधा है, जिनके लक्ष्य, ख्वाहिशें और मकसद सिर्फ मलाकी 4 के सम्पूर्ण सन्देश को तबाह करना है, जैसाकि

उन्होंने इस सन्देश के पवित्रता वाले भाग को तबाह कर दिया है, और सातवीं मोहर/सात गर्जनों की प्रतिज्ञाओं को दूषित कर डाला है; और वे इनका आत्मिककरण कर रहे हैं और दिमागी ज्ञान से इसे इसके असली अर्थो से परे समझा रहे हैं। ऐसा इसीलिए किया जा रहा है, ताकि अंत समय की दुल्हन को और पाँच प्रकार की सेवा को शक्तिविहीन और भूबन्धित रखा जाए।

हम सचेत हैं, कि हमारे इस काम और विचारधारा के दूसरे शिक्षालय के खुलासे में अनेकों खिलाफतें की गई होंगी। बहुत से तो उसी विचारधारा में पैदा हुए, और वे उसी में पले-बढ़े; और कई वर्षों में उसी में स्थापित हो गए। यह उनके लिए इसे समझने हेतु लगभग अबोध्य(ना समझने योग्य) बना देता है, कि ऐसा बड़ा काम शैतान का और झूठे अभिषिक्तों का एक प्रबंध है। परन्तु हम इसे इसी आशा और भरोसे के साथ लिखते हैं, कि मसीह की भेड़ उसकी आवाज सुनेंगी। वस्तु-बोध की यह समझ वैसे ही काम करेगी जैसे इसने सामरी स्त्री के साथ काम किया था। वे सातवीं मोहर के तथ्यों की तुलना विचारधारा के दूसरे शिक्षालय की मन-गढ़ंत बातों से करेंगे।

यद्यपि हमारे कार्य में कई नामों को शामिल किया गया है, लेकिन फिर भी हम इन लोगों से इंसान के रूप में प्रेम करते हैं, और हम उनके विनाश की अभिलाषा नहीं रखते हैं, लेकिन हम यही दुआ करते हैं, कि वे सारे के सारे प्रायश्चित कर लें, जैसाकि हमारा प्रभु भी इसी बात की अभिलाषा रखता है, कि वे ऐसा करें। हम यकीन करते हैं, कि विचारधारा के दूसरे शिक्षालय की हर एक संगति में चुने हुए प्रचारक और विश्वासी हैं, लेकिन उन्हें झूठे अभिषिक्तों के द्वारा कैद में जकड़ा हुआ है। हम प्रतिज्ञा की गई पवित्र आत्मा की बारिश के लिए बड़ी आशा, और उम्मीद और व्याकुलता के साथ प्रतीक्षा करते हैं, जो सात गर्जनों की सारी प्रतिज्ञाओं के पूरा होने को घटित करेगी, और अधोलोक के भवन की सलाखों को तोड़ रही होगी, अतः इस प्रकार से हमारे उन सारे भाइयों और बहनों की छुड़ौती कर रही होगी, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह की दुल्हन को बनाते हैं, ताकि वे असली-सच्चे सात गर्जनों और पवित्र आत्मा की गतिशील सामर्थ के द्वारा बदल जायें और स्वर्गारोहण में ऊपर उठा लिये जायें। '' और तब ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब प्राणियों पर उंड़ेलूँगा...क्योंकि सिय्योन पर्वत पर और यरूशलेम में छुड़ौती होगी...''योएल 2:28-32!

उपलब्ध पुस्तकों की सूची

1. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा अनुवाद की बाधाएं''**
2. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा यरदन के तट पर माम्बा नामक सर्प''**
3. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा झूठे अभीषिक्त''**
4. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा संदेश के विश्वासियों के मध्य पांच मुख्य सैद्धान्तिक मतभेद''**
5. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा सात मुहरें/सात गर्जन दो विचार धाराएं''**
6. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–पवित्रीकरण के संदेश के पैमाने, झेठे गर्जनों की असफलता''**
7. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा इक्कीसवीं शताब्दी के प्राणों की फसल 'बनाम' अविश्वास''**
8. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा 8 पहचानें–7 गर्जनों की सेवकाई 'बनाम' नकलची''**
9. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''प्र0 एवं उ0–विवाद–7वीं मुहर/गर्जन/ईश्वरत्व एवं पुनुरुत्थान''**
10. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–चरवाहे, किराए के टट्टू ,बकरियाँ, भेड़िये एवं भेड़–प्र0 एवं उ0''**
11. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''7मुहरों से सम्बन्धित कुपन्थ : क्या,कौन,क्यों व कब? 'बनाम' सच्चा प्रकाशन–प्रश्न एवं उत्तर''**
12. **''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''सात गर्जनों के कुपन्थ 'बनाम' प्रभु का वास्तविक कार्यक्रम''**
13. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''सात गर्जन प्रश्न एवं उत्तर–नि0 कु0 का खु0 को चुनौती''
14. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''स्वर्गारोहण की सामर्थ के लिए पवित्र आत्मा का अन्तिम रूप से उँडेला जाना''
15. ''पिन्तेकुस्तलवाद, 100वर्ष, 'बनाम' पिन्तेकुस्त–पवित्र आत्मा का अन्तिम रूप से उँडेला जाना''
16. ''संदेश के अन्तर्गत पिन्तेकुस्तलवाद 'बनाम' यहोशु की पीढ़ी''
17. ''आत्मा के अन्तिम उँडेले जाने व स्वर्गारोहण की अन्तिम तैयारी''

''मलाकी 4:5–6 के संदेश का प्रथम शहीद''
राबर्ट ली लैम्बर्ट की जीवन कथा